

कार्यकर्ताओं के हमके वातावरण में जो बीजगणित रखा है, वह कुछ सोच समझ कर ही रखा है ।

जाना है, कि अध्यापक और विद्यार्थी हमारी इस पुस्तक को लाभदायक समझ कर अपनायेंगे और कुशाकरके हमें यह पता देंगे कि इस में बीजगणितीय तथ्यों का क्या है । इसके लिए हम उन के हित में और पुस्तक के दूसरे संस्करण को इस से और अधिक लाभकारी बना देंगे ।

—लेखक

Arc	चाप
Arithmetic	छंके गणित
Average	औसत, मध्यमान
Axis	अक्ष
Axis of X	सुजाप
Axis of Y	कोट्याप
Bankruptcy	दिवान्ता
Base	आधार
Bisect	द्विभक्त विभाग करना, दो बराबर भाग करना
Bisector	द्विभाजक
Boundary	सीमा
Bracket	कोष्ठक
Brokerage	दलाली
Capital	पूंजी
Centre	कन्द्र
Co-efficient	गुणक
Common	साव
Compound	मिश्र
Compound interest	चक्रवृद्धि ब्याज, सूद दर सूद
Congruent	समरूपमान
Construction	रचना
Converse	वित्रोत
Co-ordinates	निर्देशांक
Corresponding	समत
Cube	घन

IV

Graph	लेखा चित्र
Graphically	लेखा चित्र द्वारा
Graph Paper	वर्गीकृत पत्र
Hypotenuse	कर्ण
Interest	स्वयं, सुद
L. C. M.	ल० स०
Median	माध्यिका
Minus	अघ
Miscellaneous	विभिन्न, प्रकीर्ण
Multiple	अपवर्ण्य
Multiplicand	गुण्य
Multiplier	गुणक
Negative	अघ, अघात्मक
Origin	मूल बिन्दु
Parallel	समानान्तर
Parallelogram	समानान्तर चतुर्भुज,
Partial	आंशिक
Per cent	प्रतिशत
Perimeter	परिमिति
Perpendicular	सम्ब
Plus	धन
Point	बिन्दु
Positive	धन, धनात्मक
Presentworth	हालका धन
Principal (arith)	मूल धन

VI

Reduce	लघु करना, घोटा करना
Remainder	शेषरुद्ध
Rent	डिराया
Result	परिणाम
Rhombus	सम चतुर्भुज
Right	ठीक, हादिना
Root	मूल
Rule (noun)	नियम, रीत
Rule of signs	चिन्ह नियम
Scale	स्केल
Side (of a figure)	भुजा
Side (of an equation)	पक्ष
Sign, like	समान चिन्ह
Sign. unlike	विषम चिन्ह
Size	विस्तार
Solid	पिंड
Solve	हल करना
Speed	घाल
Speed, average	औसत घाल
Square	वर्ग
Squared paper	वर्गीकृत पत्र
Square root	वर्गमूल
Subtract	घटाना
Subtraction	बाकी, व्यवकलन
Surface	पृष्ठ, तल
Table	सारिणी

8 इंच	=	1 फीट
12 फीट	=	1 यार्ड

(७) डाक्टरी माप (रमों के लिये)

60 मिनिट	=	1 इंच
8 इंच	=	1 फीट
20 फीट	=	1 यार्ड

(८) लम्बाई के पैमाने

12 इंच	=	1 फुट
3 फुट	=	1 गज
5½ गज	=	1 पोल
40 पोल	=	1 कर्नांग
1760 गज = 2 कर्नांग	=	1 मील
3 मास	=	1 लीग
(22 गज	=	1 जरीब)

(९) धरातल के पैमाने

144 वर्ग इंच	=	1 वर्ग फुट
9 वर्ग फुट	=	1 वर्ग गज
30½ वर्ग गज	=	1 वर्ग पोल
40 वर्ग पोल	=	1 रुद
4810 वर्ग गज = १ रुद	=	1 एकड़
640 एकड़	=	1 वर्ग मील
(10 वर्ग जरीब	=	1 एकड़)

The Four Fundamental operations , Easy Factors of the types .—

$$(i) k(a + b + c) = ak + bk + ck$$

$$(ii) (a + b)^2 = a^2 + 2ab + b^2$$

$$(iii) a^2 - b^2 = (a + b)(a - b) ,$$

Simple equations involving one or two variables ; and easy quadratic equations of one variable which can be solved by factors , Graphs of statistics

Candidates will be provided with graph paper, if necessary

N. B.—The teachers while using the text-books in Mathematics should keep in mind that the international numerals should be used, and geometrical figures should be named with Roman letters.

मान लो कि लक्ष्मीनारायण की सम्पत्ति $= x$ रुपये, तो,

$$x + 2x = 6774 \text{ रुपये}$$

$$\text{अर्थात् } 3x = 6774 \text{ रुपये}$$

$$\text{या } x = 2258 \text{ रुपये}$$

$$\text{और } 2x = 4516 \text{ रुपये।}$$

इन दोनों क्रियाओं में अन्तर लो कुछ नहीं है, परन्तु दूसरी क्रिया पहली क्रिया से छोटी अवश्य है।

सादर्यों कि गणित की क्रियाओं में अन्तरों का मान निर्धारित नहीं होता। यह हमारी इच्छा है कि उनका जो मान हम चाहें निश्चित कर लें।

$$\text{जैसे } x + y = z$$

अब हममें x और y का जो मान हम चाहें निश्चित करें, परन्तु यह आवश्यक है कि उनका योगफल z के बराबर हो, क्योंकि ' x ' + ' y ' और ' z ' के बीच में बराबर का बिन्दु जितना दूरा है।

नियम—यदि किसी प्रश्न में किसी संख्या का किसी अन्तर द्वारा प्रकट करो, तो उस प्रश्न की सारी क्रिया में उस अन्तर में उसी संख्या को प्रकट करो, उस अन्तर का कोई और मान न लें।

विन्द और परिभाषाएँ

- (1) जब, जब, गुणा और भाग आदि के जो विन्द अंकों के साथ प्रयोग में आते हैं, वही अन्तरों के साथ भी काम में आते हैं, और इन्हीं अन्तरों की वही इच्छा है। परन्तु कुछ विचार करने की है किन्त्या किन्त्या इन अन्तरों पर हमारा अवश्य है। के लिये यह है—

- (१) यदि किसी राशि में पहले धन का चिन्ह हो तो उसे धनात्मक राशि कहते हैं और यदि उसमें पहले ऋण का चिन्ह हो तो उसे ऋणात्मक राशि कहते हैं ।

आदि में धन का चिन्ह साधारणतः नहीं लिखा जाता और इस व्यवस्था में भी उस राशि को धनात्मक कहते हैं ।

जैसे $x - y + z$ में x और z धनात्मक राशियाँ कहलावेंगी और y ऋणात्मक राशि ।

- (२) चिन्ह का शब्द बहुधा बेवजह धन अथवा ऋण के चिन्हों के लिये ही प्रयोग में आता है ।

- (३) जब दो व्यंजनों का गुणनफल प्रकट करता हो तो उनके बीच में साधारणतः गुणा का चिन्ह नहीं लिखा जाता ।

जैसे x, y का वही अभिप्राय है जो $x \times y$ का और a, b, c का वही अभिप्राय है जो $a \times b \times c$ का ।

शंको में यह रीति काम नहीं दे सकती । हम 3×2 को 32 नहीं लिख सकते, क्योंकि $3 \times 2 = 6$ और $32 = 30 + 2$ ।

- (४) जब कुछ व्यंजनों वाली राशियाँ धन तथा ऋण चिन्हों द्वारा आपस में सम्बन्धित हों, तो ऐसी राशियों के समूह को व्यंजक कहते हैं ।

जैसे $3x - 8y - 1$ एक व्यंजक कहलावेगा ।

- (५) व्यंजक को हर राशि को जिससे पहले धन अथवा ऋण का चिन्ह को पद कहते हैं ।

- (६) धन वा ऋण चिन्ह व्यंजक के पदों का भाग होते हैं । इन चिन्हों को पदों से अलग नहीं कर सकते ।

जैसे ऊपर के उदाहरण में $-8y$ एक पद है, इसे बेवजह $8y$ नहीं कह सकते, और यदि कहें तो इसका अर्थ $+8y$ हो जाएगा ।

कल्पित मान द्वारा श्रक्षरों का संख्यात्मक मान

प्रतीत करना

- (१) यदि किसी श्रक्षर को किसी संक से गुणा करना हो तो वह संक सर्रा श्रक्षर में पहुँचे लिखा जायगा।

जैसे $2y$ का अभिप्राय है $y \times 2$ यर्थात् y का दुगुना।

इसी प्रकार $3x$ का अभिप्राय है x का त्रीगुना।

संक और श्रक्षर के बीच में गुणन का चिन्ह नहीं लिखा जागा।

- (२) $2x$ वा $3x$ यदि देखा राशिवाँ हैं जिसका मूल्य हम हम समय तक नहीं बना सकते जब तक हम को यह न बना हो कि x किस संख्या के बराबर है।

यदि x का अभिप्राय किसी बरने के रूपों में हो, तो इस अवस्था में भी $2x$ एक अनिश्चित राशि है। हो, यदि यह पता हो कि बरने में 20 पाये हैं, तो स्पष्ट है कि $2x = 2 \times 20$ कावे और इस अवस्था में $2x$ एक निश्चित राशि बन गई।

अतः $2x = 40$; यदि $x = 20$

और $2x = 30$; यदि $x = 15$

- (३) हम जानने हो कि $5 + 7 + 9$ और $11 + 7 + 5$ के मान में कुछ अन्तर नहीं है। इसी प्रकार $x + y + z$ और $x + y + x$ के मान में भी कोई अन्तर नहीं होगा। संकेत में हम यह बताने दे कि कबलों का पारे किसी क्रम में हिनो, इस से उनके मान में कोई अन्तर नहीं होगा।

- (४) $x = 1$ वा $x = y$ में हो जानता है इसे अल्पतम मानक कहा जाईगा।

$x \div y \times z$ का अर्थ यह है कि x को y पर भाग देना है और जो भजनफल हो उसे z से गुणा करना है।

$x \div yz$ का अर्थ यह है कि x को y और z के गुणनफल पर भाग देना है।

अतः जब दो अक्षरों के बीच से गुणन का चिह्न निकाल दिया जाय तो उनका गुणनफल एक थकेली राशि माना जाती है।

$$\begin{aligned} \text{जैसे यदि } x &= 16, y = 2, z = 4 \\ \text{तो } x \div y \times z &= 16 \div 2 \times 4 = \frac{16}{2} \times 4 \\ &= 32 \\ \text{और } x \div yz &= 16 \div (2 \times 4) = \frac{16}{8} \\ &= 2. \end{aligned}$$

(१) यदि कुछ राशियों के बीच में धन, अण, गुणा और भाग के चिह्न मिले जुड़े हों, तो पहले उन राशियों की क्रिया करनी चाहिये जिनके बीच में गुणा और भाग के चिह्न हों, और फिर उन राशियों की जिनके बीच में धन और अण के चिह्न हों।

जैसे $x \times y - z \div ac \times l + m \times n$ की क्रिया इस प्रकार करो कि पहले $x \times y$ फिर $z \div ac \times l$ फिर $m \times n$ का मान प्रतीत करो। जो राशियाँ इस प्रकार प्राप्त हों उनका योगफल और व्यवकजन फल निकाल लो।

(६) यदि किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा किया जाय तो गुणनफल को उस संख्या की दूसरी शक्ति या घात कहते हैं।

जैसे 2×2 अर्थात् ४ को २ की दूसरी शक्ति या घात कहते हैं और इसे इस प्रकार लिखते हैं 2^2 , इसी प्रकार x^2 का अभिप्राय x की दूसरी शक्ति या घात है।

इसी प्रकार यदि किसी संख्या या अक्षर को उसी संख्या या अक्षर से दो बार गुणा किया जाय तो गुणनफल को उस संख्या या अक्षर की त्रिकशक्ति या घन कहते हैं ।

जैसे $4^3, b^3$ ।

उदाहरण (१) यदि $a = 1, b = 2, c = 3, d = 4$, तो $5a + 3c - 3b - 2d$ का मुख्य प्रतीत करो ।

$$5a = 5 \times 1 = 5$$

$$3c = 3 \times 3 = 9$$

$$3b = 3 \times 2 = 6$$

$$2d = 2 \times 4 = 8$$

$$\text{अतः } 5a + 3c - 3b - 2d = 5 + 9 - 6 - 8 \\ = 0 \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (२) यदि $a = 8, b = 5, c = 2$, तो $7a - 6b + 4c$ का मुख्य प्रतीत करो

$$7a = 7 \times 8 = 56,$$

$$6b = 6 \times 5 = 30,$$

$$4c = 4 \times 2 = 8,$$

$$\text{अतः } 7a - 6b + 4c = 56 - 30 + 8 \\ = 34 \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (३) $a = 4, b = 8, c = 12, d = 7$ तो $8a \div 3b \times 7c \div 2d$ का मुख्य बताओ

$$8a \div 3b = \frac{8 \times 4}{3 \times 8} = \frac{4}{3}$$

$$\frac{4}{3} \times 7c = \frac{4}{3} \times 7 \times 12 = 4 \times 7 \times 4 \\ = 112$$

$$112 \div 2d = 112 \div (2 \times 7) \\ = \frac{112}{14} \\ = 8 \quad \text{उत्तर}$$

$$(15) 6a - \{ 3b - \{ 2c - (d + k) \} \}$$

$$(16) 6b - 2\{ 3b - 2\{ 2c - 3\{ d + k \} \} \}$$

$$(17) 3ad - \{ cd + \{ ab - bd - ac \} \}$$

$$(18) \frac{2d - (a + b)}{ad} - \frac{4c - (a + d)}{ab} + \frac{8b + (c - a)}{ac}$$

$$(19) \frac{d - e}{a + (c - b)} - \frac{c - a}{d - (c - a)} + \frac{b + c}{c - (b - a)}$$

$$(20) \frac{2ca}{(d - b - a)} + \frac{5bc}{2c - (b + a)} - \frac{7ad}{8b - (c + a)}$$

$$(21) \text{ सिद्ध करो कि } (d + b - c)(d - b + c) \\ = d^2 - (b - c)^2$$

$$(22) \text{ सिद्ध करो कि } (c + b + a)(c - b - a) \\ = c^2 - (b + a)^2$$

$$(23) \text{ सिद्ध करो कि } (c - b + a)(c - b - a) \\ = (c - b)^2 - a^2$$

$$(24) \text{ सिद्ध करो कि } (cd^2 - c^2d) = (dc^2 + b^2c)$$

गणितों को जोड़ना, घटाना और कोष्ठक

परिभाषाएँ :-

एक वर वाले व्यंजक को एकपदी व्यंजक कहते हैं।

दो वरों वाले व्यंजक को द्विपदी व्यंजक कहते हैं।

तीन वरों वाले को त्रिपदी और तीन से अधिक वरों वाले को बहुपदी व्यंजक कहते हैं।

उदाहरण $x^2 - 1$ कहानी व्यंजक है।

$ab - cd$ द्विपदी व्यंजक है, $2a + b$ त्रिपदी और $x^2 + y^2$

बहुपदी व्यंजक है।

गुणनियमों, जिसमें x स्थान के गुणा करने से गुणनफल बनाने का नियम है या x वर वाले व्यंजक को गुणनफल का गुणनमानक कहते हैं।

समान चिन्हों वाले सजातीय पदों का जोड़

नियम (१) जब सजातीय पदों के चिन्ह समान हों तो पहले समान चिन्ह को लिखो, फिर सब पदों के संख्यात्मक गुणकों का जोड़ लिखो और इस जोड़ के आगे पदों के साबं अक्षर लिख दो, अर्थात् वे अक्षर लिख दो जो प्रत्येक पद में विद्यमान हैं।

नोट यदि किसी पद के पहले का चिन्ह न हो, तो उसे धनात्मक मानना चाहिये। धन पद जब किसी व्यंजक के आरम्भ में आ जाय तो साधारणतः $+$ का चिन्ह नहीं लिखा जाता।

उदाहरण (१) $5a, 11, 4a, a$ को जोड़ो।

यहाँ संख्यात्मक गुणक $5+1+4+1$ और समान चिन्ह $+$ है।

\therefore योगफल $= 13a$

उदाहरण (२) जोड़ो:—

$$-0x^2y^3 - 4x^2y^3 - 7x^2y^3 - 7x^2y^3$$

क्योंकि $0+4+5+7=25$ और समान चिन्ह $-$ है,

\therefore इस योगफल $= -25x^2y^3$

उदाहरण (३) योगफल बनाओ:—

$$\frac{1}{2}x - \frac{1}{3}x + \frac{1}{4}x - \frac{1}{5}x, \frac{1}{6}x - \frac{1}{7}x$$

$$\frac{1}{2}x - \frac{1}{3}x$$

$$\frac{1}{4}x - \frac{1}{5}x$$

$$\frac{1}{6}x - \frac{1}{7}x$$

$$\frac{1}{2}x - \frac{1}{3}x$$

$$\frac{1}{2} + \frac{1}{3} + \frac{1}{4} = \frac{13}{12}$$

$$\left(\frac{1}{4} + \frac{1}{5} + \frac{1}{6} + \frac{1}{7} = \frac{13}{14} \right)$$

$$\frac{1}{2}x - \frac{1}{3}x$$

यहाँ हमने व्यंजकों को इस प्रकार पंक्तियों में लिखा है कि सजातीय पद एक ही पंक्ति में हों। इसके परबान् हमने प्रत्येक पंक्ति के पदों का जोड़ दिया और उन्हें छोड़ छोड़ से योग की क्रिया आरम्भ की।

नियम चिन्हों वाले सजातीय पदों का योग देना

नियम - १। जब पद सजातीय हों और चिन्ह विपरीत हों, तो

अमानक गुणकों को एक साथ जोड़ लें और अमानक गुणकों को एक साथ, फिर वही संख्या में से दोहरी संख्या घटा दो और जो अन्तर प्राप्त हो उसके पहले वही संख्या का चिन्ह लिख दो। संख्या के दाहिनी ओर ये अन्तर लिख दो जो अगले पद में विद्यमान हैं।

उदाहरण (४) ओरो— $110. - 10. 75 - 50. - 80. - 0$

अमानक गुणकों का जोड़ = 19

अमानक गुणकों का जोड़ = 22

इनका अन्तर = 3, और वही संख्या का चिन्ह अमानक है।

∴ अन्तर = -33

विजातीय पदों का जोड़

नियम (१) जब पद विजातीय हों तो पहले समजातीय पदों को (यदि कोई हो तो) इकट्ठा करो, फिर किसी भी अंश में पदों को उनके चिन्हों सहित लिख दो।

उदाहरण (२) ओरो—

$30 - 20 - 70. 10 - 75 - 10$ और $70 - 90 - 110$

मिना—

$20 - 10 - 70 - 10 - 75 - 75 - 90 - 90 - 110$

$- 150 - 210 - 270$ अन्तर

उदाहरण (३) ओरो—

$40^2 - 10^2 - 30^2$ और $20^2 - 10^2 - 40^2 - 30^2 - 10^2 - 20^2$ और

$40^2 - 20^2 - 10^2$

$40^2 - 10^2 - 30^2$

$20^2 - 10^2 - 40^2$

$- 30^2 - 10^2 - 20^2$

$40^2 - 20^2 - 10^2$

$20^2 - 10^2 - 40^2$

$4 - 1$

1

$3 - 4$

१. ओरो वही पदों को जोड़ दो जो समजातीय हैं। २. अमानक अन्तर

प्रश्नावली २

निम्नलिखित व्यंजनों का योगफल निकालो:—

- (१) $a+b-c, -5a+b+4c, 3a-2b+3c, 2a+2b-3c$
- (२) $7x^2+5y^2+z^2, 2x^2-3y^2+3z^2, -4x^2-3y^2+2z^2, 6y^2-6z^2$
- (३) $6l-3a+2c, 2a-3l+c, 5c-2l-3a, -a-l-c$
- (४) $2lm-3xy+2p, 4xy-3p+5lm, -3xy+2p-4lm, 3lm+2xy-p$
- (५) $ab-bc+cd, bc-cd+ab, cd-ab-bc, ab-cd+bc$
- (६) $7+2x-3y+z, 5y-5+7z-3x, -8z-3y-12+2x, x+y+z-3$
- (७) $-a-c-b-d, 3a-d-2c, 2b+3d+c, 5a-2b+3c-2d$
- (८) $12p-3q+4pq, -pq-3p+2q, -6p+pq+2q, p-3pq+2q$
- (९) $5l^2-3m^2-2n^2, 2l^2+2m^2-n^2, -3l^2-2m^2-6n^2, 4l^2+m^2+n^2, 5n^2-l^2-m^2$
- (१०) $a^2+ab+3, 3a^2-7ab-2, -2a^2-ab-3, 3a^2+2ab+1, 4a^2-7+ab$
- (११) $a^2+3x^2+1, 3x^2-2a-7, 2a^2-3a+5, 2a^2-2a^2+a+1, a^2+2a^2+3, 1-a^2$
- (१२) $a^2-3a^2b+ab^2-b^2, -2x^2-3ab^2-2b^2, 6a^2b-3a^2b-b^2, a^2-3a^2b+2b^2$
- (१३) $2p^2-3pq+3q^2, 3q^2-5p^2+pq, 2pq-3p^2-3q^2, 3q^2+3p^2-3pq$
- (१४) $5x^2y-2xy^2-2y^2, 2x^2-3y^2+7xy^2, 2y^2-3xy^2-7x^2y, -x^2-y^2-3x^2y$
- (१५) $1+a-a^2+a^2-1+a+a^2-a^2-1+a^2, a^2-a, a^2+1-a^2, -a^2-a$
- (१६) $l-m, km, 2lm, m, m, lm, 2m, 2l+3lm$
 $-km, 2l, 2m, 2m, 1$

घटाओ:—

(१०) $6a-b+c-3d$ में से $3a+b-c-d$ को ।

(११) $6x-3y-4z+7$ में से $5x+2y-3z+9$ को ।

(१२) $5a^2-7ab-12$ में से $-3ab+2$

(१३) $3x-4x^2+7x^3-9$ में से $8-2x-8x^2-2x^3$

(१४) $5a^3-9a^2+3$ में से $4a^3-6a-3$

(१५) $ab-bc-cd-ad$ में से $-ab+bc-3cd$

(१६) $a^3-1-2a^2-3a+5a^4$ में से $3a^3-4a^2+6a^4-1$

(१७) $6x^4+36+8x^3-9x$ में से $3x^3-7+8x^2-3x$

(१८) $-x^3+\frac{1}{2}xy-4y^2+y^3-z^3$ को $x^3+\frac{1}{2}xy-2y^2+y^3-z-4x^3$ में से ।

(१९) a^3+b^3 में से $a^3+2ab+b^3$ और $a^3-2ab+b^3$ के योगफल को घटाओ ।

(२०) x^2+xy और $xy+y^2$ के योगफल को x^2+xy+y^2 और x^2-xy+y^2 के योगफल में से घटाओ ।

कोष्ठक

बीज-गणित में कोष्ठकों से बहुत काम लिया जाता है और वे बहुत उपयोगी होते हैं ।

() [] { }, इन चिन्हों को कोष्ठक कहते हैं । कोष्ठकों के भीतर के व्यंजक या पद को एक राशि माना जाता है ।

() लघु कोष्ठक, [] धनुकोष्ठक, और { } गुह्र कोष्ठक । कभी-कभी किसी व्यंजक की भिन्न-भिन्न राशियों को एक राशि बनाने के लिए कोष्ठक के स्थान में उन पदों के ऊपर एक झन्डा रेखा खींच देते हैं । इसे 'रेखा कोष्ठक' कहते हैं ।

उदाहरण $a+b+c$ में व्यंजक $b-c$ कोष्ठक में है ।

कोष्ठक खोलने के नियम

पहला नियम—

यदि कोष्ठक से पहले $+$ का चिन्ह हो, तो कोष्ठक के बाँच बाजे पदों के चिन्हों में कोई परिवर्तन दिये बिना कोष्ठक खोला जा सकता है।

दूसरा नियम—

यदि कोष्ठक के पहले $-$ का चिन्ह हो तो कोष्ठक खोलने की विधि यह है कि कोष्ठक के भीतर के सब चिन्हों को बदल दिया जाय, और कोष्ठक खोल दिया जाय।

नोट—यदि एक से अधिक कोष्ठकों का प्रयोग किया गया हो तो यह शक्ति लाभदायक होगी कि सबसे पहले अन्दर वाले कोष्ठकों को खोला जाय।

$$\text{उदाहरण (१)} \quad (12-3)-(8-4)$$

$$= 12-3-8+4 = 12+4-3-8$$

$$= 16-11=5$$

$$\text{उदाहरण (२)} \quad 32-[21-7c-(33-22)]$$

$$= 32-[21-7c-33+22]$$

$$= 32-[21-7c+33-22]$$

$$= 32-21+7c-33+22$$

$$= 7c-7c+7c=7c$$

नोट—(१) यदि कहीं ऐसा कोष्ठक हो तो सबसे पहले उसे खोला जाय।

(२) कोष्ठक खोलने के लिये सब चिन्हों को बदल देने में पहले पदों को हटाना ही लेना चाहिये।

$$\text{उदाहरण (३)} \quad 56-[23-11-11-11]$$

$$= 56-23+11+11+11$$

$$\begin{aligned}
 &= 5l - \{2m - \{3n - 4l - 3m + 4n + l\}\} \\
 &= 5l - \{2m - 3n + 4l + 3m - 4n - l\} \\
 &= 5l - 2m + 3n - 4l - 3m + 4n + l \\
 &= 5l - 4l + l - 2m - 3m + 3n + 4n \\
 &= 2l - 5m + 7n \quad \text{उत्तर}
 \end{aligned}$$

प्रश्नावली ४

सरल करो:—

- (१) $4p + (-3q - 5p)$
- (२) $(4a - 5b) + (-2a + 4b)$
- (३) $(6p - 2q) + (3q - 4p)$
- (४) $4p - (-3q + 5p)$
- (५) $(3a - 4b) - (-2a + 5b)$
- (६) $(l - 6m + 2n) - (-3n + 4m - 5l)$
- (७) $-2 - \{-3 - \{-4 - (-5 - 6)\}\}$
- (८) $-a - \{-3b - \{-2a - (-a - 4b)\}\}$
- (९) $-a - \{-b - \{-c - (-a - b - c)\}\}$
- (१०) $p + \{2q + 3 - 5p - (-q + 7) + 5\}$
- (११) $2p - (-3 + \overline{p - 2q - 5}) - 7$
- (१२) $2 - \{a - 3 - \overline{a - 4a - 5}\}$
- (१३) $5y - \{3x + \overline{2y - (4y - z) - 5z}\}$
- (१४) $2x - \{4y - \{3x - 11y - 4z\}\}$
- (१५) $-5a - 3b - 7c - \overline{-a - 2b - 3c}$
- (१६) $-3x - \overline{-4y - 5z - 6x} - \overline{7y - 8z}$
- (१७) $-2a - \overline{-4b - 5c} - \overline{6d - 7e}$
- (१८) $-f - \overline{-g - h} - \overline{2i - 3j}$
- (१९) $\overline{4k - 5l} - \overline{6m - 7n} - \overline{8o - 9p}$
- (२०) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (२१) $\overline{-x - y} - \overline{-z - w} - \overline{-a - b}$
- (२२) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (२३) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (२४) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (२५) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (२६) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (२७) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (२८) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (२९) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (३०) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (३१) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (३२) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (३३) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (३४) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (३५) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (३६) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (३७) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (३८) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (३९) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (४०) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (४१) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (४२) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (४३) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (४४) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (४५) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (४६) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (४७) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (४८) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (४९) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (५०) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (५१) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (५२) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (५३) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (५४) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (५५) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (५६) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (५७) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (५८) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (५९) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (६०) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (६१) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (६२) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (६३) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (६४) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (६५) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (६६) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (६७) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (६८) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (६९) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (७०) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (७१) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (७२) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (७३) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (७४) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (७५) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (७६) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (७७) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (७८) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (७९) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (८०) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (८१) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (८२) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (८३) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (८४) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (८५) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (८६) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (८७) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$
- (८८) $\overline{-i - j} - \overline{-k - l} - \overline{-m - n}$
- (८९) $\overline{-o - p} - \overline{-q - r} - \overline{-s - t}$
- (९०) $\overline{-u - v} - \overline{-w - x} - \overline{-y - z}$
- (९१) $\overline{-a - b} - \overline{-c - d} - \overline{-e - f}$
- (९२) $\overline{-g - h} - \overline{-i - j} - \overline{-k - l}$
- (९३) $\overline{-m - n} - \overline{-o - p} - \overline{-q - r}$
- (९४) $\overline{-s - t} - \overline{-u - v} - \overline{-w - x}$
- (९५) $\overline{-y - z} - \overline{-a - b} - \overline{-c - d}$
- (९६) $\overline{-e - f} - \overline{-g - h} - \overline{-i - j}$
- (९७) $\overline{-k - l} - \overline{-m - n} - \overline{-o - p}$
- (९८) $\overline{-q - r} - \overline{-s - t} - \overline{-u - v}$
- (९९) $\overline{-w - x} - \overline{-y - z} - \overline{-a - b}$
- (१००) $\overline{-c - d} - \overline{-e - f} - \overline{-g - h}$

गुणन में चिह्नों का नियम—

$$(+a) \times (+b) = +ab$$

$$(-a) \times (+b) = -ab$$

$$(+a) \times (-b) = -ab$$

$$(-a) \times (-b) = +ab$$

$$\text{नोट—}(1) -1 \times -1 = +1$$

$$-1 \times 1 = -1$$

$$1 \times -1 = -1$$

नोट—(२) बीज गणित में गुणन का चिह्न गुणा होकर दिया जाता है।

$$\text{जैसे } (2) \times (-3) \text{ का अर्थ है } 2 \times (-3) \\ = -6$$

सकता कि गुणन करने समय a का घातांक b के घातांक में जोड़ दिया जाय ।

नोट—(२) यहाँ हम यह मान लेते हैं कि जब m और n भिन्नात्मक या अन्त्यात्मक हों तो भी घातांक नियम भंग नहीं होता ।

$$\begin{aligned}\text{उदाहरण (१)} \quad 2a^2 \times 3a^3 &= 2 \times 3 \times a^2 \times a^3 \\ &= 6 \times a^{2+3} \\ &= 6 \times a^5 \\ &= 6a^5 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\text{उदाहरण (२)} \quad 3x^2y \times 4xy^2 &= 3 \times 4 \times x^2 \times x \times y^2 \times y \\ &= 12x^{2+1} \times y^{2+1} \\ &= 12x^3 \times y^3 \\ &= 12x^3y^3 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\text{उदाहरण (३)} \quad 4xyz^2 \times 5xy^2z \times 6x^2yz \\ &= 4 \times 5 \times 6 \times x \times x \times x^2 \times y \times y^2 \times y \times z^2 \times z \\ &= 120x^{1+1+2} y^{1+2+1} z^{2+1+1} \\ &= 120x^4y^4z^4 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

एकपदी व्यंजकों का गुणन

ऊपर जो उदाहरण दिये गये हैं उन से एकपदी व्यंजकों का गुणन-कृत निकालने की यह रीति प्राप्त हुई—

- (१) संख्यात्मक गुणकों का आपस में गुणन करके जो गुणनकृत प्राप्त हो, जिस जो ।
- (२) इसके परचाठ भिन्न भिन्न व्यंजकों में जो अक्षर हों उन में से कोई सा एक अक्षर जिस जो; और सारे व्यंजकों में उस अक्षर के जो जो घातांक हों उन सब को जोड़ कर उस अक्षर का घातांक जिस हो । फिर दूसरे तीसरे आदि सब अक्षरों के साथ

(३) यदि अष्टात्मक पदपदी व्यंजकों की संख्या विषम हो, तो गुणनफल में पहले अष्ट चिन्ह लिख दो अन्यथा धन चिन्ह लिखो।

उदाहरण (१) $+3a^3bc, -4ab^2c, 5abc^3$ का गुणनफल प्रतीत करो।

$$3 \times 4 \times 5 = 60$$

$$a^3 \cdot a \cdot a = a^4$$

$$b \cdot b^2 \cdot b = b^4$$

$$c \cdot c \cdot c^2 = c^4$$

वेचल एक व्यंजक के पहले अष्ट चिन्ह है,

$$\therefore \text{गुणनफल} = -60 a^4 b^4 c^4 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) $x^3, -7xy, -12y^3, -3xy, -4x^3$ और $5y^3$ का गुणन करो।

$$\text{गुणनफल} = (1) (-7) (-12) (-3) (-4) (+5) x^3 \cdot x \cdot x \cdot x^3 \cdot y \cdot y^3 \cdot y \cdot y^3$$

$$= 5040 x^6 y^6 \text{ उत्तर।}$$

इस उदाहरण में अष्ट चिन्ह चार बार आया है और 4- सव संख्या है, इस लिए गुणनफल के पहले धन चिन्ह होगा, जो छोड़ दिया गया है।

प्रश्नावली ५

गुणा करो:—

(१) $2a$ को 3 से।

(२) $3a$ को 3 से।

(३) $-2a$ को 4 से।

(४) a को $2a^3$ से।

(५) $-2x^2$ को x से।

(६) $-3ab$ को $2ab$ से।

(७) 3 को $4b$ से।

(८) $-5x$ को $2y$ से।

(९) $-5x$ को $3y$ से।

(१०) $7x^2$ को $2y$ से।

(११) abc को abc से ।

(१२) a^2b को $-b^2c$ से ।

(१३) $-a^2$ को x^2 से ।

(१४) $-2a^2$ को $-3ab$ से ।

(१५) $4x^2$ को $-2x^2$ से ।

(१६) p^2 को $-p^2$ से ।

(१७) $-p^2 q$ को $-pq^2$ से ।

(१८) $-3p^2 q$ को $2pq^2$ से ।

(१९) $a^2b^2c^2$ को ab^2c^2 से ।

(२०) $|a|$ को $|b|$ से ।

किसी संयुक्त व्यंजक का एकपदी व्यंजक में गुणन करना ।

अब किसी संयुक्त व्यंजक को एकपदी व्यंजक से गुणा किया जाता है, तो संयुक्त व्यंजक के एक एक पद को एकपदी व्यंजक में गुणा किया जाता है, व्यक्तिगत गुणनफल के पदों को उचित चिह्न (+ या -) लगा कर उन सब को योग देने में गुणनफल प्राप्त हो जाता है ।

नोट— $(a-b)m = am - bm$, इसमें यदि $b=a$,

तो गुणनफल $(a-a)m = am - am = 0$ होगा ।

$$\therefore 0 \times m = 0$$

अतः यदि किसी राशि को शून्य से गुणन किया जाय तो-गुणनफल शून्य होता है ।

उदाहरण (१) $a^2 + b^2$ का ab से गुणन करो ।

$$(a^2 + b^2) ab = a^2(ab) + b^2(ab)$$

$$= a^2b + ab^2 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) $a^2b - 3ab^2$ का $(-2a^2b^2)$ से गुणन करो ।

$$(a^2b - 3ab^2) (-2a^2b^2)$$

$$= a^2b(-2a^2b^2) - 3ab^2(-2a^2b^2)$$

$$= -2a^4b^3 + 6a^3b^3 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (३) $4a^4 - 6a^3b + 8a^2b^2 - 6ab^3 + 4b^4$ को $3a^2b$ से गुणन करो ।

गुणन की क्रिया इस प्रकार लिखी जा सकती है —

$$4a^4 - 6a^3b + 8a^2b^2 - 6ab^3 + 4b^4$$

×

$$3a^2b \text{ उत्तर}$$

करो और जो जो फल प्राप्त हों उनके पहले उचित चिन्ह (+ या -) लगा कर सब को जोड़ लो, तो पूरा गुणनफल प्राप्त हो जायगा।

उदाहरण (१) $3x^2 - 4xy$ को $2x^2 + 3y^2$ से गुणा करो।

$$\begin{aligned}\text{गुणनफल} &= (3x^2 - 4xy) (2x^2 + 3y^2) \\ &= 3x^2 \cdot 2x^2 + 3x^2 \cdot 3y^2 - 4xy \cdot 2x^2 - 4xy \cdot 3y^2 \\ &= 6x^4 + 9x^2y^2 - 8x^3y - 12xy^2 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (२) $a^2 + b^2$ को $a^2 - b^2$ से गुणा करो।

$$\begin{aligned}\text{गुणनफल} &= (a^2 + b^2) (a^2 - b^2) = a^2a^2 - a^2b^2 + b^2a^2 - b^2b^2 \\ &= a^4 - b^4 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

गुणन की विधि हम प्रकार भी जितनी चा सकती है:—

$$\begin{array}{r} a^2 + b^2 \\ a^2 - b^2 \\ \hline a^4 + a^2b^2 \\ \quad - a^2b^2 - b^4 \\ \hline a^4 \qquad \qquad - b^4 \end{array}$$

इसी विधि द्वारा ऐसे व्यंजकों का भी गुणन किया जा सकता है जिनमें दो से अधिक पद हों।

तुम जानते हो कि,

$$(a + b + c) m = am + bm + cm$$

अब यदि $m = x + y$, तो

$$\begin{aligned}(a + b + c) (x + y) &= a(x + y) + b(x + y) + c(x + y) \\ &= ax + ay + bx + by + cx + cy.\end{aligned}$$

देखो हम उदाहरण में पहले व्यंजक के प्रत्येक पद को दूसरे व्यंजक के प्रत्येक पद से गुणा किया गया है।

और सब का जोड़ गुणनफल का ही बन रहा है। व्यंजकों का गुणनफल प्राप्त हुआ।

से गुणा करके दूसरी पंक्ति के नीचे इस प्रकार लिखा कि सत्राशीस पर एक दूसरे के ठीक नीचे हों ।

उदाहरण (४) $3x-2x^2+4-x^3$ का $2+x^2-x$ से गुणन करो ।

दोनों व्यंजकों को x के घातों के आरोह क्रम में सत्राया—

$$4+3x-2x^2-x^3$$

$$\underline{2-x+x^2}$$

$$2 \text{ से गुणन} = 8+6x-4x^2-2x^3$$

$$-x \text{ से गुणन} = -4x-3x^2+2x^3+x^4$$

$$+x^2 \text{ से गुणन} = \quad +4x^2+3x^3-2x^4-x^5$$

$$\text{पूरा गुणनफल} = 8+2x-3x^2+3x^3-x^4-x^5$$

प्रश्नावली ७

गुणा करो :—

(१) $1+a+a^2$ को $1-a$ से ।

(२) $1-a+a^2$ को $1+a$ से ।

(३) a^2+ab+b^2 को $a+b$ से ।

(४) a^2-ab+b^2 को $a-b$ से ।

(५) $a^3+a^2b^2+b^3$ को a^2-b^2 से ।

(६) $a^4-a^2b^2-b^4$ को a^2+b^2 से ।

(७) $7a^3-12ab+9b^3$ को $3a^2-4b^2$ से ।

(८) $3x^2+xy-y^2$ को $2x-y$ से ।

(९) $6x^2+3xy+4y^2$ को $2x^2+xy-3y^2$ से ।

(१०) $7x^2-2x^2y-xy^2+4y^3$ को $3x^2+4xy+y^2$ से ।

(११) x^2-xy-y^2 को $x^2-x^2y+y^2$ से ।

(१२) $y^2+x^2-xy^2$ को x^2+y^2 से ।

- (१३) $2^2-2^2-2^2-2^2$ को $2-2-2=$ ।
 (१४) $2^2-2^2-2^2-2^2-2^2$ को $2-2-2$ को ।
 (१५) $2^2-2^2-2^2-2^2$ को $2-2-2-2$ को ।

उदाहरण उदाहरण उदाहरण—

- (१६) $2^2-2^2-2^2-2^2$ को $1-2-2$ को ।
 (१७) $2^2-2^2-2^2$ को $1-2-2$ को ।
 (१८) $1-2-2-2-2$ को $1-2$ को ।
 (१९) $2^2-2^2-2^2-2^2-2^2-2^2$ को $1-2-2$ को ।
 (२०) $2^2-2^2-2^2-2^2-2^2-2^2$ को $2-2-2$ को ।

भाग

(१) क के विभिन्न उदाहरण विभिन्न

$$\begin{aligned} 1-2 &= -1, 2-2 &= -2, 2-2 &= -2 \\ 2-2 &= -2, 2-2 &= -2, 2-2 &= -2 \\ 2-2 &= -2, 2-2 &= -2, 2-2 &= -2 \\ 2-2 &= -2, 2-2 &= -2, 2-2 &= -2 \end{aligned}$$

$$\text{उदाहरण } 1-2, 2-2, 2-2, 2-2$$

उदाहरण उदाहरण

$2-2-2=2-2-2$ को $2-2-2$ को $2-2-2$ को $2-2-2$ को $2-2-2$ को $2-2-2$ को

(२) क के विभिन्न उदाहरण विभिन्न

$$\begin{aligned} 2-2 &= 2, 2-2 &= 2, 2-2 &= 2 \\ 2-2 &= 2, 2-2 &= 2, 2-2 &= 2 \\ 2-2 &= 2, 2-2 &= 2, 2-2 &= 2 \\ 2-2 &= 2, 2-2 &= 2, 2-2 &= 2 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}
 x^3 \div x^2 &= x \quad x \quad x \quad x \quad x \div (x \cdot x) \\
 &= x \quad x \quad x \cdot x \quad x \div x \div x \\
 &= x \cdot x \cdot x = x^3 = x^{3-2}
 \end{aligned}$$

इसी प्रकार,

$$\begin{aligned}
 x^7 \div x^4 &= x^3 \\
 x^m \div x^n &= x^{m-n}
 \end{aligned}$$

धनः यदि एक ही राशि के दो घातों को एक दूसरे से भाग दिया जाए, तो भजनफल का घात भाग्य और भाजक के घातों के अंतर के बराबर होता है।

(३) सिद्ध करो कि $x^0 = 1$

$$\begin{aligned}
 x^m \div x^m &= 1 \\
 \text{परन्तु } x^m \div x^m &= x^{m-m} = x^0 \\
 \therefore x^0 &= 1
 \end{aligned}$$

(४) यदि हमें $x \times y$ को y से भाग देना हो, तो भाग की परिभाषा के अनुसार,

$$x \times y \div y = x$$

\therefore यदि $x \times y$ को y से भाग दिया जाए तो भजनफल x होगा है।

हमने यह सीखा हुआ कि यदि भाजक, भाग्य का एक गुणक हो तो भाज्य में से वह गुणक काट कर उचित चिन्ह लगा देने से भजनफल प्राप्त हो जावेगा।

उदाहरण (१) $5x^3$ को 5 से भाग करो।

जवाब है कि भजनफल x^3 होगा।

उदाहरण (२) $5x^3$ को x से भाग करो।

जवाब है कि

उदाहरण (३) $5x^3$ को x^2 से भाग करो।

जवाब है कि



उदाहरण (४) x^3 को x^2 से भाग करो।
यहाँ $x^3 = x^2 \times x$

$$\therefore \text{भजनफल} = x$$

उदाहरण (५) $9x^4y^3$ को $3x^2y$ से भाग करो।

$$\frac{9x^4y^3}{3x^2y} = \frac{3x^2y \times 3x^2y^2}{3x^2y} = 3x^2y^2$$

उत्तर

ऊपर दिये हुए उदाहरणों से यह परिणाम निकलता है कि किसी एकपदी व्यंजक को दूसरे एकपदी व्यंजक से भाग दिया जा तो भाज्य और भाजक के सार्वगुणक आपस में कट जाते हैं।

प्रश्नावली ८ (मौखिक)

भाग दो :—

- (१) $3x$ को 3 से।
- (२) $3x$ को x से।
- (३) $-3x$ को -3 से।
- (४) $-3x$ को 3 से।
- (५) $7abc$ को $7a$ से।
- (६) $7abc$ को $-7a$ से।
- (७) a^3 को a से।
- (८) a^3 को $-a$ से।
- (९) $-a^3$ को a से।
- (१०) $-a^3$ को $-a$ से।
- (११) a^5 को a^2 से।
- (१२) $-a^4$ को a^3 से।
- (१३) a^3 को a^2 से।
- (१४) a^3 को $-a^2$ से।
- (१५) $24x^6$ को x^2 से।

- (११) $21x^3$ को $-7x$ से ।
 (१२) $8a^2$ को $-4a$ से ।
 (१३) $-6ab$ को $-2a$ से ।
 (१४) $7a^2b^2$ को $-a^2$ से ।
 (१५) $-a^2b^2$ को $-a^2b^2$ से ।
 (१६) $-84a^2bc$ को $6a^2bc$ से ।
 (१७) $16a^2b^2c^2$ को $4a^2bc$ से ।
 (१८) $-21a^2x^2$ को $7a^2x$ से ।
 (१९) $83a^2b^2c^2$ को $-7ab^2c^2$ से ।

(५) किसी व्यंजक का ऐसे व्यंजक से भाग करना, जिसमें दो या दो से अधिक पद हों।

ऐसे प्रश्नों में हमें भाजक के पदों के कई एक ऐसे गुंज बनाने पड़ते हैं जिन्हें भाजक से भाग करने पर कुछ न बचे। इसके परपोर सब शेषिक भजनफलों को योग देकर पूर्ण भजनफल प्राप्त कर लेते हैं।

उदाहरण (१) $x^2+2xy+y^2$ को $x+y$ से भाग दो।

$$x^2+2xy+y^2 = x^2+xy+xy+y^2$$

$$\text{प्राप्त } \frac{x^2+xy}{x+y} = x, \text{ और } \frac{xy+y^2}{x+y} = y$$

$$\therefore \frac{x^2+2xy+y^2}{x+y} = x+y \quad \text{उत्तर}$$

यह क्रिया इस प्रकार भी लिखी जा सकती है:—

$$\begin{array}{r} x+y \overline{) x^2+2xy+y^2} \\ \underline{x^2+xy} \end{array}$$

$$xy+y^2$$

$$\underline{xy+y^2}$$

हमसे भाग करने की निम्नलिखित रीति निम्न धारें:—

(१) भाज्य और भाजक को किसी ऐसे चर के घातों के अघटित क्रम में रखावें जो दोनों व्यंजनों में घटमान हो ।

(२) भाज्य के पहले पद को भाजक के पहले पद से भाग करके जो पद प्राप्त हो उसे भजनफल के पहले पद के रूप में लिखो ।

(३) भजनफल के इस पहले पद से भाजक का गुणन करो और जो गुणनफल प्राप्त हो उसे भाज्य में से घटा दो ।

(४) जो कुछ बचे उसमें भाज्य के शेष पदों में से एक या दो पद जोड़ दो और इस प्रकार जो व्यंजक बने उसे पहले की तरह भाग करो ।

(५) यह लिया उम समय तक करते रहो जब तक कुछ शेष न रहे, या शेष का घात भाजक के घात से छोटा हो जाय ।

उदाहरण (२) $a^3 - 3a^2 + a - 3$ को $a - 3$ से भाग दो ।

$$\begin{array}{r}
 a-3 \overline{) a^3 - 3a^2 + a - 3} \\
 \underline{a^3 - 3a^2} \\
 a - 3 \\
 \underline{a - 3} \\
 0
 \end{array}$$

उदाहरण (३) $x^3 + a^3$ को $x + a$ से भाग दो ।

$$\begin{array}{r}
 x+a \overline{) x^3 } \\
 \underline{x^3 + ax^2} \\
 -ax^2 \\
 \underline{-ax^2 - a^2x} \\
 a^2x + a^3 \\
 \underline{a^2x + a^3} \\
 0
 \end{array}$$

नोट—देखो भाज्य में x^2 और x वर्तमान नहीं हैं, हम बिचे उनके स्थान मात्रो छोड़ कर a^3 को कुछ दूरी पर लिखा गया है।

उदाहरण (५) $x^3 - 3a^2x + 2a^3$ को $x + 2a$ से भाग दो।

$$\begin{array}{r}
 x + 2a \overline{) x^3 - 3a^2x + 2a^3} \\
 \underline{x^3 + 2ax^2} \\
 -2ax^2 - 3a^2x \\
 \underline{-2ax^2 - 4a^2x} \\
 a^2x + 2a^3 \\
 \underline{a^2x + 2a^3} \\
 0
 \end{array}$$

उदाहरण (५) $p^3 - 6p - (q^3 - 4q - 5)$ को $p + q - 5$ से भाग करो।

$$\begin{array}{r}
 p + q - 5 \overline{) p^3 - 6p - (q^3 - 4q - 5)} \\
 \underline{p^3 + pq - 5p} \\
 -pq - p - q^3 + 4q \\
 \underline{-pq} \underline{-q^3 + 5q} \\
 -p -q + 5 \\
 \underline{-p} \underline{-q + 5} \\
 0
 \end{array}$$

प्रश्नावली ९

इनका भजनफल प्रतीत करो.—

- (१) $(x^2 + 10x + 21) \div (x + 3)$
- (२) $(20x^2 + 67x + 56) \div (4x + 7)$
- (३) $(x^2 - 5x + 6) \div (x - 2)$
- (४) $(y^2 - 7y + 12) \div (y - 3)$
- (५) $(x^2 - 7x + 10) \div (x - 5)$

- (८) $(15x^2 - 61x + 56) \div (5x - 7)$
 (९) $(6p^2 - p - 15) \div (2p + 3)$
 (१०) $(35x^2 + 24x - 35) \div (7x - 5)$
 (११) $(9p^2 - 4q^2) \div (3p + 2q)$
 (१२) $(x^3 + 3x^2 + 3x + 1) \div (x + 1)$
 (१३) $(x^3 - 3x^2 + 3x - 1) \div (x - 1)$
 (१४) $(3x^2 + 4x^2 - 10x - 7) \div (3x + 7)$
 (१५) $6x^4 - x^3 + 5x - 6 \div 4x^2 \div 3x^2 - 2 \div a$
 (१६) $a^4 - 4a^3 - 18a^2 - 11a + 2 \div a^2 - 7a + 1$
 (१७) $12a^4 \div a^3 - 8a^2 \div 7a - 2 \div 3a^2 - 2a + 1$
 (१८) $2x^4 \div a^2 - 3x^2 - 9 \div 4x \div 2x^2 - 3 \div a$
 (१९) $4x - 1 - 8x^2 - 6x^4 - 11x^2 \div 1 - x - 3x^2$
 (२०) $3 - a^2 - 14a - 4a^2 \div a^4 - a \div 3 \div a^2$
 (२१) $1 \div a + a^2 \div a^3 \div a^4 \div a^5 \div 1 \div a^2 \div a^4$
 (२२) $3x^2 \div 3x^4 \div 2x^2 + 1 \div 3x^2 - x \div 1$
-

दूसरा अध्याय

सरल गुणनखण्ड EASY FACTORS

(1) जब कोई बीजीय व्यंजक दो या दो से अधिक राशियों का गुणनफल होता है, तो उनमें से हर एक राशि को उस व्यंजक का गुणनखण्ड कहते हैं।

किसी व्यंजक के गुणनखण्ड निकालने का यह अर्थ होता है कि जिन राशियों का परस्पर गुणन करने से व्यंजक प्राप्त होता है, उन राशियों को मान्य करना।

एकपदी व्यंजकों के गुणनखण्ड

गुणनखण्ड की परिभाषा के अनुसार जिन जिन राशियों का गुणन करने में दिया हुआ व्यंजक प्राप्त हो, वे सब राशियाँ उस व्यंजक के गुणनखण्ड कहाँ जाते हैं।

ab के गुणनखंड हैं	a, b
abc के गुणनखंड हैं	a, b, c
ab^2c के गुणनखंड हैं	a, b, b, c
$2x^2yz$ के गुणनखंड हैं	$2, x, x, y, z$
$-8x^2y^2z$ के गुणनखंड हैं	$-1, 2, 2, x, x, y, y, z$

$ak + bk$ के गुणनखण्ड

हम जानते हैं कि $a + b, k = ak + bk$

∴ $ak + bk$ के गुणनखण्ड = और $a + b$ है।

हमो प्रकार $x + k = xk$ के गुणनखण्ड = और $x + k$ है।

और $ak + bk = k(a + b)$ के गुणनखण्ड = और $a + b, k$ है।

इन उदाहरणों से यह परिणाम निकलता है कि जो गुरुनगर
बंजर के सब पदों का सारंगगुरु होता है, वह दो बंजर का एक
गुरु या गुरुनगर होता है।

बंजर को इस गुरुनगर पर भाग देकर दूसरा गुरुनगर
निकाला जा सकता है।

उदाहरण (१) $21^2 - 52^2$ के गुरुनगर निकालो।

देखो 21 दोनों पदों का सारंगगुरु है। इस लिए 21 इस बंजर
में एक गुरुनगर है। बंजर को 21 पर भाग देने से $21 - 52$
मिलकर आता हुआ।

१. $21^2 - 52^2 = 21 - 52$ इस

उदाहरण (२) $21^2 - 9^2 - 12^2$ के गुरुनगर निकालो।

21 दोनों पदों का सारंगगुरु है।

२. दिया हुआ बंजर = $21^2 - 9^2 - 12^2$ इस

पर हम समझें कि सारंगगुरु का एकदो बंजर हो होता है
दोनों का उदाहरण देखो :—

उदाहरण (३) $21^2 - 9^2 - 12^2 - 15^2 - 18^2$ के गुरुनगर
निकालो।

पद $21^2 - 9^2$ सारंगगुरु है।

पर $12^2 - 15^2$ का भी

ही दिया हुआ बंजर = $21^2 - 9^2 - 12^2$

= $21^2 - 9^2 - 12^2$

= $21^2 - 9^2 - 12^2 - 15^2 - 18^2$ इस

प्रदत्तवाक्य १०

गुणनखण्ड निकालो :—

- (१) $3ab + 7a^2$
 (२) $5x^2 - 15xy$
 (३) $12a^2x^2 - 2ax^2 + 4a^2x$
 (४) $6pq + 21pr$
 (५) $3ab - 3da$
 (६) $5x^2y^2 - 10x^2y - 15xy^2$
 (७) $4m^2n - 8m^2n^2 + 4mn^2$
 (८) $a^2bc + ab^2c - abc^2$
 (९) $6x^2pq - 10a^2pr + 2a^2ps$
 (१०) $7x^2y - 14x^2y^2 - 7xy^2$
 (११) $ax^2 - bx^2 - cx^2$
 (१२) $15abx^2 + 10abx - 25abxy^2$
 (१३) $a^2bc^2 - a^2bc^2 + a^2b^2c^2$
 (१४) $6p^2q^2 - 3p^2q - 3pq^2$
 (१५) $3mp + 2mp^2 - 5m^2p^2$
 (१६) $14a^2b^2 - 42a^2bc + 14a^2b$
 (१७) $6x^2y^2 - 2x^2y^2 + 4x^2y$
 (१८) $a^2bc^2 - abc^2 + ab^2c^2 - a^2b^2c$
 (१९) $3x^2yx - 3x^2y^2x - 3x^2yx^2$
 (२०) $\frac{1}{2}abc + \frac{1}{2}a^2c + \frac{1}{2}ac^2$
 (२१) $2a^2b - 4ab^2c + 2a^2c^2 + 2a^2c$
 (२२) $2x^2y^2x^2 - 3x^2y^2x^2$
 (२३) $60a^2x^2 - 125ax^2 - 75a^2x$
 (२४) $3p^2q^2r^2 - 6p^2r^2 - 9p^2q^2r$

वर्ग उठाना

दो संख्याओं के योगफल का वर्ग

कल्पना करो कि a और b दो संख्याएँ हों, और $(a+b)$ का

ग उठाना है ।

$$\begin{aligned}(a+b)^2 &= (a+b)(a+b) \\ &= a(a+b) + b(a+b) \\ &= a^2 + ab + ab + b^2 \\ &= a^2 + 2ab + b^2\end{aligned}$$

अतः $(a+b)^2 = a^2 + b^2 + 2ab$

परिणाम

दो संख्याओं के योगफल का वर्ग = पहली संख्या का वर्ग
+ दूसरी संख्या का वर्ग
+ दोनों संख्याओं के गुणनफल
का दुगुना ।

दे $a=10$ और $b=3$,

$$\begin{aligned}(a+b)^2 &= (10+3)^2 = 10^2 + 3^2 + 2 \times 10 \times 3 \\ &= 100 + 9 + 60 \\ &= 169 \text{ उत्तर}\end{aligned}$$

प्रश्न (१) $(2a+3b)$ का वर्ग उठाओ ।

$$\begin{aligned}(2a+3b)^2 &= (2a)^2 + (3b)^2 + 2 \times 2a \times 3b \\ &= 4a^2 + 9b^2 + 12ab \text{ उत्तर}\end{aligned}$$

प्रश्न (२) $(126)^2$ का मूल्य प्रतीत करो ।

$$\begin{aligned}(126)^2 &= (120+6)^2 \\ &= (120)^2 + (6)^2 + 2 \times 120 \times 6 \\ &= 14400 + 36 + 1440 \\ &= 15876 \text{ उत्तर}\end{aligned}$$

प्रश्नावली ११

(२) $3x - 7b$

(४) $3 - 4p$

(१) $3ab + 4b^2$

(१) $8a^2 + 3ab$

(२) $9ax + 4y^2$

(८) $m^2 + n^2$

(१) $px + qy$

(१०) $p^2 + pq^2$

(११) $2a^2b + 3ab^2$

(१२) $a + (-b)$

नीचे लिखे पूर्ण वर्गों में छूटे हुए पद लिखो:—

(११) $16x^2 + (\quad) + 40y^2$

(१४) $36m^2 + 60mn + (\quad)$

(१२) $(\quad) + 112pq + 64p^2$

(१३) $121a^2 + (\quad) + 81$

(१४) $144m^2 + 72m + (\quad)$

(१८) $(\quad) + 104p + 160$

बीजगणित द्वारा मुख्य प्रतीत करो

(११) $(302)^2$

(१०) $(105)^2$

(१२) $(703)^2$

(१२) $(806)^2$

(१३) $(511)^2$

(१४) $(1001)^2$

दो संख्याओं के अन्तर का वर्ग

बताना करो कि a और b दो संख्या हैं, और हम उनके अन्तर का वर्ग प्रतीत करना चाहते हैं :

$$\begin{aligned} (a-b)^2 &= (a-b)(a-b) \\ &= a(a-b) - b(a-b) \\ &= a^2 - ab - ab + b^2 \\ &= a^2 - 2ab + b^2 \end{aligned}$$

$$\text{इस लिए } (a-b)^2 = a^2 + b^2 - 2ab$$

इस परिणाम को अच्छे से हम प्रचार दिखाने दें —

। संख्याओं के अन्तर का वर्ग = प्रथम संख्या का वर्ग
+ दूसरी संख्या का वर्ग
दोनों संख्याओं के
द्वन्द्वफल का दुन्ना

उदाहरण (१) $(2a-3b)$ का वर्ग उदासी ।

$$\begin{aligned}\text{जिन्दा } (2a-3b)^2 &= (2a)^2 + (3b)^2 - 2 \times 2a \times 3b \\ &= 4a^2 + 9b^2 - 12ab \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (२) ९९ का वर्ग प्रतीत करो ।

$$\begin{aligned}\text{जिन्दा } (99)^2 &= (100-1)^2 \\ &= (100)^2 + (1)^2 - 2 \times 100 \times 1 \\ &= 10000 + 1 - 200 \\ &= 9801 \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

प्रश्नावली १२

निम्नलिखित के वर्ग उदासी:-

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) $5a-2b$ | (2) $5m-3$ |
| (3) $6p-5$ | (4) $7x-1$ |
| (5) $4-7p$ | (6) $a-(-1)$ |
| (7) $4m^2-5n^2$ | (8) $ax-b^2$ |
| (9) $2x^2-5y^2$ | (10) $7a^2-4b^2$ |
| (11) $2x^2-1$ | (12) $7x^2-5y^2$ |

निम्नलिखित पूर्ण वर्गों में छुटे हुए पद प्रतीत करो:-

- | |
|--------------------------------|
| (13) $16x^2 - (\quad) + 9y^2$ |
| (14) $81x^2 - 72xy + (\quad)$ |
| (15) $(\quad) - 4xy + 7y^2$ |
| (16) $49m^2 - (\quad) + 12n$ |
| (17) $(4x^2 - 12xy + (\quad))$ |
| (18) $(\quad) - 14xy + 49y^2$ |

निम्नलिखित पूर्ण वर्गों में छुटे हुए पद प्रतीत करो:-

- | |
|-------------------------------|
| (19) $19x^2 - (\quad) + 4y^2$ |
| (20) $25x^2 - 20xy + (\quad)$ |
| (21) $49x^2 - (\quad) + 12y$ |

यह भी तुम जानने हो कि :—

$$a^2 + 2ab + b^2 = (a + b)^2$$

और $a^2 - 2ab + b^2 = (a - b)^2$

उदाहरण (१) $a^2 + 14a + 49$ के गुणनखण्ड बनाओ :—

$$a^2 + 14a + 49 = a^2 + 2(a \times 7) + 7^2$$

$$= (a + 7)^2 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) $4x^2 + 12xy + 9y^2$ के गुणनखण्ड बनाओ :—

$$\text{यह व्यंजक} = (2x)^2 + 2(2x)(3y) + (3y)^2$$

$$= (2x + 3y)^2 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (३) $x^3 - 6x^2yz + 9xyz^2$ के गुणनखण्ड बनाओ :—

$$\text{यह व्यंजक} = x^2 \{ x^2 - 6x^2yz + 9y^2z^2 \}$$

$$= x^2 \{ (x)^2 - 2(x^2)(3yz) + (3yz)^2 \}$$

$$= x^2 (x^2 - 3yz)^2$$

$$= \{ x(x^2 - 3yz) \}^2 \text{ उत्तर}$$

प्रश्नावली १३ ✓

गुणनखण्ड बनाओ :—

(१) $4a^2 + 28a + 49$

(२) $25p^2 - 30p + 9$

(३) $25a^2 + 40ab + 16b^2$

(४) $49m^2 - 56mn + 16n^2$

(५) $36a^2 + 60ab + 25b^2$

(६) $36a^2 - 84ab + 49b^2$

(७) $49a^2 + 42ab + 9b^2$

(८) $25x^2 - 60xy + 36y^2$

(९) $16x^2 + 56xy + 49y^2$

(१०) $81a^2 - 126ab + 49b^2$

(११) $81x^2 + 90xy + 25y^2$

(१२) $9m^2 - 60mn + 121n^2$

॥

नरल गुणनघट

$$(17) 64x^3 + 16xy + y^4$$

$$(18) 16x^2 - 4^2xy + 36y^2$$

$$(19) 9x^2 + 54xy + 81y^2$$

$$(20) 25m^2 - 70mn + 49n^2$$

$$(21) x^2 + 2x + 1$$

$$(22) \frac{x^2}{y^2} - 2x + \frac{1}{y^2}$$

$$(23) a^3x^3 + 6a^2xy + 9a^2y^2$$

$$(24) 16x^3 - 8a^2x^2 + a^4$$

दो संख्याओं के वर्गों का योग

बताना यदि a और b दो संख्याएँ हैं किन्ता

$$\text{दो संख्या } a, b = 1$$

$$\text{दो संख्या } a, b = 1$$

$$(a+b)(a-b) = a^2 - b^2 + 1(a-b)$$

$$= a^2 - b^2 - a^2 + b^2$$

$$= -b^2 + b^2$$

इस दृष्टिकोण से हमारे दो संख्या बर बरने हैं :-

दो संख्याओं के वर्गों का योग = $a^2 + b^2$ दो संख्याओं के वर्गों का योग

$$a^2 + b^2 = 1$$

$$(a+b)(a-b) = a^2 - b^2 + 1(a-b)$$

हमारे

$$(a+b)(a-b) = a^2 - b^2 + 1(a-b)$$

$$= a^2 - b^2 + a - b$$

हमारे

उदाहरण (२)

$$a^2 - b^2 = (a+b)(a-b) \text{ की सहायता से } (256)^2 - (244)^2$$

मूल्य प्रतीत करो :—

दिया

$$\begin{aligned} & (256)^2 - (244)^2 \\ &= (256+244)(256-244) \\ &= (500)(12) = 6000 \quad \text{उत्तर} \end{aligned}$$

उदाहरण (३)

$$\frac{727 + 727 - 273 + 273}{727 - 273} \text{ का मूल्य प्रतीत करो :—}$$

दिया

$$\begin{aligned} & \frac{727 \times 727 - 273 \times 273}{727 - 273} \\ &= \frac{(727)^2 - (273)^2}{727 - 273} = \frac{(727+273)(727-273)}{727-273} \\ &= 1000 \\ &= 1 \quad \text{उत्तर} \end{aligned}$$

प्रश्नावली १४

गुणनफल बताओ :—

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (१) $(x+b)(x-b)$ | (१) $(y+9)(y-9)$ |
| (२) $(2y-b)(2y+b)$ | (२) $(1a-3b)(1a+3b)$ |
| (३) $(5x-3y)(5x+3y)$ | (३) $(7x-4)(7x+4)$ |
| (४) $(ab+5)(ab-5)$ | |
| (५) $(ab+2c)(ab-2c)$ | |
| (६) $(ab-cd)(ab+cd)$ | |
| (७) $(7a-4b)(7a+4b)$ | |

निम्नलिखित की रीति में मूल्य प्रतीत करो :—

- | | |
|------------------------|--------------------------|
| (११) $(31)^2 - (29)^2$ | (१२) $(77)^2 - (29)^2$ |
| (१३) $(57)^2 - (53)^2$ | (१४) $(124)^2 - (120)^2$ |
| (१५) $(27)^2 - (23)^2$ | (१६) $(24)^2 - (20)^2$ |

सरल करो:—

$$(10) (x^2+7)(x^2-7)$$

$$(11) (ax+by)(ax-by)$$

$$(12) (a+b)(a-b) + (b+c)(b-c)$$

$$(13) (x+2)(x-2) - (x+3)(x-3)$$

$$(14) (2x+3)(2x-3) + (4x+3)(4x-3)$$

$a^2 - b^2 = (a+b)(a-b)$ की सहायता से निम्नलिखित

गुण्य प्रतीत करो:—

$$(15) (515)^2 - (432)^2$$

$$(16) (765)^2 - (543)^2$$

$$(17) (1527)^2 - (1521)^2$$

$$(18) (5662)^2 - (5657)^2$$

$$(19) \frac{5662^2 - 5657^2}{5662 - 5657}$$

$$(20) \frac{251 \times 251 - 169 \times 169}{251 - 169}$$

$$(21) \frac{55 \frac{1}{2} \times 55 \frac{1}{2} - 44 \frac{1}{2} \times 44 \frac{1}{2}}{55 \frac{1}{2} - 44 \frac{1}{2}}$$

$$(22) \frac{(174)^2 - (157 \frac{1}{2})^2}{312 \frac{1}{2}}$$

$$(23) \frac{\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} - \frac{1}{4} \times \frac{1}{4}}{\frac{1}{2} - \frac{1}{4}} = \frac{\frac{1}{4} - \frac{1}{16}}{\frac{1}{4}} = \frac{\frac{3}{16}}{\frac{1}{4}} = \frac{3}{4}$$

यदि हम $a = \frac{1}{2}$ और $b = \frac{1}{4}$ रखें तो $a^2 - b^2 = (a+b)(a-b)$

हम $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} - \frac{1}{4} \times \frac{1}{4}$ को $\frac{1}{2} - \frac{1}{4}$ से गुणा करने पर $\frac{3}{16}$ प्राप्त होता है।

अतः $\frac{3}{16} \div \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$

— 2 —

संस्कृत भाषा में लिखें

— 3 —

$$\begin{aligned}
 \text{उदाहरण (३)} \quad 25x^2 - 9y^2 \\
 = (5x)^2 - (3y)^2 \\
 = (5x + 3y)(5x - 3y)
 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}
 \text{उदाहरण (४)} \quad (10)^2 - (7)^2 \\
 = (10 + 7)(10 - 7) \\
 = 17 \times 3 \\
 = 51
 \end{aligned}$$

$$\begin{aligned}
 \text{उदाहरण (५)} \quad 25^2 - 24^2 \\
 = (25 + 24)(25 - 24) = (49)(1) \\
 = 49
 \end{aligned}$$

प्रश्नावली १५

गुणनफल बनाओ:-

$$(1) x^2 - y^2$$

$$(2) 4a^2 - b^2$$

$$(3) p^2 - 9q^2$$

$$(4) 4x^2 - 9y^2$$

$$(5) p^2 - 4a^2$$

$$(6) 36p^2q^2 - 1$$

$$(7) 4 - 25m^2$$

$$(8) 9a^2 - 49$$

$$(9) 100 - p^2$$

$$(10) (a + b)^2 - c^2$$

$$(11) x^2 - (y + z)^2$$

$$(12) p^2 - (q - r)^2$$

$$(13) p^2q^2 - 121$$

$$(14) x^2 - \frac{1}{4}$$

$$(15) \frac{1}{16} p^2 - q^2$$

$$(16) \frac{x^2}{25} - \frac{25}{y^2}$$

$$(17) 1 - 144a^2$$

$$(18) 36x^2 - 49p^2$$

$$(19) 10^2p^2 - 3^2q^2$$

$$(20) 144 - x^{10}$$

त्रिपद व्यंजकों के गुणनखण्ड बनाने की रीति

$x^2 + px + q$ जैसे व्यंजकों के गुणनखण्ड करना ।

पहली विधि यह है कि व्यंजकों को दो वर्गों के चरों के रूप में प्रकट किया जाय ।

सरल गुणनखण्ड

उदाहरण (१) $x^2 - 18x + 65$ के गुणनखण्ड बनाओ।
 $[x^2 - 18x$ को पूर्ण वर्ग बनाने के लिए इस में 12^2 का वर्ग जो

81 जोड़ना चाहिये।]

$$\begin{aligned}\therefore \text{दिया हुआ व्यंजक} &= x^2 - 18x + 81 - 81 + 65 \\ &= (x-9)^2 - 16 \\ &= (x-9)^2 - (4)^2 \\ &= (x-9+4)(x-9-4) \\ &= (x-5)(x-13)\end{aligned}$$

उदाहरण (२) $x^2 - 3x - 28$ के गुणनखण्ड बनाओ।
 दिया हुआ व्यंजक $= (x^2 - 3x + (\frac{3}{2})^2) - (\frac{3}{2})^2 - 28$

$$\begin{aligned}&= (x^2 - 3x + \frac{9}{4}) - (\frac{9}{4} + 28) \\ &= (x - \frac{3}{2})^2 - (\frac{115}{4})^2 \\ &= (x - \frac{3}{2} + \frac{115}{4})(x - \frac{3}{2} - \frac{115}{4}) \\ &= (x+4)(x-7) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

दूसरी विधि

करना करो कि $x^2 + px + q = (x+a)(x+b)$,

$$\therefore x^2 + px + q = x^2 + (a+b)x + ab$$

अतः $p = a+b$ और $q = ab$

इसलिए हमें q के ऐसे दो गुणनखण्ड प्रतीत करने हैं जिन का योग p के बराबर हो।

इसकी व्याख्या माचे दिये गए उदाहरणों में की जाती है।

उदाहरण १) $x^2 - 9x - 10$ के गुणनखण्ड बनाओ।

ऐसे दो संख्याएं प्रतीत करो जिन का गुणनफल -10 हो और योग 9 हो।

स्पष्ट है कि 6 और 3 ऐसी संख्याएँ हैं। अब इस व्यंजक बीच वाले पद के स्थान पर $6x+3x$ लिख लो।

$$\begin{aligned}\therefore \text{ दिया हुआ व्यंजक} &= x^2 + 6x + 3x + 18 \\ &= \overline{x(x+6)} + \overline{3(x+6)} \\ &= (x+6)(x+3) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (५) $x^2 - 16ab + 63b^2$ के गुणनखण्ड बनाओ।
ऐसी दो संख्याएँ जिन का गुणनफल 63 हो और योगफल 16, 1 और 7 है।

अब $-16ab$ के स्थान पर $-9ab - 7ab$ लिख लो।

$$\begin{aligned}\therefore \text{ दिया हुआ व्यंजक} &= x^2 - 9ab - 7ab + 63b^2 \\ &= \overline{x(x-9b)} - \overline{7b(x-9b)} \\ &= (x-9b)(x-7b) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

अब उदाहरण (३) और (५) में हम नमूने के व्यंजकों के गुणन-फल करने की बहुत विधि मान्य होती है।

(१) यदि व्यंजक का माध्यम पद समात्मक हो, तो हम पदों के संख्यात्मक गुणक के दो ऐसे गुणनखण्ड बनाया जिसका योग बीच वाले पद के संख्यात्मक गुणक के बराबर हो।

(२) अब यदि बीच वाला पद समात्मक हो तो इसके दोनों पदों के गुणनखण्ड होंगे।

(३) यदि बीच वाला पद समात्मक हो तो इसके दोनों पदों के गुणनखण्ड होंगे।

(४) इसके अलावा बड़ा दिया गया है कि यदि पदों के अंशों के लिए कोई नद है।

उदाहरण ३ में $x^2 - 16ab + 63b^2$ के गुणनखण्ड बनाओ।

हमें $x^2 - 16ab + 63b^2$ के गुणनखण्ड बनाओ। उत्तर है $(x-9b)(x-7b)$ । स्पष्ट है कि यह उत्तर सही है।

$$१. \text{ दिया हुआ व्यंजक } = x^2 + 7x - 2x - 14$$

$$= x(x+7) - 2(x+7)$$

$$= (x+7)(x-2) \quad \text{ उत्तर}$$

उदाहरण—(१) $x^2 - 2x - 15$ के गुरुनखरद बनाओ।

15 के ऐसे दो गुरुनखरद जिनका अन्तर 2 हो, 5 और 3 है।

$$१. \text{ दिया हुआ व्यंजक } = x^2 - 2x - 15$$

$$= x^2 - 5x + 3x - 15$$

$$= (x-5)(x+3) \quad \text{ उत्तर}$$

उपर उदाहरण (१) और (१) से एक और नमूने के व्यंजकों के गुरुनखरद बनाने की विधि प्राप्त हुई है। वह विधि इस प्रकार है :—

(१) यदि व्यंजक का तीसरा पद ऋणात्मक हो तो उस पद के संख्यात्मक गुरुक के ऐसे दो गुरुनखरद बनाओ जिनका अन्तर दोबारे पद के संख्यात्मक गुरुक के बराबर हो।

(२) अब यदि दोबारा पद धनात्मक हो तो बड़ा दुब्ड़ा बन होगा और छोटा ऋण।

(३) यदि दोबारा पद ऋणात्मक हो तो बड़ा दुब्ड़ा ऋण होगा और छोटा धन।

(४) इसके परचाह वही शिखा करो जो पहले नमूने के व्यंजकों के लिए बताई गई है।

उदाहरण (१) (१) (२) और (३) को ध्यानपूर्वक देखने से यह प्रतीत होता है कि यदि $x = 2 \div 5$ और $x = 5$, तो,

$$2 \div 5 = 2 \div 5 = (2 \div 5) (5 \div 1)$$

अब यदि,

(i) 5 धन हो और 5 धन हो, तो 0 और 1 दोनों धन होंगे।

(ii) 5 धन हो और 5 ऋण हो तो 0 और 1 दोनों ऋण होंगे।

(iii) 5 ऋण हो और 5 धन हो तो 0 धन होगा 1 ऋण होगा।

(iv) 5 ऋण हो और 5 ऋण हो, तो 0 ऋण होगा और 1 धन होगा।

प्रश्नावली १६

नीचे दिये हुये त्रिपद व्यंजकों के गुणनखण्ड करो:—

- | | |
|------------------------|-------------------------|
| (१) $x^2 + 13x + 42$ | (२) $a^2 - 18a + 65$ |
| (३) $x^2 + 18x + 65$ | (४) $p^2 - 15p + 54$ |
| (५) $x^2 + 18x + 72$ | (६) $x^2 + 20x + 91$ |
| (७) $x^2 - 22x + 117$ | (८) $x^2 + 21x + 104$ |
| (९) $a^2 + 5a - 104$ | (१०) $x^2 + 21x + 108$ |
| (११) $a^2 + 3a - 108$ | (१२) $x^2 + 27x + 180$ |
| (१३) $p^2 + p - 166$ | (१४) $a^2 - 3a - 180$ |
| (१५) $a^2 - 2a - 143$ | (१६) $a^2 - a - 240$ |
| (१७) $x^2 + 8x - 105$ | (१८) $a^2 - 28a - 120$ |
| (१९) $1 - 19x + 60x^2$ | (२०) $1 - 49a - 102a^2$ |

$ax^2 + bx + c$, जैसे व्यंजकों के गुणनखण्ड करना

इस प्रकार के व्यंजक और इसमें पहले नमूने के व्यंजक में एक ही भेद है, और वह भेद यह है कि इस नमूने में x^2 का गुणक भी वर्तमान है।

ऐसे व्यंजक के गुणनखण्ड करने समय नीचे दो हुई विधि से काम लो :—

पहले पद और तीसरे पद के संख्यात्मक गुणकों का गुणन करो। जो गुणनफल प्राप्त हो उसके दो ऐसे गुणनखण्ड बनाओ जिन का बीजीय योग बीच वाले पद के संख्यात्मक गुणक के बराबर हो। शेष दिया वैसी हो है जैसी पहले बता चुके हैं।

उदाहरण (१) गुणनखण्ड करो।

$$7x^2 - 13x + 12$$

$$7 \times 12 = 84, 21 \times 4 = 84, -21 - 4 = -25$$



$$\begin{aligned}\text{दिया हुआ व्यंजक} &= 7x^2 - 21x - 4x - 12 \\ &= 7x(x-3) - 4(x-3) \\ &= (x-3)(7x-4) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (२) गुणनखण्ड करो ।

$$7x^2 - 25x - 12$$

$$7 \times -12 = -84, -28 \times 3 = 84, -28 \div 3 = -28$$

$$\begin{aligned}\text{दिया हुआ व्यंजक} &= 7x^2 - 28x + 3x - 12 \\ &= 7x(x-4) - 3(x-4) \\ &= (x-4)(7x+3) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (३) $20(1+x^2) - 41x$ के गुणनखण्ड करो ।

$$\begin{aligned}20(1+x^2) - 41x &= 20 + 20x^2 - 41x \\ &= 20x^2 - 41x + 20\end{aligned}$$

$$[20 \times 20 = 4 \times 5 \times 4 \times 5 = 4 \times 4 \times 5 \times 5 = 16 \times 25]$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{दिया हुआ व्यंजक} &= 20x^2 - 16x - 25x + 20 \\ &= 4x(5x-4) - 5(5x-4) \\ &= (5x-4)(4x-5) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (४) $x^2 + 40x - 391$ के गुणनखण्ड करो ।

यह 391 के ऐसे दो गुणनखण्ड बनाओ जिनका योगफल 40 हो; यह आसान नहीं है। ऐसी अवस्था में हम उपसिद्धान्त में काम लें।

$$(x-5)^2 = (x-5)^2 - 4 \times 5$$

$$\text{यहाँ } 4 \times 5 = 20 \text{ और } x-5 = 40$$

$$(x-5)^2 + 4 \times 5 = 1600$$

$$\text{और } -4 \times 5 = -4 \times 391 = -1564$$

$$\text{अब } x-5 = 40 \text{ या } x-5 = -40 \text{ या } x-5 = 40 \text{ या } x-5 = -40$$

$$x-5 = 40 \quad x-5 = -40$$

$$\text{अब } a+b = 40$$

$$\text{और } a-b = 8$$

स्पष्ट है कि $a=23$ और $b=17$

$$\begin{aligned}\therefore x^2 + 40x + 391 &= x^2 + 23x + 17x + 391 \\ &= x(x+23) + 17(x+23) \\ &= (x+23)(x+17) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (५) $x^2 - 14x - 851$ के गुणनखण्ड करो।

अब हमें 851 के ऐसे दो गुणनखण्ड मालूम करने हैं जिनका अन्तर 14 हो।

मान लो कि वे गुणनखण्ड a और b हैं

$$\text{तो } a-b=14 \text{ और } ab=851$$

$$\text{अब } (a+b)^2 = (a-b)^2 + 4ab$$

$$\begin{aligned}\therefore (a+b)^2 &= (14)^2 + 4 \times 851 \\ &= 196 + 3404 \\ &= 3600\end{aligned}$$

$$\therefore a+b = 60$$

$$\text{और } a-b=14$$

$$\therefore a = 37, b=23$$

$$\begin{aligned}\text{अब दिया हुआ व्यंजक} &= x^2 - 37x + 23x - 851 \\ &= x(x-37) + 23(x-37) \\ &= (x-37)(x+23) \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

प्रश्नावली १७

गुणनखण्ड करो:—

(१) $6x^2 - 7x - 20$

(२) $40x^2 - 87x + 24$

(३) $6x^2 - x - 40$

(४) $15x^2 - 26x + 7$

- (५) $44x^2 - 45x + 9$
- (६) $9x^2 - 82x + 9$
- (७) $56x^2 + 15x - 56$
- (८) $21x^2 - 47x - 24$
- (९) $2x^2 + 7xy + 3y^2$
- (१०) $6x^2 + 5xy - 21y^2$
- (११) $15a^2 - ab - 6b^2$
- (१२) $28p^2 - 25pq + 3q^2$
- (१३) $12x^2 - 17xy + 5y^2$
- (१४) $10x^2 + 7xy - 12y^2$
- (१५) $36a^2 + 21a - 2$
- (१६) $12x^2 - 5xy - 77y^2$
- (१७) $27c^2 - 24cd + 5d^2$
- (१८) $56a^2 - 3a - 9$
- (१९) $6a^2 + 49ab - 45b^2$
- (२०) $12a^2 + 11ax - 15x^2$

तीसरा अध्याय

सरल समीकरण

Simple Equations of the First Degree

(1) गणित के कई प्रश्न ऐसे होते हैं जिनमें अज्ञात संख्या के स्थान पर कोई अक्षर रख कर क्रिया की जाए तो प्रश्न सुगमता से हल हो जाता है और क्रिया भी बहुत सुपरी और भली दिखाई देती है। उदाहरणतः मान लो कि हमें इस प्रश्न की क्रिया करनी है।

प्रश्न—बताओ, वह कौनसी संख्या है, जिसमें 15 जोड़ें तो योगफल का दुगुना 44 के बराबर हो।

इस प्रश्न में यदि हम अज्ञात संख्या को x मान लें, तो यह प्रश्न इस प्रकार होगा :—

$$(x+15) \text{ का दुगुना } = 44$$

$$\text{अतः स्पष्ट है कि } x+15=44 \text{ के आगे के} \\ =22 \text{ के}$$

अब 22 ऐसी संख्या है जिस में अज्ञात संख्या और 15 दोनों सम्मिलित हैं, अतः यदि हम हममें से 15 निकाल दें तो अज्ञात संख्या शेष रह जायेगी।

$$\text{अतः } x=22-15=7$$

$$\text{इसलिए हष्ट संख्या } = 7 \text{ उत्तर}$$

(2) ऊपर जितनी बातों में स्पष्ट है कि हमने अज्ञात संख्या पर इस प्रकार क्रिया की कि एक समानता स्थापित करके अज्ञात अथवा अज्ञेय संख्या प्रकट कर ली। इस सम्बन्ध का बीजगणित में समीकरण कहते हैं।

(३) समीकरणों को हल करने के कुछ नियम तो हम पहले भी जानते हैं। यह नियम बड़े काम के हैं। इसलिये हम इन नियमों को विद्यार्थियों के लक्ष्म के लिए फिर लिखते हैं। नियम यह हैं :—
 (क) यदि समान राशियों में समान राशियाँ जोड़ दी जायें तो उनके योगफल भी समान होते हैं।

जैसे यदि $x=y$,

तो $x+a=y+a$

(ख) यदि समान राशियों में से समान राशियाँ घटाई जायें तो शेष राशियाँ आपस में समान होती हैं।

जैसे यदि $x=y$,

तो $x-a=y-a$

(ग) यदि समान राशियों को समान राशियों से गुणा किया जाय तो गुणनफल भी समान होते हैं।

जैसे यदि $x=y$,

तो $ax=ay$

(घ) यदि समान राशियों को एक जैसी राशियों पर भाग दिया जाय, तो भजनफल भी आपस में समान होंगे।

जैसे यदि $ax=ay$,

तो $ax-a=ay-a$,

$$x=y$$

(४) ऊपर लिखे सिद्धान्त (क और ख) में समीकरण हल करने का हम को एक बड़ा आवश्यक नियम प्राप्त होता है और वह नियम यह है

किमी राशि का चिन्ह बदल कर उसको समीकरण के एक पक्ष में दूसरे पक्ष में ले जा सकते हैं

चिन्ह बदलने का अर्थ यह है कि घन राशि का पक्ष बढ़ा जाय तो वह दूसरे पक्ष में जाकर खण्य हो जाती है और खण्य राशि दूसरे पक्ष में जाकर घन हो जाती है ।

जैसे कल्पना करो, कि $x-5=10$

तो $x-5+5=10+5$ सिद्धान्त (क)

$$\therefore x=10+5$$

$$=15$$

ऊपर की क्रिया से स्पष्ट है कि (-5) को दाईं ओर ले जाया गया तो वह $(+5)$ हो गया और समीकरण में कोई अन्तर नहीं पड़ा ।

इसी प्रकार $y+5=10$ को हल करना हो,

तो $y+5-5=10-5$ सिद्धान्त (ख)

$$y=10-5$$

$$=5$$

इस उदाहरण को ध्यानपूर्वक देखने से ज्ञात होगा कि $(+5)$ को बायें पक्ष से दायें पक्ष में ले जाया गया तो वह (-5) हो गया और समीकरण में कुछ अन्तर नहीं पड़ा ।

इस नियम को पक्षान्तर करना कहते हैं और यह नियम समीकरणों को हल करने में बड़ा लाभदायक है ।

(४) यदि किसी समीकरण के दोनों पक्षों की राशियों के चिन्ह बदल दिये जायें, तो समीकरण में कोई अन्तर नहीं आता ।

जैसे यदि $a-x=c-d$

तो $x-a=d-c$

(५) यदि समीकरण के दोनों पक्षों का ऊपर से ऊपर और ऊपर से

समीकरण में कोई अन्तर नहीं

जैसे, यदि $a-b=x-c$

तो, $x-c=a-b$

(७) समीकरण हल करने की सब से अच्छी रीति यह है कि पहले ज्ञात राशियों को समीकरण के बायें पक्ष में और अज्ञात राशियों को दायें पक्ष में ले जाओ। फिर हर एक पक्ष की राशियों को जहाँ तक हो सरल कर लो। अन्त में अज्ञात राशि के साथ जो संख्या हो उस पर दोनों पक्षों को भाग दो। इस प्रकार अज्ञात राशि का मूल्य प्रतीत हो जायगा।

(८) अज्ञात राशियों के स्थान पर प्रायः x, y, z, w लिखते हैं पर यह कोई निश्चित नियम नहीं है।

नीचे लिखे उदाहरणों द्वारा समीकरणों को हल करने की रीति प्रतीत हो जायेगी।

उदाहरण (१) हल करो :—

$$x-9=3-2x$$

यदि $-2x$ बायें पक्ष में लाया जाय तो $+2x$ लिखा जायेगा, और -9 दायें पक्ष में ले जाया जाय तो $+9$ लिखा जायेगा।

$$\text{इस प्रकार } x+2x=3+9$$

$$\text{या } 3x=12$$

दोनों पक्षों को 3 पर भाग देने में

$$x=4 \quad \text{उत्तर}$$

$$\text{उदाहरण (२) हल करो } 5-7y=10-9y$$

पर्यान्तर करने में

$$9y-7y=10-5$$

$$2y=5$$

दोनों पक्षों को 2 पर भाग देने में

$$y=1 \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (3) $4x-3=11-3x$ को हल करो :-

$-3x$ वाम पक्ष में और -3 दक्षिण पक्ष में ले जाने से

$$4x+3x=11+3$$

$$\text{या } 7x=14$$

दोनों पक्षों को 7 पर भाग देने से

$$x=2 \text{ उत्तर}$$

इस समीकरणों के वर मिथ्यामय होने हैं । ऐसे समीकरणों के दोनों पक्षों को किसी के दायों के समुलम समानाकार्य से गुणा कर लो ।

उदाहरण (4) हल करो :-

$$\frac{2y-1}{3} - \frac{2y-3}{2} = 6$$

[3 और 2 का समुलम समानाकार्य = 10]

दोनों पक्षों को 10 से गुणा किया, तो

$$2(2y-1) - 3(2y-3) = 6 \times 10$$

सोपक्ष कोटने पर,

$$4y - 2 + 10y - 15 = 60$$

$$\text{या } 14y - 17 = 60$$

$$14y = 60 + 17 = 77$$

$$y = 77 \div 14 = 5\frac{1}{2} \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (5) हल करो :-

$$\frac{1}{2}(6x-3) - \frac{1}{3}(2x-4) = \frac{1}{4}(2x-4) - \frac{1}{5}(3x-4)$$

11, 2, 7 का समुलम समानाकार्य = 231

दोनों पक्षों को 231 से गुणा किया, तो

$$11(6x-3) - 7(2x-4) = 7(2x-4) - 5(3x-4)$$

$$66x - 33 - 14x + 28 = 14x - 28 - 15x + 20$$

$$52x - 5 = -x - 8$$

परान्तर करने से,

$$-518x + 426x = 456 - 1652$$

$$\text{या } -92x = -1196 \text{ या } 92x = 1196$$

$$\therefore x = 13 \quad \text{उत्तर}$$

समीकरणों में दशमलव भिन्न

उदाहरण (१) हल करो :—

$$\frac{x+15}{125} - \frac{x-25}{25} = 3.3$$

$$\left(\frac{1}{25} = 4 \text{ और } \frac{1}{125} = 8 \right)$$

$$\text{अतः } 8(x+15) - 4(x-25) = 3.3$$

कोष्ठक खोलने से,

$$8x + 120 - 4x + 100 = 3.3$$

$$\text{या } 4x + 220 = 3.3$$

परान्तर करने से,

$$4x = 3.3 - 220 = 1.1$$

$$\therefore x = 1.1 \div 4 = .275 \quad \text{उत्तर}$$

ऐसे समीकरण हल करने के लिये नीचे लिखे हुए परिधान याद रखने चाहिये।

$$\frac{1}{25} = 4, \quad \frac{1}{125} = 8, \quad \frac{1}{625} = 16, \quad \frac{1}{75} = 1$$

प्रश्नावली १८

हल करो:—

$$(1) 6x - 18 = 4x - 8 - 3x + 5$$

$$(2) 10x - 10 - 6x - 27 = 3$$

$$(3) 6x - 18 - 12x - 60 = 3x + 3 - 8x - 17$$

$$(4) 6x - 18 = 4x - 8 - 3x - 2$$

$$(१) 5(x-1) = 4(x-2)$$

$$(२) 3(3x+1) - (x-1) = 6(x+10)$$

$$(३) (x+3)(x-2) = x^2 - 26$$

$$(४) (x+1)(x+4) = x(x+2)$$

$$(५) (x-4)^2 = (x-1)^2 - 3$$

$$(१०) (x-2)^2 = (x-5)^2 - 15$$

$$(११) 2(x-6)(x+6) + 12 = (2x-1)(x-3)$$

$$(१२) \frac{x}{2} - \frac{x}{3} = 3 \quad (१३) \frac{x}{3} = \frac{x}{4} + 1$$

$$(१४) \frac{x}{5} - \frac{1}{2} = \frac{x}{6} \quad (१५) \frac{3x}{4} - \frac{2x}{4} = \frac{1}{3}$$

$$(१६) \frac{x-1}{4} = \frac{x-2}{5} \quad (१७) \frac{2x-1}{4} = \frac{x-1}{6} = 1$$

$$(१८) \frac{x-1}{2} - \frac{x-2}{3} - \frac{x-3}{4} = 0$$

$$(१९) \frac{1}{2}(x-3) - \frac{1}{3}(x-4) = 1$$

$$(२०) \frac{1}{2}(4x-1) - \frac{1}{3}(3x+2) = 6 + \frac{1}{2}(5x-2)$$

$$(२१) \frac{7x+8}{8} - \frac{9x-12}{16} = \frac{3x+1}{10} - \frac{29-8x}{20}$$

$$(२२) \frac{x}{4} - \frac{x-2}{5} = 5 + \frac{14-x}{2} - \frac{5x}{12}$$

$$(२३) \frac{1}{2}(2x+11) - \frac{1}{3}(5-6x) = 7x+1\frac{1}{2}$$

$$(२४) \frac{3(x+2)}{11} - 2(x-3) + \frac{3(2x+1)}{4} = 5 + \frac{9x+4}{12}$$

$$(२५) \frac{x+4}{5} - \frac{x-3}{2} = 2\frac{1}{2} - \frac{x+2}{5}$$

$$(२६) \frac{1}{2}(x-4) - \frac{1}{3}(x-1) + \frac{1}{4} = 0$$

$$(२७) \frac{x-3}{4} - \frac{x+4}{5} = \frac{x+1}{6} - \frac{x-9}{7}$$

$$(२८) \frac{x}{2} - \frac{y}{3} = \frac{1}{4} \quad [२९] = ०$$

$$(३६) \frac{x+7}{3} - \frac{3y}{5} = y-2 - \frac{1}{2} (3y-11)$$

$$(३७) (x+\frac{1}{2})^2 - (x-\frac{3}{2})^2 = 2x+3$$

$$(३८) \frac{1}{6} [x - \frac{1}{6} \{x - \frac{1}{6} (x-1)\}] = 1$$

$$(३९) \frac{7x-1}{4} - \frac{1}{3} \left[(2x - \frac{1-x}{2}) \right] = 6\frac{1}{2}$$

$$(४०) 1.4 + .3x = .5x - 1.7$$

$$(४१) .03x + .02 = .17 - .07x$$

$$(४२) .004y + .412 = .007y - .008$$

$$(४३) \frac{y}{.5} - \frac{y}{.75} = .46$$

$$(४४) \frac{y}{1.25} = \frac{y}{.75} + 20$$

$$(४५) \frac{y-1}{.25} - \frac{y-2}{1.25} = 4.2$$

$$(४६) \frac{2y-3}{2.5} = \frac{3y-4}{12.5} + .24$$

$$(४७) \frac{.25y}{1.25} = \frac{2y-.45}{1.25} \div .6$$

सरल समीकरण सम्बन्धी निर्देश

(१) बीज गणित पढ़ने से अधिकतर यह लाभ होता है कि हम ऐसे प्रश्न हल कर सकते हैं जिनमें कुछ दी हुई बातों के द्वारा अज्ञात राशि या राशियाँ ज्ञात करनी होती हैं। इस प्रकार के हर एक प्रश्न में कुछ शर्तें दी हुई होती हैं और उनके द्वारा एक या अधिक अज्ञात राशियाँ मालूम की जाती हैं। हम इन दो हुई शर्तों को बीज गणित के चिन्हों द्वारा प्रकट करते हैं। इस क्रिया से यदि कोई ऐसा समीकरण बने जिसे हल किया जा सकता हो, तो समीकरण को हल करके अज्ञात राशि मालूम हो जाती है।

(२) प्रश्न की शर्तों को बीजीय चिन्हों द्वारा प्रकट करना बहुधा कठिन

- (३) सम्बन्ध राशियों को x, y, z आदि के बराबर मान लो ।
 (४) प्रश्न में जो उक्ति दी गई है उसे बीजीय भाषा के अक्षरों और चिन्हों में लिखो । ऐसा करने से एक या एक से अधिक समीकरण बन आयेंगे ।
 (५) जो समीकरण प्राप्त हो उसे हल करो, और x, y, z आदि का मुख्य निकाल लो । इस प्रकार सम्बन्ध राशि या राशियाँ मानून हो जायेंगी ।
 (६) अपने उत्तर को जाँच करो, अर्थात् यह देख लो कि तुम्हारा उत्तर प्रश्न की शर्तों की पूरा करता है या नहीं ।

हल किये हुए उदाहरण

उदाहरण (१) एक संख्या दो अंकों की है । यदि दहाई के अंक में से इकाई का अंक घटाये तो ५ बचने हैं और यदि दोनों अंकों के योगफल के पाँच गुने को इस संख्या में से घटाये तो ऐसी संख्या बचती है जो असली संख्या के अंकों के स्थान आपस में बदलने से बन आती है । असली संख्या बताओ ।

कहना करो कि इकाई अंक $= x$

तो दहाई का अंक $= x + 5,$

और संख्या $= 10(x + 5) + x,$

अब प्रश्न की शर्तों के अनुसार,

$$10(x + 5) + x - 5[(x + 5) + x] = 10x + x + 5$$

$$\text{या } 10x + 50 + x - 10x - 25 = 11x + 5$$

$$\text{या } x + 25 = 11x + 5$$

परान्तर करने से

$$x - 11x = 5 - 25$$

$$\text{या } -10x = -20$$

$$x = 2$$

$$\text{अतः इकाई का अंक} = 2$$

और दहाई का संक $= 2 \div 5 = 7$

इस संख्या $= 72$ उत्तर

उत्तर की जांच

$$7 - 2 = 5$$

और $72 - 5 (7 \div 2) = 72 - 45 = 27$

उदाहरण (२) दो संख्याओं का योगफल 38 है और उनके वर्गों का अन्तर 456 है। ये संख्याएँ बताओ

कल्पना करो कि बड़ी संख्या $= x$

तो छोटी संख्या $= 38 - x$

एक प्रश्न की शर्त से अनुसार

$$x^2 - (38 - x)^2 = 456$$

अब इस समीकरण को हल करते हैं।

$$x^2 - (38 \times 38 - 2 \times 38 \times x + x^2) = 456$$

$$\text{या } x^2 - 1444 + 76x - x^2 = 456$$

$$\text{या } 76x = 456 + 1444 \text{ (एकान्तर करने से)}$$

$$\text{या } 76x = 1900$$

$$\therefore x = 25$$

अतः बड़ी संख्या $= 25$

और छोटी संख्या $= 38 - 25 = 13$

25, 13 उत्तर

उदाहरण (३) एक आयत की लम्बाई चौड़ाई से 7 फुट अधिक है। यदि लम्बाई 5 फुट अधिक कर दी जाए और चौड़ाई 3 फुट घटा दी जाए तो उसका क्षेत्रफल 110 वर्गफुट अधिक हो जाता है। आयत की लम्बाई और चौड़ाई बताओ।

कल्पना करो कि चौड़ाई $= x$ फुट

तो लम्बाई $= x + 7$

यदि उस संख्या में से 18 घटा दिया जाय तो शंकों के स्थान बदल जाते हैं । वह संख्या मालूम करो ।

- (६) एक संख्या का दहाई का शंक इकाई के शंक से चार गुना है । यदि इकाई और दहाई के शंकों को आपस में बदल दिया जाय तो संख्या में 54 की कमी हो जाती है । संख्या बताओ ।
- (१०) एक संख्या का दहाई का शंक इकाई के शंक से त्रिगुना है । यदि इकाई और दहाई के शंकों को आपस में बदला जाय, तो संख्या में 18 की कमी हो जाती है । संख्या ज्ञात करो ।
- (११) ऐसी दो संख्याएं मालूम करो जिनके वर्गों का अन्तर 1872 हो और उनका योगफल 104 हो ।
- (१२) ऐसी दो संख्याएं बताओ जिनका योग 15 हो और उनके वर्गों का अन्तर 105 हो ।
- (१३) 68 रुपये 12 पाने 54 बच्चों में इस प्रकार बांटे गये कि प्रत्येक बालक को एक रुपया 6 पाने और प्रत्येक बालिका को एक रुपया 2 पाने मिले । बालकों की संख्या बताओ ।
- (१४) 231 रुपये 5 पुरुषों और 6 स्त्रियों में इस प्रकार बांटे कि पुरुष को स्त्री से तीन गुना धन मिले ।
- (१५) एक मनुष्य ने अपनी सम्पत्ति का $\frac{1}{3}$ भाग बड़े लड़के को, $\frac{1}{4}$ संभले को और $\frac{1}{6}$ छोटे लड़के को दिया, और शेष 456 रुपये अपनी पुत्री को दिये । उसकी सारी सम्पत्ति का मूल्य बताओ ।
- (१६) दो मनुष्य A और B स्थान से एक साथ एक दूसरे की ओर चले, और 3 घंटे में एक दूसरे से मिले । यदि A, B से 36 मील दूर हो तो दोनों की चाल अलग-अलग बताओ, जबकि एक की चाल दूसरे से दुगुनी हो ।
- (१७) पिता और पुत्र की आयु में 30 वर्ष का अन्तर है, 5 वर्ष के पश्चात् पिता की आयु पुत्र की आयु से त्रिगुनी हो जायगी ।

बताओ, पिता की इस समय कितनी आयु है ?

- (१८) एक स्त्री की आयु 40 वर्ष है और उसकी पुत्री की आयु उसकी आयु का चौथाई है। बताओ कितने वर्ष परचाउ उस स्त्री की आयु पुत्री की आयु में तिगुनी होगी ?
- (१९) एक आयताकार गेठ की लम्बाई, चौड़ाई से दुगुनी है। यदि लम्बाई और चौड़ाई को दो-दो फुट बढ़ा दें तो क्षेत्रफल 76 वर्ग फुट बढ़ जाता है। लम्बाई और चौड़ाई बताओ।
- (२०) एक आयताकार गेठ की लम्बाई और चौड़ाई में 16 फुट का अन्तर है। यदि लम्बाई और चौड़ाई में से पाँच-पाँच फुट कम कर दें तो क्षेत्रफल 255 वर्ग फुट कम हो जाता है। लम्बाई और चौड़ाई मालूम करो।
- (२१) एक संख्या दो अंकों में बनी हुई है। इकाई का अंक दहाई के अंक में चौगुना है। यदि दोनों अंकों के स्थान बदल दिये जायें तो नई संख्या में 2 अन्ना करने में पुरानी संख्या का तिगुना हो जाता है। संख्या बताओ।
- (२२) एक मनुष्य कुत्र समय में 3½ मील प्रति घण्टे की चाल से A से B स्थान तक जाता है और लौट आता है। यदि वह 3 मील प्रति घण्टे की चाल से जाता और 4 मील प्रति घण्टे की चाल से लौट आता, तो उसे 15 मिनट अधिक लगते। बताओ, A स्थान B से कितनी दूर है ?
- (२३) दो लगातार संख्याओं के गुणनफल में से छोटी संख्या के वर्ग को घटाने में 41 रहते हैं। संख्याएँ बताओ।
- (२४) ऐसी दो संख्याएँ मालूम करो जिनके वर्गों का अन्तर 141 हो।
- (२५) दो संख्याओं के वर्गों का अन्तर 4५० है और संख्याओं का अन्तर 10 है। संख्याएँ बताओ।

- (११) एक घोड़े और गाड़ी का मूल्य 350 रुपये है। घोड़े के मूल्य का ८ गुना गाड़ी के मूल्य के तिगुने के बराबर है। घोड़े और गाड़ी का मूल्य अलग-अलग बताओ।
- (१२) एक आयत की लम्बाई, चौड़ाई से चार गुनी है। यदि लम्बाई 16 फुट बड़ा हो जाय और चौड़ाई 3 फुट बड़ा हो जाय, तो क्षेत्रफल उतना ही रहता है। आयत की चौड़ाई बताओ।
- (१३) सिक्कों की दो डेरिया है, एक पाइन्सियों की है और दूसरी चरमिनियों की। पहली डेरी का मूल्य दूसरी डेरी के मूल्य से 3 रुपये अधिक है, परन्तु दूसरी डेरी में पहली डेरी से 8 सिक्के अधिक है। बताओ दोनों डेरियों में कितने कितने सिक्के हैं।
- (१४) 40 और 50 के बीच की ऐसी संख्या बताओ कि यदि उसमें 9 जोड़ दिया जाय तो अंकों के स्थान बदल जायें।
- (१५) एक मनुष्य ने कुछ कुंवियाँ 3 रुपये प्रति कुम्भी के भाव मोल की और अपनी ही में 11 रुपये प्रति क्षेत्र के भाव मोल की। यदि वह सारे धन के दो बराबर भाग करके छोटे धन में क्षेत्र मोल देना और छोटे धन में कुंवियाँ, तो उसे 16 वस्तुपूर्ण अधिक मिलनी। कुंवियों और क्षेत्रों की संख्या बताओ।
- (१६) 125 के ऐसे चार भाग बताओ कि यदि पहले में 4 घटा करे, दूसरे में से 4 बढ़ाएँ, तीसरे का 4 से गुनन करे और चौथे को 4 पर भाग दे, तो सम्बन्ध बना में परिवर्तन बराबर हो।
[यदि वह परिवर्तन 2 हो, तो चार भाग यह होंगे —

$$x, x, x, x - \frac{4}{3} \text{ और } 125$$
- (१७) (1) 3 एक बार लाना बताओ कि यदि पहले में 3 घटा कर दूसरे में से 3 घटा कर तीसरे को 3 से गुनन कर और चौथे को 3 पर भाग दे तो वह लाना 2 परिवर्तन बराबर हो।

- (३३) एक कालोचर में १(५०) पुराने, मित्रों और शत्रुओं का बरत
है। यदि पुराने को मंत्रना दानकों को मंत्रना से दुखों हो; और
शत्रुओं को मंत्रना मित्रों को मंत्रना से दोषपूर्ण हो, तो पुराने
को मंत्रना दानकों।
- (३४) मैं २० गज करता १२० रुपये में भोज किया, कुछ करता
३ रुपये प्रति गज और रोड ३ रुपये प्रति गज के भाव। दानकों,
मैं २ रुपये प्रति गज के भाव किया करता भोज किया।
- (३५) मैं एक कुछ करने में, मैं उनमें से एक विहार किया करता
(५) करने किया किने एक जो करने में एक कुछ उनमें से
और भाग किया करता १० रुपये और किया किने, तो मैं
एक १२० रुपये में करे। दानकों कालोचर में मैं एक किने
करने में।
- (३६) किया में कालोचर में कहा, "गज में कातु दुखाने वर्तमान
कातु के कारण हो, उन कालोचर को दुखाने कातु में मैं
वर्तमान कातु दुखाने है।" यदि दोनों का वर्तमान कातु का
योगफल ३० वर्ष हो, तो उनको कातु कालोचर दानकों।
- (३७) एक मनुष्य ने अपने तीन पुत्रों में करने नृजि इस प्रकार बाँटे
कि पहले पुत्र को १२१ रुबई नृजि मिले; दूसरे को मारे नृजि
का १ भाग, और तीसरे को इनमें नृजि मिले किने पहले
पुत्रों को मिले में। तीनों का भाग कालोचर दानकों।
- (३८) एक विद्वान् को एक सम्यक् का भाग दानकों उनमें पूरे सन्धि
भाषण करके का कह "यह" उनमें दानकों हुई सन्धि को, तो
एक का दानकों दानकों में एक हुआ कि उनका उत्तर
भाषण में दानकों दानकों में, दानकों में का दानकों दानकों,
का दानकों का दानकों

- (११) एक बक्खी के १० भाग का रंग लाल है, ३ भाग का पीला, १३ भाग का हरा, और १० भाग का काला रंग है। यदि उसके शेष भाग की सम्बाई १७५ रूप है, तो उसकी कुल सम्बाई बताओ।
- (१२) ६४ पौड को तीन पुरुषों में इस प्रकार बाँटी कि पहले को दूसरे से निम्ना घन मिले और तीसरे पुरुष को पहले दो पुरुषों के घन का एक तिहाई मिले।
-

तीथा अध्याय

सरल युगपत् समीकरण

Simple Simultaneous Equations

(दो अन्वयक राशियों वाले)

(१) हम अध्याय में हम ऐसे सरल समीकरणों की व्याख्या करेंगे जिनमें एक से अधिक अन्वयक राशियाँ होती हैं,

$$\text{जैसे } x + y = 10$$

कह यदि हम यह कहना करें कि $x = 1, 2, 3, 4, 5$ इत्यादि तो y के मूल्य इस प्रकार होंगे :—

$x =$	1	2	3	4	5	6	7	8	इत्यादि
$y =$	9	8	7	6	5	4	3	2	इत्यादि

स्पष्ट है कि $x + y = 10$ समीकरण, x और y के अनगिनत मूल्यों द्वारा संतुष्ट हो सकता है। इससे यह परिणाम प्राप्त हुआ कि दो अन्वयक राशियों वाला एक समीकरण अनिर्णीत होता है, क्योंकि उसकी अन्वयक राशियों x और y के मूल्य निश्चित नहीं किये जा सकते।

परन्तु यदि पहले समीकरण के साथ साथ x और y का सम्बन्ध सूचित करने वाला एक और समीकरण दे दिया जाय, तो हमें x और y के केवल वे मूल्य मानने पड़ेंगे जो दोनों समीकरणों को संतुष्ट कर सकें।

अब यदि $x+y=10$ के साथ $y=x+4$ दिया जाए, तो $y=x+4$ में x और y के मूल्य इस प्रकार होंगे :-

$x=$	1	2	3	4	5	6	7	8	इत्यादि
$y=$	5	6	7	8	9	10	11	12	इत्यादि

दोनों समीकरणों में $x=3$, $y=7$ ही सम्पन्न राशियों के ऐसे मूल्य हैं जो दोनों समीकरणों को सन्तुष्ट कर सकते हैं। इसलिये यदि यह दोनों समीकरण एक साथ लिये जायें तो इनका हल केवल यही होगा कि $x=3$ और $y=7$ ।

परिभाषा—यदि दो या दो से अधिक समीकरणों को, उनकी अव्यक्त राशियों के मूल्य एक साथ सन्तुष्ट कर सकते हों, तो उन्हें युगपत् समीकरण कहते हैं।

(३) यदि दो दिये हुए समीकरणों की अव्यक्त राशियाँ x और y हों और उनमें हम एक ऐसा समीकरण निकाल लें जिसमें केवल x हो या केवल y हो, तो हम इस नये समीकरण की विद्युले अवस्था में बताई हुई विधि द्वारा हल कर सकते हैं।

यदि हम दो दिये हुए समीकरणों में से x निकाल दें और एक ऐसा समीकरण प्राप्त कर लें जिसमें केवल y ही अव्यक्त राशि हो तो यह कहा जाएगा कि हमने x को लुप्त कर दिया।

अब किसी अव्यक्त राशि को लुप्त करना, मानो उस राशि से छुटकारा पाना है अर्थात् एक ऐसा समीकरण प्राप्त करना है जिस में

(४) इसमें हमें दो अव्यक्त राशियों वाले समीकरणों के एक जोड़े को हल करने की यह विधि दी जा रही है। दोनों समीकरणों में से एक अव्यक्त राशि (x ही सही) लुप्त करके एक ऐसा समीकरण प्राप्त करें जिसमें केवल y ही अव्यक्त राशि हो। इस समीकरण को हल करके y का मूल्य निकाल लें। y का जो मूल्य मालूम हो उसे दिये हुए दोनों समीकरणों में से किसी एक में y के स्थान पर रख कर x का मूल्य निबाछ लें। इस प्रकार x और y दोनों के मूल्य मालूम हो जाएंगे।

इस विद्या की तीन पृथक् पृथक् विधियाँ नीचे दी जाती हैं :—

पहली विधि

उदाहरण (१) हल करें :—

$$x - 2y = 3 \quad \dots(1)$$

$$2x + 1 = 11y \quad \dots(2)$$

$$(1) \text{ से } x = 3 + 2y$$

$$(2) \text{ से } x = \frac{11y - 1}{2}$$

x के यह दोनों मूल्य समान हैं।

$$\therefore 3 + 2y = \frac{11y - 1}{2}$$

दोनों पक्षों को २ से गुणा किया, तो

$$6 + 4y = 11y - 1$$

परामर्श करने से

$$4y - 11y = -1 - 6$$

$$\text{या } -7y = -7$$

$$\therefore y = 1$$

y का यह मूल्य (१) में रखने से

$$x-2=3$$

$$\text{या } x=5$$

$$\therefore x=5 \quad y=1 \quad] \quad \text{उत्तर}$$

दूसरी विधि

उदाहरण (२) हल करो :—

$$34x-3y=50 \quad \dots(1)$$

$$5x-y=-15 \quad \dots(2)$$

$$(2) \text{ से } y=5x+15$$

y का यह मूल्य (1) में रखने से

$$34x-3(5x+15)=50$$

$$\text{या } 34x-15x-45=50$$

$$\text{या } 19x=95$$

$$\text{या } x=5$$

x का यह मूल्य (2) में रखने से

$$25-y=-15$$

$$\text{या } -y=-40$$

$$\text{या } y=40$$

$$\therefore x=5 \quad y=40 \quad] \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (३) हल करो :—

$$x+2y=3=4x-y$$

इस के दो समीकरण इस प्रकार बने

$$x+2y=3 \quad (1)$$

$$4x-y=3 \quad (2)$$

x का वह मूल (2) में रखने से

$$4(3-2y)-5=3$$

$$\text{या } 12-8y-5=3$$

$$\text{या } -8y=-9$$

$$\text{या } y=1$$

y का वह मूल (1) में रखने से

$$x+2=3$$

$$x=1$$

$$\therefore \begin{bmatrix} x=1 \\ y=1 \end{bmatrix} \quad \text{उत्तर}$$

तीसरी विधि

उदाहरण (2) हम करें :-

$$4x-2y=3 \dots\dots (1)$$

$$5x-3y=9 \dots\dots (2)$$

हम हम दोनों समीकरणों में y के गुणांक बराबर करेंगे। इसे गुणा करेंगे।

यदि $2y$ को 3 से गुणा किया जाए और $3y$ को 2 से, तो गुणांक बराबर हो जाएंगे। इसलिए (1) को 3 से गुणा करेंगे और (2) को 2 से।

गुणा करेंगे,

$$12x-6y=9 \dots\dots$$

$$10x-6y=18 \dots\dots (3)$$

(3) में से (4) को घटाएँगे

$$2x=-9$$

$$x=-3$$

x का वह मूल (-3) में

$$12 - 2y = 8$$

$$\text{या } -2y = -4$$

$$\therefore y = 2$$

$$\left. \begin{array}{l} x = 3 \\ y = 2 \end{array} \right\} \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) हल करो :—

$$4x + 3y = 1 \dots\dots(1)$$

$$5x + 4y = 2 \dots\dots(2)$$

(1) को 4 और (2) को 3 से गुणा करने से

$$16x + 12y = 4 \quad (3)$$

$$15x + 12y = 6 \dots (4)$$

(3) में से (4) को घटाने

$$x = -2$$

(1) में x के स्थान पर -2 रखने से

$$-8 + 3y = 1$$

$$\text{या } 3y = 9$$

$$\text{या } y = 3$$

$$\therefore \left. \begin{array}{l} x = -2 \\ y = 3 \end{array} \right\} \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (६) हल करो:—

$$4x + 3y = 13 \dots (1)$$

$$2x - 3y = -1 \dots (2)$$

दोनों समीकरणों को जमा करने से

$$6x = 12$$

$$x = 2$$

∴ से $x = 2$ रखने से

$$\text{या } 2x = 5$$

$$\text{या } 4 = 2x$$

$$\therefore \begin{matrix} x = \frac{5}{2} \\ 4 = 2x \end{matrix} \quad \text{उत्तर}$$

[जाँच:—

x के स्थान पर 2 और 4 के स्थान पर $\frac{5}{2}$ रखने से

$$4x \div 2x = 5 \div 5 = 1$$

$$\text{और } 2x - 2x = 4 - 5 = -1$$

इसलिए x और 4 के वह नूतन दोनों समीकरणों को सन्तुष्ट करते हैं।]

उदाहरण (७) हल करो:—

$$2x - 3y = -5 \dots \dots (1)$$

$$5x - 3y = 1 \dots \dots (2)$$

(2) में से (1) घटाने से

$$3x = 6$$

$$\text{या } x = 2$$

(2) में x के स्थान पर 2 रखने से

$$10 - 3y = 1$$

$$\text{या } -3y = -9$$

$$\text{या } y = 3$$

$$\therefore \begin{matrix} x = 2 \\ y = 3 \end{matrix} \quad \text{उत्तर}$$

[जाँच:—

$$2x - 3y = 2 \times 2 - 3 \times 3 = 4 - 9 = -5$$

$$\text{और } 5x - 3y = 5 \times 2 - 3 \times 3 = 10 - 9 = 1$$

इसलिए x और y के वह नूतन दोनों समीकरणों को सन्तुष्ट करते हैं।]

प्रश्नावली २०

निम्नलिखित युग्मपन् समीकरणों को हल करो और अपने उत्तर की जांच करो—

(१) $x+y=6$

$x-y=2$

(२) $x-3y=-5$

$x+2y=5$

(३) $3x+2y=31$

$3x+5y=37$

(४) $x+4y=21$

$4x-y=16$

(५) $2x-3y=0$

$3x-4y=21$

(६) $11x+2y=39$

$7x-3y=37$

(७) $4x+7y=23$

$6x-5y=-12$

(८) $7=2x+y$

$x+3y=2$

(९) $3x=y+23$

$3y=x+19$

(१०) $5x-3y+9=0$

$x+6y+15=0$

(११) यदि $2x-5y=1$, और $7x+3y=24$, तो $x-y$ का मूल्य बताओ ।

(१२) $7y=2-x$.

(१) $x-y=3$

$x+y=5$

(२) $2x+y=11$

$x+y=7$

(३) $3x-2y=10$

$x+3y=7$

(४) $5y-7x=4$

$8y-x=7$

(५) $5x-4y=1$

$3x+11y=81$

(६) $7y+5x=29$

$8y+2x=43$

(७) $12x-5y=1$

$10y+21x=1$

(८) $y=4x-10$

$4=2x-y$

(९) $4y=7+9x$

$3x+7y=1$

(१०) $9x=18-25y$

$6x-12=55y$

(११) $4x=2y+5$,

$2y=11-4x$

$$(२४) 25 = 5x + 5$$

$$(२१) \frac{4x+5}{5} = 3;$$

$$5 = 5x + 1$$

$$\frac{x}{5} + 5x = 8$$

$$(२६) 5x - 5x = 5x + 5x = 7$$

$$(२७) \frac{7x}{5} + \frac{5x}{2} = 12 = 5x - \frac{5x}{2}$$

$$(२८) \frac{x}{4} - \frac{x}{5} = 2x - 5x + 3 = 0$$

$$(२९) \frac{x}{5} - \frac{x}{5} = 7; \quad (३०) \frac{x+9}{5} = \frac{2x-1}{3} = \frac{x-3-2}{4}$$

$$\frac{x}{5} - \frac{x}{5} = 8$$

एक विशेष उदाहरण

उदाहरण :- हल करो . —

$$12x + 11y = 55 \dots\dots\dots(1)$$

$$11x + 12y = 57 \dots\dots\dots(2)$$

इन्हें निम्न रीति में हल किया जाएगा

पहले (1) और (2) को घटा दिया,

$$\text{तो } 12x - 11y = 115$$

हिए 25 पर भाग देने से

$$x - y = 5 \quad (3)$$

हर 11 से 2 को घटाया,

$$\text{तो, } x - y = 1 \quad (4)$$

(3) और (4) को घटा दिया

$$\text{तो } 0 = 6$$

$$x = 5$$

(5) से 5 को घटाया,

$$\text{तो } 2y=4$$

$$y=2$$

$$\therefore \left. \begin{array}{l} x=3 \\ y=2 \end{array} \right\}$$

उत्तर

प्रश्नावली २१

हल करो:—

$$(१) 2x+3y=7,$$

$$3x+2y=8$$

$$(२) 11x-13y=46,$$

$$13x-11y=60$$

$$(३) \frac{1}{3}x + \frac{1}{4}y = 1;$$

$$\frac{1}{4}x + \frac{1}{3}y = \frac{1}{6}$$

$$(४) 23x+17y=63;$$

$$17x+23y=57$$

$$(५) 11x+12y=58$$

$$12x+11y=57$$

$$(६) \frac{2x}{3} - \frac{3y}{5} = 1;$$

$$\frac{3x}{5} - \frac{2y}{3} + 1 = 0,$$

ऐसे समीकरण जिन में अच्युत राशियों के व्युत्पन्न प्रयुक्त हों ।

परिभाषा—यदि दो राशियों का गुणनफल एक सङ्ख्या हो, तो उन्हें एक दूसरे का व्युत्पन्न कहते हैं। जैसे x का व्युत्पन्न $\frac{1}{x}$ है, y का $\frac{1}{y}$, $\frac{a}{b}$ का $\frac{b}{a}$, $\frac{1}{y}$ का y ।

जिन समीकरणों $\frac{1}{x}$ और $\frac{1}{y}$ प्रयुक्त हों उन्हें द्वितीय कोटि के समीकरण कहते हैं।

उदाहरण— $\frac{1}{x} + \frac{1}{y} = 1$ एक द्वितीय कोटि का समीकरण है। इसे x और y के समीकरण में बदलकर हल किया जा सकता है।

समस्या—उनके व्युत्पन्न ज्ञात करें ।

उदाहरण (१) हल करो:-

$$\begin{cases} \frac{1}{x} + \frac{1}{y} = \frac{5}{6} \\ \frac{1}{x} - \frac{1}{y} = \frac{1}{6} \end{cases}$$

समीकरणों को उभा करने और घटाने से,

$$\frac{2}{x} = 1 \quad \text{और} \quad \frac{2}{y} = \frac{4}{3}$$

$$\therefore \frac{1}{x} = \frac{1}{2} \quad \text{और} \quad \frac{1}{y} = \frac{2}{3}$$

$$\therefore \begin{bmatrix} x = 2 \\ y = \frac{3}{2} \end{bmatrix} \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) हल करो:-

$$\frac{4}{x} - \frac{3}{y} + 1 = 0 \dots \dots \dots (1)$$

$$\frac{8}{x} + \frac{5}{y} = 0 \dots \dots \dots (2)$$

(1) को (2) से और (2) को (1) से गुणा करके दोनों को घटाया, तो

$$\frac{24}{x} - \frac{24}{y} - 3 = 0$$

$$\text{या} \quad \frac{44}{x} = \frac{22}{y}$$

$$\therefore \frac{1}{x} = \frac{1}{2}$$

$$\therefore x = 2$$

(2) में x के स्थान पर 2 रखा,

$$\text{तो} \quad \frac{8}{2} + \frac{5}{y} = 0$$

$$\text{या } \frac{5}{y} = 5 \therefore y = 1$$

$$\left. \begin{array}{l} x=2 \\ y=1 \end{array} \right\} \text{ उत्तर}$$

प्रश्नावली २२

निम्न लिखित समीकरणों को हल करो—

$$(1) \quad \frac{1}{x} + \frac{1}{y} = 8;$$

$$(2) \quad \frac{1}{x} + \frac{1}{y} = \frac{5}{6};$$

$$\frac{1}{x} - \frac{1}{y} = 4,$$

$$\frac{1}{y} - \frac{1}{x} = \frac{1}{6}$$

$$(3) \quad \frac{1}{x} + \frac{3}{y} = 11,$$

$$(4) \quad \frac{15}{x} + \frac{15}{y} = 1.$$

$$\frac{3}{x} + \frac{7}{y} = 27$$

$$\frac{6}{x} - \frac{30}{y} = 1$$

$$(5) \quad \frac{3}{x} + \frac{2}{y} = 13,$$

$$(6) \quad \frac{3}{x} - \frac{2}{y} = 2;$$

$$\frac{5}{x} - \frac{3}{y} = 0$$

$$\frac{2}{x} + \frac{3}{y} = 3\frac{1}{2}$$

$$(7) \quad \frac{15}{x} - \frac{4}{y} = 3,$$

$$(8) \quad \frac{8}{x} - \frac{0}{y} = 7,$$

$$\frac{9}{x} + \frac{8}{y} = 7,$$

$$\frac{10}{x} - \frac{12}{y} = 9$$

$$(9) \quad \frac{5}{x} - \frac{8}{y} = 1$$

$$(10) \quad \frac{9}{y} - \frac{7}{x} = 11$$

$$\frac{4}{x} - \frac{1}{y} = 2$$

$$\frac{14}{x} + \frac{9}{y} = 11$$

$$(11) \quad \frac{1}{x} - \frac{2}{y} = 11$$

$$(12) \quad \frac{2}{x} + \frac{3}{y} = 2$$

$$\frac{1}{x} - \frac{1}{y} = 3$$

$$\frac{1}{x} - \frac{1}{2y} = 3$$

सरल युगपत नमीकरण

$$(12) \frac{3}{x} + 5y = 2;$$

$$\frac{1}{x} - 3y = 8$$

$$(12) \frac{x-1}{y-1} = \frac{3}{4};$$

$$\frac{x+2}{y-2} = \frac{4}{3}$$

$$(13) \frac{3x}{4} - \frac{y+1}{2} = 1.$$

$$\frac{x+1}{3} - \frac{3(y-1)}{4} = 9$$

$$(12) 6x + 55y - 128 = 0 = 34x - 152 + 15y$$

$$(12) 5x = 4(x+y) - 3;$$

$$2y = 7(x-1)$$

$$(14) \frac{11}{x} - \frac{8}{y} = -5;$$

$$3\left[\frac{2}{x} + \frac{1}{y}\right] = 12$$

$$(14) \frac{2x-1}{y-2}$$

$$= 3 = \frac{5x+1}{2y}$$

आधे में दूसरी का तिहाई जोड़ा जाय तो योगफल 8 होता है, और पहली संख्या के $\frac{1}{3}$ में से दूसरी संख्या का $\frac{1}{4}$ घटाने से 1 बचता है। वे संख्याएँ प्रतीत करो।

मान लो कि वे संख्याएँ x और y हैं तो प्रश्न की शर्तों के अनुसार

$$4x + \frac{1}{3}y = 8 \dots\dots(1)$$

$$\text{और } \frac{1}{3}x - \frac{1}{4}y = 1 \dots\dots(2)$$

भिन्नो में सुटकारा पाने के लिये (1) को 6 से और (2) को 12 से गुणा किया, तो

$$3x + 2y = 48 \dots\dots(3)$$

$$\text{और } 9x - 5y = 45 \dots\dots(4)$$

(3) को तीस से गुणा करके (4) में से घटाने पर

$$-11y = -99$$

$$\text{या } y = 9$$

(4) में $y = 9$ रखने से

$$9x - 45 = 45$$

$$\text{या } 9x = 90$$

$$x = 10$$

इसलिये वे संख्याएँ 10 और 9 हैं। उत्तर

[जाँच

$$\frac{1}{2}x + \frac{1}{3}y = 8$$

$$\text{और } \frac{1}{3}x - \frac{1}{4}y = 1]$$

उदाहरण (2) एक संवत्स के चलने पुरुष ने यह कहा—“मैंने वर्ष दस महीने चाय पिया महीने में चाय गुनी थी और तीन वर्ष में मैंने चाय नुम से निगली होती।” बताया, कि वह और पुरुष की चाय इस समय क्या-क्या है ?

मान लो कि इस समय पिता की आयु x वर्ष है और पुत्र की y वर्ष, तो छय से 7 वर्ष पहले पिता की आयु $(x-7)$ वर्ष थी और पुत्र की $(y-7)$ वर्ष। छय से तीन वर्ष पश्चात् पिता की आयु $(x+3)$ वर्ष हो जायेगी और पुत्र की $(y+3)$ वर्ष।

छय प्रश्न की शर्तों के अनुसार

$$-7 = 7(y-7) \dots (1)$$

$$\text{और } x+3 = 3(y+3) \dots (2)$$

(1) में से (2) घटाने से

$$-10 = 4y - 58$$

$$\text{जिससे } y = 12$$

(2) में $y=12$ रखने से

$$x+3 = 3(12+3)$$

$$\text{या } x+3 = 45$$

$$x = 42$$

∴ इस समय पिता की आयु 42 वर्ष है
और पुत्र की आयु 12 वर्ष]

प्रश्नावली २३

- (1) दो संख्याओं का योगफल 132 है और व्यवकलनफल 18 है, वे संख्याएँ प्रतीत करो।
- (2) दो संख्याओं का योगफल 80 है और छोटी संख्या के तिगुने से 5 बड़ी संख्या घटाने पर 20 बचते हैं। वे संख्याएँ बताओ।
- (3) जेमा दो संख्याएँ बताओ कि पहली संख्या दूसरी संख्या के साथ से 2 अधिक हो और दूसरी संख्या पहली के तिगुने से 20 कम हो।

- (४) ऐसी दो संख्याएँ प्रतीत करो कि पहली संख्या, और दूसरी संख्या की एक चौथाई का योगफल 35 हो और पहली संख्या का तिगुना दूसरी संख्या से 7 अधिक हो।
- (५) एक संख्या के ऐसे दो भाग किये जा सकते हैं कि छोटे भाग का दुगुना बड़े भाग से 6 अधिक हो, और बड़े भाग का दुगुना छोटे भाग के तिगुने से 1 अधिक हो। वह संख्या और उसके भाग बताओ।
- (६) ऐसी दो संख्याएँ a और b प्रतीत करो।
कि $a + \frac{1}{3}b = b + \frac{1}{4}a = 300$
- (*) A की आयु का तिगुना B की आयु के दुगुने से 6 वर्ष अधिक है। यदि B की आयु A से 3 वर्ष अधिक हो, तो बताओ उनकी आयु क्या क्या हैं ?
- (८) A की आयु का आधा B की आयु के एक तिहाई से 2 वर्ष अधिक है। यदि उनकी आयु का योगफल 44 वर्ष हो, तो प्रत्येक की आयु बताओ ?
- (९) तीन वर्ष पहले पिता की आयु पुत्र से दुगुनी थी। तीन वर्ष परचान् उन दोनों की आयु का योगफल 70 वर्ष हो जायेगा। बताओ, इस समय उनकी आयु क्या क्या है ?
- (10) इस समय A की आयु B से 10 वर्ष कम है, और दोनों की आयु का योगफल 70 वर्ष है। बताओ, अब से 11 वर्ष परचान् उनकी आयु क्या क्या होगी ?
- (11) पिता और पुत्र की वर्तमान आयु का योगफल 70 वर्ष है। दस वर्ष होते पुत्र की आयु पिता से एक चौथाई थी। उनकी आयु इस समय क्या क्या है ?

उदाहरण (3) एक संख्या में दो संक हैं और दोनों संकों का योगफल 10 है। यदि संकों के स्थान बदल दिये जायें, तो नई संख्या पहली संख्या से 9 अधिक होगी। बताओ, वह संख्या क्या है ?

मान लो कि इकाई का संक x है

और दहाई का संक y है

तो वह संख्या $= 10y + x$

संकों के स्थान बदलने से संख्या का मूल्य $10x + y$ हो जाएगा, क्योंकि x दहाई का संक हो जाएगा और y इकाई का।

अब प्रश्न में दी हुई शर्तों के अनुसार

$$x + y = 10 \quad \dots \quad (1)$$

$$\text{और } 10x + y = 10y + x + 9 \quad \dots \quad (2)$$

(2) को संक्षिप्त करने से

$$x - y = 9 \quad (3)$$

(1) और (3) को जोड़ा करने से

$$2x = 19$$

$$\text{या } x = 9.5$$

(1) में से (3) घटाने से

$$2y = 1$$

$$\text{या } y = 0.5$$

इस बिंदु पर इच्छित संख्या $= 23$ उत्तर

उदाहरण (4) तीन संकों का एक संख्या है। संकों का योगफल 10 है। बाएं बाया संक 10 से अधिक है। यदि बाएं बाया संक के स्थान बदलने से संख्या का मूल्य 11 अधिक हो जाय तो वह संख्या क्या है ?

क्योंकि बीच वाला चंक पहले और तीसरे चंकों के योगफल के बराबर है और इन चंकों का योगफल 10 है, इस लिए स्पष्ट है कि बीच वाला चंक 5 है।

अब यह मान लो कि इकाई का चंक x है और सैकड़े का चंक y है।

दो हुई संख्या का मुख्य $100y + 50 + x$

x और y के स्थान एक दूसरे से बदलने पर अर्थात् x सैकड़े का चंक और y इकाई का चंक हो जाने पर, संख्या का मुख्य $100x + 50 + y$ हो जायेगा।

अब प्रश्न की शर्तों के अनुसार

$$y + 5 + x = 10 \quad \dots \quad (1)$$

$$\text{और } 100x + 50 + y = 100y + 50 + x + 99 \quad (2)$$

(1) को संक्षिप्त करने से

$$x + y = 5 \quad (3)$$

(2) को संक्षिप्त करने से

$$x - y = 1 \quad \dots \quad (4)$$

(3) और (4) से स्पष्ट है कि

$$x = 3$$

$$\text{और } y = 2$$

$$\text{इसलिए इष्ट संख्या} = 253 \quad \text{उत्तर}$$

(12) दो चंकों वाली एक संख्या का इकाई का चंक इकाई के चंक से 5 अधिक है, और संख्या का मुख्य चंकों के योगफल का आठ गुना है। वह संख्या मान्नुम करो।

(13) दो चंकों वाली एक संख्या के चंकों का योगफल 4 है। यदि चंकों के स्थान बदल दिये जायें तो नई संख्या का मुख्य अमली संख्या से 03 अधिक हो जाता है। वह संख्या बताओ।

(२१) तीन चंकों वाली एक संख्या के चंकों का योगफल 14 है। बीच वाला चंक पहले और तीसरे चंक के योगफल के बराबर है, और चंकों का क्रम उलटने से संख्या के मूल में 207 की कमी हुई जाती है। वह संख्या बताओ।

[संकेत - स्पष्ट है कि बीच का चंक 7 है।]

भिन्नों के प्रदन

उदाहरण (२) किसी भिन्न के हर और अंश का अन्तर 1 है। यदि अंश को पाँच गुणा कर दिया जाय, तो भिन्न का मूल पहले से 3 अधिक हो जाता है, वह भिन्न बताओ।

मान लो भिन्न का अंश x

$$\text{तो हर} = x + 1$$

$$\text{भिन्न} = \frac{x}{x+1}$$

अन का अंश के अनुसार

$$\frac{5x}{x+1} = \frac{x}{x+1} + 3 \quad (1)$$

(1) के दोनों पक्षों को $(x+1)$ से गुणन करने पर

$$5x = x + 3(x+1)$$

$$= x + 3x + 3$$

$$x + 4x = 3$$

$$x = 3$$

$$\text{अंश} = 3$$

$$\text{हर} = 3 + 1 = 4$$

$$\text{अतः वह भिन्न} = \frac{3}{4}$$

$$\frac{3}{4} \text{ का } 5 \text{ गुना} = \frac{15}{4} = 3 \frac{3}{4} \text{ जो } \frac{3}{4} \text{ से } 3 \text{ अधिक है।}$$

से निम्न का मूल $\frac{1}{2}$ हो जाता है। वह निम्न प्रयोग करो।
मान लो कि उस निम्न का अंश = १ और हर ५ है, तो मूल को
हो के बदलना

$$\frac{x+1}{x-1} = \frac{1}{5} \quad \dots(1)$$

$$\text{और } \frac{x-5}{x+5} = \frac{1}{5} \quad \dots(2)$$

(1) को संश्लिष्ट करने से

$$5x+5 = x-1 \quad \dots(3)$$

(2) को संश्लिष्ट करने से

$$11x-25 = 5 \quad \dots(4)$$

(3) और (4) को हल करने से

$$x = 20$$

$$\text{और } y = 71$$

इसलिए वह निम्न = $\frac{20}{71}$ उत्तर

$$\left[\frac{x+1}{x-1} = \frac{20}{71} = \frac{1}{5} \right]$$

$$\text{और } \frac{x-5}{x+5} = \frac{20}{71} = \frac{1}{5}$$

- प्रश्न के हल करने वाले हैं। इन प्रश्नों का हल करो।
- (1) किसी निम्न के अंश का गुणक ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (2) वह निम्न का हर ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (3) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (4) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (5) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (6) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (7) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (8) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (9) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर
 - (10) वह निम्न का अंश ५ है। वह निम्न बदल कर

- (२६) ऐसा भिन्न मालूम करो कि उसके चंरा में एक जमा करने से भिन्न का मुख्य ४ हो जाय, और हर में से एक घटाने से भिन्न का मुख्य 5 हो जाय ।
- (२७) किसी भिन्न का हर चंरा से 13 अधिक है । यदि चंरा में 2 जमा कर दें और हर में भी 2 जमा कर दें, तो भिन्न का मुख्य $\frac{1}{2}$ हो जाता है । यह भिन्न मालूम करो ।
- (२८) दो भिन्नो का घन्तर $\frac{1}{1}$ है और योग $\frac{1}{2}$; वे भिन्न मालूम करो ।
- (२९) एक मनुष्य ने कुछ मुर्गे और सरगोश पाल रखे हैं । यदि उन सब के सिरों की संख्या 22 और टोंगों की संख्या 70 हो, तो कितने मुर्गे और कितने सरगोश हैं ?
-

पांचवां अध्याय

वर्ग समीकरण या द्विघात समीकरण

Quadratic Equations

एक आयत का क्षेत्रफल 24 वर्गफुट है। उसकी लम्बाई उसकी चौड़ाई से 2 फुट अधिक है। उसका भुज प्रतीत करो।
मान लो कि आयत की चौड़ाई x फुट और लम्बाई $x+2$ फुट
तो क्षेत्रफल $= x(x+2)$ वर्गफुट
दो हुई शर्त के अनुसार $x(x+2) = 24$
या, $x^2 + 2x = 24$

यहां इस समीकरण में x^2 प्रयुक्त है इसे द्विघात या वर्ग समीकरण कहते हैं।

x का मूल्य प्रतीत करने के लिए हम पहले दोनों पक्षों में एक जमा करके पूर्ण वर्ग बनाते हैं।

$$\therefore x^2 + 2x + 1 = 25$$

$$\text{या, } (x+1)^2 = 5^2$$

दोनों पक्षों का वर्गमूल निकालने से

$$x+1=5 \quad \text{या} \quad -5$$

$$x=4 \quad \text{या} \quad -6$$

घनात्मक मूल लेने पर आयत के भुज क्रमशः 4 फुट और 6 फुट हैं।

अतः हम वर्ग समीकरण को वर्ग पूर्ण करके हल कर सकते हैं

कहाओ, प्रत्येक नाली अलग-अलग उसे कितने समय में भर सकती है।

कल्पना करो कि पहली नाली टंकी को x घंटे में भर सकती है, तो दूसरी $x+3$ घंटे में भर सकती है।

पहली नाली टंकी का $\frac{1}{x}$ भाग एक घंटे में भरती है।

दूसरी नाली टंकी का $\frac{1}{x+3}$ भाग एक घंटे में भरती है।

∴ दोनों मिलकर टंकी का $\left(\frac{1}{x} + \frac{1}{x+3}\right)$ भाग एक घंटे में भरेंगी।

परन्तु वे दोनों एक घंटे में टंकी का $\frac{1}{\frac{1}{2}}$ भाग या $\frac{1}{2}$ भाग भरती है।

$$\frac{1}{x} + \frac{1}{x+3} = \frac{5}{18} \text{ या } \frac{2x+3}{x(x+3)} = \frac{5}{18}$$

दोनों पक्षों को $18x(x+3)$ से गुणा करने पर,

$$18(2x+3) = 5x(x+3),$$

$$\text{अर्थात् } 5x^2 - 21x - 54 = 0$$

$$\text{या } (x-6)(5x+9) = 0$$

$$\therefore x=6 \text{ अर्थात् } x=-\frac{9}{5}$$

दूसरा उत्तर अकारणिक है इसलिए इसे ठीक नहीं मान सकते।
इस प्रकार से हम इस परिणाम पर पहुँचने हैं कि पहली नाली टंकी को 6 घंटे में और दूसरी 9 घंटे में भर सकती है।

उदाहरण 1.4 मैंने एक घड़ा 30 रुपये में बेचा तो मुझे उतने निराला लाभ हुआ जितने रुपये में मैंने वही माला खरी तो। कहाओ,

इसका करो कि घड़ी का घटकमूल्य = x रुपये, तो

$$\text{विमप मूल्य} = x + \frac{x^2}{100}$$

$$\therefore x + \frac{x^2}{100} = 39$$

समीकरण को हल करने पर,

$$x = 30 \text{ या } -130$$

कारण मूल्य का कोई अर्थ नहीं इसलिए इसको छोड़ दिया।

$$\text{इसका घटकमूल्य} = 30 \text{ रुपये उत्तर}$$

प्रश्नावली २५

- (१) दो संख्याओं का योगफल 14 और गुटनफल 24 है। एक संख्याएं बताओ।
- (२) दो दो लगातार संख्याएं बताओ जिनका गुटनफल 535 के बराबर हो।
- (३) दो दो लगातार मन संख्याएं बताओ जिनका गुटनफल 288 के बराबर हो।
- (४) दो दो लगातार विषम संख्याएं बताओ जिनका गुटनफल 1445 के बराबर हो।
- (५) दो लगातार विषम संख्याएं बताओ जिनका वर्गों का योग 229 के बराबर हो।
- (६) दो दो संख्याएं बताओ जिनका योगफल 11 हो और इनके वर्गों का योगफल ६५ हो।
- (७) एक संख्या का वर्गफल ५६५३ है इसकी वर्गमूल संख्या बताओ।

- (८) एक संख्या और उसके व्युत्क्रम का योगफल $2\frac{1}{2}$ है वह संख्या प्रतीत करो ।
- (९) एक संख्या और उसके व्युत्क्रम का अन्तर $\frac{3}{4}$ है । वह संख्या प्रतीत करो ।
- (१०) दो संख्याओं का गुणनफल 720 है, और यदि एक संख्या को दूसरी पर भाग दिया जाय तो भजनफल 9 है । संख्याएँ मालूम करो ।
- (११) दो घनात्मक संख्याएँ बताओ जिनका योगफल 12 हो और उनके व्युत्क्रमों का योगफल $\frac{1}{3}$ हो ।
- (१२) एक भिन्न का हर उसके अंश से 4 अधिक है । यदि उस भिन्न को उसी से गुणा करें तो गुणनफल के हर और अंश का अन्तर 40 होता है । भिन्न प्रतीत करो ।
- (१३) एक मनुष्य की आयु उसके पुत्र से 20 वर्ष अधिक है, 5 वर्ष परन्तान् दोनों की आयु का गुणनफल 576 होगा । बताओ, उनकी आयु इस समय कितनी कितनी है ?
- (१४) एक मनुष्य और उसके पुत्र की भवस्थाओं का जोड़ 60 वर्ष है और उनकी आयु के अंकों का गुणनफल 576 होता है । दोनों की भवस्थाएँ बताओ ।
- (१५) एक मनुष्य ने 1 रुपया 8 आने के कुछ सेब लिये उसने सब सेब एक आना भाग पाई प्रति सेब की दर से बेच दिये और इस प्रकार उसे उतना लाभ हुआ जितने में उसने एक सेब मोड़ दिया था । बताओ, उसने कितने सेब मोड़ दिये थे और प्रत्येक सेब कितने का मोड़ दिया था ?
- (१६) एक आयत का क्षेत्रफल 1200 वर्गगज है । यदि उसकी चौड़ाई एक गज अधिक होती और लम्बाई दो गज कम होती तो भी क्षेत्रफल इतना ही होता । उसकी लम्बाई चौड़ाई बताओ ।

- (१७) एक रुपये में कितनी नारंगियाँ मिलती हैं, उनमें 8 नारंगियाँ अधिक मिलने लगे, तो एक दर्जन नारंगियों का मोल 4 घाने कम हो जाय। बताओ, एक बोझा नारंगियाँ कितने में मिल रही हैं ?
- (१८) एक घायलाकार घेत का क्षेत्रफल 48 वर्गगज है और उस के कार्य की लम्बाई 10 गज है। उसकी लम्बाई चौड़ाई बताओ।
- (१९) पेसी संख्या बताओ जिसे उसके वर्ग में जमा किया जाय तो योगफल उससे घगली संख्या में नागुना हो जाय।
- (२०) एक मनुष्य ने कुछ कुमियाँ 200 रुपये में मोल लीं। उनमें से 5 खोरी हो गईं। दोष कुमियों में से उसने प्रत्येक कुमी को क्रय मूल्य से 4 रुपये अधिक मूल्य पर बेचा और इस प्रकार उसे 40 रुपये का लाभ हुआ। बताओ, उसने कितनी कुमियाँ मोल ली थी और प्रत्येक कुमी कितने की मोल ली थी ?
- (२१) एक मनुष्य ने अपनी घड़ी 75 रुपये में बेची और उतने प्रतिशत लाभ उठाया कितने रुपये की मोल ली थी। घड़ी का क्रय मूल्य बताओ।
- (२२) मैंने एक मेज 14 रुपये 1 घाने की बेची और उतने प्रतिशत लाभ उठाया कितने रुपये की वह मेज मोल ली थी, मेज का क्रय मूल्य बताओ।

जांच पत्र (पहला खण्ड)

पत्र १

१. $x^3 + 2y^2x + y^3$ का $x^3 - 2y^2x + y^3$ से गुणन करो

२. गुणनखंड करो :—

(क) $x^2 + 4x - 6x - 4b$

(ख) $xy(a^3 + b^3) - ab(x^3 + y^3)$

३. यदि $x = b + c$, $y = c - a$, $z = a - b$,

तो सिद्ध करो कि $x^3 + y^3 + z^3 - 3xyz = 4b^3$

४. हल करो :—

(क) $2 - 2(x - 3) = 4x - 4(x - 3)$

(ख) $3x + 4y = 41$; $5x + 3y = 50$

(ग) $x^2 - 5x = 0$

५. एक कमरे की चौड़ाई 10 फुट है। यदि सम्भाई 3 फुट अधिक होतो और चौड़ाई 1 फुट कम, तो क्षेत्रफल में कोई अन्तर न होना। सम्भाई मान्य करो।

पत्र २

१. $a^3 + 4b^3$ को $a^3 - 2ab + 2b^3$ से भाग दो।

२. गुणनखंड करो : -

(क) $2xy - 3yz - 4ax + 6az$

(ख) $(a + b)^2 + 2c(a + b) + c^2$

(ग) $16a^4 - 81x^4$

३. यदि $x + \frac{1}{x} = 5$, तो $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मूल्य बताओ।

हल करो :—

(क) $(2x+3)(3x+5) = (6x+1)(x+1) + 74$

(ख) $41x + 31y = 133,$

$31x + 41y = 53$

(ग) $x^2 - 9x + 14 = 0$

२. एक संख्या दूसरी संख्या से 4 अधिक है और दोनों का जोड़ 36 है। संख्याएँ मालूम करो।

पत्र ३

१. $(a+b+1)(a-b+2)$ के गुणनफल को $(a+b-1)(a-b-2)$ के गुणनफल में जोड़ो, और $a=5, b=2$ मान कर अपने उत्तर की जांच करो।

२. गुणनखंड करो :—

(क) $81x^4 - 1$

(ख) $16y^3 - y$

(ग) $9(a-b)^2 - 1$

(घ) $32z^2 - 2z^3$

३. मूल्य निकालो :—

(क) 2003×1997

(ख) 8004×7996

संकेत—इस सूत्र से काम लो $a^2 - b^2 = (a+b)(a-b)$

४. हल करो :—

क $\frac{5x-12}{3} - \frac{3x-5}{7} = \frac{x-7}{4}$

ख $y = 3x - 2, y - 1 = 4x$

(ग) $15x^2 = x - 25$

६. हरि के पास श्याम से तिगुना रुपया है। यदि हरि श्याम को 250 रु० दे दे तो श्याम के पास हरि से दुगुने रुपये हो जायेंगे। बताओ दोनों के पास कितने कितने रुपये हैं ?

पृष्ठ ४

१. यदि $x=2$, $y=3$, $a=4$ तो

$7ax^2 - 6a^2xy - 10x^2a + 50xy^2 + 3ax^3 - 20y^2x$ का मूल्य क्या होगा ?

२. गुणनसंघ करो :-

(क) $a^2 - b^2 + c^2 + 2ac$

(ख) $ca(c-a) + ab(a-b)$

(ग) $x^4 + x^2 + 1$

(घ) $x^4 - 5x^2 + 4$

३. गुणनसंघ करके मूल्य प्रतीत करो :-

(क)
$$\frac{769 \times 769 - 231 \times 231}{769 - 231}$$

(ख) $\{(81)^2 - (18)^2\} \div 63$

४. हल करो :-

(क) $3 + \frac{x}{4} = \frac{1}{2} \left(4 - \frac{x}{2} \right) - \frac{5}{6} + \frac{1}{3} \left(11 - \frac{x}{2} \right)$

(ख) $\frac{5}{x} + \frac{3}{y} = 30, \frac{9}{x} = 2 + \frac{5}{y}$

(ग) $2x^2 - x - 210 = 0$

५. मिना की छातु कुच की छातु से बचि लुकी है। 24 वर्ष परचाउ कुच की छातु मिना की वर्तमान छातु के बराबर होगी। दोनों की वर्तमान छातु बताओ।

जांच पत्र

पत्र ५

१. सरल करो $2a - [3a - \{4a - 2a - \dots\}]$

२. गुणनखंड करो:—

(क) $x^2 + 13x + 42$

(ख) $x^2 - 13x + 42$

(ग) $x^2 - 5x - 24$

(घ) $x^2 + 4x - 221$

३. (क) $x^2 - \frac{1}{x} - 1$ का $x + \frac{1}{x}$ से गुणन करो

(ख) $18x^3 - 39x^2 + 18x - 5$ में $3x - 5$ का भाग दो।

४. हल करो:—

(क) $\frac{x}{5} + \frac{x}{25} = 120$

(ख) $4x - 3y = 12$, $2x - y = 16$

(ग) $24x^2 - 7x - 6 = 0$

५. एक संख्या में दो अंक हैं जिनका योगफल ७ है। यदि उस संख्या में २७ जोड़ें तो अंक उलट जाते हैं। संख्या नातून करो।

पत्र ६

१. $(x+50)(x+32)$ को दो वर्गों के अन्तर के रूप में प्रदर्शित करो।

२. गुणनखंड करो:—

(क) $6x^2 + 29x + 35$

(ख) $30x^2 - 61x + 30$

(ग) $9x^2 - 32x - 2$

घ $2x^2 - 4x - 5$

३. बताओ $3a-5b+7c$ में से क्या घटाव कि शेष $a-2b+3c$, $3b-c-2a$, और $2c-b+3a$ के योगफल के बराबर हो ?

४. हल करो:—

(क) $(x-\frac{1}{2})^2-(x-\frac{3}{2})^2=x+2$

(ख) $2x-3y=5$, $3x-4y=6$

(ग) $2x^2-10x=3x-15$

५. 9 सेर गेहूँ और 18 सेर जौ का मूल्य 3 रु० 15 आ० और 21 सेर गेहूँ और 9 सेर जौ का मूल्य 5 रु० 1 आ० है। एक सेर गेहूँ और एक सेर जौ का मूल्य मालूम करो।

पत्र ७

१. $2a-3(b-c(2+a))$ और $3c(a-1)-(b-2a)$ को सरल करो और पहले व्यंजक को दूसरे व्यंजक में से घटाओ।

२. (क) यदि $x-\frac{1}{x}=10$, तो $x^3+\frac{1}{x^3}$ का मूल्य बताओ।

(ख) यदि $a+b=9$ और $ab=20$, तो a^3+b^3 का मान ज्ञात करो।

३. $48a^3+70ab$ में क्या जोड़ दें कि यह व्यंजक एक पूर्ण वर्ग बन जाय ?

४. हल करो:—

(क) $\frac{x+2}{3}+2=\frac{x+4}{5}+\frac{x+6}{7}$

(ख) $12x-15y=3x-24=1$

(ग) $2x^2-3x-629=0$

५. एक कुंजवाी ने कुछ सेब एक आने के तीन के हिसाब से और उतने ही सेब एक आने के चार के हिसाब से मोल जिये। सब सेबों को 2 आने के 7 के हिसाब से बेच दिया। उसे 3 आने का घाटा हुआ। बताओ उसने कुछ कितने सेब मोल जिये थे और कितने से जिये थे ?

पत्र ८

१. $6x^2 + 12x + 20 - 3x^2 - 5x^2$ को $4x^2 + 5 - 5$ से भाग दो।

२. सरल करो—

(क) $(a+b-c+d)^2 - (a-b+c-d)^2$

(ख) यदि $a=1, b=2, c=3$, तो

$\frac{(a+b+c)^2}{a^2+b^2+c^2}$ का मान ज्ञात करो।

३. गुणनखंड करो :—

(क) $2x^2 + 4x - 4x - 3x$

(ख) $x^2 + 6x - 6 - 1$

(ग) $1 - 10x - 10x^2$

४. हल करो :—

(क) $\frac{3x}{4} + \frac{1-2x}{5} = 2; \quad \frac{x-1}{5}$

(ख) $\frac{x}{2} - \frac{x}{3} = 2; \quad \frac{1}{2} - \frac{1}{3} = 1$

(ग) $4x^2 - 16x + 15 = 0$

५. एक संख्या 12 से विभाज्य है जबकि मुख्य भाग 10 गुना 1 से बड़ा हो सकता है। वह संख्या ज्ञात करो।

पत्र ९

१. $2x^2 - 5x + 6, 3x^2 + 4x + 5$ और $-3x^2 + 3x + 1$ के योगफल को $3x^2 + 3x + 1$ से गुणा करो।

२. गुणनखंड करो :—

(क) $(2x-1)^2 - (x-2)^2$

(ख) $1 - 4x^2 - 12 - 4x$

(ग) $24x^2 - 4x - 45$

दूसरा खण्ड

अंक गणित

छठा अध्याय

गुणनखण्ड और अपवर्त्य

Factors and Multiples

परिभाषाएँ

दि एक संख्या किसी दूसरी संख्या को पूर्ण रूप से विभाजित करदे
हिजी संख्या को गुणनखंड या अपवर्तेक कहते हैं और दूसरी
अपवर्त्य कहते हैं। जैसे 15, 5 से पूरी तरह बंट जाता है अतः
पांच का अपवर्त्य और पांच पन्द्रह का गुणनखण्ड है।

जो संख्या 2 से विभक्त हो जाय उसको सम संख्या, और
जो संख्या 2 से विभक्त न हो उसको विषम संख्या कहते हैं—

जथा 2, 4, 6, 8 आदि सम संख्या हैं।

और 3, 5, 7, 9 आदि विषम संख्या हैं।

जो संख्याएँ एक दूसरी के परस्पर साधारण रूप में आभातर
हैं उनको क्रमागत संख्याएँ कहते हैं।

जथा 1, 2, 3, 4, 5 आदि।

और 11, 12, 13, 14 आदि।

प्रत्येक संख्या अपने से और इकाई से विभक्त हो सकती है।

संख्याएँ जैसे 3, 5, 7, 11, 13 आदि केवल अपने से
इकाई से ही विभक्त हो सकती हैं। इनको अभाज्य संख्या
हैं।

(३) यदि किसी संख्या के चमन में शून्य हो, तो वह संख्या 10 से पूरी बंद जायेगी। यदि चमन में दो शून्य हो तो 100 से और यदि तीन शून्य हों, तो 1000 से पूरी बंद जायेगी। [कारण स्पष्ट है]

(४) यदि किसी संख्या के चमन में शून्य वा 5 हो तो वह संख्या 5 से पूरी बंद जायेगी।

जथा 290, 295, 225 आदि।

[कारण- बड़ी है जो ऊपर (1) में बनाया गया है]

(५) यदि किसी संख्या के चमन में दो शून्य हों वा चमन के दो संकेत 25 से बंद मचने हों तो वह संख्या 25 से पूरी बंद जायेगी, जैसे 250 और 275।

[कारण- बड़ी है जो ऊपर (2) में बनाया गया है।]

(६) यदि किसी संख्या के चमन में तीन शून्य हों वा उसके चमन में तीन संकेत 125 से बंद मचने हों तो वह संख्या 125 से बंद जायेगी, जैसे 19375 और 19500।

[कारण- बड़ी है जो ऊपर (3) में बनाया गया है।]

(७) यदि किसी संख्या के संकेतों का योगफल 3 से पूरा पूरा बंद जाय तो वह संख्या तीन से बंद जायेगी, जैसे 531 क्योंकि $5+3+1=9$ ।

[कारण: $531 = 500 + 31 + 1$

$$= 5 \times 100 + 1 \times 3 \times (2 + 1) + 1$$

$$= 5 \times 100 + 3 \times 9 = 5 \times 3 + 1,$$

$$\therefore \text{हा. संयोजन} = 3 + 1 + 1$$

अतः $531 = 3 \times 177$ अतः वह पूरा बंद जायेगा 31 से बंद

(१) किसी संख्या के अंकों का योग ९ से पूरा पूरा बंट जाए तो वह संख्या भी ९ से बंट जायेगी; जैसे 531, क्योंकि $5+3+1=9$

[कारण:—वही जो ऊपर बताया गया है।]

(१०) यदि कोई संख्या २ और ३ दोनों से बंट जाए तो वह ६ से भी बंट जायेगी; जैसे 54०।

(११) यदि कोई संख्या ४ और ३ से बंट जाये तो वह १२ से भी बंट जायेगी; जैसे 4०११६।

(१२) जिन संख्या के सम और विषम स्थानों के अंकों का - जन्मा गुण्य हो या ११ से पूरा पूरा बंट सकना हो वह संख्या ११ से बंट जायेगी; जैसे ६६९०७।

$$(7 \div 9 \div 6) - (6 \div 5) = 22 - 11 = 11$$

$$\begin{aligned} \text{[कारण:—} 65957 &= (60000 \div 5000 \div 900 \div 60 \div 7 \\ &= 6 (9999 \div 1) \div 5 (1001 - 1) \div \\ &9 (99 \div 1) \div 6 (11 - 1) \div 7 \\ &= 6 \times 9999 \div 5 \times 1001 \div 9 \times 99 \\ &\div 6 \times 11 \div 6 - 5 \div 9 - 6 \div 7 \\ &= 11 \text{ का अन्तर } \div (6 \div 9 \div 7) - (5 \div 6) \\ &= 22 - 11 = 11 \end{aligned}$$

∴ यदि $(7 \div 9 \div 6) - (6 \div 5)$, ११ से पूरा पूरा बंट जाए तो ६५९०७ भी बंट जायेगा।

दी हुई संख्या के अन्तर्गत गुणनखंड बनाना।

इस संख्या में अन्तर्गत संख्याओं का भाग देकर देखो। पहले २ का भाग हो चि ३, ५, ७, ११ आदि का भाग देकर देखो।

$$\text{उदाहरण (१)} \quad 15708 = 2 \times 7854$$

$$\begin{aligned} &= 2 \times 2 \times 3927 \\ &= 2 \times 2 \times 3 \times 1311 \\ &= 2 \times 2 \times 3 \times 7 \times 187 \\ &= 2 \times 2 \times 3 \times 7 \times 11 \times 17 \end{aligned}$$

यह किया भाग की रीति से इस प्रकार भी कर सकते हैं।

$$\begin{array}{r}
 2 \overline{) 15708} \\
 \underline{2 7854} \\
 3 3927 \\
 \underline{7 1309} \\
 11 187 \\
 \underline{11 17}
 \end{array}$$

$$\therefore 15708 = 2 \times 2 \times 3 \times 7 \times 11 \times 17 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (२) 60984 के प्रभाज्य गुणनमंड करो।

$$\begin{array}{r}
 2 \overline{) 60984} \\
 \underline{2 30492} \\
 2 15246 \\
 \underline{3 7623} \\
 3 2541 \\
 \underline{7 847} \\
 11 121
 \end{array}$$

$$\text{अतः } 60984 = 2 \times 2 \times 2 \times 3 \times 3 \times 7 \times 11 \times 11$$

इस परिणाम को छोटे से अंशों में इस प्रकार
 बँट कर सकते हैं :—
 $2^3 \times 3^2 \times 7 \times 11^2$ उत्तर

उदाहरण (३) 15a713b यदि 88 पर पूरा बँट सकता हो तो
 a और b के मुख्य निम्नलिखित। $88 = 11 \times 8$

यह संख्या 8 से बँट सकती है इस कारण इसके अन्तिम तीन
 अंक 8 पर बँटने चाहिये।

$\therefore 13b$ को 8 पर बँट जाना चाहिये।

$$[\text{चिन्तु } 17 \times 8 = 136] \therefore b = 6$$

$$\text{अब संख्या } = 15a7136$$

यह संख्या 11 पर बँट सकती है।

$$\text{अतः } 6 + 1 + a + 1 = 3 + 7 + 5$$

$$\text{या } a + 8 = 15$$

$$\text{या } a = 7$$

$$a = 7, b = 6 \quad \text{उत्तर}$$

प्रश्नावली २६

द्विना भाग दिये बताओ कि नीचे लिखी संख्यायें 5, 8, 10, 11, 12 और 15 से बंट सकती हैं या नहीं।

(१)	328	(२)	1385	(३)	2952
(४)	4520	(५)	9550	(६)	18955
(७)	78985	(८)	595210	(९)	289575
(१०)	778775.				

द्विना भाग दिये बताओ कि नीचे लिखी संख्यायें 6, 12, 20 और 25 पर बंट सकती हैं या नहीं।

(११)	636	(१२)	7896	(१३)	85560
(१४)	989898	(१५)	765432		

अभाज्य गुणनखण्ड करो:—

(१६)	117	(१७)	289	(१८)	625
(१९)	890	(२०)	754	(२१)	975
(२२)	1230	(२३)	3000		

नीचे लिखी संख्याओं में कौन कौन सी संख्यायें अभाज्य हैं ? हममें से संख्यायें संशुद्ध हैं उनके अभाज्य गुणनखण्ड करो:—

(२४) 51	(२५) 99	(२६) 121	(२७) 321	(२८) 891
(२९) 18018	(३०) 17017			

(३१) नीचे लिखी संख्याओं में दूरे दूर तक हम बताओ कि वह संख्यायें (क) 9 से (ख) 11 से पूरी पूरी बंट जायें।

5*7*6, 8*7*3, 9*7*4, 9*9*8

(३२) 778596 के गुणनखण्ड करो और दिखाओ कि वह संख्या तीन लगातार संख्याओं का गुणनखण्ड है।

(३३) सिद्ध करो कि १००० कौन १००० का अभाज्य संख्यायें हैं।

(३४) सिद्ध करो कि १००० कौन १००० का अभाज्य संख्यायें हैं।

- (१२) निम्न कौटुम्बिक (१) 5653, 7348, (२) 19947, 7997, परस्पर अभाज्य हैं।
- (१३) बनाओ 17 को दिये संख्या से गुणा करें कि गुणनफल 111 हो जाय।
- (१४) 31531 के बाँटने की ओर क्या कहेंगे कि यह संख्या 91 से पूरी पूरी बँट जाय।
- (१५) यदि अभाज्य संख्याएँ हैं। पद्यों नीचे संख्याओं का गुणनफल 17 17 है और अभाज्य नीचे संख्याओं का गुणनफल 305 है। संख्याएँ बनाओ।
- (१६) यदि 123456, 88 से पूरी बँट सकती हो तो 12 और 8 के मुख्य बनाओ।
- (१७) 2, 3, 3, 4 इन चारों से ऐसा संख्या बनाओ जो 254 से पूरी पूरी बँट जाय।

गुणनखण्ड बनाकर वर्गमूल निकालना

उदाहरण (१) 324 का वर्गमूल निकालो ।

$$\begin{aligned}
 \text{क्रिया } \sqrt{324} &= \sqrt{2 \times 2 \times 3 \times 3 \times 3 \times 3} \\
 &= 2 \times 3 \times 3 \\
 &= 18 \text{ उत्तर}
 \end{aligned}$$

उदाहरण (२) 1089 का वर्गमूल निकालो ।

$$\begin{aligned}
 \text{क्रिया } &\begin{array}{r} 3 \overline{)1089} \\ 3 \overline{)363} \\ \underline{121} \end{array} \\
 \sqrt{1089} &= \sqrt{11 \times 11 \times 3 \times 3} \\
 &= \sqrt{11^2 \times 3^2} \\
 &= 11 \times 3 \\
 &= 33 \text{ उत्तर}
 \end{aligned}$$

उदाहरण (३) 75 को किस छोटी से छोटी संख्या से गुणा करें कि गुणनफल एक पूरा वर्ग हो जाय ?

$$\begin{aligned}
 \text{क्रिया } 75 &= 5 \times 5 \times 3 \\
 &= 5^2 \times 3
 \end{aligned}$$

अतः यदि इसको 3 से गुणा किया जाय तो गुणनफल एक पूरा वर्ग होगा । उत्तर

प्रश्नावली २७

निम्नलिखित संख्याओं का वर्गमूल गुणनखण्ड बनाकर निकालो —

- | | | |
|--------------|-----------|------------|
| (१) 576 | (२) 1024 | (३) 1296 |
| (४) 2504 | (४) 1944 | (५) 2916 |
| (६) 9216 | (६) 16384 | (७) 105825 |
| (१०) 1234321 | | |

(११) निम्नलिखित संख्याओं को जिस छोटी से छोटी संख्या से गुणा करें कि गुणनफल एक पूरा वर्ग बन जाय ?

50; 72; 96; 126; 245; 768; 887; 1125; 5180.

(१२) निम्नलिखित संख्याओं को कौन सी छोटी से छोटी संख्या से भाग दें कि भाजनफल पूरा वर्ग बन जाय ?

32; 75; 126; 192; 108; 375; 847; 343; 864.

वर्गमूल निकालने की साधारण विधि

यह तो बाल्याधियों को पहले ही पता है कि 1 का वर्गमूल 1; 4 का 2; 9 का 3; 16 का 4; 25 का 5; 36 का 6; 49 का 7; 64 का 8; 81 का 9; और 100 का 10 होता है।

अब क्योंकि 1 का वर्गमूल 1 है और 100 का 10 है इसलिए जो संख्या 1 और 100 के बीच की है उसका वर्गमूल 10 से कम होगा, और 10 से कम संख्या से एक बड़ा होगा है; अतः 1 और 100 के बीच की किसी भी संख्या के वर्गमूल से एक बड़ा वही संख्या होगी।

इसी प्रकार 100 का वर्गमूल 10 है; और 10000 का वर्गमूल 100 है; इसलिए 100 से 10000 तक का सब संख्याओं का वर्गमूल 10 और 100 के बीच वाली कोई संख्या होगी, क्योंकि 3 का 4 सबसे बड़ी संख्याओं का वर्गमूल कोई हो सबसे बड़ा, संख्या होगी। इसी प्रकार 5 का 6 सबसे बड़ी संख्याओं का वर्गमूल कोई 3 सबसे बड़ी संख्या होगी।

अब यदि किसी संख्या के सबसे बड़ी संख्या कम हो तो उस के वर्गमूल से सबसे बड़ी संख्या कम हो जायेगी।

उदाहरण यदि संख्या 200 है तो उसका वर्गमूल 14 और 15 के बीच होगा।

यदि किसी संख्या में अंकों की गिनती विषम हो, जैसे 3, 5, 7, 9
ज्यादि, तो उसके वर्गमूल में अंकों की गिनती $\frac{3+1}{2}$, $\frac{5+1}{2}$, $\frac{7+1}{2}$
 $\frac{9+1}{2}$, अर्थात्, 2, 3, 4, 5, होगी।

इस विधि द्वारा हमें सुरक्षित ज्ञान मिलेगा है कि किसी संस्था के कार्यालय में किसने चंदा दिया है। इसलिये किसी संस्था का कार्यालय मित्राङ्ग बनकर रहने लूँगा तो आशङ्क्य करके एक एक चंदा दोष कर संघों के लिये किन्तु जगता रहे है। मिलने किन्तु होने उनसे ही कार्यालय के चंदा मिले।

आवृत्तजन 2 3 4 के वर्गमूल में 2 अंक होंगे,
और 1 2 3 4 के वर्गमूल में भी 2 अंक होंगे,
और 1 2 4 6 0 9 के वर्गमूल में 3 अंक होंगे।

सुम कहते हैं कि यदि $(a + b)^2 = a^2 + 2ab + b^2$
 $= a^2 + b(2a + b)$

द्वितीय प्रमाण (दृष्टि + दृष्टांतः) -

$$(x^2 + 1)^2 + 1 = x^4 + 2x^2 + 2 = (x^2 + 1) + 1 = x^2 + 2$$

सुभाषचन्द्र का १९४१ ई. का कर्म दत्त की सीमा में निवास।

दिनांक 17-01-2020

—1996—2000—2004—2008—2012—2016—2020—2024—2028—2032—2036—2040—2044—2048—2052—2056—2060—2064—2068—2072—2076—2080—2084—2088—2092—2096—2100—

100-100-20-2

— **100** —

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

उदा. - १. क. यथा ॥ कम्पु यथापि यः उनीय इति ॥
 यथापि का कम्पुयः यथापि का यथापि यथापि यथापि यथापि
 यथापि का यथापि यथापि का यथापि यथापि यथापि यथापि ॥ १॥

वर्गमूल तथा घनमूल

यह किया इस प्रकार लिखी जा सकती है ।

$$\begin{array}{r} 10 \overline{) 100} \\ 10 \times 2 + 8 = 28 \end{array}$$

वर्गमूल = 10 उत्तर

उदाहरण (३) 1225 का वर्गमूल निकालो ।

क्रिया—

$$\begin{array}{r} 30 \overline{) 1225} \\ 30 \times 2 + 5 = 65 \end{array}$$

वर्गमूल = 35

संक्षिप्त रूप में यह किया इस प्रकार लिखी जाती है ।

$$\begin{array}{r} 30 \overline{) 1225} \\ 30 \times 2 + 5 = 65 \end{array}$$

35 उत्तर

उदाहरण (४) 124609 का वर्गमूल निकालो ।

क्रिया—

$$\begin{array}{r} 353 \overline{) 124609} \\ 353 \times 2 + 9 = 703 \end{array}$$

वर्गमूल = 353 उत्तर

क्रिया $\sqrt{1\frac{1}{4}} = \sqrt{\frac{16}{25}} = \frac{4}{5}$ उत्तर

उदाहरण (६) $1\frac{1}{4}$ का वर्गमूल निकालो ।

$$\begin{aligned}\text{क्रिया } \sqrt{1\frac{1}{4}} &= \sqrt{1\frac{1}{4}} \\ &= \frac{\sqrt{1089}}{\sqrt{625}}\end{aligned}$$

$$\begin{array}{r} 3 \quad 3 \\ 3 \overline{) 1089} \\ \underline{9} \\ 189 \\ \underline{180} \\ 9 \end{array}$$

$= 1\frac{1}{5}$ उत्तर

प्रश्नावली २८

निम्नलिखित संख्याओं का वर्गमूल निकालो —

(१) 196	(२) 529	(३) 576
(४) 1024	(४) 1089	(४) 2116
(७) 2704	(७) 2500	(८) 3969
(१०) 4356	(११) 5184	(१२) 9801
(१३) 3481	(१४) 16384	(१५) 105625
(१६) 19044	(१७) 57600	(१८) 27356
(१९) 235025	(२०) 521294	(२१) 1234321
(२२) 36072036	(२३) 98069409	(२४) 289170025
(२५) 429135971041		
(२६) 211	(२७) 131	(२८) 121
(२९) 1211	(३०) 441	(३१) 10511
(३२) 1111	(३३) 2561	(३४) 40711

(३५) $\sqrt{1411} \times 2\frac{1}{2} \times 7\frac{1}{2}$ का मूल्य बताओ ।

दशमलव का वर्गमूल

उदाहरण १ 1250.9241 का वर्गमूल निकालो ।

क्रिया —

$$1250.9241$$

दशमकव में पहले दो अंक हैं उन पर पहले प्रश्नों की भांति विन्दु लगाये, फिर दशमकव के छिह में अगला अंक छोड़कर दूसरे अंक पर विन्दु लगाया और एक एक अंक छोड़कर विन्दु लगाये ।

	35.79
3	12509241
	9
65	350
	325
707	552
	4949
7149	64341
	64341
	X

वर्गमूल = 35.79 उत्तर

उदाहरण (२) 400025 का वर्गमूल मानून लो ।

क्रिया	40025
2	400025
	4
45	225
	225
	X

वर्गमूल = 4025 उत्तर

उदाहरण ३) 321 73.025 का वर्गमूल दशमकव के चार अंकों तक मानून लो ।

नोट - दशमकव के चार अंकों तक वर्गमूल मानून करने के लिए दशमकव विन्दु में चार ० छोड़ें वा दशमकवका है । एक मात्र में पहले ८ है इसलिये शेष विन्दु छोड़ लगा दिये ।

वर्गमूल तथा घनमूल

क्रिया

	1 7 9 3 6 8
1	321 73025000
	1
27	231
	189
349	3273
	3141
3583	13202
	10749
5866	245350
	215196
8728	3015400
	2869824
	145576

वर्गमूल = 17.9368 उत्तर

प्रश्नावली २९

निम्नलिखित के वर्गमूल निकालो :—

(१) 46 24	(२) 1'4161	(३) 86'49
(४) 5 3361	(५) 100 2001	(६) 133 6336
(७) -000025	(८) -000329	(९) 70702 81
(१०) -08450649	(११) 68035 4609	
(१२) -49434961	(१३) -00035049	
(१४) -1	(१५) 25 6	(१६) 36 1
9 1	32 1	102 4

निम्नलिखित के वर्गमूल दशमकस्थ के बाद चारों तक निकालो —

(१) $\frac{1}{4}$	(२) 4
-------------------	-------

३ का वर्गमूल दशमकस्थ के बाद चारों तक निकालो ।

किया

	1 4 1 4 2
1	20000000
	1
24	100
	96
281	400
	281
2824	11100
	11296
28282	60400
	56564

1-4142 उत्तर

निम्नलिखित का वर्गमूल दशमलव के चार अंकों तक निकालो :-

(२०) 3

(२१) 5

(२२) 7

(२३) 121

(२४) 62.5

(२५) एक वर्गाकार खेत का क्षेत्रफल 21 एकड़ है, उसकी एक भुजा

की लम्बाई बताओ।

(२६) कुछ मनुष्यों ने 96 रुपये खर्च दिये, प्रत्येक मनुष्य ने उतनी

ही दुकानियां दो बितने मनुष्य थे। बताओ हर एक ने क्या

दिया ?

(२७) एक वर्गाकार खेत का क्षेत्रफल 10 एकड़ है, उसके चारों ओर

बाड़ लगाने का खर्च 2 आने 6 पाई प्रति गज की दर से

मालूम करो।

(२८) एक उद्यान में 22801 आम के वृक्ष इस प्रकार लगाये गये हैं

कि वृक्षों की दूरी पंक्तियां हैं उतने ही प्रत्येक पंक्ति में

वृक्ष हैं। बताओ, उन वृक्षों की दूरी पंक्तियां हैं ?

- (१०) एक बगानदार क्षेत्र का क्षेत्रफल १० एकड़ है। बगानों, उमड़े लानों और १ मील दूरी पर एक को लान में कोई मनुष्य कितने समय में भ्रमण कर सकेगा ?
- (११) एक व्यापक को धराया १६ मज ८ फुट से और चौड़ाई ३ मज ८ फुट है। यदि उमड़े बराबर एक बग बगानों का क्षेत्रफल की तुलना कितनी होगी ?
- (१२) बगानों, 8100 में से क्या बराबर है कि दूरा वर्ग बन जाए ?
- (१३) 1710 में क्या छोड़ दे कि दूरा वर्ग बन जाए ?
- (१४) एक संख्या मान्यता करः प्रमिता बग 1000 और 1400 के योगफल के बराबर हो।
- (१५) बगानों, 1800 और 2100 के बीच में कितनी ऐसी संख्याएँ हैं जो दूरे वर्ग हैं ?
- (१६) एक रेडियो में 68240 विवादी है। जब उनको एक ठोस वर्ग के आधार में लड़ा किया गया तो 120 विवादी बच रहे। बगानों, सामने की ध्वज में कितने विवादी हैं ?
- (१७) एक सेनापति अपने 11500 सैनिकों को एक ठोस वर्ग के आधार में लड़ा करना चाहता है। उसने देखा कि इस वर्ग को पूरा करने के लिए उसे 75 और सैनिकों का आवश्यकता होगी। बगानों, इस वर्ग को सामने वाला ध्वज में कितने सैनिक होंगे ?

धन मूल

(१) धन मूल - यदि किसी संख्या के तीन पदों में गणना

हो तो इनमें से प्रत्येक गुणनफल का उस संख्या का धनमूल कहें।

जैसे ८ का धन २ है २ का धन ४ है

३ का धन ९ है ९ का धन २७ है

प्रश्नावली ३०

गुणनखण्ड बनाकर निम्नलिखित राशियों का घनमूल ज्ञात करें।—

उत्तर :—

(१) 4913	(२) 6859	(३) 12167
(४) 10683	(४) 29791	(४) 48536
(५) 91125	(५) 512000	(५) 704969
(६) 1157725	(६) 727000000	(६) 2773505125
(७) 0.7	(७) 32768	(७) 423564751

— — —

आठवां अध्याय

Average

औसत अथवा मध्यमान

(1) एक ही प्रकार की कुछ राशियों के योगफल को उस पर भाग देने से जो राशि प्राप्त हो, उसे उन राशियों का मध्यमान कहते हैं।

उदाहरण: कमलनाथ के पास 8 रुपये हैं, छाबूचन्द 4 रुपये और सोहनलाल के पास 6 रुपये। इन रुपये का मध्यमान।

$$8+4+6=18$$

$$\text{और } 18 \div 3 = 6$$

अतः स्पष्ट है कि इन रुपये का औसत 6 रुपये है। इसको हम प्रकार कह सकते हैं :—औसत राशि को राशियों की संख्या से गुणित करेंगे। यदि गुणनफल सब राशियों के योगफल के बराबर हो तो हम सही ठीक हैं।

उदाहरण
कमलनाथ के 8 रुपये हैं, छाबूचन्द 4 रुपये हैं, सोहनलाल के 6 रुपये हैं। औसत 6 रुपये हैं।
अतः स्पष्ट है कि इन रुपये का औसत 6 रुपये है।
और 6 रुपये का योगफल 18 रुपये है।
और 18 रुपये का औसत 6 रुपये है।

$$\text{और } 6 \times 3 = 18$$

अतः स्पष्ट है कि इन रुपये का औसत 6 रुपये है।

$$\therefore \text{गादी की श्रौतत चाल} = \frac{200}{3} \text{ मील प्रति घण्टा} \\ = 43\frac{1}{3} \text{ मील प्रति घण्टा उत्तर}$$

उदाहरण (४) एक धोली में 30 दात्र थे। उनकी चरवाघाटों का मध्यमान 15.8 वर्ष था। उस धोली में 5 दात्र और भरती किये गये। उनकी चरवाघाटों का मध्यमान 16.2 वर्ष है। बताइये अब उस धोली के दात्रों की चरवाघाटों का मध्यमान क्या होगा है ?

$$\text{पहले 30 दात्रों की चरवाघाटों का योगफल} = 15.8 \times 30 \\ = 474 \text{ वर्ष}$$

$$5 नये दात्रों की चरवाघाटों का योगफल = 16.2 \times 5 \\ = 81 \text{ वर्ष}$$

$$35 दात्रों की चरवाघाटों का योगफल = 474 + 81 \\ = 555 \text{ वर्ष}$$

\therefore अब धोली में सब दात्रों की

$$\text{चरवाघाटों का मध्यमान} = \frac{555}{35} = 15.857 \\ = 15.8 \text{ वर्ष उत्तर}$$

प्रश्नपत्र ३१

(1) एक बरबे की बाहु 13 वर्ष है, दूसी की बाहु 17 वर्ष और तीसरी की 15 वर्ष। बताइये तीनों की औसत बाहु कितनी है ?

(2) सोमवार को मेरी कपड़ 20 रुपये की, गुरुवार को 25 रुपये, बुधवार को 15 रुपये और शुक्रवार को 10 रुपये की हैं। अब दिन की औसत कपड़ बताइये।

1. *Arithmetic Progression* का अध्ययन प्रश्न है।

43, 4 प्रतिशत लाभ बाँटा गया। बताओ आठवें वर्ष कितने प्रतिशत लाभ बाँटा गया।

(14) सात ग्रामों की औसत जन संख्या 1000 है यदि पहले छः ग्रामों की जन संख्या क्रमशः 980, 1023, 945, 900, 1100 और 803 हो, तो सातवें ग्राम की जन संख्या प्रतीत करो।

(15) एक भेड़ी में 35 बालक हैं। उनका औसत भार 34 पौंड है उस भेड़ी में एक नया बालक भरती हुआ, तो भेड़ी का औसतभार 35 पौंड होगया। नये बालक का भार; बताओ।

✓ (16) 20 बालकों की एक भेड़ी में एक बालक की अवस्था 13 वर्ष हो माय है। यदि यह बालक चला जाय और इस के स्थान पर एक नया बालक भरती कर लिया जाय, तो सब बालकों की अवस्थाओं का औसत दो महीने अधिक हो जाय। बताओ नये बालक की अवस्था क्या है ?

✓ (17) यदि 12 स्काउटों की टोली में से एक स्काउट जिसकी ऊँचाई 5 फुट 4 इंच है चला जाय और उसके स्थान पर एक नया स्काउट भरती कर लिया जाय, तो टोली की औसत ऊँचाई $\frac{1}{2}$ इंच घट जायगी। नये स्काउट की ऊँचाई बताओ।

✓ (18) अब से तीन वर्ष पहले एक परिवार के 5 व्यक्तियों की औसत आयु 17 वर्ष थी, कुछ समय के पश्चात् एक बालक उत्पन्न हुआ। अब उस परिवार की औसत पहले जितनी ही है। बताओ बालक की आयु इस समय कितनी है ?

(19) एक समिति में 6 सदस्य हैं। पहले 5 सदस्यों में से प्रत्येक ने 2.5 रुपये चन्दा दिया और छठे सदस्य ने सब सदस्यों के चन्दों के मध्यमान से 7 रुपये अधिक दिये। बताओ कुल कितना चन्दा इकट्ठा हुआ ?

दसवाँ अध्याय

प्रतिशत या प्रति सैकड़ा

प्रतिशत या प्रति सैकड़ा का अर्थ 'सौ पाँचे' या 'सौ पर' है।

यह उदाहरण देखो :—

सन् 1804 के आगमन में रोहतामपुर की जन संख्या 56350 थी, जो वर्ष के अन्त में 58004 हो गई। उसी वर्ष के आगमन में विजयपुर की जनसंख्या 178300 थी जो उसी वर्ष के अन्त में 183649 होगई अर्थात् अन्त यह है कि किन नगर की जन संख्या में अधिक वृद्धि हुई है।

अन्त में यह तो स्पष्ट विदित होता है कि विजयपुर की जनसंख्या एक वर्ष में जितनी बढ़ी है उतनी रोहतामपुर की नहीं बढ़ी। परन्तु हमने हम यह परिचाल नहीं निकाल सकते कि विजयपुर की जनसंख्या रोहतामपुर से अधिक बढ़ रही है। हां, यदि यह पूछा जाय कि दोनों नगरों के हर 100 मनुष्यों के पाँचे वर्षों में कितनी जनसंख्या बढ़ी तो हम इन दोनों नगरों की जनसंख्या में वार्षिक बढ़ोतरी का तुलना कर सकते हैं और यह बता सकते हैं कि विजयपुर की जनसंख्या में अधिक वृद्धि हुई या रोहतामपुर की जनसंख्या में। इस सिद्धान्त के अनुसार हम दोनों नगरों की जनसंख्या में जो प्रतिशत बढ़ोतरी हुई उसे प्रकट करते हैं।

रोहतामपुर की जनसंख्या
में जो वृद्धि वर्ष भर में हुई

तः एक मनुष्य पीछे जो
दि हुई

$$\left] = \frac{2254}{56350}$$

प्रतिशत वृद्धि

$$= \frac{2254 \times 100}{56350}$$

$$= 4$$

विजयपुर की जन संख्या में
वृद्धि वर्ष भर में हुई

$$\left] = 183649 - 178300 = 5349$$

तः एक मनुष्य पीछे जो
दि हुई

$$\left] = \frac{5349}{178300}$$

प्रतिशत वृद्धि

$$\left] = \frac{5349 \times 100}{178300}$$

$$= 3$$

विजयपुर की जनसंख्या की वषार्य वृद्धि रोहतामपुर की जनसंख्या
वषार्य वृद्धि से थोड़े अधिक है, किन्तु दोनों नगरों की जनसंख्या की
प्रतिशत वृद्धि की तुलना करने पर प्रतीत हुआ कि विजयपुर की जन-
संख्या में उसनी वृद्धि नहीं हो रही जितनी रोहतामपुर की जनसंख्या

।

उपर की व्याख्या से यह स्पष्ट है कि प्रतिशत का माध्य यह
व्यक्ति या भिन्न है जिसका हर 100 हो। जैसे 23 प्रतिशत का अर्थ
100 यह बात ध्यान में आकर मालूम हो जायेगी कि प्रतिशत के प्रय-
न करने में अनुपात के नियम से काम लिया जाता है।

प्रतिशत के प्रयनों की किया करने की रीति नीचे दिते
गणकों से समझ में आयेगी।

उदाहरण (1) 1 की प्रतिशत या प्रति सैकड़ा दर के रूप में
करो।

$$= \frac{1}{100} = 1\% \text{ प्रतिशत}$$

इस परिवर्तन का यह अर्थ हुआ कि किसी संख्या का $\frac{1}{5}$ उस संख्या के 40 प्रतिशत के बराबर है।

उदाहरण (२) किसी संख्या का 75 प्रतिशत उस संख्या का कौनसा भिन्न है ?

$$75 \text{ प्रतिशत} = \frac{75}{100} = \frac{3}{4}$$

नोट:—100 प्रतिशत = $\frac{100}{100} = 1$ अर्थात्, पूर्ण संख्या।

यदि किसी परीक्षा में सब छात्रों की गणना 375 हो और कोई विद्यार्थी 375 अंक प्राप्त करे तो कहा जाता है कि उसने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। इसी प्रकार यदि कोई मनुष्य साल भर में इतना धन व्यय करे जितनी उसकी आय हो; तो कहा जाता है कि उसका व्यय उसकी आय का 100 प्रतिशत है।

(४) हल किये हुए उदाहरण

उदाहरण (१) एक पाठशाला में 720 विद्यार्थी पढ़ते हैं। उनमें से 36 की आयु 16 वर्ष से अधिक है। बताओ कितने प्रतिशत विद्यार्थियों की आयु 16 वर्ष से अधिक है ?

$$\text{इस उत्तर} = \frac{36}{720} = \frac{1}{20} = \frac{5}{100}$$

$$= 5 \text{ प्रतिशत उत्तर}$$

उदाहरण (२) सन् 1905 में भारतवर्ष में 5581 नई पुस्तकें छपीं। इनमें से 1544 उपन्यास थे। बताओ, उपन्यास कुल पुस्तकों का कितने प्रतिशत थे ?

$$\text{इस उत्तर} = \frac{1544}{5581} = \frac{28}{100} \text{ लगभग}$$

$$= 28 \text{ लगभग}$$

$$= \text{लगभग } 28 \text{ प्रतिशत उत्तर}$$

उदाहरण (३) एक रुपया 4 आने, 10 रुपये का कौन सा प्रतिशत भाग है ?

$$\text{इस प्रकार} = \frac{11}{10} + 100 = \frac{121}{100}$$

= $12\frac{1}{10}$ प्रतिशत

उदाहरण (४) 1250 का 6 प्रतिशत पत्तीन करो ।

$$1250 \text{ का } 6 \text{ प्रतिशत} = 1250 \times \frac{6}{100}$$

$$= \frac{7500}{10}$$

$$= 750 \text{ पत्तीन}$$

उदाहरण (५) 84 वीं 10 मिनिट का 11 प्रतिशत बताओ ।

$$\left. \begin{array}{l} 84 \text{ वीं } 10 \text{ मि०} \\ \text{का } 11 \text{ प्रतिशत} \end{array} \right\} = 84 \text{ वीं } \times \frac{11}{100}$$

$$= \frac{924}{10} \times \frac{11}{100}$$

$$= 101.64 \text{ वीं}$$

$$= 11 \text{ वीं } 83 \text{ वीं}$$

$$= 11 \text{ वीं } 10 \text{ मिनिट } 7 \frac{1}{2} \text{ वीं पत्तीन}$$

उदाहरण (६) वीं 81(%) अनुषंग द्विती तगर की अनुषंगता का 12 प्रतिशत हो तो इस तगर की अनुषंग अनुषंगता बताओ ।

$$\text{आगे अनुषंगता का } \frac{12}{100} = 81(\%)$$

$$\therefore \text{ आगे अनुषंगता का } \frac{1}{100} = \frac{81(\%)}{12}$$

$$\text{अतः आगे अनुषंगता का } \frac{1(\%)}{100} = \frac{81(\%) \times 100}{12}$$

$$= 67.5(\%) \quad \text{पत्तीन}$$

उदाहरण . ७ दिया गयाथा है 31 प्रतिशत विपत्ती कीकी विपत्ती में अनुषंग रूप . १ प्रतिशत की विपत्ती में दोष 12 प्रतिशत अनुषंगता है वीं अनुषंगता है . विपत्ती वीं दोष की अनुषंगता विपत्ती वीं अनुषंगता है

$$\therefore \left. \begin{array}{l} \text{सफल विद्यार्थियों} \\ \text{का प्रतिशत} \end{array} \right\} = 20 + 36 + 32 \\ = 88$$

$$\therefore \left. \begin{array}{l} \text{असफल विद्यार्थियों} \\ \text{का प्रतिशत} \end{array} \right\} = 100 - 88 = 12$$

$$\begin{array}{l} \text{अतः असफल विद्यार्थियों} \\ \text{की संख्या} \end{array} \left. \begin{array}{l} \\ \end{array} \right\} = \frac{12}{100} \times 750 \\ = 90 \text{ उत्तर}$$

उदाहरण (८) भारत के पुराने सिक्कों में 40 भागों में से 37 भाग शुद्ध चान्दी होती थी और शेष खोटा मिलाया जाता था। बताओ, शुद्ध चांदी कितने प्रतिशत होती थी ?

∴ 40 भागों में से 37 शुद्ध चान्दी है

∴ एक भाग में से $\frac{37}{40}$ शुद्ध चान्दी है।

∴ 100 भागों में से $\frac{37}{40} \times 100$ शुद्ध चान्दी है

$$\begin{array}{l} \text{अतः ह्य प्रतिशत} = \frac{37}{40} \times 100 \\ = \frac{370}{4} \\ = 92.5 \quad \text{उत्तर} \end{array}$$

उदाहरण (९) एक मनुष्य ने 150 दुकानें 46240 रुपये की मोल लीं। दुकानों में कुछ सुधार करके यह दुकानें 15 रुपये प्रति दुकान की दर से किराये पर दे दीं। इस प्रकार उसे अपने सारे धन पर $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत आय होने लगी। बताओ दुकानों को सुधारने में उसे क्या खर्च करना पड़ा था ?

$$\begin{array}{l} \text{दुकानों का किराया} \\ \end{array} \left. \begin{array}{l} = 150 \times 15 \text{ रुपये} \\ = 2250 \text{ रुपये} \end{array} \right\}$$

$$\begin{array}{l} \text{किन्तु } 4\frac{1}{2} \text{ रुपये किराये की} \\ \text{पूँजी} \end{array} \left. \begin{array}{l} \\ \end{array} \right\} = 100 \text{ रुपये}$$

$$\therefore \left. \begin{array}{l} \text{एक रुपया किराये का} \\ \text{पूँजी} \end{array} \right\} = (100 \times \frac{1}{4\frac{1}{2}}) \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} \text{और 2250 रुपये घिराये} \\ \text{की पूंजी} \end{array} \right] = (100 \times 2250 \times \frac{1}{2}) \text{ रुपये} \\ = 50000 \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} \text{अतः वह हथपा जो दुकानों} \\ \text{की सुधारने पर खर्च हुआ} \end{array} \right] = 50000 \text{ रुपये} - 46240 \text{ रुपये} \\ = 3760 \text{ रुपये उत्तर}$$

उदाहरण (१०) एक व्यक्ति अपनी आय का 10 प्रतिशत बचाता है। हिसाब लगाने पर उसे मालूम हुआ कि यदि वह अपने व्यय में 10 प्रतिशत और वृद्धि कर दे तो केवल 100 रुपये बचेंगे। उसकी आय बताओ।

कल्पना करो कि उसकी आय = 100 रुपये

तो उसका खर्च = $100 - 10 = 90$ रुपये।

अब यदि खर्च की 10 प्रतिशत बढ़ाया जाय, तो यह

$$90 + 90 \times \frac{10}{100} = 99 \text{ हो जायगा, और}$$

$$\text{बचत} = 100 - 99 = 1 \text{ रुपये}$$

किन्तु प्रश्न की शर्त के अनुसार बचत 100

रुपे, न कि उसकी आय का 10 रुपये

आय

10000 रुपये

उत्तर

प्रश्नावली ३२

- (१) एक मनुष्य का मासिक आय 624 रुपये है और खर्च आय का 75 प्रतिशत। बताओ, उसका मासिक बचत कितनी है।
- (२) एक मनुष्य ने 240 रुपये में व्यापार करना प्रारम्भ किया। पहले मास उस 20 प्रतिशत लाभ हुआ। यह लाभ का धन उसने अपने पहले धन में मिला दिया। चार दूसरे वर्ष फिर व्यापार किया। परन्तु इस बार उसको केवल 1 प्रतिशत लाभ हुआ। बताओ, उसका मास उस कितने रुपये का लाभ हुआ।

- ५) एक पाठशाला में 250 लड़के पढ़ते हैं। यदि उनमें से 225 लड़के उपस्थित हों, तो बताओ, कितने प्रतिशत लड़के पाठशाला नहीं आये।
- ६) एक विद्यालय से 25 विद्यार्थी एग्जर्सेस की परीक्षा में बैठे। उनमें से 64 प्रतिशत पास हो गये। बताओ, कितने लड़के फेल हुए?
- ७) एक घात के टुकड़े में 23 भाग सोना, 2 भाग चाँदी और 3 भाग बलूई हैं। बताओ उस घात के टुकड़े में चाँदी कितने प्रतिशत है?
- ८) एक धानु के पिंड में 17.25 पाँड टोन हैं और यह कुल तौल का 0.75 प्रतिशत है। धानु के पिंड का समस्त तौल बताओ।
- ९) किसी नगर में 50000 मनुष्य रहते हैं। इस नगर में 4750 बालक उत्पन्न हुए और मृत्यु के कारण 3070 मनुष्योंकी कमी होगई। बताओ वर्ष के अन्त में कितने प्रतिशत जन संख्या बढ़ गई।
- १०) एक सेना के 1 प्रतिशत सैनिक बीमारी से मर गये। शेष सेना के 14 प्रतिशत सैनिक लड़ाई में मारे गये। यदि अब 84024 सैनिक शेष हों तो बताओ आरम्भ में कितने सैनिक थे?
- ११) तीन नगरों की जनसंख्या मूल : ५० में कम : 1577, ५० में घटा : ५० में घटा और 1५५ में बढ़ीले दो नगरों की जनसंख्या : तथा ५ प्रतिशत बढ़ गई और तीसरे नगर की जनसंख्या : प्रतिशत बढ़ गई। बताओ तीनों नगरों की समस्त जनसंख्या कितना बढ़ बढ़ा घट गई।
- १२) एक व्यापारी की अपनी ५ डी के एक तिहाई पर 30 प्रतिशत, तथा चौथाई पर 40 प्रतिशत लाभ हुआ और शेष पूंजी पर

15 प्रतिशत घाटा हुआ। बताओ, उसे सारी पूंजी पर कितने प्रतिशत लाभ हुआ ?

- (11) एक व्यापारी ने 10000 पौंड से व्यापार चारम्भ किया। पहले वर्ष में उसे 10 प्रतिशत लाभ हुआ। इस लाभ को उसने मूलधन में ही मिला दिया। दूसरे वर्ष उसे 20 प्रतिशत लाभ हुआ और वह भी मूलधन में मिला दिया। तीसरे वर्ष फिर उसे 20 प्रतिशत लाभ हुआ। इस वर्ष उसने इस धन में से 6000 पौंड का एक भेत मोल ले लिया। बताओ, अब उस व्यापार में उसका कितना धन लगा हुआ है।
- (12) एक शिपालय में लड़के और लड़कियाँ एकट्ठे पढ़ते हैं। उस शिपालय के एक विभाग में 156 लड़के हैं। यह लड़के इस विभाग के विद्यार्थियों की संख्या का 65 प्रतिशत हैं। दूसरे विभाग में 162 लड़के हैं और यह उस विभाग के विद्यार्थियों की संख्या का 45 प्रतिशत हैं। बताओ, शिपालय में कितने प्रतिशत लड़के हैं।
- (13) एक व्यक्ति के पास 300 टन गुड़ और 65½ पौंड काफी है। गुड़ का मूल्य 1 पौंड 15 शिलिंग प्रति टन है। यदि गुड़ का मूल्य 6 प्रतिशत घट जाय और काफी का मूल्य केई वैन प्रति पौंड बढ़ जाय तो बताओ उसके धन में कितनी कमी या वृद्धि होगी ?
- (14) एक नगर की जनसंख्या पहले वर्ष से हर वर्ष 2.5 प्रतिशत बढ़ जाती है। यदि उसकी जनसंख्या 68921 हो, तो बताओ तीन वर्ष पहले उसकी जनसंख्या कितनी थी।
- (15) एक मनुष्य किराये के मकान में रहता है। मकान का किराया उसकी आय का $\frac{1}{4}$ भाग है। किराया इन 3 परचालों की कुल बचत है उसका 20 प्रतिशत भाग वरत घाति पर खर्च हो

जाता है। यदि उसकी वार्षिक बचत 1260 रुपये हो, तो उस की आय क्या है ?

(१६) किसी परीक्षा में 'A' ने समस्त थंकों का 48 प्रतिशत, और 'B' ने समस्त थंकों का 33 प्रतिशत थंक प्राप्त किये। यदि दोनों के थंकों का जोड़ 567 हो तो समस्त थंक बताओ।

(१७) $8\frac{1}{2}$ इंच लम्बी मोमबत्ती 12 घाने प्रति दर्जन बिकती है इसी प्रकार की $10\frac{1}{2}$ इंच लम्बी बत्ती 14 घाने 8 पाई प्रति दर्जन बिकती है। बताओ कौन सी मोमबत्तियाँ सस्ती हैं और सस्ती मोमबत्तियाँ मोल लेने से मुझे कितने प्रतिशत बचत होगी ?

(१८) मैंने 10 रुपये के कुछ सेब लिये। यदि सेबों का मूल्य 20 प्रति शत घट जाय तो मुझको 120 सेब अधिक मिलें। एक दर्जन सेबों का मूल्य बताओ।

(१९) एक दिवालिये की कुल सम्पत्ति का मूल्य 4832 पौंड है और उसको 21140 पौंड ऋण देना है। यदि दिवाले का स्वर्च उस के ऋण का $12\frac{1}{2}$ प्रतिशत हो, तो बताओ, ऋण दाताओं का एक पौंड में क्या मिलेगा ?

(२०) मेरे भण्डान का मूल्य 11400 रुपये और बीमे की दर 5 प्रतिशत है। मैं इस भण्डान का कितने रुपये का बीमा कराऊँ कि यदि भण्डान नष्ट हो जाय तो मुझको भण्डान का मूल्य और बीमे का व्यय (प्रिमियम) दोनों प्राप्त हो जाएँ ?

$$\text{मान लें } 1000 = 100$$

(रुपये का वस्तु को 100 रुपये का बनावदा जाय)

(२१) एक दिन में ५ प्रतिशत पर धारा ग गिर गये। दूसरे परदात जिसने वेर बसे इनमे से ५ प्रतिशत बचका देय गये, यदि परा क न हो इस समय १२५० हो ना बनावदा कुल कितने

- (२२) एक व्यक्ति 12 दिन में चार घण्टे प्रति दिन चल कर 360 मील की यात्रा समाप्त कर लेता है। यदि वह अपनी चाल 20 प्रतिशत अधिक कर ले और 450 मील की यात्रा 20 दिन में समाप्त करे, तो बताओ वह प्रतिदिन कितने घण्टे यात्रा करेगा ?
- (२३) यदि किसी आयताकार क्षेत्र की लम्बाई 20 प्रतिशत बढ़ा दी जाय और चौड़ाई भी 20 प्रतिशत बढ़ा दी जाय, तो बताओ उसका क्षेत्रफल कितने प्रतिशत बढ़ जायगा ?
- (२४) यदि किसी आयताकार क्षेत्र की लम्बाई 15 प्रतिशत बढ़ा दी जाये और उसकी चौड़ाई 15 प्रतिशत घटा दी जाये तो बताओ इसका क्षेत्रफल कितने प्रतिशत कम या अधिक हो जायगा ?
- (२५) एक परीक्षा में सम्पूर्ण संधों की संख्या 1000 थी। इनमें 'क' ने 'ख' से 20 प्रतिशत अधिक संध प्राप्त किये और 'ख' ने 'ग' से 10 प्रतिशत अधिक, और 'ग' ने 'घ' से 20 प्रतिशत कम। यदि 'क' ने 660 संध प्राप्त किये हों तो बताओ 'घ' ने कुछ संधों में से कितने प्रतिशत संध प्राप्त किये ?
- (२६) एक परीक्षा पत्र में 5 प्रश्न थे। 5 प्रतिशत छात्रों ने सारे प्रश्न हल किये। 5 प्रतिशत छात्रों ने किसी प्रश्न का भी उत्तर नहीं दिया। 20 प्रतिशत छात्रों ने केवल 1 प्रश्न हल किया, और 20 प्रतिशत छात्रों ने 2 प्रश्न हल किये। इससे अनिश्चित 20 प्रतिशत छात्रों ने द्वा प्रश्न हल किये, तथा शेष 200 छात्रों ने 3 प्रश्न हल किये। बताओ परीक्षा में कितने विद्यार्थी बैठे थे ?

ग्यारहवां अध्याय

लाभ और हानि

जब कोई व्यापारी या दुकानदार व्यापार आरम्भ करता है तो उसे यह आशा होती है कि जिस मोल पर मैंने माल लिया है उससे अधिक मोल पर बेच दूंगा। यदि विक्रय मूल्य अर्थात् वह मूल्य जिस पर वह अपना माल बेचता है, क्रय मूल्य अर्थात् उस मूल्य से जिस पर उसने माल लिया था, अधिक हो, तो उसको लाभ होता है। अतः इस अवस्था में लाभ = विक्रय मूल्य — क्रय मूल्य। यदि विक्रय मूल्य, क्रय मूल्य से कम हो तो व्यापारी को हानि होती है।

उदाहरणतः यदि मैं एक मकान 2000 रुपये में मोल लूं और उसी समय 2500 रुपये में बेच दालूं तो मुझे 2500—2000 अर्थात् 500 रुपये लाभ होगा, और यदि उस मकान को 1800 रुपये में बेच दूं तो मुझे 2000—1800 = 200 रुपये हानि होगी।

यदि किसी व्यक्ति यह नियम समझले तो उन्हें लाभ और हानि के प्रश्न हल करने में कोई कष्ट न होगा।—

1. लाभ और हानि मकान क्रय मूल्य पर होता है।

2. प्रश्न में यदि विक्रय मूल्य दिया है तो क्रय मूल्य निकाल लिया जाय।

3. प्रश्न में यदि लाभ और हानि प्रति सैकड़ा दिया हुआ हो तो निम्नलिखित सिद्धान्तों द्वारा क्रय मूल्य और विक्रय मूल्य निकाला जा सकता है।

$$\text{क्रय मूल्य} = \frac{\text{विक्रय मूल्य} \times 100}{(100 + \text{लाभ}\%) \text{ या } (100 - \text{हानि}\%)}$$

$$\text{विक्रयमूल्य} = \text{क्रय मूल्य} \times \frac{(100 + \text{लाभ}\%) \text{ या } (100 - \text{हानि}\%)}{100}$$

उदाहरण (१) मैंने एक बकी 150 रुपये में मोटा की और 20 प्रतिशत लाभ से बेच दी, बताओ, मैंने बकी कितने में बेची और मुझे कितने रुपये का लाभ हुआ।

$$\begin{aligned}\text{बकी का विक्रय मूल्य} &= 150 \text{ रुपये} + 150 \text{ रुपये का } 20 \text{ प्रतिशत} \\ &= 150 \text{ रुपये} + 150 \times \frac{20}{100} \text{ रुपये} \\ &= 150 \text{ रुपये} + 30 \text{ रुपये} \\ &= 180 \text{ रुपये}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\therefore \text{लाभ} &= 180 \text{ रुपये} - 150 \text{ रुपये} \\ &= 30 \text{ रुपये}\end{aligned}$$

$$\text{अतः विक्रय मूल्य} = 180 \text{ रुपये}$$

$$\text{और लाभ} = 30 \text{ रुपये उत्तर}$$

उदाहरण (२) एक व्यापारी के मास का विक्रय मूल्य उसके क्रय मूल्य से $12\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा अधिक है। यदि वह अपने ग्राहकों को विक्रय मूल्य पर 4% कमीशन दे, तो उसे प्रति सैकड़ा कितना लाभ होगा?

$$\text{मान लो कि क्रय मूल्य} = 100$$

$$\text{तो विक्रय मूल्य} = 112\frac{1}{2}$$

व्यापारी विक्रय मूल्य पर 4 प्रति सैकड़ा कमीशन देता है

$$\therefore \text{कमीशन} = 112\frac{1}{2} \text{ का } 4 \text{ प्रति सैकड़ा}$$

$$\text{अतः वास्तविक विक्रय मूल्य} = 112\frac{1}{2} - 12 = 100$$

$$\text{अतः लाभ} = 8 \text{ रुपये}$$

∴ उसका प्रतिसैंकड़ा लाभ = 8 उत्तर

उदाहरण (३) एक वस्तु के बेचने में $17\frac{1}{2}$ प्रति सैंकड़ा लाभ होता है, यदि कुल लाभ 56 रुपये 14 आने हो तो वस्तु का क्रय मूल्य बताओ।

जब $17\frac{1}{2}$ लाभ होता है तब क्रय मूल्य 100 है।

$$\text{जब 1 लाभ होता है तब क्रय } \therefore 100 \times \frac{2}{35}$$

56 रुपये 14 आने अर्थात् $56\frac{14}{100}$ लाभ होता है तब

$$\begin{aligned} \text{क्रय मूल्य} &= \frac{56\frac{14}{100}}{8} \times \frac{100 \times 2}{35} \\ &= 325 \text{ रुपये} \end{aligned}$$

∴ क्रय मूल्य = 325 रुपये उत्तर

उदाहरण (४) 5 रुपये गज के भाव में बन्नात बेचने में 4 प्रति सैंकड़ा की हानि होती है, बताओ, मैं किस भाव में बेचूं कि 5 प्रतिशत लाभ प्राप्त हो ?

एक गज बन्नात का पहला विक्रय मूल्य = 5 रुपये

$$\text{अतः एक गज बन्नात का क्रय मूल्य} = 5 \times \frac{100}{100-4} = 5 \times \frac{100}{96}$$

$$\text{और } \therefore \therefore \therefore \text{दूसरा विक्रय मूल्य} = \text{क्रय मूल्य} \times \frac{100+5}{100}$$

5 रुपये 7 आने ॥ पाई उत्तर

उदाहरण (५) एक मकान 2100 रुपये में बेचने में 20 प्रतिशत हानि होता है यदि, उक्त मकान 2500 रुपये में बेचा जाय तो बनावो कितने प्रतिशत लाभ अथवा हानि होगा ?

20 प्रतिशत हानि का अर्थ है 100 के 80

अब विक्रय मूल्य 80 है, तो क्रय मूल्य = 100 रुपये

अब विक्रय मूल्य 1 है तो क्रय मूल्य = 1.25

अब विक्रय मूल्य 2400 है तो क्रय मूल्य = $2400 \times \frac{100}{80}$
= 3000 रुपये

लाभ = 3500 रु० - 3000 रु० = 500 रुपये

3000 पर लाभ = 500 रुपये

1 पर लाभ = 1.33

100 पर लाभ = $\frac{100 \times 300}{3000}$

अतः लाभ . 100 प्रति सैकड़ा उत्तर

प्रश्नावली ३३

- (1) एक पुस्तक बेचने वाला एक पुस्तक को 7 रुपये 8 आने में मोड़ लेकर 15 प्रतिशत के लाभ से बेचना है, पुस्तक का विक्रय मूल्य निकालो ।
- (2) एक व्यापारी ने 300 गज कपड़ा 120 रुपये में मोड़ खिपा और इसमें से 250 गज, 7 आने 6 पाई प्रति गज की दर से और शेष 3 आने प्रति गज की दर से बेचा, बताओ उसे कुल मास पर कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई ।
- (3) एक बड़ी 20 प्रतिशत के लाभ से 15 रुपये में बिकती है, बड़ी का क्रय मूल्य बताओ ।
- (4) एक व्यापारी को 150 गज कपड़ा 1 रुपये 1 आने प्रति गज के भाव से बेचना में 10 प्रतिशत का हानि रहती है, एक गज कपड़े का क्रय मूल्य बताओ ।
- (5) एक छोटा घोंटा 10 रुपये 1 आने की बेचने से दुकानदार को 10

प्रतिशत लाभ हुआ; बताओ वह उस जोड़े को कितने में बेचे कि उसे 20 प्रतिशत लाभ हो।

(६) एक दुकानदार ने कुछ माल 5 प्रातरात को हानि से 70 रुपये में बेचा। बताओ वह उसे कितने में बेचे कि उसको 25 प्रतिशत लाभ हो।

(७) एक व्यापारी अपने माल पर क्रय मूल्य से 25 प्रति सैकड़ा अधिक दाम डालता है; परन्तु अपने ग्राहकों को रोकड़ा दाम देने पर 5 प्रतिशत कमीशन काट देता है; बताओ उसको प्रतिशत क्या लाभ होता है।

(८) एक व्यापारी का दिव्य मूल्य क्रय मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक है; यदि वह अपने ग्राहकों को दिव्य मूल्य पर 6 प्रतिशत कमीशन काट दे तो उसे कितने प्रतिशत लाभ होगा।

(९) एक व्यापारी अपनी लागत पर 15 प्रतिशत लाभ चाहता है; बताओ कि वह अपने माल का दाम क्रय मूल्य से कितने प्रतिशत अधिक रखे कि वह ग्राहकों को 8 प्रतिशत कमीशन दे सके।

(१०) एक सेत 125 प्रतिशत के लाभ पर 500 रुपये को बिक्री; यदि वही सेत 450 रुपये को बिक्री तो क्या प्रतिशत हानि होता है।

(११) एक व्यापारी प्रातरात के भाँति में लाभ रखता है। यदि वह चाय का दिव्य मूल्य 5 पैसों मात्र बढ़ा दे, तो उस प्रातरात का लाभ ही चाय का दाम मूल्य प्रति पैसों बताओ।

(१२) एक कारोबार एक वस्तु का व्यापार करता है। प्रातरात लाभ 20% है और व्यापार 30% लाभ है। एक दुकानदार के साथ 5 प्रतिशत लाभ में बचत है। दुकानदार उस वस्तु को

271 रुपये 13 आने में बेचकर 12 प्रतिशत लाभ उठाता है, बताओ वह वस्तु कारीगर को कितने में बिकी थी ?

(1३) क एक बकरी को ख के हाथ 12 प्रतिशत लाभ से बेचता है, ख इस को ग के हाथ 16 प्रतिशत हानि से बेचता है, ग उसको घ के हाथ 29 रु० 12 आ० में बेचकर 20 प्रतिशत लाभ उठाता है, बताओ क को बकरी का क्या मूल्य देना पड़ा था ?

(1४) एक मनुष्य ने 250 भार्गवर्षी मोल लीं । उसने 100 भार्गवर्षी उतने मूल्य पर बेचीं जितने में उसने 250 मोल ली थीं, उसका प्रति सैकड़ा लाभ बताओ ।

(1५) एक व्यापारी ने 12 वस्तुएं 20 वस्तुओं के क्रय मूल्य पर बेचीं बताओ उसको कितने प्रतिशत लाभ हुआ ।

(1६) एक व्यापारी ने एक वस्तु 12½ प्रतिशत हानि से बेची । यदि उसे 5 रुपये अधिक मिलने लो बेचकर 10 प्रतिशत की हानि होनी, वस्तु का क्रय मूल्य बताओ ।

लाभ और हानि के कठिन प्रश्न

धोका देने वाला प्रश्न

उदाहरण (1) एक व्यक्ति ने दो मकान बेचे और प्रत्येक का 20% रुपये मोल लिया । एक मकान पर उसे 5% लाभ हुआ और दूसरे पर 10% हानि । बताओ उसे इस व्यापार में कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई ?

विक्रय मूल्य

20% रुपये

लाभ प्रतिशत

5

$$\left[\begin{array}{l} \text{एक मकान का} \\ \text{मूल्य} \end{array} \right] = \frac{3000 \times 100}{100} \text{ रुपये}$$

$$= 3000 \text{ रुपये}$$

$$\text{विक्रय मूल्य} = 2000$$

$$\text{हानि प्रतिशत} = 33\frac{1}{3}$$

$$\left[\begin{array}{l} \text{दूसरे मकान का} \\ \text{मूल्य} \end{array} \right] = \frac{3000 \times 100}{95} \text{ रुपये}$$

$$= 3157\frac{8}{9}$$

$$\text{दोनों मकानों का मूल्य} = 3000 + 3157\frac{8}{9} \text{ रुपये}$$

$$= 6157\frac{8}{9} \text{ रुपये}$$

$$\text{दोनों मकानों का विक्रय मूल्य} = 2000 + 2000 = 4000$$

$$\text{हानि} = 6157\frac{8}{9} - 4000 = 2157\frac{8}{9} \text{ रुपये}$$

$$\text{हानि प्रतिशत} = \frac{2157\frac{8}{9} \times 100}{6157\frac{8}{9}} = 35\frac{1}{3}$$

$$= 35\frac{1}{3} \text{ प्रतिशत}$$

उदाहरण १२. एक दुकान मालिकों ने एक मकान को खरीद के बाद में ही खरीद के उतरी ही मालिकों ने एक मकान को दो के भाग में बेच दिया मालिकों ने मकान को खरीद के बाद में बेच दी मकान को बेचने के बाद अधिक हानि का सामना किया।

इस प्रश्न में पहले एक एक मकान का हानि तो १ दोनो मकान को एक एक मकान का मूल्य = १ मकान और १ मकान है।

$$\therefore \text{दो मकानों का मूल्य} = \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1 \text{ मकान}$$

$$\text{दो मकानों का विक्रय मूल्य} = \frac{1}{2} \times 2 = 1 \text{ मकान}$$

$$\text{हानि का प्रतिशत} = \frac{1}{1} \times 100 = 100 \text{ प्रतिशत}$$

$$\text{हानि प्रतिशत} = 100 \times 100 = 10000 \text{ प्रतिशत}$$

$$= 10000 \text{ प्रतिशत}$$

उदाहरण १३. एक मकान खरीद के बाद दो मकानों में बेचा है।

और उसमें कुछ पानी मिखाकर 3 घाने प्रति सेर के भाव में बेचना है।
 इस प्रकार उसको 50 प्रतिशत लाभ होगा है। बताओ वह कितना
 पानी मिखाना है।

[देखे प्रश्नों में पानी का मूल्य = 0 मान लें]

पानी मिले हुए कुछ दूध का दूध मूल्य = 10 घाने

" " " विक्रय " = 10×1.29

= 12.9 घाने

" " " भार = 12.9 - 3

= 9.9 सेर

पानी का भार = 9.9 - 1 = 8.9 सेर उत्तर

अथवा बीज गणित द्वारा

मान लो कि खाद्या 1 सेर दूध में x सेर पानी मिखाना है।

4 सेर दूध का दूध मूल्य = 10 घाने

$(4 + x)$ सेर मिश्रण का दूध मूल्य = 10 घाने

" " " विक्रय " = 3 $(4 + x)$ घाने

अतः $3(4 + x) = 10 \times 1.29 = 12.9$

या 3 $4 + x = 4.3$

उदाहरण 10 किसी वस्तु के निश्चय मूल्य में 20% बढ़ी जाने से
 लागी का 15% हानि होना है। यदि वह वस्तु न की जाय, तो कितने
 रुपये प्रतिशत लाभ होगा ?

हल करने का है कि इस वस्तु का दूध मूल्य, 100 रुपये, जो 15%
 बि हानि में 85 रुपये दूध मूल्य में है, वह 85 रुपये का दूध मूल्य
 100 है, अतः समस्त निश्चय मूल्य इस में दुगुना होगा 85 x 2
 170 है।

अतः है कि इस 170 लाभ होगा।

उदाहरण 11 यदि एक वस्तु का 20 प्रतिशत हानि में बेचना है,
 तो कितने दूध मूल्य में बेचना है अतः समस्त मिश्रण का दूध मूल्य 1 प्रतिशत
 लाभ होगा। वस्तु का दूध मूल्य बताओ

उदाहरण (७) एक कपड़े वाले ने 150 गज कपड़ा 350 रु में मोल दिया और इतने में बेचा कि उसे 25 गज कपड़े के विक्रय-मूल्य के बराबर हानि हुई। बताओ उसने यह कपड़ा किस दर से बेचा।

150 गज का क्रय-मूल्य = 350 रुपये

इस कपड़े को बेचने में हानि 25 गज कपड़े के विक्रय-मूल्य समान है।

अतः $150 + 25$ या 175 गज कपड़े का विक्रय-मूल्य = 350 रु

∴ 1 गज कपड़े का विक्रय-मूल्य = $350 \div 175$ रुपये

अतः उसने यह कपड़ा 2 रुपये प्रतिगज की दर से बेचा। उत्तर

अथवा बीज गणित द्वारा

मान लो कि एक गज कपड़े का विक्रय-मूल्य = x रुपये,

$$\text{तो } 150x = 350 - 25x$$

$$\text{या } 150x + 25x = 350$$

$$\text{या } 175x = 350$$

$$\therefore x = 2$$

उदाहरण (8) एक व्यापारी 30 मन चाँद 5 प्रतिशत लाभ पर और 40 मन चाँद 15 प्रतिशत लाभ से बेचता है। यदि वह मात्र चाँद 20 प्रतिशत लाभ से बेचता तो उसे 78 रुपये अधिक मिलने एक मन चाँद का क्रय-मूल्य बताओ।

कल्पना करो कि एक मन चाँद का क्रय-मूल्य = 1 रुपया

∴ 30 मन का क्रय-मूल्य = 30 रुपये

30 मन पर 5% लाभ = 30 का 5%

$$= 1.5$$

∴ 30 रु

और 40 मन चाँद का क्रय-मूल्य = 40 रुपये

$$\begin{aligned} 40 \text{ मन पर } 15\% \text{ लाभ} &= 40 \text{ का } 15 \text{ प्रतिशत} \\ &= 40 \times \frac{15}{100} \\ &= 6 \text{ रुपये} \end{aligned}$$

∴ हम प्रकार कुल लाभ = ₹ + 6 = 7½ रुपये

यदि वह 70 मन खांड 20 प्रतिशत लाभ से बेचे तो उसे 70 का 20 प्रतिशत लाभ होगा।

$$\begin{aligned} \therefore \text{कुल लाभ} &= 70 \text{ का } 20\% \\ &= 14 \text{ रुपये} \end{aligned}$$

पहले सौदे की बदेबा उसे दूसरे सौदे में $14 - 7\frac{1}{2} = 6\frac{1}{2}$ अधिक लाभ होता है।

अब वह अन्तर 6½ रुपये है, तो एक मन का अद-मुल्क = 1 रुपये

$$\begin{aligned} \text{अब अन्तर 78 रुपये है, तो 1 मन का अद-मुल्क} \\ &= \frac{1}{15} \times \frac{78}{100} \times 100 \\ &= 12 \text{ रुपये} \end{aligned}$$

अतः अद-मुल्क = 12 रुपये प्रति मन उत्तर

उदाहरण (६) एक कम तोलने वाला दुकानदार जिस भाव अनाज खाता है उसी भाव बेच देता है। यदि वह ग्राहक को 5 सेर के स्थान पर 4 सेर 11 द्रव्यक अनाज दे; तो बताओ उसे कितने प्रतिशत लाभ होता है ?

$$\begin{aligned} \therefore 4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक पर लाभ} &= 5 \text{ सेर} - 4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक} \\ &= 5 \text{ द्रव्यक} \end{aligned}$$

$$4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक का } 5 \text{ द्रव्यक पर लाभ} = \frac{5}{4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक}} \times 100$$

$$\therefore 4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक पर लाभ} = \frac{5}{4 \text{ सेर } 11 \text{ द्रव्यक}} \times 100$$

$$= \frac{20}{3} = 6\frac{2}{3}$$

अतः लाभ प्रतिशत $= 6\frac{2}{3}$ उत्तर

उदाहरण (१०) एक मनुष्य एक वस्तु मोटा खेता है और उसको 20 प्रतिशत लाभ में बेच देता है। यदि इस वस्तु का क्रय-मूल्य 20 प्रतिशत कम होना और वह उस वस्तु को पहले से 15 लिब्रिंग कम में बेचना, तो उसे 25 प्रतिशत लाभ होना। वस्तु का क्रय-मूल्य बताओ।

कल्पना करो कि क्रय-मूल्य $= x$ रुपये

$$\text{तो पहला विक्रय-मूल्य} = x \times \frac{120}{100} = \frac{6x}{5}$$

$$\text{दूसरा क्रय-मूल्य} = x \times \frac{80}{100} = \frac{4}{5}x$$

$$\text{दूसरा विक्रय-मूल्य} = \frac{4}{5}x \times \frac{125}{100} = x$$

$$\text{दोनों विक्रय-मूल्यों में अन्तर} = \frac{6}{5}x - x = \frac{x}{5}$$

यह अन्तर प्रश्न में 15 लिब्रिंग बताया गया है

$$\text{अतः } \frac{x}{5} = 15$$

या $x = 75$ लिब्रिंग

अतः क्रय मूल्य = 75 पाँडे 15 लिब्रिंग

यदि वह प्रश्न बदलाने दो न होना हो, तो आवश्यकी से देखा जाय। अर्थात् प्रश्न का इस प्रकार बदल जा —

एक मनुष्य एक वस्तु मोटा खेता है और उसको 20 प्रतिशत लाभ में बेच देता है। यदि उस वस्तु का क्रय-मूल्य 20 प्रतिशत कम होना और वह उस वस्तु को पहले से 15 प्रतिशत लाभ में बेचना, तो

उस वस्तु का विक्रयमूल्य पहले से १५ सिलिग कम होता ।

प्रथम मूल्य मत न करो ।

यदि बचतना करो कि प्रथम मूल्य = 100 सिलिग

तो पहला विक्रयमूल्य = 120 सिलिग

दूसरा प्रथम मूल्य = 80 सिलिग

दूसरा विक्रयमूल्य = 80×1.25
= 100 सिलिग

विक्रय मूल्यों में अन्तर = $120 - 100$
= 20 सिलिग

यदि वह अन्तर 20 सिलिग है तो प्रथम मूल्य = 100

" " " 1 " " " " " = 100

" " " 1.5 " " " " " = 100×1.5
= 75 सिलिग

3 और 15 सिलिग

प्रश्नावली ३४

(1) एक मनुष्य किसी वस्तु को 10 प्रतिशत की हानि से बेचता है । यदि उसे 5% रुपये अधिक मिल जाये, तो 12% प्रतिशत लाभ होगा । बताओ उस वस्तु का प्रथम मूल्य क्या है ?

(2) दूध का मूल्य 25 प्रतिशत बढ़ गया है । बताओ मुझको कितने प्रतिशत दूध कम पीना पड़िये कि मेरा खर्चा न बढ़े ?

(3) एक व्यापारी एक सार्देनिय के लिये हुए मीठ का 25 प्रति सैकड़ा कमोशन देकर भी 25 प्रति सैकड़ा लाभ उठाता है । बताओ वह एक सार्देनिय का कितने प्रति सैकड़ा मूल्य अधिक 'लक्ष' है ।

(4) मेरा 10 बॉटों का 10 बॉटों से मूल्य लिये । उनमें से एक को मैंने

15 प्रतिशत की हानि घीर दूधरे का 10 प्रतिशत के लाभ पर बेच दिया। यदि दोनों धोकों का विक्रयमूल्य बराबर हो, तो हर एक धोके का क्रयमूल्य प्रतीत करो।

(१) एक रुपये की 12 नारंगियाँ बेचने से मुझे 10 प्रतिशत हानि होती है। बताओ एक रुपये की कितनी नारंगियाँ बेचूँ कि मुझे 35 प्रतिशत लाभ हो?

(२) एक व्यापारी एक वस्तु को कुछ प्रतिशत हानि से बेच रहा है। यदि उस वस्तु का विक्रयमूल्य 10 प्रतिशत अधिक हो जाए तो उसको 20 प्रतिशत लाभ हो। बताओ वह उस वस्तु को कितने प्रतिशत हानि से बेच रहा है।

(३) 7 रुपये 8 छाने प्रति मन दूध बेचने से एक ग्राहक को 10 प्रतिशत हानि होती है। बताओ वह कितने छाने प्रति सेर के साथ स दूध बंधे कि उसको 10 प्रतिशत लाभ हो?

(4) 10 छाने प्रति दर्जन के भाग नारंगियाँ बेचने से एक स्त्री को 75 प्रतिशत हानि उठानी पड़ती है। यदि वह 12 छाने की 10 नारंगियाँ बच तो उस कितना प्रतिशत लाभ का हानि होगी?

(5) एक कुंआरे का मेर का बाट 15 दर्जों का है। वह एक रुपये पर चंगुल मीठ बेकर 1 रुपये मेर के साथ हो बेच रहा है। बताओ वह कितना प्रतिशत लाभ उठा रहा है।

(6) 21 पुस्तकों का क्रयमूल्य 14 पुस्तकों के विक्रयमूल्य के बराबर है। प्रतिशत लाभ बताओ।

(7) किसी मालिक के विक्रयमूल्य से 10 प्रतिशत का हानि करने के लिये विक्रयमूल्य के भाग बताओ है। वह का इसको वह उसे विक्रयमूल्य का प्रतिशत लाभ बताओ।

(11) एक पौता 120 रुपये में बेचने में व्यय 10 के 10 प्रतिशत लाभ होता है। व्यय 10 बताओ।

(12) एक लड़के ने कुछ मन्त्रों एक घाने के चार-चार और उतने मन्त्रों एक घाने के दस-दस के भाग में मोल दिए, और उन निराकर दो घाने के मौजू के भाग से बेच दिया। बताओ उसको कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई।

(13) एक व्यापारी ने एक दुकानदार को 10 प्रतिशत लाभ से खरीदे, पन्ध्र दुकानदार का दियाता निकल गया और उसने रुपये में 11 घाने का मुकामान किया। बताओ व्यापारी को कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई।

(14) एक कुंदा 3 घाने के 20 के भाग में कुछ भाग मोल लेता है और उतने ही घाने 3 घाने के 30 के भाग से मोल लेता है। वह उनको निता कर 3 घाने के 25 के भाग से बेच देता है। उसका लाभ या हानि प्रतिशत बताओ।

(15) एक व्यापारी ने दो बोरे सौ सौ रुपये में बेचे। उनमें से एक पर तो 20 प्रतिशत लाभ हुआ और दूसरे पर 25 प्रतिशत हानि। बताओ उसे कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई।

[संकेत—लाभ या हानि व्यय पर ही होता है, विवक्षित पर नहीं]

(16) एक मनुष्य एक वस्तु को 20 प्रतिशत लाभ से बेचता है। यदि वह इस को 20 प्रतिशत कम में मोल लेता और 10 प्रतिशत कम में बेचता तो उसे 25 प्रतिशत लाभ होता। वह वस्तु का व्यय बताओ।

(17) एक वस्तु 10 प्रतिशत लाभ में बेची गयी। यदि वह वस्तु 20 प्रतिशत कम में मोल ली जाती हो। निम्न कितने में बेची

जाती, तो 10 प्रतिशत लाभ होता। उस वस्तु का क्रयमूल्य बताओ।

- (१६) एक मनुष्य ने कुछ रुपये लेकर व्यापार आरम्भ किया; पहले व्यापार में मूलधन का $\frac{1}{4}$ भाग खड़ा देकर फिर शेष रुपये से दूसरा व्यापार किया और उसमें उसने 10 रु० सैकड़ा लाभ उठाया, तीसरी बार एक और व्यापार किया और उसमें पूँजी के $\frac{1}{4}$ भाग की हानि हुई, परन्तु चौथी बार जो व्यापार किया उसमें उसे 66 $\frac{2}{3}$ रुपये प्रति सैकड़ा लाभ हुआ और उस समय उसके पास 10,000 रु० थे। बताओ उसने कितने रुपये लेकर व्यापार आरम्भ किया था ?
- (१७) एक थोड़ा 40 पौंड की मोल लिया और 8 मास की उपार पर 45 पौंड में बेच दिया। यदि व्यापार की वार्षिक दर 6 पौंड प्रति सैकड़ा हो तो प्रति सैकड़ा क्या लाभ हुआ ?
- (१८) एक क्रिकेट के खेल में एक डेकेदार ने एक नियत मोल पर 12 $\frac{1}{2}$ प्रतिशत लाभ उठाने के आशय से 24 मनुष्यों के भोजन का ठेका लिया। 3 मनुष्य अनुपस्थित रहे, शेष 21 मनुष्यों से नियत भोजन प्राप्त हुआ और डेकेदार को 2 रु० की हानि रही, बताओ उसने प्रत्येक मनुष्य के भोजन का क्या मोल नियत किया था।
- (१९) एक पन्सारी 4 रुपये मन वाले 20 मन चावलों में 3 रु० 8 आने मन वाले कुछ चावल मिलाता है और मिश्रण को 3 रु० 12 आने मन बेचने से 10 रुपये लाभ उठाता है। बताओ उसने कितने चावल मिलाए और अपनी पूँजी पर प्रति सैकड़ा क्या लाभ उठाया ?
- (२०) एक मनुष्य 5 शि० प्रति गैलन की दर से मदिरा मोल लेता है और उसमें पानी मिलाकर मिश्रण को 4 शि० प्रति गैलन के भाव से बेच कर 12 $\frac{1}{2}$ प्रति सैकड़ा लाभ उठाता है, तो प्रति गैलन में पानी की मात्रा बताओ ?

(२४) एक चतुर लड़का एक दुकान पर गया और देखा कि वहाँ ३०
 मरिचक मिलते हैं उसने ही शर्तों में १५५ बेर। उसने ३०
 बेर मरिचक मोल लिए और एक मरिचक के बदले में ३
 सारसों, छि ३ सारसों के बदले में ३ मरिचकों मोल ली,
 और ३ मरिचकों के बदले में ३३ मोल। फिर ३३ मोल
 के बदले में ३ बेर मोल लिए। इससे ३ बेर मोल मोल
 उसकी लाभ हुआ या हानि ?

वारह्वोँ अध्याय

साधारण ब्याज

(१) जो व्यक्ति रक्का उधार लेता है और उसकी कुछ समय तक अपने काम में खर्चा है, वह अपने धनी को नियत समय के बीतने पर उस रुपये में काम लेने के बदले में कुछ रुपये देता है। इसका नाम ब्याज है।

(२) ब्याज की दर साधारणतः हर सौ रुपये पर एक वर्ष के लिये ब्यहसई जाती है इसे वार्षिक प्रतिशत दर कहते हैं। इस वार्षिक प्रतिशत दर से सारे रुपये का ब्याज फैला लेते हैं। जैसे यदि वार्षिक प्रतिशत दर 6 रुपये हो तो

∴ 100 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए = 6 रुपये

∴ 200 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए = 12 रुपये

और 50 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए = 3 रुपये

और 25 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए = 1½ रुपये

इत्यादि।

(३) जिस राशि पर ब्याज लगाया जाता है उसे मूलधन कहते हैं।

(४) मूलधन में ब्याज जोड़ देने से जो राशि बनती है उसे मिश्रधन कहते हैं।

भारतवर्ष में प्रायः ब्याज प्रतिवर्ष प्रतिशत छयवा प्रतिसात निररुपये की दर में लगाया जाता है। इन दरों की किया की देल पर वह बात स्पष्ट हो जायेगी।

उदाहरण (१) 625 रुपये का ब्याज 3 वर्ष के लिये 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर में निकाला।

100 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए	= 4 रुपये
एक रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए	= $4 \div 100$ रुपये
625 रुपये का ब्याज एक वर्ष के लिए	= $4 \div 100 \times 625$ रुपये
625 रुपये का ब्याज 3 वर्ष के लिए	= $4 \div 100 \times 625 \times 3$ रुपये = $625 \times 4 \times 3 \div 100$ रुपये = 75 रुपये उत्तर

(२) ऊपर की क्रिया को देखने से हमको ब्याज निकालने का यह नियम प्राप्त होता है:—

नियम — किसी राशि का ब्याज, किसी विशेष प्रतिशत दर से, किसी विशेष अवधि के लिए

$$= \frac{\text{मूलधन} \times \text{दर} \times \text{अवधि}}{100}$$

(३) यदि मिश्रधन प्रतीत करना हो तो मूलधन में ब्याज जोड़ दो।

जैसे ऊपर के उदाहरण में

$$\text{मिश्रधन} = 625 \text{ रुपये} + 75$$

$$= 700 \text{ रुपये}$$

यदि केवल मिश्रधन प्रतीत करना हो, तो क्रिया इस प्रकार करो:—

$$100 \text{ रुपये का मिश्रधन तीन वर्ष में} = 112 \text{ रुपये}$$

$$\therefore 1 \text{ रुपये का मिश्रधन तीन वर्ष में} = 112 \div 100 \text{ रुपये}$$

$$\text{अतः } 625 \text{ रुपये का मिश्रधन तीन वर्ष में} = 625 \times 112 \div 100 \\ = 700 \text{ रुपये उत्तर}$$

उदाहरण (२) 256 रुपये का $3\frac{1}{4}$ वर्ष का ब्याज $3\frac{1}{4}$ प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से प्रतीत करो।

$$\text{ब्याज} = \frac{\text{मूलधन} \times \text{दर} \times \text{अवधि}}{100}$$

$$\text{मूलधन} = 256 \text{ रुपये}$$

$$\text{दर} = 3\frac{1}{4} = 10\%$$

$$\text{अवधि} = 3\frac{1}{4} \text{ वर्ष} = 13 \text{ वर्ष}$$

$$\text{ब्याज} = \frac{256 \times 10 \times 13}{100}$$

$$= \frac{32 \times 64 \times 13}{100 \times 3 \times 4} = 32 \text{ रुपये उत्तर}$$

उदाहरण (३) 292 रुपये का 50 दिन का ब्याज 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से प्रतीत करो।

$$\text{दिए ब्याज} = \frac{292 \times 5 \times 50}{100 \times 365}$$

$$= \frac{73 \times 4 \times 5 \times 50}{4 \times 29 \times 73 \times 5}$$

$$= 2 \text{ रुपये उत्तर}$$

नोट—यदि अवधि दिन में दी गई हो तो वर्ष के 365 दिन का ध्यान रख दिनों को वर्षों के मित्य में बदल लो। यदि अवधि महीनों में दी गई हो तो महीने के 30 दिन और वर्ष के 12 महीने का ध्यान रख दिनों में बदल लो।

उदाहरण (४) 3200 रुपये 10 साल का ब्याज 5 साल 10 महीने के लिए 4 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से प्रतीत करो।

3200 रुपये 10 बरने = $\frac{3200}{10}$ रुपये

5 मास 10 दिन = $5 \frac{10}{30}$ मास = $\frac{16}{3 \times 12}$ वर्ष

∴ व्याज = $\frac{3200}{8} \times 4 \times \frac{16}{12 \times 3} \times \frac{1}{100}$ रुपये

= $\frac{1045 \times 25}{8} \times 4 \times \frac{2 \times 8}{2 \times 6 \times 3} \times \frac{1}{5 \times 4 \times 5}$ रुपये

= 38 रुपये 10 पैसे उत्तर

उदाहरण (५) यदि व्याज की मासिक दर 2 पैसे प्रति रुपया हो तो 40 रुपये का 5 मास का व्याज कितना होगा ?

एक रुपये का व्याज } = $\frac{1}{32}$ रुपये

एक मास का } = $\frac{1}{32}$ रुपये

40 रुपये का व्याज } = $40 \times \frac{1}{32}$

एक मास का } = $40 \times \frac{1}{32}$

40 रुपये का व्याज } = $40 \times \frac{1}{32} \times 5$ रुपये

5 मास का } = $40 \times \frac{1}{32} \times 5$ रुपये

= 7 रुपये 10 पैसे उत्तर

उदाहरण (६) 1020 रुपये 10 बरने 8 पैसे का निम्नलिखित एक वर्ष $\frac{1}{2}$ मास का 2 पैसे प्रति रुपया मासिक दर से कितना होगा ?

न्यूनतम का व्याज = न्यूनतम × दर × काल

= $1020 \times 16 \times \frac{1}{2}$

= $816 \times \frac{1}{2}$ रुपये

= 408 रुपये 0 पैसे 4 पैसे

व्याज = 408 रुपये 0 पैसे 4 पैसे

न्यूनतम = 1020 रुपये 10 बरने 8 पैसे

∴ दृष्ट मिश्रधन = 1540 रुपये

उत्तर

या इस प्रकार

$$\left. \begin{array}{l} \therefore \text{एक रुपये का मिश्रधन} \\ 16 \text{ महीने के लिए} \\ 2 \text{ वैसे मासिक दर से} \end{array} \right\} = (1 + \frac{1}{2}) \text{ रुपये} \\ = \frac{3}{2} \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} \therefore 1026\frac{1}{2} \text{ रु० का मिश्र} \\ \text{धन 16 महीने के लिए} \\ 2 \text{ वैसे मासिक दर से} \end{array} \right\} = \frac{3080}{3} \times \frac{1}{2} \text{ रुपये} \\ = \frac{3080}{2} \text{ रुपये}$$

$$= 1540 \text{ रुपये उत्तर}$$

उदाहरण—(•) 26 रुपये 8 आने $8\frac{1}{11}$ पाई का ब्याज 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से 1 मास में 1 दिसम्बर तक प्रतीत करो।

26 रुपये 8 आने $8\frac{1}{11}$ पाई = $\frac{292}{11}$ रुपये	<table border="0"> <tr><td>माघ</td><td>30</td></tr> <tr><td>चैत्र</td><td>30</td></tr> <tr><td>मई</td><td>31</td></tr> <tr><td>जून</td><td>30</td></tr> <tr><td>जुलाई</td><td>31</td></tr> <tr><td>अगस्त</td><td>31</td></tr> <tr><td>सितम्बर</td><td>30</td></tr> <tr><td>अक्तूबर</td><td>31</td></tr> <tr><td>नवम्बर</td><td>30</td></tr> <tr><td>दिसम्बर</td><td>1</td></tr> <tr><td>दिन</td><td>275</td></tr> </table>	माघ	30	चैत्र	30	मई	31	जून	30	जुलाई	31	अगस्त	31	सितम्बर	30	अक्तूबर	31	नवम्बर	30	दिसम्बर	1	दिन	275
माघ		30																					
चैत्र		30																					
मई		31																					
जून		30																					
जुलाई	31																						
अगस्त	31																						
सितम्बर	30																						
अक्तूबर	31																						
नवम्बर	30																						
दिसम्बर	1																						
दिन	275																						
275 दिन = $\frac{275}{365}$ वर्ष																							
= $\frac{55}{73}$																							
ब्याज = $\frac{292}{11} \times 5 \times \frac{55}{73} \times \frac{1}{100}$ रुपये																							
= $\frac{73 \times 4}{11} \times 5 \times \frac{55}{73} \times \frac{1}{100}$ रुपये																							

$$= 1 \text{ रुपया उत्तर}$$

नोट—यदि ब्याज किसी विशेष मासिक से किसी और मासिक तक निकालना हो, तो पहले दिन या अन्तिम दिन में से ब्याज एक दिन हो का ब्याज लगाना चाहिए।

प्रश्नावली ३५

ध्यात्र निकालो—

- (१) 670 रुपये का 4 वर्ष का 5 प्रतिशत दर से ।
- (२) 682 रुपये का 5 वर्ष का 5 प्रतिशत दर से ।
- (३) 216 रुपये का $6\frac{1}{2}$ वर्ष का 4 प्रतिशत दर से ।
- (४) 8800 रुपये का $4\frac{1}{2}$ वर्ष का $3\frac{1}{2}$ रुपये प्रतिशत वार्षिक दर से ।
- (५) 21606 रुपये 4 छाने का एक वर्ष 73 दिन का 5 प्रतिशत वार्षिक दर से ।
- (६) 1833 रुपये 5 छाने 4 पाई का एक वर्ष 292 दिन का $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत प्रति वर्ष दर से ।
- (७) 9307 रुपये 8 छाने का 200 दिन का 7 प्रतिशत वार्षिक दर से ।
- (८) 10666 रुपये 10 छाने 8 पाई का 4 मास 15 दिन का $2\frac{1}{2}$ वैसे प्रति रुपया प्रति मास की दर से ।
- (९) 1708 रुपये 10 छाने 8 पाई का 6 मास 12 दिन का ध्यात्र 2 रुपये 4 छाने मैकड़ा मासिक दर से बनाओ ।
- (१०) 2666 रुपये 10 छाने 8 पाई का 4 मास 8 दिन का ध्यात्र 1 रुपया 5 छाने 4 पाई प्रतिशत मासिक दर से निकालो ।
- (११) 373 रुपये 5 छाने 4 पाई 6 वर्ष 5 मास 15 दिन का ध्यात्र 1 रुपया 10 छाने 8 पाई प्रतिशत मासिक दर से बनाओ ।
- (१२) 8176 रुपये 14 छाने का मिश्रधन 15 छाने मैकड़ा मासिक दर से 2 वर्ष 2 मास में क्या होगा ?

विभिन्नविभिन्न प्रश्नों में दर उ माहों की हुई है; ध्यात्र निकालो —

- (१३) सूचकन 1122 रुपये 10 छान ४ पाई का एक छाना 2 वैसे प्रतिशत वार्षिक 4 वर्ष 5 मास 10 दिन ।

$$\left. \begin{array}{l} \text{अतः 140 रुपये का} \\ 9 महीने का ब्याज} \end{array} \right\} = 140 \times 9 \text{ रुपये का एक महीने का ब्याज} \\ = 1260 \text{ रुपये का एक महीने का ब्याज}$$

$$\left. \begin{array}{l} \text{किन्तु 100 रुपये का} \\ \text{ब्याज एक मास का} \end{array} \right\} = 1 \text{ रुपया 4 आने}$$

$$\therefore 1200 \text{ रुपये का ब्याज} = 15 \text{ रुपये 0 आने}$$

$$\text{और 50 रुपये का ब्याज} = 0 \text{ रुपये 10 आने}$$

$$\text{और 10 रुपये का ब्याज} = 0 \text{ रुपये 2 आने}$$

$$\text{अतः 1260 रुपये का ब्याज} = 15 \text{ रुपये 12 आने}$$

$$\left. \begin{array}{l} \text{या 140 रुपये का 9} \\ \text{मास का ब्याज} \end{array} \right\} = 15 \text{ रुपये 12 आने}$$

उत्तर

महासनी रीति में 140×9 को पक्के चंङ कहते हैं और 1 रुपया 4 आने को 100 पक्के चंङों का ब्याज ।

किर 140×9 पक्के चंङों का ब्याज 100 पक्के चंङों के ब्याज की महासनी में जैसा लेते हैं । जिसे इस प्रकार होती है :—

$$140 \text{ रुपये के 9 मास के पक्के चंङ} = 140 \times 9 \\ = 1260$$

$$100 \text{ पक्के चंङ का ब्याज} = 1 \text{ रुपया 4 आने}$$

$$1200 \text{ पक्के चंङ का ब्याज} = 15 \text{ रुपये 0 आने}$$

$$50 \text{ पक्के चंङ का ब्याज} = 0 \text{ रुपया 10 आने}$$

$$10 \text{ पक्के चंङ का ब्याज} = 0 \text{ रुपया 2 आने}$$

$$\therefore \text{दृष्ट ब्याज} = 15 \text{ रुपये 12 आने}$$

उत्तर

अतः महासनी रीति में ब्याज निकालने का यह नियम प्राप्य

नियम:—जब किसी गणि का व्याप कुछ महीनों का निकालना हो और व्याप की दर मैकड़ा प्रतिमास हो हुई हो, तो मूलधन को महीनों की संख्या से गुणा करें। जो गुणनफल प्राप्त हो उसे एकके शंक मन्त्रो और दर प्रतिगत को 100 एकके शंकों का व्याप माल कर सारे एकके शंकों का व्याप निकाल लो।

(२) ऊपर के उदाहरण में व्याप की दर प्रतिगत मानिक दी हुई है। इस में दर (1 रुपया 4 छाने) 100 एकके शंकों का व्याप है। किन्तु यदि व्याप की दर प्रति रुपया मानिक हो, तो दर एक एकके शंक का व्याप होगी।

उदाहरण 12। 30 रुपये का व्याप 2 पैने प्रति रुपया मानिक दर में 5 मास का प्रतीत करो।

$$\begin{aligned} 30 \text{ रुपये के 5 मास में एकके शंक} &= 30 \times 5 \\ &= 150 \end{aligned}$$

$$\text{एक एकके शंक का व्याप} = 2 \text{ पैने}$$

$$\begin{aligned} 150 \text{ एकके शंकों का व्याप} &= 150 \times 2 \text{ पैने} \\ &= 4 \text{ रुपये 11 छाने उत्तर} \end{aligned}$$

(3) जब कबिधि दिनों में हो हुई हो तो मूलधन को दिनों की संख्या से गुणा करते हैं और गुणनफल को कच्चे शंक करते हैं। कच्चे शंकों को 30 पर भाग देकर एकके शंक बनाने जाते हैं।

उदाहरण (3) 750 रुपये का 18 दिन का व्याप 12 1/2 छाने मैकड़ा मानिक दर में निकालो।

$$\begin{aligned} \text{क्रिया—750 रुपये के 18 दिन के कच्चे शंक} &= 750 \times 18 \\ &= 13500 \end{aligned}$$

$$13500 \text{ कच्चे शंकों के एकके शंक} = 13500 \div 30$$

$$= 450$$

$$100 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 12 \text{ चाने 2 पैसे}$$

$$400 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 3 \text{ रुपये 2 चाने 0 पैसे}$$

$$50 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 0 \text{ रुपये 6 चाने 1 पैसा}$$

$$\text{कुल स्वात्र} = 3 \text{ रुपये 8 चाने 1 पैसा}$$

उत्तर

(४) जब जबधि महीनों और दिनों में ही हुई हो, तो पहले मूत्र-धन को महीनों की संख्या में गुणा करके पक्के चंक बना लो, इसके परवान् मूत्रधन की दिनों का संख्या में गुणा करके करके चंक बनाओ और उनको 30 पर भाग देकर पक्के चंक बनाओ, जिस सारे पक्के चंको का स्वात्र निकाल लो।

उदाहरण (१) 360 रुपये का स्वात्र 7 मास 10 दिन का चाने मैटका मासिक दर में मान्य करो।

$$\begin{aligned} \text{क्रिया—} 360 \text{ रुपये के 7 महीने के पक्के चंक} &= 360 \times 7 \\ &= 2520 \end{aligned}$$

$$\left. \begin{array}{l} 360 \text{ रुपये के 10 दिन के रुपये चंक} \end{array} \right\} = 360 \times 10 = 3600$$

$$\begin{array}{l} 3600 \text{ रुपये चंको के पक्के चंक} \end{array} = 3600 \div 30 = 120$$

$$\therefore \text{कुल पक्के चंको की संख्या} = 2520 + 120 = 2640$$

$$100 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 9 \text{ चाने}$$

$$2000 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 11 \text{ रुपये 4 चाने}$$

$$600 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 3 \text{ रुपये 6 चाने}$$

$$25 \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 0 \text{ रुपये 2 चाने 1 पैसा}$$

$$12\frac{1}{2} \text{ पक्के चंको का स्वात्र} = 0 \text{ रुपये 1 चाना } \frac{1}{2} \text{ पैसा}$$

व्याज निकालने की इस रीति को कटवॉ व्याज कहते हैं।

नीचे दिये हुए उदाहरण से कटवॉ व्याज का नियम समझ में आजायेगा।

उदाहरण—एक किसान ने किसी धनी से 11 बैसाख संवत् 2004 को 200 रुपये, एक रुपया 9 आने सैकड़ा मासिक दर से उधार लिए और 5 सावन संवत् 2004 को 120 रुपये के गेहूँ अपना अण्डा चुकाने के लिए दे गया। यदि वह 11 मंगसर संवत् 2004 को अपना खेला चुकता करना चाहे, तो उसे कितने रुपये देने पड़ेगे ?

200 रुपये का जितनी अवधि का व्याज फैलाना है, वह $\left. \vphantom{\begin{array}{l} 200 \text{ रुपये का जितनी} \\ \text{अवधि का व्याज फैलाना है,} \end{array}} \right\} = \left\{ \begin{array}{l} 11 \text{ बैसाख संवत् 2004 से} \\ 11 \text{ मंगसर संवत् 2004 तक} \\ = 7 \text{ महीने।} \end{array} \right.$

120 रुपये का जितनी अवधि का व्याज फैलाना है, वह $\left. \vphantom{\begin{array}{l} 120 \text{ रुपये का जितनी} \\ \text{अवधि का व्याज फैलाना है,} \end{array}} \right\} = \left\{ \begin{array}{l} 5 \text{ सावन संवत् 2004 से} \\ 11 \text{ मंगसर संवत् 2004 तक} \\ = 4 \text{ महीने 6 दिन।} \end{array} \right.$

धनी के चंङ

200 रुपये के 7 महीने के पक्के चंङ = $200 \times 7 = 1400$

किसान के चंङ

120 रुपये के 6 दिन के कच्चे चंङ = $120 \times 6 = 720$

720 कच्चे चंङों के पक्के चंङ = $720 \div 30 = 24$

120 रु० के 4 महीने के पक्के चंङ = $120 \times 4 = 480$

किसान के कुल पक्के चंङ = $480 + 24 = 504$

धनी के शेष पक्के चंङ = $1400 - 504 = 896$

100 पक्के चंङों का व्याज = 1 रुपया 9 आने

∴ 800 पक्के धंको का व्याज = 12 रुपये 8 आने

और 96 पक्के धंको का व्याज = 1 रुपया 8 आने

∴ धनी का सारा व्याज = 14 रुपये

धनी के मूलधन में से शेष = ५0

(200 रुपये - 120 रुपये = 80 रुपये)

∴ बिगान को जो रुपये देने हैं, वह = 80 + 14 रुपये

= 94 रुपये उत्तर

प्रश्नावली ३७

- (१) एक किसान ने किसी दुबानदार से 3000 रुपये उधार लिए। उसने तीन महीने पीछे 3000 रुपये व गहूँ दुबानदार को दिए, और 6 महीने पीछे फिर 2000 रुपये और उधार ले गया। 9 महीने पीछे सारा ऋण चुका दिया। यदि व्याज का दर 1 रुपया 8 आने मैहरा मानिष हो, तो दलाल किसान ने दुबानदार को कितने रुपये दिये।
- (२) एक मनुष्य ने किसी बैंक से 12 प्रतिशत 2000 का 2000 रुपये उधार दिये और 18 बैराल 2000 को ५० रुपये बैंक से निकाले, फिर 12 जेठ 2000 को 300 रुपये उधार दिये और 12 कार्तिक 2000 को चरना सारा धन व्याज सहित बैंक से ले लिया। यदि दोनों चरनाओं में व्याज की दर 7 आने मैहरा हो तो चरनाओं उधारों बैंक से दिव्या व्याज निश्चय और दिव्या रुपया निश्चय।
- (३) एक दुबानदार 7 महीना बैंक से 1000 रुपये 7 बैराल मनुष्य 2000 को और 10 रुपये चरना का उधार दिये और 10 रुपये 10 कार्तिक को बैंक से 10 रुपये और 10 कार्तिक

का लेखा बूझाया जाय तो बनावो कृपक इस समय निजता
बनना पैना १ इयाज की दर १२ जाने गैकबा मासिक है ।

(४) एक किसान ने पक्षी सेन को जमींदार सेन से 7(जी) रुपये खर्च किया और पक्षी सेना की 3(बी) रुपये जीयाने और फिर 1.50 रुपये पक्षी कार्तिक को खर्च किए और प्रथम बार की सेवा सुकाना । यदि समाज की दर 12 जाने तो क्या जाति है, या कमानों इनसे केन्हा सुकाने समग्र किन्हे रुपये दिव 9

[illegible]

स्वातंत्र्य को जल १०, काय। तैल्यु। प्रसिद्ध है ।

३. कब सादृश्य की कमी से कल कृपाय का शिल्प कम प्रभाव है -

[illegible]

मूलधन, दर और अवधि प्रतीत करना

- (१) व्याज के प्रश्नों में चार राशियों का होना आवश्यक है, और राशियाँ यह हैं :—

मूलधन, दर, अवधि, व्याज

इनमें से कोई भी तीन का पता हो, तो चौथी को मालूम कर सकते हैं। व्याज निकालने की रीति तो हम जानते ही हैं, अब हम शेष तीन राशियों को मालूम करने के विधि बताते हैं।

- (२) (क) दर, अवधि और व्याज मालूम हों, तो मूलधन प्रतीत करना।

(ख) दर, अवधि और मिश्रधन मालूम हों, तो मूलधन प्रतीत करना।

उदाहरण (१) जिस मूलधन का व्याज $3\frac{1}{2}$ प्रतिशत प्रतिवर्ष ४ वर्ष में ०३० रुपये हो जायगा ?

$$\left. \begin{array}{l} \text{एक वर्ष में } 3\frac{1}{2} \text{ रुपये} \\ \text{व्याज हो, तो मूलधन} \end{array} \right\} = 100 \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} 4 \text{ वर्ष में } 3\frac{1}{2} \text{ रुपये} \\ \text{व्याज हो, तो मूलधन} \end{array} \right\} = \frac{100}{4} \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} 4 \text{ वर्ष में } 1 \text{ रुपया} \\ \text{व्याज हो, तो मूलधन} \end{array} \right\} = \frac{100}{4 \times 3\frac{1}{2}} \text{ रुपये}$$

$$\begin{aligned} 4 \text{ वर्ष में } 0.30 \text{ रुपये} \\ \text{व्याज हो तो मूलधन} &= \frac{100 \times 0.30}{4 \times 3\frac{1}{2}} \\ &= 450 \text{ रुपये उत्तर} \end{aligned}$$

देखो ऊपर की क्रिया में मूलधन मालूम करने के लिये व्याज 100 में गुना करके दर और अवधि के गुणनफल से भाग दिया गया है। अतः यह नियम सिद्ध हुआ।

$$\text{मूलधन} = \frac{\text{व्याज} \times 100}{\text{दर} \times \text{अवधि}}$$

उदाहरण (२) किस मूलधन का मिश्रधन ४ वर्ष में ३ प्रतिशत वार्षिक दर से 3100 रुपये हो जायेगा ?

$$\text{मिश्रधन} = 3100 \text{ रुपये}$$

$$\text{अवधि} = 4 \text{ वर्ष}$$

$$\text{दर} = 3 \text{ प्रतिशत वार्षिक}$$

$$\text{कहाया करो कि मूलधन} = 100 \text{ रुपये}$$

$$\left. \begin{array}{l} 100 \text{ रुपये का व्याज } 4 \text{ वर्ष में } \\ \text{का } 3 \text{ प्रतिशत वार्षिक दर से } \end{array} \right\} = \frac{100 \times 3 \times 4}{100} = 12$$

$$\therefore 100 \text{ रुपये का मिश्रधन} = 100 + 12 = 112 \text{ रुपये}$$

$$\text{अब मिश्रधन } 112 \text{ रुपये हो तो मूलधन} = 100$$

$$\text{अब मिश्रधन } 1 \text{ कहा हो तो मूलधन} = \frac{100}{112}$$

$$\begin{aligned} \text{अब मिश्रधन } 3100 \text{ रुपये हो तो मूलधन} &= \frac{100}{112} \times 3100 \\ &= 2750 \text{ रुपये उत्तर} \end{aligned}$$

प्रश्नावली ३८

- (१) किस मूलधन का व्याज ३ वर्ष में ४ प्रतिशत वार्षिक दर से 750 रुपये हो जायेगा ?
- (२) किस मूलधन का व्याज १५ रुपये में २४ प्रतिशत वार्षिक दर से 324 रुपय हो जायेगा ?
- (३) किस मूलधन का व्याज ८० वर्ष में ४५ प्रतिशत वार्षिक दर से ४०० रुपये हो जायेगा ?

(३) (क) मूलधन, व्याज, अवधि मान्य हो तो दर मान्य करना ।

(ख) मूलधन, मिश्रधन और अवधि मान्य हो तो दर मान्य करना ।

उदाहरण (१) यदि 1650 रुपये का व्याज 24 वर्ष में 132 रुपये हो, तो व्याज को दर प्रति सैकड़ा प्रति वर्ष मान्य करो ।

$$\therefore 1650 \text{ रुपये का व्याज } \left. \begin{array}{l} 24 \text{ वर्ष में} \end{array} \right\} = 132 \text{ रुपये}$$

$$\therefore 1650 \text{ रुपये का व्याज } \left. \begin{array}{l} \text{एक वर्ष में} \end{array} \right\} = \frac{132}{24} \text{ रुपये}$$

$$\therefore 1 \text{ रुपये का व्याज एक वर्ष में } \left. \right\} = \frac{132}{1650 \times 24} \text{ रुपये}$$

$$\therefore 100 \text{ रुपये का व्याज एक वर्ष में } \left. \right\} = \frac{100 \times 132}{1650 \times 24} \text{ रुपये}$$

$$= 3\frac{1}{3} \text{ रुपये}$$

अतः दर प्रतिशत प्रति वर्ष $= 3\frac{1}{3}$ रुपये उत्तर

उपर को दिया दिखाई गई है उस से स्पष्ट है कि

$$\text{दर} = \frac{\text{व्याज} \times 100}{\text{मूलधन} \times \text{अवधि}}$$

उदाहरण (२) 225 रुपये का मिश्रधन 3 वर्ष में 258 रुपये 12 पैसे हो, तो दर ज्ञात करो ।

$$\therefore 225 \text{ रुपये का } \left. \begin{array}{l} \text{व्याज 3 वर्ष का} \end{array} \right\} = 258 \text{ रुपये 12 पैसे} - 225 \text{ रुपये}$$

$$= 33 \text{ रुपये 12 पैसे}$$

$$= \frac{135}{4} \text{ रुपये}$$

साधारण ब्याज

$$\therefore \text{दर} = \frac{\text{ब्याज} \times 100}{\text{मूलधन} \times \text{अवधि}} = \frac{135 \times 100}{4 \times 225 \times 3}$$

= 5 प्रतिशत वार्षिक उत्तर

उदाहरण (2) किस दर से कोई राशि 20 वर्ष में दुगुनी हो जायेगी ?

$$\therefore 100 \text{ रुपये का ब्याज } \left. \begin{array}{l} \text{20 वर्ष में} \end{array} \right\} = 100 \text{ रुपये}$$

$$\therefore 100 \text{ रुपये का ब्याज 1 वर्ष में } \left. \begin{array}{l} \end{array} \right\} = \frac{100}{20} \text{ रुपये} \\ = 5 \text{ रुपये}$$

अतः ब्याज की दर = 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष उत्तर
या इसे इस प्रकार हल करेंगे :

$$\therefore \text{दर} = \frac{\text{ब्याज} \times 100}{\text{मूलधन} \times \text{अवधि}}$$

$$\therefore \text{दर} = \frac{100 \times 100}{100 \times 20}$$

= 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष उत्तर

प्रश्नावली 39

- (1) किस प्रतिशत दर से 250 रुपये पर 3½ वर्ष में 30 रुपये 0 पाने ब्याज हो जायेगा ?
- (2) किस प्रतिशत दर से 715 रुपये पर 4½ वर्ष में 80 रुपये 7 पाने ब्याज हो जायेगा ?
- (3) किस प्रतिशत दर से 700 रुपये पर 2 वर्ष 73 दिन में 616 रुपये ब्याज हो जायेगा ?
- (4) किस प्रतिशत दर से 750 रुपये पर पहली मई से 24 जुलाई तक 105 रुपये ब्याज हो जायेगा ?

- (२) द्विग प्रतियुत दर से एक रुपया 4 चाहे पर एक महीने में 6 पार्स व्याज हो जायेगा ?
- (३) द्विग दर से 4615 रुपये 13 वर्ष में 6114 रुपये 14 चाहे हो जायेंगे ?
- (४) द्विग प्रतियुत दर से 9258 रुपये 5 चाहे 4 पार्स का मिश्रण 3½ वर्ष में 11526 रुपये 10 चाहे हो जायेगा ?
- (५) द्विग दर से 391 रुपये 10 चाहे 8 पार्स 3 वर्ष में 430 रुपये 13 चाहे 4 पार्स हो जायेंगे ?
- (६) द्विग दर से 2 चाहे 1 पार्स 33½ वर्ष में 1 रुपया 14 चाहे 4 पार्स हो जायेंगे ?
- (७) द्विग प्रतियुत दर से कोई रजि 25 वर्ष में दुगुनी हो जायेगी
- (८) द्विग दर से 30000 रुपये का व्याज 12 मून से 5 बरसका तक 54 रुपये हो जायेगा ?
- (९) द्विग दर प्रतियुत से 3½ वर्ष में किसी रजि का व्याज मूलधन का 16625 हो जायेगा ?

(४) (६) मूलधन, व्याज और दर की दूर हो, तो अन्तिम प्रतीक करना ।

(५) मूलधन, निश्चयन और दर की दूर हो, तो अन्तिम प्रतीक करना ।

उदाहरण (१) किसी समय में 9700 रुपये का व्याज 4 प्रतिशत वार्षिक दर से 2437 रुपये हो जायेगा ?

100 रुपये पर 4 रुपये
व्याज हो तो समय

$x = 1$ वर्ष

या हस प्रकार

$$\begin{aligned}\text{अवधि} &= \frac{\text{ब्याज} \times 100}{\text{मूलधन} \times \text{दर}} \\ &= \frac{18403 \times 100}{37500 \times 1\frac{1}{2}} \\ &= \frac{13125 \times 100 \times 4}{8 \times 37500 \times 1} \\ &= 2\frac{1}{2} \text{ वर्ष उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (३) एक राशि का मिश्रधन साधारण ब्याज दर से 3 वर्ष में 414 रुपये 6 पाने, और 5 वर्ष में 440 रुपये 10 पाने हो जाता है। मूलधन और ब्याज की दर प्रमीत करो।

मिश्रधन = मूलधन + ब्याज

अतः मूलधन + 3 वर्ष का ब्याज = 414 रुपये 6 पाने

और मूलधन + 5 वर्ष का ब्याज = 440 रुपये 10 पाने

अतः 2 वर्ष का ब्याज = (440 रुपये 10 पाने - 414 रुपये 6 पाने)

= 26 रुपये 4 पाने

एक वर्ष का ब्याज = 13 रुपये 2 पाने

अतः 3 वर्ष का ब्याज = 39 रुपये 6 पाने

∴ मूलधन = 414 रुपये 6 पाने - 39 रुपये 6 पाने

= 375 रुपये

अतः ब्याज = 26 रुपये 4 पाने = $1\frac{1}{2}\%$

अतः दर = 2 वर्ष

$$\begin{aligned}100 &= \frac{100 \times 100}{1 \times 2} \\ &= 5000\end{aligned}$$

- (१०) एक मनुष्य एक साल रुपये ४ प्रतिशत वार्षिक दर उधार लेता है और हर वर्ष ८००० रुपये दे देता बनाओ ३ वर्ष के परचात् उसे कितना खर्च देना रहेगा ।
- (११) एक राशि का मिश्रधन ५५० पौंड होता है जब कि व्याज दर ४ प्रतिशत है और समय २ वर्ष ६ महीने है । यदि दर प्रतिशत हो और समय ३ वर्ष ६ महीने हो तो उस राशि का मिश्रधन कितना होगा ?
- (१२) यदि ४ वर्ष में २५२० रुपये का मिश्रधन ३०२४ रुपये में है, तो छिन्ने समय में उम्मी दर में ५२० रुपये का मिश्रधन ६११ रुपये होगा ?
- (१३) किसी राशि का मिश्रधन साधारण व्याज में ३ वर्ष में ३० रुपये ८ पाने और ७½ वर्ष में ४५३ रुपये १२ पाने हो जाता है, तो मूलधन और व्याज की दर बनाओ ।
- (१४) एक राशि आज करो जिसका व्याज ३½ प्रतिशत दर ३ वर्ष ४ महीने में उगता ही हो, जितना कि १६० पौंड २½ प्रतिशत दर में २ वर्ष ६ महीने में होता है ।
- (१५) मैंने १४४ रुपये उधार लिए और ९ महीने परचात् १३४ रुपये और उधार लिए, परन्तु इस बार व्याज की वार्षिक दर रुपये में २½ प्रतिशत वार्षिक थी । दूसरा खर्च लेने के २४ परचात् मुझे २२२५ रुपये २ पाने देने पड़े । व्याज की दर दर बनाओ ।
- (१६) एक मनुष्य के पास १२४४ पौंड थे । इनमें से हमने कुछ का ५ वर्ष ३ चिन्ने ४ प्रतिशत वार्षिक दर में व्याज पर खर्च कर दिया । हम उस का ३ वर्ष के १४ वर्ष ५ प्रतिशत वार्षिक दर पर उगाया वार्षिक दर ५५५५ का व्याज बताओ हो, तो हमने मूल ४ प्रतिशत दर कितना कम लगाया था ?

रपया नहीं देगा वह दुपट्टी पर लिखे धन (5000 रुपये) में से नु
बड़ा काट लेगा। यह बड़ा उतना ही होगा जितना हम दुपट्टी
रुपये पर रोप समस का व्याज बनता है। यह बड़ा काट कर बड़ से
रहवा जाता मुप्रमोरास को दे देगा। जो बड़ा हम प्रकार काट
जाता है उसे व्यावहारिक बड़ा कहते हैं।

व्यावहारिक बड़ा = दुपट्टी के धन का साधारण व्याज।

यदि पहले से यह पता हो कि दुपट्टी का रहवा किम तिथि
समस का रोप को भरना है, तो हमसे 3 दिन और मिथा लिख
जावेंगे। यदि कोई लिखित तिथि न मिले हो, केवल सवधि मिली
हो, तो तीन दिन नहीं ओके जाते।

व्यावहारिक बड़ा निकालने की विधि

उदाहरण (१) 750 रुपये की दुपट्टी 28 जनवरी 1945 को
एक मास की अवधि पर लिखी गई। इसका रहवा 7 मार्च को 3
प्रतिशत वार्षिक दर से बड़ा देकर बैंक से लिया गया। बताओ कितना
व्यावहारिक बड़ा देना पड़ा ?

यह दुपट्टी 28 जनवरी को मिली गई है, अतः इसे भरने की
तारीख 28 जुलाई होगी। किन्तु इसमें तीन दिन की सवधि और
ओड़नी होगी इसलिए इसे भरने की राक तारीख 31 जुलाई है।

व्यावहारिक बड़ा = दुपट्टी के धन का साधारण व्याज

$$\begin{aligned} \therefore \text{बड़ा} &= \frac{750 \times 3}{100} \times \frac{110}{360} \\ &= 6 \text{ रुपये उत्तर} \end{aligned} \quad \begin{array}{l} \text{मार्च} = 31 \text{ दिन} \\ \text{अप्रैल} = 30 \text{ दिन} \\ \text{मई} = 31 \text{ दिन} \\ \text{जून} = 30 \text{ दिन} \\ \text{जुलाई} = 31 \text{ दिन} \\ \hline 153 \text{ दिन} \end{array}$$

व्यावहारिक बट्टा

उदाहरण (२) बताओ, 524 पौंड की हुण्डी के कितने पैसे बैंक से मिलेंगे जबकि हुण्डी का रूपरा ८ मास में मिलता हो और व्याज की दर ४ प्रतिशत हो ? अपना उत्तर निकटतम पैस तक लिखो।

$$\text{व्यावहारिक बट्टा} = \frac{524 \times 8 \times 4}{100 \times 12} \text{ पौंड}$$

$$= \frac{1048}{75} \text{ पौंड}$$

$$= 13 \text{ पौंड } 19 \text{ शिलिंग } 6 \text{ पैसे (लगभग)}$$

अतः बैंक इस हुण्डी के (524 पौंड—13 पौंड 19 शिलिंग 6 पैसे) या 510 पौंड 6 पैसे देगा उत्तर

उदाहरण (३) यदि किसी हुण्डी का व्यावहारिक बट्टा 3 प्रतिशत की दर से 7 रुपये 8 आने हो और उस हुण्डी का रूपरा 2 मास में मिलना हो, तो बताओ यह हुण्डी कितने रुपये की है ?
करना करो कि हुण्डी 100 रुपये की है।

$$100 \text{ रुपये का व्यावहारिक बट्टा} = \frac{100}{100} \times 3 \times \frac{1}{2} = \frac{3}{2} \text{ रुपये}$$

$$\text{यदि व्यावहारिक बट्टा } \frac{3}{2} \text{ रुपये हो, तो हुण्डी 100 रुपये की है}$$

$$\begin{array}{llll} \text{"} & \text{"} & \text{" } 1 & \text{"} & \text{"} & \text{" } 200 \\ \text{"} & \text{"} & \text{" } 7\frac{1}{2} & \text{"} & \text{"} & \text{" } 200 \times 7\frac{1}{2} \end{array}$$

$$\text{अतः यह हुण्डी 1500 रुपये की है। उत्तर}$$

प्रश्नावली ४१

1. 150 रुपये की एक हुण्डी 7 फरवरी की 9 महाने की अवधि पर लिखी गई और 13 जुलाई की भुनाई गई। यदि व्याज की दर 7 रुपये सैकड़ा प्रति वर्ष हो तो व्यावहारिक बट्टा बताओ।

उस समय व्याज की दर 6% थी। बचाने मालूम करने के लिये
कहा दिया था।

(11) 1825 रॉट की हुई। 1 बचाने को देव है। यदि हुई 3
मुनार को 100% की दर में मुनार का तो उत्तरा कहा
मिलेगा।

(12) 1250 रुपये की एक हुई। 10 दिमर सर 1940 को 6
मोने की दर से एक लिखी गई थी 7 बचाने सर 1941 को
एक रैंक में मुनारों में। रैंक में एक हुई है 123। रुपये 4
काये दिए। व्याज की दर बचाने।

(13) 1310 रॉट की हुई। 10 मोने की 3 मोने का बचाने का
लिखी गई थी 7 बचाने को 10 रॉट 0 लिखिए में देव हा
में। बचाने हुई मोने लेने वाले के व्याज की दर कहा
हजारों की।

(14) एक हुई 12 मोने का बचाने देव है। यदि 3:1 की दर में
उत्तरा व्यावहारिक व्याज 40 रुपये 5 काये हो। तो बचाने
एक हुई लिखे रुपये का है।

(15) 1600 रुपये का एक हुई। बचाने को 10% की दर में
मुनारों में। तो उत्तरा 1600 रुपये लिखे। बचाने
एक हुई लिख दिए देव का।

(16) रुपये का एक हुआ 10 मोने का बचाने का लिखी गई
है 10% की दर में 10 बचाने 1940 को 1945। रुपये में
मुनारों में। बचाने का हुआ लिख दिए लिखी गई है।

समय और कार्य

$$= 13$$

$$= 15$$

अतः वह समय जिसमें
 तीनों मिलकर पूरा काम
 समाप्त कर लेंगे

$$= 1\frac{2}{13} \text{ दिन उत्तर}$$

उदाहरण (2) यदि 3 मनुष्य और 3 खरबें एक काम को 4 दिन में समाप्त करें और 6 मनुष्य और एक खरबा उसी काम को 3 दिन में समाप्त करें तो एक मनुष्य और एक खरबें के काम की तुलना करो।

3 मनुष्य और 3 खरबें एक काम को 4 दिन में करते हैं।
 \therefore 12 मनुष्य और 12 खरबें उस काम को एक दिन में करेंगे.....(1)

दिले 6 मनुष्य और एक खरबा उसी काम को 3 दिन में करते हैं।
 \therefore 18 मनुष्य और 3 खरबें उसी काम को एक दिन में करेंगे.....(2)

अतः 12 मनुष्यों + 12 खरबों का काम = 18 मनुष्यों + 3 खरबों का काम

" 3 खरबों का काम = 12 मनुष्यों का काम
 या 9 खरबें हैं एक मनुष्य एक खरब से बना काम करता है।
 अतः 12 मनुष्यों + 12 खरबें एक काम को 1 दिन में करेंगे
 अतः 18 मनुष्यों + 3 खरबें एक काम को 1 दिन में करेंगे

में करें। तो बताओ, 3 मनुष्य और 9 लड़के उसी काम को कितनी देर में करेंगे ?

∴ 12 मनुष्य और 7 लड़के सारा काम 9 दिन में करते हैं

∴ 12 मनुष्य और 7 लड़कों का एक दिन का काम = $\frac{1}{9}$

• 24 मनुष्यों और 14 लड़कों का एक दिन का काम
= $\frac{2}{9} \dots (a)$

8 मनुष्य और 13 लड़के सारा काम 11 दिन में करते हैं।

∴ 8 मनुष्य और 13 लड़कों का एक दिन का काम = $\frac{1}{11}$

अथवा 24 मनुष्य और 39 लड़कों का एक दिन का काम = $\frac{3}{11} (b)$

परिणाम (a) को परिणाम (b) में से बढ़ाने पर 25 लड़कों का

$$\text{एक दिन का काम} = \frac{3}{11} - \frac{2}{9} = \frac{5}{99}$$

∴ एक लड़के का एक दिन का काम = $\frac{5}{99 \times 25} = \frac{1}{495} (c)$

∴ 14 लड़कों का एक दिन का काम = $\frac{14}{495}$

अतः (a) के अनुसार 24 मनुष्यों का एक

$$\text{दिन का काम} = \frac{2}{9} - \frac{14}{495} = \frac{96}{495}$$

$$\text{एक मनुष्य का एक दिन का काम} = \frac{1}{495} \quad (d)$$

अतः और 6 मनुष्य

$$\left. \begin{array}{l} 3 \text{ मनुष्य और } 9 \\ \text{हरकौ का एक} \\ \text{दिन का काम} \end{array} \right\} = 3 \times 1 + 9 \times 1$$

$$= 12$$

$$\therefore 3 \text{ मनुष्य और } 9 \left. \begin{array}{l} \text{हरकौ जितने समय में} \\ \text{सारा काम करेंगे, वह} \end{array} \right\} = 1 - \frac{1}{12} = \frac{11}{12}$$

$$= 23 \frac{1}{11} \text{ दिन}$$

उदाहरण (२) यदि क, ख और ग एक संग को 18 दिन में बना लेंगे तो, ख, ग और घ 20 दिन में, ग, घ और ब 21 दिन में और ब, क और ग 27 दिन में, तो बनाओ दे सब मिल कर इस संग को कितने दिनों में बना लेंगे ?

क, ख और ग एक दिन में $\frac{1}{18}$ संग बनाते हैं

ख, ग " " " $\frac{1}{20}$ " "

ग, घ " " " $\frac{1}{21}$ " "

घ, क " " " $\frac{1}{27}$ " "

क, ब " " " $\frac{1}{27}$ " "

सबको जोड़ने में

$$3 \left(\frac{1}{18} + \frac{1}{20} + \frac{1}{21} + \frac{1}{27} \right) \text{ का एक दिन का काम}$$

$$= \frac{1}{18} + \frac{1}{20} + \frac{1}{21} + \frac{1}{27}$$

$$= \frac{13}{126}$$

क, ख, ग और घ मिल कर एक दिन में $\frac{13}{126}$ संग बना लेंगे

अतः 3 मनुष्य और 9 हरकौ 23 $\frac{1}{11}$ दिन में सारा काम करेंगे

अतः वे $\frac{3240}{100}$ दिन में खेत को काट सकते हैं

16200 दिन उत्तर

एक चक्रा देने वाला प्रश्न

उदाहरण (५) क, ल और ग एक काम को 6, 6 और 4 बरतों में कर सकते हैं। वे सब मिलकर काम करने लगे; क तो एक बरत काम करता रहा किन्तु ल काम समाप्त होने से 2 बरतों 10 मिनिट और ग 1½ बरतों पहले काम छोड़ कर चले गये। बताओ, काम कितनी देर में समाप्त हुआ ?

क, ल, ग का एक बरत का काम $\equiv \frac{1}{6} + \frac{1}{6} + \frac{1}{4} = \frac{13}{12}$

अ 2½ बरतों में जितना काम करना $\equiv \frac{1}{6} \times 15 = \frac{5}{2}$

ग 1½ बरतों में जितना काम करना $\equiv \frac{1}{4} \times 3 = \frac{3}{4}$

यदि काम के समाप्त होने तक

क और ग काम करने रहने } $\equiv 1 + \frac{13}{12} + \frac{3}{4} = 2\frac{1}{2}$
तो जितना काम होता, वह

अतः इस समय $\equiv 2\frac{1}{2} - \frac{13}{12} = 1\frac{1}{4}$ बरतों

3 बरतों उत्तर

अब इस परी काम कीज गणित द्वारा इस करने हैं।

मान को कि काम बरतों में समाप्त हुआ।

तो $1x + \frac{1}{6}(x - 2\frac{1}{2}) + \frac{1}{4}(x - 1\frac{1}{2}) = 1$

समझकर को इस काम में $x = 3$

एक पुनरीक्षण प्रश्न

इस प्रश्न एक काम का क, ल और ग मिलकर 12 दिन में

करे ल, ल और ग मिलकर लगे काम को 15 दिन में करने हैं। यदि

यू ११ दिन तक और ए १२ दिन तक काम करें, तो यू रोप काम की १३ दिन में समाप्त कर लेता है। यताकी ने बहुत कुछ इस काम की बिगने दिन में समाप्त कर रखने हैं।

यू का ११ दिन का काम + ए का ११ दिन का काम = १३

ए का १२ दिन का काम + यू का १२ दिन का काम = १४

इन्हे जोड़ने पर

यू का ११ दिन का काम + ए का १२ दिन का काम + यू का १२ दिन का काम = १४ + १३

तो रोप काम की यू ने १३ दिन में समाप्त किया।

अथवा धीजगणित द्वारा

मान लो ग कुछ काम को x दिन में कर सकता है, तो

$$ग का एक दिन का काम = $\frac{1}{x}$$$

$$ख " " " = \frac{1}{16} - \frac{1}{x}$$

$$क " " " = \frac{1}{12} - \left[\frac{1}{16} - \frac{1}{x} \right]$$

अब धरन में दो हुई शर्तों के अनुसार

$$5 \left[\frac{1}{12} - \frac{1}{16} + \frac{1}{x} \right] + 7 \left[\frac{1}{16} - \frac{1}{x} \right] + \frac{13}{x} = 1$$

$$\text{या } \frac{5}{12} - \frac{5}{16} + \frac{5}{x} + \frac{7}{16} - \frac{7}{x} + \frac{13}{x} = 1$$

$$\text{या } \frac{11}{x} + \frac{13}{24} = 1$$

$$\text{या } \frac{11}{x} = \frac{11}{24} \quad x = 24$$

उदाहरण (७) क और ग मिलकर एक काम को जितने समय में करते हैं ख उस काम को उससे त्रिगुण समय में कर सकता है। क और ख मिलकर उसी काम का जितने समय में करते हैं ग उससे दुगुने समय में करता है। तानो मिलकर इस काम को 10 दिन में कर सकते हैं। जनाझा व अकल अकल इस काम को कितने दिन में कर सकते हैं ?

$$\text{क और ग का काम} = 1 \quad (\text{ख का काम})$$

तानो पछो म ख का काम चाहने म

$$\text{क, ख और ग का काम} = 1 \quad (\text{ख का काम})$$

∴ यह इस काम को 45 दिन में समाप्त कर सकता है।

$$क का एक दिन का काम = \frac{1}{20} - \frac{1}{45} = \frac{5}{180}$$

∴ क इसे $\frac{180}{5}$ अर्थात् 36 दिन में समाप्त करेगा।

क इस काम को 36 दिन में और न 45 दिन में समाप्त करेगा।

उत्तर

उदाहरण (१) एक डेक्कदार ने एक काम 80 दिन में करने का ठेका लिया और 60 मजदूर काम पर लगाये। 20 दिन में $\frac{1}{4}$ काम समाप्त हुआ। बचायी, जब वह और दिनने मजदूर काम पर लगाये कि काम नियत समय पर समाप्त हो जाय।

क्रिया : - 20 दिन में $\frac{1}{4}$ काम ही समाप्त हो सका, तो 60 दिनों में $\frac{1}{4}$ काम और करना है।

$$\frac{1}{4} \text{ काम 20 दिन में हो तो मजदूरों की संख्या} = 60$$

$$\frac{1}{4} \text{ " 20 " " " " " " } = 60 \times 4$$

$$\text{" " 60 " " " " " " } = \frac{60 \times 4}{3} = 80$$

∴ डेक्कदार 80 - 60 = 20 मजदूर और, काम पर लगाये तो काम समय पर समाप्त हो जायगा।

अथ मनुष्य उत्तर

प्रश्नोत्तरी ५७

1. मनुष्य एक काम को कितने दिन में करेगा क्रिया 1)

मनुष्य एक म का मकान है।

2. एक काम को मनुष्य 1 दिन में कर सकता है। बचायी,

कितने मनुष्य और का 1 म का एक काम 1 दिन में समाप्त

करेगा ?

- (१) एक दोवार को 15 मनुष्य 12 दिन में बना सकते थे। यदि वह दोवार 20 दिन में बनाई हो, तो बताओ कितने मनुष्य काम पर नहीं आते थे ?
- (४) क 6 दिन में उतना काम करता है जितना ख 7 दिन में; और ख 3 दिन में उतना काम करता है जितना ग 4 दिन में। बताओ क उस काम को कबेला कितने दिन में कर लेगा जिसे क, ख और ग मिलकर 4 दिन में पूरा कर लेते हैं ?
- (२) एक काम के करने में क की शक्ति उतनी ही है जितनी ख और ग की मिलकर। यदि क और ख मिलकर इसे 9 घंटे 30 मिनट में और ग कबेला 45 घंटे में कर ले, तो बताओ, ख कबेला उसे कितने समय में कर लेगा ?
- (६) क और ख एक काम को 24 दिन में, ख और ग 40 दिन में और ग और क 30 दिन में कर सकते हैं। बताओ, यदि वह अलग-अलग इस काम को कितने दिन में समाप्त कर लेगा ?
- (७) क एक काम को 15 दिन में कर सकता है। क और ख मिल कर उस काम को 10 दिन में कर सकते हैं। बताओ ख कबेला कौरे काम का 1/5 भाग कितने समय में कर लेगा ?
- (८) क, ग, ग मिलकर एक काम को 8 दिन में कर सकते हैं। क और ख इसी काम को 10 दिन में और ख और ग 12 दिन में कर सकते हैं। बताओ क, ग और ग इसी काम का कितने दिनों में करते ?

- (४) क और ग़ एक काम को ८ दिन में, ग़ और ह २० दिन में और ग़ और क १२ दिन में कर सकते हैं। बताओ, इन में से प्रत्येक अलग-अलग उसी काम को कितने दिनों में समाप्त कर सकता है ?
- (१०) राम एक काम २० दिन में कर सकता है और कृष्ण ३० दिन में। ४ दिन काम करने के पश्चात् राम चला गया, और कृष्ण और मोहन ने मिलकर शेष काम को १२ दिन में समाप्त कर दिया। बताओ मोहन अकेला उस काम को कितने दिनों में कर सकता है ?
- (११) क ने एक काम का $\frac{1}{5}$ भाग १५ दिन में समाप्त करने के पश्चात् ग़ की सहायता से शेष काम ६ दिन में समाप्त कर दिया। बताओ, ग़ अकेला उस काम को कितने दिनों में समाप्त कर सकता है ?
- (१२) क एक काम को ९ दिन में कर सकता है, ग़ १२ दिन में; दोनों ने मिलकर काम करना आरम्भ किया। ६ दिन के पश्चात् क काम छोड़ कर चला गया। बताओ शेष काम ग़ कितने दिनों में पूरा करेगा ?
- (१३) क, एक काम काम को १२ दिन में कर सकता है और ग़ १५ दिन में। दोनों ने मिलकर काम करना आरम्भ किया। कुछ दिनों के पश्चात् ग़ काम छोड़ कर चला गया। शेष काम को क ने ३ दिन में समाप्त कर दिया। बताओ मूल काम कितने समय में समाप्त हुआ ?
- १ एक व्यक्ति ने अनुमान काम १० बनाया किन्तु ६ दिन में

- (२०) क और ख मिलकर एक काम को 12 दिन में कर सकते हैं। पहले कू ने अकेले 4 दिन काम किया, फिर ख उसके साथ आ मिला और दोनों ने मिलकर शेष काम 9 दिन में समाप्त किया। बताओ, प्रत्येक अलग-अलग इस काम को कितने समय में कर सकता है ?
- (२१) क का 5 दिन का काम ख के 6 दिन और ग के 9 दिन के काम के बराबर है। कू ने 12 दिन, तथा ख ने 24 दिन काम करके एक काम का आधा भाग समाप्त किया। बताओ शेष आधा काम ग कितने समय में समाप्त करेगा ?
- (२२) एक ठेकेदार ने एक काम को 12 दिन में समाप्त करने का ठेका लिया और 4 मनुष्य आठ दिन तक काम पर लगाने के परवान् प्रतीत हुआ कि काम का केवल ३ भाग समाप्त हुआ है। बताओ वह कितने मनुष्य काम पर और लगावे कि काम समय पर समाप्त हो जाय ?
- (२३) क, ख, और ग मिलकर एक काम को 8 दिन में कर सकते हैं। क और ख उसी काम को 12 दिन में और ख और ग 16 दिन में। बताओ, क और ग उसी काम को कितने दिनों में कर लेंगे ?
- (२४) क एक काम को 6 दिन में समाप्त कर सकता है; ख 8 दिन में और ग उतने ही दिन में कितने दिन में क और ख मिलकर। बताओ, क और ग मिलकर उस काम को कितने दिन में कर लेंगे ?

(२६) क एक काम को 20 दिन में, ख 24 दिन में और ग 30 दिन में कर सकता है। क और ख ने काम को चारगुना किया। कुछ दिन काम करने के परफार्म सु चला गया। सु के जाने पर क और ग ने शेष काम। दिन में समाप्त कर दिया। बताओ, ख कितने दिन परफार्म गया।

(२७) 1000 मनुष्यों के काम 8 मजदूर का नोटब काम को परफार्म करने 100 मनुष्य और का मिले। बताओ एक एक मजदूर कितने दिन में समाप्त हो जायेगा।

(२८) एक दुर्ग में 1000 मैनिकों के डिरे 30 मजदूर का नोटब काम को। उनमें से 100 मैनिक बाहर एक गये। बताओ, एक एक मजदूर कितने दिन चलेगा।

(२९) एक सेल के 1000 मैनिकों के काम 10 मजदूर का नोटब काम को। एक से कुछ और मैनिक का मिले। यदि एक मजदूर 10 मजदूर के ही समाप्त हो जाये तो बताओ, कितने मैनिक का मिले हें।

(३०) एक दुर्ग में 1000 मैनिकों के और 2000 काम 10 मजदूर को नोटब काम को। उनमें से कुछ मैनिक चले गये और का मजदूर 10 मजदूर पर चले। बताओ, कितने मैनिक चले गये हें।

एक सेल के 1000 मैनिकों के और 2000 काम को एक एक मैनिक का नोटब काम को। मजदूर काम को समाप्त करें। 10 मैनिक चले गये और 2000 काम को। एक एक मजदूर पर चले। बताओ, कितने मैनिक चले गये हें।

- (३१) एक ठेकेदार ने एक काम को 100 दिन में करने का देहा दिया और उस काम पर तुरन्त ही 30 मनुष्य लगाये। 40 दिन बीतने पर हे काम समाप्त हुआ। बताओ वह और कितने मनुष्य काम पर लगाये कि काम नियत समय पर समाप्त हो जाय ?
- (३२) 8 मनुष्य 5 घण्टे प्रतिदिन काम करके एक काम को 12 दिन में समाप्त कर लेते हैं। बताओ, 10 मनुष्य 6 घण्टे प्रतिदिन काम करके उसे कितने दिन में समाप्त कर लेंगे।
- (३३) 15 मनुष्य प्रतिदिन 12 घण्टे काम करके एक काम को 8 दिन में समाप्त कर लेते हैं। बताओ, उस काम को कितने मनुष्य 20 दिन में समाप्त करेंगे, यदि वह प्रतिदिन केवल 8 घण्टे काम करें ?
- (३४) 16 मनुष्य प्रतिदिन 5 घण्टे काम करके 11 दिन में एक काम समाप्त कर लेते हैं। बताओ, 20 मनुष्य प्रतिदिन कितने घण्टे काम करें कि वह काम 4 दिन में समाप्त हो जाय।
- (३५) 12 धमिक 6 घण्टे प्रतिदिन काम करके एक काम को 14 दिन में समाप्त करते हैं। यदि धमिकों से 7 घण्टे प्रतिदिन काम कराया जाय, तो बताओ, धमिकों की संख्या कितनी बढ़ाई जाय कि वह काम 9 दिन में समाप्त हो जाय ?
- (३६) 33 मनुष्य प्रतिदिन 6 घण्टे काम करके एक काम को 8 दिन में कर सकते थे। किन्तु उनमें से कुछ मनुष्य चले गये और शेष मनुष्यों ने 8 घण्टे प्रतिदिन काम करके उस काम को 9 दिन में पूरा कर दिया। बताओ, कितने मनुष्य चले गये थे ?

पन्द्रहवां अध्याय

समय और दूरी

(1) कोई चलने वाली वाहन, समय की किसी इकाई में किसी दूरी को तय करती है, उसे उस वाहन की गति कहते हैं।

उदाहरण—यदि समय की इकाई घंटा हो, तो जो मोटर एक घंटे में 30 मीटर दूर तक चलेगी, तो जो मोटर (2) दूरी, गति और समय का सम्बन्ध।

एक घंटे में वह जिसकी दूरी चलने की गति में चलता है।

दो घंटे में वह जिसकी दूरी चलने की गति में चलता है।

तीस घंटे में वह जिसकी दूरी चलने की गति में चलता है।

चार घंटे में वह जिसकी दूरी चलने की गति में चलता है।

इससे हम निम्नलिखित कुछ बातें

दूरी = गति × समय

यदि, गति की इकाई घंटे में 30 मीटर चलने की गति में, तो समय

एक घंटे में 30 = 30 मीटर चलने की गति में

दो घंटे में 60 = 60 मीटर चलने की गति में

तीस घंटे में 90 = 90 मीटर चलने की गति में

चार घंटे में 120 = 120 मीटर चलने की गति में

इससे हम निम्नलिखित कुछ बातें

स्पष्ट है कि वह 15 मील $1\frac{1}{2}$ घण्टे अर्थात् 5 घण्टे में चलेगा।

अतः

$$\text{समय} = \frac{\text{दूरी}}{\text{चात्र}}$$

उदाहरण (१) क एक घण्टे में $4\frac{1}{2}$ मील, ख एक घण्टे में $3\frac{1}{2}$ मील चलता है। यदि वे प्रातः काल 6 बजे एक साथ चले तो बत्ताघो दोपहर तक क, ख से कितना आगे निकल जायेगा?

पहली रीति

प्रातःकाल 6 बजे से दोपहर तक का समय = 6 घण्टे

6 घण्टे में क, $6 \times 4\frac{1}{2} = 25\frac{1}{2}$ मील चलेगा।

6 घण्टे में ख $6 \times 3\frac{1}{2} = 21$ मील चलेगा

∴ दोपहर तक ख से क, $25\frac{1}{2} - 21 = 4\frac{1}{2}$ मील आगे जायेगा।

दूसरी रीति

एक घण्टे में क, ख से $(4 - 3\frac{1}{2})$ या $\frac{1}{2}$ मील अधिक चलेगा

∴ क 6 घण्टे में क, ख से $\frac{1}{2} \times 6 = 3$ मील आगे निकल जायेगा।

उदाहरण (२) मुझे किसी स्थान पर निश्चित समय पर पहुँचना है। यदि मैं $3\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा चलाऊँ तो मैं वहाँ निश्चित समय 4 मिनिट देर से पहुँचूँगा, और यदि मैं $4\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा चलूँ तो निश्चित समय से 12 मिनिट पहले पहुँच जाऊँगा, बत्ताघो व स्थान कितनी दूर है ?

कल्पना करो कि वह स्थान 1 मील की दूरी पर है।

पहली अवस्था में एक मील चलने में मुझे $1\frac{1}{2}$ घण्टे या 16 निमिट लगेगे और दूसरी अवस्था में $\frac{1}{2}$ घण्टे या $13\frac{1}{2}$ निमिट लगेगे।

दूसरी अवस्था में मुझे $16 - 13\frac{1}{2} = 2\frac{1}{2}$ निमिट समय कम लगा। या यूँ कहो कि $2\frac{1}{2}$ निमिट की बचत होती है। परन्तु प्रश्न के अनुसार $\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2}$ या 16 निमिट बचते हैं।

अतः जब $2\frac{1}{2}$ निमिट की बचत होती है तो वह स्थान = 1 मील दूर है।

अब 1 निमिट की बचत होती है तो वह स्थान = $1 \div 2\frac{1}{2}$ मील दूर है।

अब 16 निमिट की बचत होती है तो वह स्थान = $(1 \div 2\frac{1}{2}) \times 16$ मील दूर है।

$$= \frac{1 \times 3}{8} \times 16 = 6 \text{ मील दूर है।}$$

अतः वह स्थान 6 मील दूर है। उत्तर

या दीर्घ गणित द्वारा—

मान लो कि वह स्थान x मील दूर है।

$$\text{तो } \frac{x}{3\frac{1}{2}} - \frac{x}{4\frac{1}{2}} = \frac{16}{60}, \text{ अथवा } \frac{4x}{15} - \frac{2x}{9} = \frac{16}{60}$$

$$\text{अथवा } 48x - 40x = 48, 8x = 48, \therefore x = 6$$

३. सापेक्ष चाल।

पहली अवस्था

उदाहरण : क और ख एक दूसरे से 1 मील के अन्तर पर हैं। यदि क 1 मील प्रति घण्टा की गति से चलता है और ख 4 मील प्रति घण्टा की गति से चलता है तो कितने समय में एक दूसरे से मिलेंगे?

क 5 मील प्रति घण्टा की गति से खु की ओर चलता है, जो खु 4 मील प्रति घण्टा की गति से क की ओर चलता है, तो स्पष्ट है कि एक घण्टे में, क 5 मील खु की ओर आता है खु 4 मील क की ओर आता है।

अतः एक घण्टे परवान् उन के बीच का अन्तर $5 + 4 = 9$ मील कम हो जायगा।

इसी प्रकार दूसरे घण्टे में भी यह अन्तर 9 मील और कम हो जायेगा इत्यादि।

इस प्रकार वे प्रत्येक घण्टे के परवान् 9 मील समीप आ जायेंगे। अतः वे 3, 4 या 4 घण्टे में एक दूसरे से मिल जायेंगे। उत्तर

उदाहरण (५) क अमृतसर से लाहौर की ओर चला और उन्ही समय खु लाहौर से अमृतसर की ओर चल पड़ा। अमृतसर और लाहौर के बीच में 33 मील का अन्तर है। क $4\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा और खु $3\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा चलता है। वे एक दूसरे से कब मिलेंगे और वह स्थान लाहौर से कितनी दूर होगा ?

वे प्रतिकूल दिशाओं में चल रहे हैं

उनकी गति का योगफल $= 4\frac{1}{2} + 3\frac{1}{2} = 8\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा

वे दोनों 33 मील, $\frac{33}{8\frac{1}{2}} = 4$ घण्टे में मिलेंगे।

वे एक दूसरे से 4 घण्टे परवान् मिलेंगे

ख 4 घण्टे में $3\frac{1}{2} \times 4 = 14$ मील चलगा

* वे लाहौर से 14 मील दूर, एक दूसरे से मिलेंगे।

दूसरी अवस्था

उदाहरण ५) जो स्थान एक दूसरे से 12 मील दूर है। क

प्रश्नावली ४३

- (१) क और ह्य एक स्थान से प्रतिवृत्त दिशाओं में एक ही समय चले । उनकी चाल क्रमशः $3\frac{1}{2}$ मील और $3\frac{1}{2}$ प्रति घण्टा है । बताओ, वे कितने समय में एक दूसरे से 58 मील दूर हो जावेंगे ?
- (२) क एक घण्टे में $3\frac{1}{2}$ मील चलता है । ह्य ह्य में $2\frac{1}{2}$ घण्टे पहले चला और ह्य $4\frac{1}{2}$ मील प्रतिघण्टा की चाल से उभी सक पर उसी दिशा में चला । बताओ, वह क के वाम हिम समय पहुँच जायेगा ?
- (३) यदि कोई मनुष्य $3\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा चल कर किसी स्थान पर 4 घण्टे 30 मिनिट में पहुँच जाय, तो बताओ वही मनुष्य $5\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा की चाल से कितने समय में उस स्थान पर पहुँच कर खीट जायेगा ।
- (४) दो मनुष्यों ने अपनी माइक्रोनों पर एक ही समय काहीर से क्रमशः $7\frac{1}{2}$ मील और $10\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा की चाल से प्रस्थान किया, तो बताओ वे कितनी दूर में एक दूसरे से $20\frac{1}{2}$ मील दूर हो जावेंगे ? (क) यदि वे एक ही दिशा में चले, (ख) यदि वे प्रतिवृत्त दिशाओं में चले ।
- (५) एक मनुष्य प्रथम से और दूसरा अगले से चला । एक $4\frac{1}{2}$ घण्टे प्रति घण्टा की चाल से और दूसरा $3\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा की चाल से चला । यदि वे एक दूसरे से 4 घण्टे प्रस्थान किए तो बताओ प्रथम से 60 मील दूर हो जावेंगे ?
- (६) क एक घण्टे प्रति घण्टा चलता है । ह्य ह्य में $2\frac{1}{2}$ घण्टे पहले चल रहा है । ह्य ह्य से कितना समय में $5\frac{1}{2}$ मील प्रति घण्टा की चाल से चला ?

दिया ही आज से हमें दोपहर दोपहर चला । क्या है, मू, म
बही मिलेगा ?

(३) एक और मित्राहो म । १११ गज कागें है । मित्राहो हमें दोपहर
दोपहर में एक मील ही आज से आता है । और दोपहर ११
मिनिट में एक मील ही आज से आता है । क्या है, मू
किन्हीं दूर भागों में दोपहर चलायेगा ?

(४) एक और आज ३ दूरी आज मिला और १४ मील प्रति घण्टा का
आज से चलन लगा । एक मित्राहो हमें दोपहर ११ दूरी
१११ मील ११ मील प्रति घण्टा ही आज से चलन लगा । क्या है, मू
मित्राहो हमें दोपहर चलायेगा ?

(५) मू, और हा दोपहर एक ही समय चलायेगा । दोपहर ११ मील
प्रति घण्टा ही आज से चलन लगा । क्या है, मू एक दूरी में १११ मील
प्रति घण्टा १११ मील प्रति घण्टा ही आज से चलन लगा । क्या है, मू
मित्राहो हमें दोपहर चलायेगा ?

(१६) क एक स्थान ए से दूसरे स्थान फू की ओर ३ मील प्रति घण्टा की गति से गया। एक घण्टा पश्चात् तब उसी स्थान से १ मील प्रति घण्टा की गति से चला गया। वह स्थान फू पर क से ३ घण्टे पहले पहुँच गया। बताओ, स्थान ए से स्थान फू कितनी दूर है ?

(१७) क और ख एक ही समय छाहीं और जालन्धर से एक दूसरे की ओर गये। १ मील की १ मील प्रति घण्टा की गति से चले। वे एक दूसरे से उस समय मिले जब ख, क से १ मील दक्षिण चल चुका था। बताओ, छाहीं से जालन्धर कितनी दूर है ?

(१८) स्थान कू से स्थान दू जगमग २० मील दूर है। एक दूसरा स्थान कू से चला और हमारे कहने से १ घण्टे पश्चात् एक तीसरी चली। तीसरा स्थान दू से १० मील की दूरी पर रुक गया। तीसरा ३ मील प्रति घण्टा की गति से चल रहा था। बताओ, दूसरा कितने मील प्रति घण्टा की गति से चल रहा था ? यदि इस तीसरी चली पर रुकने से बगल हरे ३ मील दूर था, तो बताओ वह दूसरे से किस समय मिलेगी ?

(१९) प्रलय से बरफाल ३० मील दूर है। वेत एक निश्चित वेग से चलती चली ६ घंटे बाद रुक गई। वे बरफाल से कुछ दूरी पर रुकने से ठीक १ घण्टा बाद वेत चली ६ घंटे बाद रुक गई। वेत की गति १५ मील प्रति घण्टा थी। बताओ, वेत रुकने से बरफाल से कितनी दूरी पर रुक गया ?

१०) क और ख ने ३ मील प्रति घण्टा की गति से एक साथ से यात्रा आरम्भ की। जब वे ३ मील चले गये तो ख उसी गति से उस स्थान पर लौट आया जहाँ से यात्रा आरम्भ की थी। यहाँ पहुँच कर वह ३ घण्टे रुका रहा। इस बीच में क बराबर चलता रहा। अब ख ने फिर से यात्रा आरम्भ की और २३ घण्टे में क को पकड़ लिया। बताओ, दूसरी बार वह किस गति से चला ?

सोलहवां अध्याय

निष्पत्ति और अनुपात

- 1) यदि मोहन के पास 5 रुपये हों और किरोरी के पास 10 रुपये तो मोहन के पास किरोरी से आधे या $\frac{1}{2}$ रुपये होंगे। या यूँ कहो कि मोहन और किरोरी के रुपयों में 1 और 2 या (1 : 2 या $\frac{1}{2}$) की निष्पत्ति है।
- 2) यदि दो रेखाओं की लम्बाई 4 इंच और 7 इंच हो तो पहली रेखा दूसरी रेखा का $\frac{4}{7}$ होगी। या यूँ कहो कि पहली रेखा और दूसरी रेखा में 4 और 7 (4 : 7 या $\frac{4}{7}$) की निष्पत्ति है।
- 3) रामप्रसाद एक दिन में 15 रुपये कमाता है और हंसराज 5 रुपये, तो रामप्रसाद की एक दिन की आय हंसराज की एक दिन की आय का $\frac{15}{5}$ या 3 है। या यूँ कहो कि उनकी आयों में 15 और 5 (15 : 5) या तीन और एक (3 : 1) की निष्पत्ति है।
- 4) यदि एक राशि a हो और दूसरी b तो दोनों राशियों में $a : b$ अथवा $\frac{a}{b}$ की निष्पत्ति है।
- 5) परिभाषा—दो सजातीय राशियों में एक राशि दूसरी का कौनसा भाग है अथवा एक राशि दूसरी में कितनी बार सम्मिलित है, यह जिस भिन्नात्मक अथवा पूर्ण संख्या द्वारा प्रकट किया जाता है उस संख्या को पहली तथा दूसरी राशि की निष्पत्ति कहते हैं।

ध्यान रखो कि दोनों राशियों की इकाई एक ही होनी आवश्यक है। यदि तीन रुपये और 40 आने की निष्पत्ति निकालनी हो तो दोनों राशियों को सजातीय बनाना पड़ेगा, अर्थात् या तो दोनों राशियों के रुपये बनाने होंगे या आने। अब 3 रुपये = 48 आने अतः दोनों राशियों में 48 और 40 की या $10 = 5$ की निष्पत्ति होगी।

स्पष्ट है कि निष्पत्ति एक केवल संख्या में, यह न गज है न फुट, न रुपये न आने।

a और b की निष्पत्ति $\frac{a}{b}$ है। इनमें से a की पूर्वपद और b की परपद कहते हैं। और a और b की निष्पत्ति के पद कहते हैं।

उदाहरणतः—यदि a और b क्रमशः $7\frac{1}{2}$ रुपये और $3\frac{1}{2}$ रुपये को सूचित करते हों, तो a और b की निष्पत्ति = $7\frac{1}{2}/3\frac{1}{2}$
 $= \frac{15}{2} \div \frac{7}{2}$
 $= 2\frac{1}{2}$

ध्यान रखने योग्य बात यह है कि परिणाम केवल 2 है, 2 रुपये नहीं।

(१) हम जानते हैं कि $\frac{ax}{bx} = \frac{a}{b}$ और $\frac{a-x}{b-x} = \frac{a}{b}$

अतः यदि किसी निष्पत्ति के दोनों पदों को एक ही राशि से गुणा किया जाय या भाग दिया जाय, तो निष्पत्ति के मूल्य में कोई अन्तर नहीं पड़ता।

(२) दो निष्पत्तियों की तुलना करनी हो तो उन दोनों के परपद एक जैसे करने पड़ते हैं।

(६) यदि निष्पत्ति के दोनों पद बराबर हों तो उसे साम्यता कहते हैं।

जैसे $\frac{2}{2}$

(७) यदि पूर्व पद, परपद से बड़ा हो तो निष्पत्ति को दीर्घ असाम्यता कहते हैं।

जैसे $\frac{3}{2}$

(८) यदि परपद, पूर्वपद से बड़ा हो तो निष्पत्ति को लघु असाम्यता कहते हैं।

जैसे $\frac{2}{3}$

अनुपात

(१) चार रुपये और तीन रुपये में $\frac{4}{3}$ या $4 : 3$ को निष्पत्ति है और बीस ग्राम और पन्द्रह ग्राम में भी $\frac{20}{15} = \frac{4}{3}$ या $4 : 3$ को निष्पत्ति है। अर्थात् दोनों निष्पत्तियाँ बराबर हैं। इसे हम इस प्रकार लिखते हैं :—

4 रुपये : 3 रुपये :: 20 ग्राम : 15 ग्राम

[मध्य के (चार किन्तु), बराबर है के चिन्ह (=) के चारों सिरों को मिला करने हैं।]

4 रुपये और 3 रुपये में जो निष्पत्ति है वही 20 ग्राम और 15 ग्राम की निष्पत्ति है। अर्थात् दोनों निष्पत्तियाँ बराबर हैं।

परिभाषा अब चार राशियों में ऐसा सम्बन्ध हो कि पहली और दूसरी की निष्पत्ति, तिसरी और चौथी की निष्पत्ति के बराबर हो, तो उन चार राशियों को अनुपाती कहते हैं। यदि a और b की निष्पत्ति c और d की निष्पत्ति के बराबर हो, तो इस सम्बन्ध को बहुधा हम प्रकार लिखा जाता है —

$$a : b :: c : d$$

अथवा $a : b = c : d$

अथवा $\frac{a}{b} = \frac{c}{d}$

ऊपर दिये सम्बन्ध को अनुपात कहते हैं।

अनुपात में पहला और अन्तिम राशियां बाह्यपद और बीच की राशियां माध्यमिक पद कहलाते हैं।

3, 4, 6, 8 ऐसी चार संख्याएँ हैं जिन में 3 और 4 की निष्पत्ति 6 और 8 की निष्पत्ति के समान है।

अतः $3 : 4 :: 6 : 8$

इस अनुपात में 3, 8 बाह्यपद हैं और 4, 6 माध्यमिक पद हैं। निष्पत्ति और अनुपात के प्रश्नों को हल करने के कुछ उदाहरण दिये जाते हैं।

उदाहरण (१) 5 घाने 4 पाई को एक रुपये की निष्पत्ति के रूप में

घाने 4 पाई = 5 $\frac{4}{100}$ घाने

नित्यति के दोनों पदों का योग $= 7 + 9 = 16$

अब 272 को 16 पर भाग दो

$$\text{अन्तराहस्य} = 272 \div 16 = 17$$

अब नित्यति के प्रत्येक पद को 17 से गुणा करो।

अतः पहला भाग 17×7 और 17×9 हुए

या 119 और 153 उत्तर

उदाहरण (३) एक नित्यति 7 के बराबर है और उस का पूर्व पद 7 है। पापद प्रतीय करो।

$$\begin{array}{r} 7 \quad 3 \\ \text{पापद} \end{array} = 4$$

$$\text{या } \frac{7-3}{2} = 3$$

$$\therefore \text{पापद} = \frac{24}{3} = 9 \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (४) 33 को दो भाग करो कि पहले भाग के 7 गुने और दूसरे भाग के 11 गुने का योग 312 हो।

$$\text{पहले भाग का 7 गुना} + \text{दूसरे भाग का 11 गुना} = 33 \times 7 \\ = 231$$

$$\begin{aligned} \text{अब दूसरे भाग का } (11 - 7) \text{ या 4 गुना} \\ = 312 - 231 \\ = 81 \end{aligned}$$

$$\therefore \text{दूसरा भाग} = \frac{81}{4} = 20 \frac{1}{4}$$

$$\text{और पहला भाग} = 33 - 20 \frac{1}{4} = 12 \frac{3}{4}$$

$$12 \frac{3}{4} \times 7 = 89 \frac{1}{4} \quad \text{और} \quad 20 \frac{1}{4} \times 11 = 224 \frac{1}{4}$$

- (११) एक निष्पत्ति का पूर्वपद $27\frac{1}{2}$ है। यदि वह निष्पत्ति $\frac{1}{2}$ के बराबर हो, तो परपद का मान बताओ।
- (१२) एक निष्पत्ति का परपद 35 है। यदि वह निष्पत्ति $\frac{1}{2}$ के बराबर हो तो पूर्व पद बताओ।
- (१३) 36 के घेरे हो भाग करो कि पहले के 6 गुने और दूसरे के 7 गुने का योगफल 231 हो।
- (१४) यदि $a : b = 3 : 4$, $b : c = 5 : 6$ तो $a : c$ का मान ज्ञात करो।
- (१५) जब A 7 रुपये कमाता है तो B 5 रुपये कमाता है, जब B 2 रुपये कमाता है तो C 3 रुपये कमाता है और जब C 6 रुपये कमाता है तो D 5 रुपये कमाता है। यदि A 12 रुपये कमाये, तो D क्या कमायेगा?
- (१६) एक मनुष्य की आय और व्यय में 6 : 5 की निष्पत्ति है। यदि उसका व्यय 2250 रुपये हो, तो उसकी आय बताओ।
- (१७) एक गाड़ी 11 $\frac{1}{2}$ घंटे में 397 $\frac{1}{2}$ मील जाती है और दूसरी 8 $\frac{1}{2}$ घंटे में 262 $\frac{1}{2}$ मील। दोनों गाड़ियों की बाजों की तुलना करो।



सत्रहवां अध्याय

अनुचतीय भागों में विभाग

कई बार किसी राशि को देने भागों में बाँटने को आवश्यकता होती है जिनमें कोई विशेष अनुपात हो। इस प्रकार को बाँट को बँट राशि में अनुचतीय भागों में विभाग करने है। इस प्रकार के प्रश्न अनुपात के नियम द्वारा हल किये जाते हैं।

देने प्रश्नों के कुछ उदाहरण नीचे दिये जाते हैं।

उदाहरण (1) 242 रुपये का तीन अनुपातों का, ख और ग में इस प्रकार बाँटें कि उनके भागों में 2, 4, 5 का अनुपात हो।

यदि हम 242 रुपये को ऐसी देतियाँ लगायें, जिनके प्रत्येक देती में $2+4+5$ अर्थात् 11 रुपये हों, तो ऐसी कुछ देतियाँ $242 \div 11$ होंगी। इस प्रकार हर देती में क का भाग 2 रुपये ख का भाग 4 रुपये और ग का भाग 5 रुपये होगा।

अतः क का भाग = 2 रुपये $\times 22 = 44$ रुपये।

और ख का भाग = 4 रुपये $\times 22 = 88$ रुपये।

और ग का भाग = 5 रुपये $\times 22 = 110$ रुपये।

यदि 44, 88, 110 को जमा किया तो 242 प्राप्त हुए, जिससे यह स्पष्ट है कि समस्त 242 रुपया जिनके अनुपात के अनुपात बँट गया है।

इस विधा को मात्र 242 में इस प्रकार विभाजन है —

कुल गणित का $\frac{1}{5}$ भाग $= 242 - 11 = 22$ रुपये

क का भाग $= 22 \times 2 = 44$ रुपये

ख का भाग $= 22 \times 4 = 88$ रुपये

ग का भाग $= 22 \times 5 = 110$ रुपये

उदाहरण (२) 180 रुपये क, ख और ग में इस प्रकार बाँटे कि ख को क से दुगुने रुपये मिलें और ग को ख से तिगुने।

इस प्रश्न के अनुसार यदि क को एक रुपया मिले तो ख को 2 रुपये मिलने चाहिये और ग को 6 रुपये।

अतः क, ख और ग के भागों में 1, 2 और 6 का अनुपात है, और 1 + 2 + 6 का योग 9 है।

∴ क का भाग $= 180 \times \frac{1}{9}$, रुपये $= 20$ रुपये

ख का भाग $= 180 \times \frac{2}{9}$, रुपये $= 40$ रुपये

ग का भाग $= 180 \times \frac{6}{9}$, रुपये $= 120$ रुपये

कुल

योग $= 180$ रुपये

उदाहरण (३) 195 रुपये क, ख, ग में इस प्रकार बाँटे कि उनके भागों में 3, 4, 5 का अनुपात हो।

∴ 3, 4 का अ-स-स $= 12$

अतः $\frac{1}{3} \quad \frac{1}{4} \quad \frac{1}{5}$
 $\frac{4}{12} \quad \frac{3}{12} \quad \frac{2}{12}$

अतः इस प्रश्न का अनुपात क्या है का 3, 4, 5 का है
 अनुपात $= 3$

अतः क का भाग $= 195 \times \frac{3}{12} = 48.75$ रुपये

$$\text{एक का भाग} = 195 \times \frac{4}{13} \text{ रुपये} = 60 \text{ रुपये}$$

$$\text{दो का भाग} = 195 \times \frac{3}{13} \text{ रुपये} = 45 \text{ रुपये}$$

अतः 195 रुपये

उदाहरण (४) 2.18 को दस भागों में बाँटो कि वगने 8, 17, 95 और 2 का अनुपात हो।

$$8 + 17 + 95 + 2 = 122$$

अतः हस्तित भाग यह होंगे :—

$$\text{पहला भाग} = 2.18 \text{ का } \frac{8}{122}$$

$$= 2.18 \text{ का } \frac{80}{545}$$

$$= .32 \text{ (पहला उत्तर)}$$

$$\text{दूसरा भाग} = 2.18 \text{ का } \frac{17}{122}$$

$$= 2.18 \text{ का } \frac{170}{545}$$

$$= .68 \text{ (दूसरा उत्तर)}$$

$$\text{तीसरा भाग} = 2.18 \text{ का } \frac{95}{122}$$

$$= 2.18 \text{ का } \frac{95}{545}$$

$$= .38 \text{ (तीसरा उत्तर)}$$

$$\text{चौथा भाग} = 2.18 \text{ का } \frac{2}{122}$$

$$= 2.18 \times \frac{2}{545}$$

$$= .08 \text{ चौथा उत्तर}$$

उदाहरण (५) 2700 रुपये राम, श्याम, चन्द्र और महेन्द्र में इस प्रकार बाँटे कि —

राम का भाग : श्याम का भाग = 1 : 2

श्याम का भाग : चन्द्र का भाग = 3 : 4

चन्द्र का भाग : महेन्द्र का भाग = 4 : 5

इस प्रश्न के अनुसार

यदि राम का भाग = 1,

तो श्याम का भाग = 2,

चन्द्र का भाग = $2 \times \frac{4}{3} = \frac{8}{3}$

और महेन्द्र का भाग = $\frac{8}{3} \times \frac{5}{4} = \frac{10}{3}$

इस भागों का योगफल = $1 + 2 + \frac{8}{3} + \frac{10}{3}$

= 9

∴ राम का भाग = $\frac{2700}{9}$

= 300 रुपये (पहला उत्तर)

और श्याम का भाग = 300×2 रुपये

= 600 रुपये (दूसरा उत्तर)

और चन्द्र का भाग = $300 \times \frac{8}{3}$ रुपये

= 800 रुपये (तीसरा उत्तर)

और महेन्द्र का भाग = $300 \times \frac{10}{3}$ रुपये

= 1000 रुपये (चौथा उत्तर)

उदाहरण (६) 12540 रुपयों को इन्द्र, महेन्द्र और सुरेन्द्र में इस प्रकार बाँटे कि इन्द्र का भाग महेन्द्र और सुरेन्द्र के भागों का २ हो, और महेन्द्र का भाग इन्द्र और सुरेन्द्र के भागों का १ हो।

उदाहरण—(२) एक बैली में कुछ अर्ध-काउन के मिक्के हैं, कुछ फ्लोरिन के, और कुछ शिलिंग के। यदि सब मिक्कों का मूल्य 26 पौंड 5 शिलिंग हो, और अर्ध-काउन में फ्लोरिन के मिक्के लिगुने हों, और शिलिंगों के चौगुने, तो बताओ कि हर प्रकार के मिक्के कितने हैं ?

इस प्रश्न के अनुसार यदि उस बैली में एक अर्ध-काउन हो तो तीन फ्लोरिन होंगे और 4 शिलिंग।

किन्तु एक अर्ध-काउन = 2 शिलिंग 6 पैस

और तीन फ्लोरिन = 6 शिलिंग

अतः इस अनुपात में मिक्कों के मूल्य का जोड़ } = 2 शिलिंग 6 पैस + 6 शिलिंग + 4 शिलिंग

= 12 शिलिंग 6 पैस

अतः यदि सारे मिक्कों को ऐसी देरियाँ बनायें कि प्रत्येक बैरी के मिक्कों का मूल्य 12 शिलिंग 6 पैस हो तो ऐसी देरियाँ

$$= \frac{26 \text{ पौंड } 5 \text{ शिलिंग}}{12 \text{ शिलिंग } 6 \text{ पैस}}$$

$$= \frac{525 \times 2}{25} = 42 \text{ होगी}$$

इस से यह बात हुआ कि बैली में से ऐसी 42 देरियाँ बन सकती हैं जिनमें से प्रत्येक में एक अर्ध-काउन, 3 फ्लोरिन और 4 शिलिंग हों। अतः मिक्कों की संख्या इस प्रकार है—

$$\left. \begin{array}{l} \text{अर्ध-काउन} = 42, \\ \text{फ्लोरिन} = 42 \times 3 = 126, \\ \text{और शिलिंग} = 42 \times 4 = 168 \end{array} \right\} \text{ उत्तर}$$

(१३) 74 चौंर 5 मिडिंग 9 पैस को क, खु और गु में इस प्रकार बाँटो कि क को खु के भाग का 7 मिने और गु को क के भाग का 1 ।

१४) तीन कमरों में 222 लकड़े बँटे हैं, पहले और दूसरे कमरों के लकड़ों की संख्या में 3 चौंर 5 का अनुपात है और दूसरे और तीसरे कमरों के लकड़ों की संख्या में 7 चौंर 11 का अनुपात है । प्रत्येक कमरे के लकड़ों की संख्या बताओ ।

(१५) चार प्राप्ति में 50000 मीट्रिक माली करने हैं । यदि इन प्राप्ति में 175002, 82434, 22116 और 20418 मनुष्य भाग्यी होने के योग्य हों, तो बताओ, प्रत्येक प्राप्ति में कितने मनुष्य लेने चाहिये ?

(१६) 1540 लकड़ों को क, ख, गु, में इस प्रकार बाँटो कि क का भाग ख और गु के भागों का 4 हो, और ख का भाग क और गु के भागों का 7 हो ।

(१७) दो लकड़ों की आयु 10 वर्ष और 8 वर्ष 9 मास है । यदि एकको 10 चौंर 1 मिडिंग 3 पैस वारिमोनक मिने और प्रत्येक को अपनी आयु के अनुसार वारिमोनक दिया जाय, तो बताओ, प्रत्येक को क्या मिलेगा ?

(१८) 323 चौंर 1 मिडिंग 8 पैस को क, ख और गु में इस प्रकार बाँटो कि ख को क के भाग का 14 मिने, और गु को क और ख के भागों के योगफल के बराबर ।

(१९) 1 चौंर 4 मिडिंग 2 पैस का क, ख और गु में इस प्रकार बाँटो कि क का ख के भाग का 1 मिने और गु को ख का 1 मिडिंग 2 पैस मिने ।

- (२०) एक मनुष्य ने मरते समय यह इच्छा प्रकट की उसकी सम्पत्ति का आधा भाग 'कु' को मिले, एक तिहाई भाग 'ख' को और चौथाई भाग 'ग' को । सिद्ध करो कि यह बटवारा ठीक नहीं है ? यदि उसकी सारी सम्पत्ति 1226 पौंड 4 शि० 6 पैस हो, तो उसको इस प्रकार बाँटो कि कु, ख और ग के भागों में वही अनुपात हो, जिस अनुपात से यह बटवारा करना चाहता था ।
- (२१) 1471 रुपये S जाने की तीन मनुष्यों में इस प्रकार बाँटो कि पहले मनुष्य को दूसरे मनुष्य के भाग का आधा मिले, और दूसरे को तीसरे के भाग का तिहाई ।
- (२२) 1628 रुपये 5 मनुष्यों, 12 स्त्रियों और 20 लड़कों में इस प्रकार बाँटो कि प्रत्येक स्त्री को लड़के से दुगने और प्रत्येक मनुष्य को स्त्री और लड़के के भागों के योग से दुगने रुपये मिलें ।
- (२३) 142857 रुपये पाँच मनुष्यों में इस प्रकार बाँटो कि पहले को दूसरे से $1\frac{1}{2}$ गुना मिले, दूसरे को तीसरे का $1\frac{1}{3}$ गुना तीसरे को चौथे का आधा और चौथे को पाँचवें का तिहाई मिले ।
- (२४) पाँच मनुष्यों का वेतन 250 रुपये, 185 रुपये, 140 रुपये, 100 रुपये, और 50 रुपये हैं । बताओ, यदि उनको 1160 रुपये पारितोषक में मिलें तो वेतन के अनुसार प्रत्येक के भाग में कितने रुपये आयेंगे ?
- (२५) 1455 रुपये $\frac{1}{7}$, $\frac{1}{13}$, $\frac{11}{13}$ के अनुपात से बाँटो ।
- (२६) 581 पौंड की तीन ऐसे भागों में बाँटो कि पहले का चौगुना दूसरे के पंचगुने और तीसरे के सतगुने के बराबर हो ।
- 120 ताबा पानी में 8 गुना और तीन पानी में 7 गुना

भारी होगा है ; यदि 20 घन इंच डीन को 30 घन इंच तारि में मिश्रायें, तो बताओ कि वह मिश्रण 50 घन इंच पायी में कितने गुना भारी होगा ?

(२८) यदि 200 चीन केसे सोने को जिसमें 24 में से 18 भाग निरे सोने के हैं, 128 चीन केसे सोने से मिश्रायें जिसमें 24 में से 15 भाग निरे सोने के हैं तो बताओ, इस मिश्रण में यह सोने का कितना भार होगा ?

(२९) एक मिश्रण में 100 पाँच ताँबा और 51½ पाँच डीन है । जोड़े में छोटे पाँकों में तारि और डीन का निम्नलिखित बताओ ।

(३०) 6015 पाँच को 'क' 'ख' 'ग' और 'घ' में इस प्रकार बाँटो कि क : ख = ३ : ४, ख : ग = ३ : १, और ग : घ = १० : १।

अठारहवां अध्याय

साम्बा वा पत्नी

(1) जो घन किसी काम या व्यापार में लगाया जाता है उसे पूंजी कहते हैं।

अब दो या दो से अधिक मनुष्य मिलकर कोई व्यापार करते हैं और हमने अपनी अपनी पूंजी लगाते हैं तो कहा जाता है कि वह सांझे में व्यापार कर रहे हैं।

साम्बा में प्रत्येक साम्बा अपनी पूंजी के अनुपात में हानि और लाभ प्राप्त करता है। यदि उनकी पूंजी बराबर बराबर हो तो उन्हें हानि अथवा लाभ भी बराबर बराबर होता है। यदि उनकी पूंजी बराबर न हो, तो वह अपनी पूंजी के अनुपात में हानि या लाभ बाँट लेते हैं।

किसी व्यापार में सब साम्बियों की पूंजी यदि बराबर समय तक लगी रहे तो उसे साधारण या सामान्य साम्बा कहते हैं।

अब यदि साम्बियों की पूंजी भिन्न भिन्न समय तक व्यापार में लगी रहती है, ऐसी अवस्था में इसे मिश्र या असमान साम्बा कहते हैं।

(2) साधारण साम्बा।

उदाहरण । क, ख और ग ने क्रमशः 640 रुपये, 510 रुपये और 100 रुपये मिलकर व्यापार किया। यदि उन्हें 60 रुपये का लाभ हो तो प्रत्येक का भाग प्रतीत हो।

उदाहरण (४) दो मनुष्यों ने एक स्थान 54 पौंड को किराने पर लिया। यदि एक ने 23 बोरे 27 दिन तक और दूसरे ने 21 बोरे 39 दिन तक उस स्थान पर बंधे हों, तो बत्ताघो के किराना कितना किराया दे ?

पहले मनुष्य ने 23 बोरे 27 दिन तक या 621 बोरे एक दिन तक,

दूसरे मनुष्य ने 21 बोरे 39 दिन तक या 819 बोरे एक दिन तक लिये।

$$\text{अब } 621 + 819 = 1440$$

. पहला मनुष्य 54 पौंड का $\frac{1440}{23}$ या 23 पौंड 5 सिलिग 9 वैस दे

और दूसरा मनुष्य देय किराया, अर्थात् 30 पौंड 14 सिलिग 3 वैस दे। उत्तर

उदाहरण (६) कु और खु ने सांके में व्यापार किया और खु ने कु से कपड़े रुपये लगाये। बाद महीने के परचान खु ने अपनी खादी पू की निजाल ली और इसके दो महीने परचान कु ने अपनी पू की का 1 भाग ले लिया। वर्ष समाप्त होने पर उन्हें 530 पौंड का लाभ हुआ। बताओ, उन्हें यह धन किस प्रकार बाँटना चाहिये ?

मान लो कि कु ने 2 पौंड व्यापार पर लगाये तो खु ने 3 पौंड।

इस प्रकार कु क 2 पौंड 10 महीने तक और 14 पौंड 2 महीने तक

या $2 \times 10 + 14 \times 2 = 26$ पौंड एक महीने तक व्यापार में लगा रहा। इसी प्रकार खु 3 पौंड 8 महीने तक और 14 पौंड 1 महीने तक,

या $3 \times 8 + 14 \times 1 = 26$ पौंड एक महीने तक व्यापार में लगे रहे।

$$यक 670 + 538 + 102 = 1608$$

$$क का भाग = 3216 रुपये का $\frac{60}{100} = 1929$ रुपये$$

$$ख का भाग = 3216 रुपये का $\frac{30}{100} = 964$ रुपये$$

$$ग का भाग = 3216 रुपये का $\frac{10}{100} = 321$ रुपये$$

क को 1929, ख 964, ग 321 (केवल महीने) और ग को 321 रुपये मिले। इससे

प्रश्नावली ४६

- (१) क, ख और ग ने व्यापार में क्रमशः 1520 रु० तथा 2880 रु० लगाए और उन्हें 15% लाभ में जाने का काम हुआ। बचाव के इस लाभ को किस प्रकार आपस में बाँटे ?
- (२) दो व्यापारियों ने क्रमशः 703 रु० और 10 सिद्धि और 1146 रु० और व्यापार में लगाये। बचाव, 25% रु० के लाभ में है उन्हें किसका वन मिलेगा ?
- (३) तीन व्यापारियों ने क्रिया व्यापार में क्रमशः 4297 रुपये 9 पाई 8 बाई, 5739 रुपये 2 पाई, और 7162 रुपये 10 पाई 6 बाई लगाए। बचावों 9329 रुपये 11 पाई 6 पाई में क्रमशः का हिस्सा प्राप्त होगा ?
- (४) क, ख, ग और ग का वार क्रमशः 4 व्यापारियों ने लगाया किया। क ने ५% का, ख ने 1, ग ने ६ और ग ने ८ का लाभ गृह लगाया। बाँट रु० 3329 रुपये ६ पाई लाभ ही था। क इस किस प्रकार बाँटे ?
- (५) क, ख और ग ने व्यापार में 7144 रुपये क्रमशः। क ने ६% का लाभ, ख ने ८% का लाभ और ग ने १०% का लाभ। क इस किस प्रकार बाँटे ?

आधा भाग निकाल लिया, और इसे 8 मास बरबाद 2021
करके का लाभ बड़ा गया । बताया कु. को क्या मिला ?

(११) क, म् और न् ने मिलकर एक मकान 150 पैर प्रति की की दर से 2 वर्ष के लिए डिमाण्ड पर दिया। क, इस मकान में 2 वर्ष तक दर समान रहा। न् इस मकान में 10 साल रहा। न् इस मकान में 10 साल तक उस समय रहा जब म् भी मकान में रहता था। बचानो, नीलो दिनका दिनका भिन्नता है ?

(१२) कृ. ने 15(M) रुपये में व्यापार सामान किया, कुछ वर्षों पश्चात् इसका माली बन गया और उसने 25(M) रुपये लगाए। वर्षों के समय में पानों का बराबर बराबर लाभ हुआ। बनावटी, इस दिने मूल्य माली बनाता है ?

(३३) हमने १९६३) काल में व्यापार आरम्भ किया, कुछ समय तक हमने व्यापार करने का काम किया और हमने इस काम में १९६३) काल में आरम्भ किया। यदि कोई व्यक्ति हमारे काम में आरम्भ करना चाहे, तो हमारे व्यापार करने में हमें सहायता देनी चाहिए।

११३) कु. व. ३१।३। अथर्व वेद व्यासः आचार्यः कृतः । इत्येव ३ अक्षर
वर्णनात् ३५ अक्षरं व्यासः अथर्व वेद व्यासः ३५ अक्षरं
अथर्व वेद व्यासः कु. व. ३१।३। अथर्व वेद व्यासः अथर्व वेद व्यासः
अथर्व वेद व्यासः

1. The first part of the document is a list of names and addresses, which appears to be a directory or a list of contacts. The names are written in a cursive script, and the addresses are listed below them.

2. The second part of the document is a list of names and addresses, which appears to be a directory or a list of contacts. The names are written in a cursive script, and the addresses are listed below them.

रुपये के लाभ में से 120 रुपये मिलें, गां बताओ खु ने कितने रुपये लगाये थे ?

(1९) तीन मनुष्यों ने मिल कर एक सैत एक वर्ष के लिये 157 पौंड में किराये पर लिया । कु ने 21 बैल 7 मास तक चराये, खु ने 18 बैल 8 मास तक और गु ने 15 बैल 12 मास तक चराये । बताओ, प्रत्येक कितना कितना किराया देगा ?

(20) कु ने 9 मास तक व्यापार में कुछ रुपये लगाये, और खु ने 10 मास तक । कु ने खु से 1000 रुपये अधिक लगाये । 2310 रुपये के लाभ में से कु को खु से 110 रुपये अधिक मिले । बताओ, दोनों ने कितनी कितनी पूंजी व्यापार में लगाई थी ?

(21) कु और खु ने साम्ना किया और कु ने सारी पूंजी का $\frac{1}{3}$, 9 मास तक व्यापार में लगाया और खु को सारे लाभ का $\frac{1}{3}$ भाग मिला । बताओ, खु का पूंजी कितने समय तक व्यापार में लगी रही ?

(22) कु ने एक व्यापार 2000 रुपये लगाकर धारम्भ किया । 4 मास बीतने पर खु और 6 मास बीतने पर गु उसके साम्नी बन गये । एक वर्ष पश्चात् जो लाभ प्राप्त हुआ उसको 10 : 8 : 7 के अनुपात में बाँटा गया । बताओ, खु और गु ने कितनी कितनी पूंजी लगाई थी ।

(23) कु ने एक व्यापार में खु से 1000 रुपये अधिक लगाये, परन्तु खु की पूंजी 10 महीने लगा रहा और कु का 4 महीने । यदि 120 रुपये के लाभ में से कु का भाग खु के भाग से 48 रुपये अधिक हो तो प्रत्येक का पूंजी प्रदान करो ।

जॉच पत्र (दूसरा खण्ड)

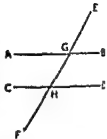
पत्र ?

- (1) 13:14:25 का वर्गीकृत निष्कर्ष।
- (2) कनाचो दिनने वीर का सारा अर्थ 3। वर्ग में 2। वीर सैभ्य
कारिक दूर से 113 वीर होगा ?
- (3) किसी राशि के 12 प्रतिशत का मान 43 माने 8 माने है।
वह राशि मान्य है।
- (4) A एक बार्मिन्गट B को 20% के लाभ में बेचता है और B
उसी को C के हाथों 25% के लाभ से बेच देता है। यदि
C को 225 माने देने वाले, तो कनाचो A ने वह बार्मिन्गट
दिनने कपड़े में मोच को की।
- (5) यदि A और B किसी काम का 12 दिन में कर सकते हैं
B और C 15 दिन में, और C और A 20 दिन में, तो
कनाचो व कपड़े कपड़े इस काम को दिनने दिन में कर
सकते हैं।
- (6) 7।) कपड़ों का एक नमूना जाली में बंदी दिवसे 1, 1, 1 का
अनुपात है।

पत्र 2

- (1) एक कपड़ा-का 1 : निम्नलिखित की कौशल का 12 वर्ष है।
2 निम्नलिखित की 15 वर्ष और 14 निम्नलिखित की 11 वर्ष
है। एक कपड़ा-का की कौशल का 12 वर्ष का है।
- (2) कपड़ा-का का 15 वर्ष और 14 वर्ष का है। 1 वर्ष के 25%

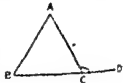
- (*) AB और CD समानान्तर रेखाएँ हैं। यदि $\angle AGH = 60^\circ$ तो $\angle GHD$, $\angle GHC$ और $\angle CHF$ ज्ञात करो।



- (*) मायेंद त्रिभुज के कोनों का योग कितना होता है ?

यदि किसी त्रिभुज के दो कोण 50° और 70° के हों तो तीसरा कोण ज्ञात करो।

- (*) यदि $\angle A = 55^\circ$ $\angle B = 61^\circ$ तो $\angle ACD$ ज्ञात करो।



- (*) यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख भुज समानान्तर हों तो उसे क्या कहते हैं ?
- (*) यदि किसी चतुर्भुज का प्रत्येक कोण समकोण हो तो उसे क्या कहते हैं ?
- (*) यदि किसी चतुर्भुज के चारों भुज बराबर समान हों और प्रत्येक कोण समकोण हो तो उसे क्या कहते हैं ?

रेखा गॉखर के प्रारम्भिक सिद्धान्तों की दोहराई २५६

- (१०) यदि किसी धनुंमुख के दो मुख समानान्तर हों तो उसे क्या कहते हैं ?
- (११) यदि किसी बहुमुख के सब मुख परस्पर समान हों परन्तु उसके बीच समकोण न हों, तो उसे क्या कहते हैं ?
- (१२) यदि किसी धनुंमुख के दो दो संलग्न मुख समान हों तो उसे क्या कहते हैं ?
-

वीसवां अध्याय

आयत का क्षेत्रफल

यह स्पष्ट है कि दो सर्वांगसम क्षेत्र परस्पर सच प्रकार से बराबर होते हैं, यत्न उनके क्षेत्रफल भी बराबर होते हैं। परन्तु यह बात स्पष्ट नहीं कि बराबर क्षेत्रफलों के दो क्षेत्र सर्वांगसम हों, क्योंकि विभिन्न-विभिन्न आकारों की ऐसी अनेक आकृतियाँ बनाई जा सकती हैं जिनके क्षेत्रफल परस्पर समान हों। बराबर क्षेत्रफल वाली आकृतियों को बराबर कहने में और दोनों आकृतियों को बराबरी प्रकट करने के लिये "≡" चिह्न का प्रयोग करने में। सर्वांगसम के लिये "≡" चिह्न का प्रयोग होता है।

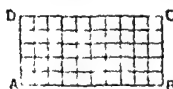
यदि क्षेत्रों की इकाई, लम्बाई की इकाई का वर्ग होती है। उदाहरण के लिये इंच, फुट, गज, मीटर, मीटर, मीटर आदि हो तो तब आयत क्षेत्रफल की इकाई वर्ग इंच, वर्ग फुट, वर्ग गज, वर्ग मीटर आदि होगी।

विद्यार्थी का ध्यान कि यदि 'x' का क्षेत्र 'y' वर्ग इंच के समान है तो 'x' का क्षेत्रफल 'y' वर्ग इंच का क्षेत्रफल है। इसका एक दूसरा उदाहरण यह है कि यदि 'x' का क्षेत्र 'y' वर्ग इंच के समान है तो 'x' का क्षेत्रफल 'y' वर्ग इंच का क्षेत्रफल है।

यदि 'x' का क्षेत्र 'y' वर्ग इंच के समान है तो 'x' का क्षेत्रफल 'y' वर्ग इंच का क्षेत्रफल है।

यदि 'x' का क्षेत्र 'y' वर्ग इंच के समान है तो 'x' का क्षेत्रफल 'y' वर्ग इंच का क्षेत्रफल है। यदि 'x' का क्षेत्र 'y' वर्ग इंच के समान है तो 'x' का क्षेत्रफल 'y' वर्ग इंच का क्षेत्रफल है।

ABCD एक आयत है। इसकी लम्बाई $AB = 10$ फुट और



चौड़ाई $AD = 5$ फुट। AB को दस

बराबर भागों में और AD को 5 बराबर

भागों में बाँटो और AB के विभाग

बिन्दुओं से AD के समानान्तर तथा

AD के विभाग बिन्दुओं से AB के

समानान्तर रेखाएँ खींचो। ABCD आयत के अब 50 बराबर भाग

हो गए, इनमें से प्रत्येक भाग एक वर्ग फुट है। इसमें 5 पंक्तियाँ हैं

जिनमें से प्रत्येक में 10 वर्ग हैं। यतएव आयत में $10 \times 5 = 50$

वर्ग फुट हैं।

इससे सिद्ध हुआ कि आयत के क्षेत्रफल में उसकी ऊँचाई तथा

चौड़ाई की इकाइयों के गुणनफल के बराबर वर्ग इकाइयाँ होती हैं।

उदाहरण (१) एक आयत की लम्बाई 150 फुट और चौड़ाई

100 फुट है। उसका क्षेत्रफल बताओ।

$$\text{क्षेत्रफल} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} = 150' \times 100'$$

$$= 15000 \text{ वर्गफुट} = \frac{15000}{9} \text{ वर्ग गज}$$

$$= \frac{6000}{3} \text{ वर्ग गज} = 1666\frac{2}{3} \text{ वर्ग गज उत्तर}$$

उदाहरण (२) एक आयत का क्षेत्रफल बताओ जिसकी लम्बाई

12 फुट 9 इंच और चौड़ाई 6 फुट है।

$$\text{क्षेत्रफल} = 12', 9'' \times 6' = \frac{51}{4} \times 6' = \frac{153}{2} \text{ वर्गफुट}$$

$$= \frac{153}{2} \text{ वर्ग गज} = 17 \frac{1}{2} \text{ वर्ग गज} = 34 \text{ वर्ग गज}$$

उदाहरण (३) एक आयताकार क्षेत्र की लम्बाई ७५ मीटर २३ सेंटीमीटर और चौड़ाई ६५ मीटर ३० सेंटीमीटर है। इसका क्षेत्रफल ज्ञात करें और दोनो में बचानी।

$$\text{संग्रह} \rightarrow \begin{cases} 160 \text{ सेंटीमीटर} & = 1 \text{ मीटर} \\ 1600 \text{ सेंटीमीटर} & = 1 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर} \\ 10 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर} & = 1 \text{ मीटर} \end{cases}$$

$$\text{क्षेत्रफल} = \frac{701}{1} \times \frac{653}{10} \text{ मीटर १० सेंटीमीटर} = \frac{166153}{10} \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$= \frac{166153}{100} \text{ मीटर १० सेंटीमीटर} = 1661.53 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

उदाहरण (४) एक आयत की लम्बाई ज्ञात की जाये जिसका क्षेत्रफल ८८० मीटर मीटर और चौड़ाई १६ मीटर है।

$$\text{आयत का क्षेत्रफल} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई}$$

$$= \frac{880}{16} \text{ मीटर} = 55 \text{ मीटर चौड़ाई}$$

उदाहरण (५) एक आयत की लम्बाई १० मीटर १० सेंटीमीटर है। इसका क्षेत्रफल ज्ञात करें और दोनो में बचानी।

$$\text{क्षेत्रफल} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} = 10 \times 10 = 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$= 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$\text{क्षेत्रफल} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} = 10 \times 10 = 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$= 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$= 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

$$= 100 \text{ मीटर १० सेंटीमीटर}$$

प्रश्नावली ४८

निम्नलिखित आयतों का क्षेत्रफल बताओ, जिनकी लम्बाई और चौड़ाई क्रमशः नीचे लिखी हैं :—

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (१) 17 गज, 10 गज | (२) 75 गज, 50 गज |
| (३) 230 गज, 112 फुट | (उत्तर वर्ग गजों में दो) |
| (४) 20 कर्लांग, 10 कर्लांग | (उत्तर एकड़ों में दो) |
| (५) 25 कर्लांग, 15 कर्लांग | (उत्तर एकड़ों में दो) |

निम्नलिखित आयतों का क्षेत्रफल वर्ग गजों में बताओ :—

लम्बाई	चौड़ाई
(६) 9 फुट	और 10 फुट 6 इंच
(७) 10 फुट 3 इंच	और 5 फुट
(८) 15 गज	और 9 फुट 9 इंच
(९) 8 गज	और 5 फुट 6 इंच
(१०) a गज b फुट	और 2 c गज

(११) एक वर्गाकार खेत का क्षेत्रफल 22½ एकड़ है। बताओ उसके चारों ओर 12 फीट लगाने के लिए सिजने लकड़े तार की आवश्यकता है ?

(१२) एक वर्गाकार खेत का क्षेत्रफल 22½ एकड़ है। उस की मुंजा की लम्बाई बताओ।

(१३) एक वर्गाकार खेत का क्षेत्रफल 16 एकड़ 400 वर्ग गज है। बताओ उसके चारों ओर 3 माल घात घंटा की घास में समय करने में कितना समय लगेगा।

(१४) एक खेत का क्षेत्रफल 1 एकड़ रोड 2 वर्ग मील 3 वर्ग गज है इस का लम्बाई चौड़ाई में दुगुना है। लम्बाई बताओ।

(11) एक त्रयाण की लम्बाई चौड़ाई से डेढ़ गुनी है। उस की लम्बाई बनाने का व्यय 3 पाने प्रति मज की दर से 892 रुपये है। दो पनाओ हम के चारों ओर बाड़ लगाने का व्यय 1 रु० 14 पाने प्रति मज की दर से क्या होगा ?

वर्गाकार और आयताकार मैनों के गिर्द मार्ग

उदाहरण (१) एक आयताकार मैदान की लम्बाई 350 फुट और चौड़ाई 250 फुट है। इस के चारों ओर चन्दर की ओर 4 फुट चौड़ा मार्ग है। इस मार्ग का क्षेत्रफल ज्ञात करो।

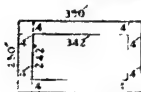
मार्ग का क्षेत्रफल = बाहरी आयतन का क्षेत्रफल

- चन्दर की आयतन का क्षेत्रफल

$$= 350 \times 250 - 312 \times 212$$

$$= 87500 - 82764 \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 4736 \text{ वर्ग फुट उत्तर}$$



उदाहरण (२) एक वर्गीचा 21 मज लम्बा और 10 मज चौड़ा है। इसके चारों ओर 1 फुट चौड़ा मार्ग है। इस मार्ग का क्षेत्रफल ज्ञात करो मज की दर से बाड़ी निकालने का व्यय ज्ञात करो।

मार्ग का क्षेत्रफल = बाहरी आयतन का क्षेत्रफल

- चन्दर की आयतन का क्षेत्रफल

$$= 21 \times 10 - 19 \times 8$$

$$= 210 - 152$$

$$= 58 \text{ वर्ग मज}$$

- (२) एक वर्गाकार घास के मैदान की एक भुजा 200 गज है। उसके बाहर चारों ओर 10 फुट चौड़ा मार्ग बना हुआ है। उस मार्ग पर 2 रु० 8 पा० प्रति वर्ग फुट की दर से चंकड़ बिछवाने में क्या खर्च होगा ?
- (३) एक उद्यान 100 फुट लम्बा और 80 फुट चौड़ा है। उसके भीतर चारों ओर 8 फुट चौड़ा मार्ग बना हुआ है। मार्ग का क्षेत्रफल बताओ। उस पर 5 पा० 3 पा० प्रति वर्ग गज की दर से बजरी बिछवाने में क्या खर्च होगा।
- (४) एक चौक 10 गज लम्बा और 7 गज चौड़ा है। तो बताओ उसके चारों ओर 4 फुट चौड़ा मार्ग बनवाने में 2 पा० 6 पा० प्रति वर्ग फुट की दर से क्या खर्च होगा ?
- (५) एक आयताकार बाग 120 फुट लम्बा और 90 फुट चौड़ा है। जिसके चारों ओर 10 फुट चौड़ा रास्ता बना है तो बताओ रास्ते पर 4 सि० 6 पै० प्रति वर्ग गज की दर से पत्थर के चौके बिछवाने में और बाग में 9 सि० 6 पैस प्रति 100 वर्ग फुट की दर से घास लगवाने में क्या खर्च होगा ?
- (६) एक वर्गाकार कमरे की एक भुजा 30 गज है। तो बताओ उसमें 18 ईंच लम्बे और 15 ईंच चौड़े चौके, 25 रुपये प्रति 100 चौके की दर से बिछवाने पर क्या लागत आवेगी ?
- (७) एक बरामदा 42 फुट लम्बा और 15 फुट चौड़ा है। उसमें 18 ईंच वर्ग के चौके लगवाने में 15 रुपये प्रति चौकी की दर से क्या खर्च होगा।
- (८) एक कमरा 20 फुट लम्बा और 15 फुट चौड़ा है। उसके चारों ओर 1 फुट चौड़ा बरामदा बना हुआ है। तो बताओ उस बरामदा में 1 फुट चौड़े चौके बिछाने में क्या खर्च होगा ?

चेत्रफल $= 2(l+b)h$, अर्थात् $l =$ लम्बाई, $b =$ चौड़ाई और $h =$ कमरे की ऊँचाई।

उदाहरण १—एक कमरा 20 फुट लम्बा, 18 फुट चौड़ा और 15 फुट ऊँचा है। इसकी दीवारों पर 2 चा० 6 पा० प्रति वर्ग गज की दर से सफेदी कराने का क्या व्यय होगा ?

$$\begin{aligned}\text{चारदीवारी का चेत्रफल} &= (20+18) \times 2 \times 15 \text{ वर्ग फुट} \\ &= 76 \times 15 \text{ वर्ग फुट} \\ &= 1140 \text{ वर्गफुट} = \frac{1140}{9} \text{ वर्ग गज}\end{aligned}$$

$$\therefore \left. \begin{array}{l} \text{दीवारों पर सफेदी} \\ \text{कराने का व्यय} \end{array} \right\} = \frac{1140}{9} \times \frac{5}{32} \text{ रु०}$$

$$= \frac{475}{24} \text{ रु०}$$

$$= 19 \text{ रु० } 12 \text{ पा० } 8 \text{ पा० उत्तर।}$$

उदाहरण २—एक कमरा 22 फुट लम्बा 14 फुट चौड़ा और 10 फुट 6 इंच ऊँचा है। इसकी दीवारों पर $\frac{1}{2}$ ऊँचाई तक रंग किया गया है और $\frac{1}{2}$ पर कागज लगाया गया है। रंग 7½ पैसे प्रति वर्ग गज की दर से कराया गया है। कागज का मूल्य 5 पि० 2 पै० प्रति वर्ग गज है और कागज लगवाने का व्यय 2 पैसे प्रति वर्ग गज है। कुल लागत बताओ।

$$\frac{1}{2} \text{ ऊँचाई} = \frac{3}{4} \times \frac{1}{2} = \frac{3}{8} \text{ फुट}$$

$$\begin{aligned}\text{कमरे की दीवारों का चेत्रफल} &= (22+14) \times 2 \times \frac{3}{8} \\ &= 756 \text{ वर्गफुट} \\ &= \frac{756}{9} \text{ वर्गगज} \\ &= 84 \text{ वर्गगज}\end{aligned}$$

$$\begin{aligned}\text{टिकरों का मूल्य} &= 06 \times 1024 \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{16} \text{ रुपये} \\ &= 3072 \text{ रुपये उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (४) एक कमरे की लम्बाई 30 फुट, चौड़ाई 22 फुट और ऊँचाई 18½ फुट है। उसमें 5 द्वार और 3 सिक्किरी हैं और बल्बेक द्वार या सिक्की का क्षेत्रफल 30 वर्गफुट है। कमरे की दीवारों पर 3 घाने प्रति वर्गगज को दर से रंग करवाने की लागत बताओ।

$$\text{दीवारों का क्षेत्रफल} = (30 + 22) \times 2 \times 18\frac{1}{2} = 1924 \text{ वर्गफुट}$$

$$\text{द्वारों और सिक्कियों का क्षेत्रफल} = 30 \times 8 = 240 \text{ वर्गफुट}$$

$$\text{मिलने क्षेत्रफल पर रंग करवाना है, वह} = 1924 - 240 = 1684$$

वर्गफुट

$$\text{रंग करवाने की लागत} = \frac{1684}{6} \times \frac{3}{16} = \frac{421}{12} \text{ रुपये}$$

$$= 35 \text{ रुपये 1 घाना 4 पार्से उत्तर}$$

उदाहरण (५) एक कमरे की दीवारों का क्षेत्रफल 640 वर्गफुट है। यदि उसकी लम्बाई 15½ फुट और ऊँचाई 12 फुट हो, तो चौड़ाई बताओ।

मान लो कि कमरे की चौड़ाई x फुट है, तो

$$\begin{aligned}\text{चारों दीवारों का क्षेत्रफल} &= (15\frac{1}{2} + x) \times 2 \times 12 \text{ वर्गफुट} \\ &= 24 (15\frac{1}{2} + x) \text{ वर्गफुट}\end{aligned}$$

$$24 (15\frac{1}{2} + x) = 640$$

$$\text{या } 15\frac{1}{2} + x = \frac{640}{24} = \frac{80}{3}$$

$$\text{या } x = \frac{80}{3} - 15\frac{1}{2} = \frac{160 - 93}{6} = \frac{67}{6} \text{ फुट}$$

$$= 11 \text{ फुट}$$

अतः कमरे की चौड़ाई 11 फुट = 11 फुट 2 इंच उत्तर

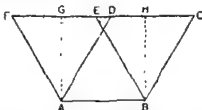
- (६) एक होज 20 फुट लम्बा, 16 फुट चौड़ा और 12 फुट ऊँचा है। उसकी भीतरी दीवारों और तली पर 8 घाने प्रति वर्ग फुट के भाव से रोगन कराने पर क्या लागत आयेगी ?
- (10) एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई क्रमशः 25 फुट 7 इंच, 20 फुट 5 इंच और 14 फुट है। इसकी दीवारों पर 3 सिस्त्रिंग 6 पैस प्रति वर्ग गज के भाव से कागज लगाया गया और छत पर 1 सिस्त्रिंग 2 पैस प्रति वर्ग फुट के हिसाब से रोगन कराया गया। कुल लागत बताओ।
- (11) एक कमरा 28 फुट लम्बा, 20 फुट चौड़ा और 13 फुट ऊँचा है। इसमें कई द्वार और खिड़कियाँ हैं। यदि उन सब का क्षेत्रफल दीवारों के क्षेत्रफल का आधा हो, तो दीवारों पर 12 घाने प्रति वर्ग गज के हिसाब से कागज लगवाने का मूल्य ज्ञात करो।
- (12) एक कमरा 16 फुट चौड़ा और 12 फुट ऊँचा है। उस कमरे में 3 घाने प्रति वर्ग गज की दर से चटाई बिछवाने पर 7 रुपये 9 घाने 4 पाई खर्च हुए। यदि उस कमरे में 6 द्वार हों और प्रत्येक द्वार का विस्तार 6 फुट x 3 फुट हो, तो उसकी दीवारों पर कागज लगाने का खर्च बताओ, जबकि कागज का मूल्य भी 3 घाने प्रति वर्ग गज हो।
- (13) एक कमरे की ऊँचाई 11 फुट है और उसकी लम्बाई, चौड़ाई में दुगुनी है। उसकी दीवारों पर 143 गज लम्बा 2 फुट चौड़ा कागज लगाया है। कमरे के फर्श का क्षेत्रफल बताओ।
- (14) एक कमरा 16 फुट चौड़ा 15 फुट ऊँचा है। उसके फर्श पर 1 सिस्त्रिंग 1 पैस प्रति वर्ग गज की दर से चटाई लगवाने पर 2 पौंड 13 सिस्त्रिंग 4 पैस खर्च आया। यदि उस कमरे के 8 द्वार हों और प्रत्येक द्वार का विस्तार 4 फुट x 7 1/2 फुट हो, तो

प्रति गज के भाग का 1 फुट 8 इंच चौड़ा कागज कागजात से 6 पौंड 6 सिस्त्रिंग कागज आई। कमरे की छंवाई शाप करो।

(१०) एक कमरा 30 फुट लम्बा और 20 फुट चौड़ा है। उस में 9 फुट \times 6 फुट के 3 द्वार हैं और 6 $\frac{1}{2}$ फुट \times 4 फुट की 6 खिड़कियाँ हैं। यदि उस की दीवारों पर 3 आने प्रति वर्ग फुट के दिवाब से शोषण करवाने की लागत 3-10 रुपये 11 आने हो, तो उसकी छंवाई शाप करो।

(११) एक कमरे की लम्बाई, चौड़ाई से निगुनी है। उस की दीवारों पर 8 आने प्रति वर्ग गज के दिवाब से रंग करवाने पर 80 रुपये खर्च हुये और छान पर 4 आने प्रति वर्ग गज के भाग से सफाई करवाने में 18 रुपये 12 आने लगे। कमरे की छंवाई बनाओ।

और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित हों, तो वे क्षेत्रों में बराबर होते हैं।



मान लो कि दो समानान्तर चतुर्भुज ABCD और ABEF एक ही आधार AB पर दो समानान्तर रेखाओं AB और CF के मध्य स्थित हैं। A और B से CF पर AG और BH खींच दालो।

यह स० च० $ABCD =$ आयत $ABHG$

और स० च० $ABEF =$ आयत $ABHG$

∴ स० च० $ABCD =$ स० च० $ABEF$

उपनिषम (२) समानान्तर चतुर्भुज का

क्षेत्रफल = आधार \times ऊँचाई

ऊपर सिद्ध किये गए नियम में जो चित्र चिह्नों द्वारा दर्शाया गया है उसमें, स० च० $ABEF =$ आयत $ABCD$

और आयत $ABCD$ का क्षेत्रफल $= AB \times BC$

∴ स० च० का क्षेत्रफल $= AB \times BC$

यह स० च० $ABEF$ का आधार AB है और ऊँचाई BC है

∴ समानान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल = आधार \times ऊँचाई।

श्रम्यास

(1) क्षेत्रफल में समान जिन समानान्तर चतुर्भुजों की ऊँचाईएँ बराबर हों, उनके आधार भी बराबर होने हैं।

(३) E और F, $\triangle ABC$ की AB

और AC मध्यमों के मध्य

बिन्दु हैं; CE, और BF, P

बिन्दु पर मिलते हैं। सिद्ध करो, B

कि $\triangle ABP$, $\triangle BCP$ और $\triangle ACP$ बराबर हैं।



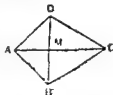
(४) चतुर्भुज ABCD में कर्ण AC

दूसरे कर्ण BD के मध्य बिन्दु में

से होकर जाता है; सिद्ध करो कि

कर्ण AC, चतुर्भुज को दो बराबर

भागों में बाँटता है।



५) $\triangle ABC$ के शीर्ष बिन्दुओं A, B

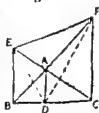
तथा C से तीन समानांतर सरल

रेखाएँ खींची गई हैं जो सम्मुख मध्यमों

को क्रमशः D, E और F पर मिलती

हैं। सिद्ध करो कि $\triangle DEF = 2\triangle$

ABC



[सहायक— $\triangle EBC = \triangle EBF$, $\triangle ADB = \triangle ADE$
और $\triangle ADF = \triangle ADC$]

६) म० च० ABCD में BC तथा CD

के क्रमशः E और F मध्य बिन्दु

हैं; सिद्ध करो कि $\triangle AEF =$



म० च० ABCD

(दिल्ली 1947)

ABCD चतुर्भुज में BC तथा CD पर मध्य बिन्दु हैं और

EF = AF है। सिद्ध करो कि (1) EBCF समानांतर चतुर्भुज है, सिद्ध करो

क (2) $\triangle AEF =$ चतुर्भुज ABCD

(१२) स० च० ABCD की भुजा CD को E बिन्दु तक बढ़ाया गया है, सिद्ध करो कि $\triangle EAC = \triangle EAB + \triangle EAD$

(१३) सम चतुर्भुज का क्षेत्रफल इसके कर्णों के गुणनफल का आधा होता है।

(१४) स० च० ABCD की BC भुजा में किसी बिन्दु E से एक रेखा DEF ऐसी खींची गई है जो AB को काटने पर F पर मिलती है, सिद्ध करो कि—

$$\triangle AEB = \triangle CEF$$

संलग्न—DB को मिलायो।

(१५) समान ऊँचाईयों वाले त्रिभुजों के क्षेत्रफल उनके आधारों के समानुपाती होते हैं।

उदाहरण १) एक त्रिभुज का आधार १६ फुट है और ऊँचाई १० फुट। इसका क्षेत्रफल बताओ।

$$\begin{aligned}\text{क्षेत्रफल} &= \frac{1}{2} \times 16 \times 10 \text{ वर्गफुट} \\ &= 80 \text{ वर्गफुट}\end{aligned}$$

उदाहरण २) एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ६० वर्ग इंच है और इसकी ऊँचाई १५ फुट है। इसका आधार पत्तीन करो।

$$\begin{aligned}\text{क्षेत्रफल} &= \frac{1}{2} \text{ आधार} \times \text{ऊँचाई} \\ \text{आधार} &= \frac{2 \times \text{क्षेत्रफल}}{\text{ऊँचाई}} = \frac{2 \times 60}{15} \\ &= 8 \text{ इंच} \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण ३) एक त्रिभुज का क्षेत्रफल ४८ वर्ग इंच है। यदि इसका आधार ८ इंच हो तो इसकी ऊँचाई क्या है?

$$\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times \text{आधार} \times \text{ऊँचाई}$$

$$48 = \frac{1}{2} \times 8 \times \text{ऊँचाई}$$

विशेष आधारा—

यदि आधार और ऊँचाई बराबर हो, तो त्रिभुज का क्षेत्रफल

$$= \frac{1}{2} \times (\text{आधार})^2$$

या

$$= \frac{1}{2} (\text{ऊँचाई})^2$$

उदाहरण ५) एक समकोण त्रिभुज के भुज 12 फुट और 20 फुट हैं। इसका क्षेत्रफल पत्तीन करो :

$$\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times 12 \times 20 \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 120 \text{ वर्ग फुट} \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण ७) एक समकोण त्रिभुज का क्षेत्रफल 3 वर्ग फुट ५ वर्ग इंच है और इस त्रिभुज के काय समकोण है। इससे दो एक भुज की लम्बाई 1। इससे दूसरा भुज पत्तीन करो

$$\text{क्षेत्रफल} = 3 \frac{5}{16} \text{ वर्ग इंच}$$

$$\text{दूसरा भुज} = \frac{2 \times 3 \frac{5}{16}}{16} = 8 \frac{1}{4} \text{ इंच} \quad \text{उत्तर}$$

प्रश्नावली ५७

नीचे कहे हुए प्रश्नों के आधार पर दो-दो उत्तरों की गति है।
क्षेत्रफल पत्तीन करो —

१) 12 फुट, 20 फुट

२) 11 फुट, 20 फुट

३) 1 इंच, 1 इंच

४) 10 इंच, 10 इंच

५) 12 इंच, 12 इंच

६) 1 इंच, 1 इंच

७) 12 फुट, 12 फुट

८) 1 इंच, 1 इंच

९) 12 इंच, 12 इंच

१०) 12 इंच, 12 इंच

११) 12 इंच, 12 इंच

समानान्तर चतुर्भुज तथा त्रिभुज का क्षेत्रफल २

(११) ऊँचाई ६ फुट ३ इंच, क्षेत्रफल १२० वर्गफुट

समकोण त्रिभुजों का क्षेत्रफल प्रतीत करो। जिन भुजों के बीच में समकोण है उनको लम्बाइयां नचें दी गई हैं।

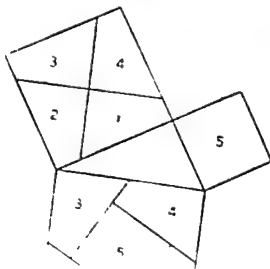
(१२) २ फुट ३ इंच, १ फुट ४ इंच

(१३) ३ फुट २ इंच, २ फुट ३ इंच

(१४) ५५ गज, ३५ गज (१५) ८५ सम, ६२५ सम

पाइथोगोरस का नियम

किसी मोटे बागज पर एक समकोण त्रिभुज बनाओ और उस के तीनों भुजों पर वर्ग बनाओ।



छोटे वर्गों के क्षेत्रफल का योग बड़े वर्ग के क्षेत्रफल के बराबर होता है। इस पर
 ध्यान देकर एक दूसरे के कर्ण के बराबर वर्गों का केंद्र होता है
 और बिन्दु से एक रेखा त्रिभुज के कर्ण के समानान्तर खींची एक छोटी

जेन्ना ऐमी लेंचो जो उम पर काय हो । वह वर्ग इस प्रकार चार भागों में बँट जायेगा । यदि इन चारों भागों को कर्ग पर के वर्ग के बीजों पर और छोटे वर्ग को बीज में रखें तो मात्रा स्थान भर जायेगा ।

अतः ऊपर लिखी क्रिया द्वारा वह निरूपण हुआ :—

समकोण त्रिभुज के भुजों के वर्गों का योग उमके कर्ग के वर्ग के समान होता है ।

यदि समकोण त्रिभुज के भुज दिये हुए हों तो हम पाक्षीगोम के नियम द्वारा कर्ग की अवकृष्ट प्रतीक कर सकते हैं ।

$$\text{कर्ग}^2 = (\text{पाया}^2) + (\text{उचाई}^2)$$

$$\therefore \text{कर्ग} = \sqrt{\text{पाया}^2 + (\text{उचाई}^2)}$$

यदि कर्ग और एक भुज दिया हुआ हो तो दूसरा भुज निम्नलिखित नियम से प्रतीक किया जा सकता है —

$$\text{कर्ग}^2 = \text{पाया}^2 + \text{उचाई}^2$$

$$\text{पाया}^2 = \text{कर्ग}^2 - (\text{उचाई}^2)$$

$$\text{और उचाई}^2 = \text{कर्ग}^2 - \text{पाया}^2$$

$$\text{अतः पाया} = \sqrt{\text{कर्ग}^2 - \text{उचाई}^2}$$

या

$$= \sqrt{\text{कर्ग}^2 - \text{उचाई}^2} \quad (\text{कर्ग} - \text{उचाई})$$

$$\text{और उचाई} = \sqrt{\text{कर्ग}^2 - \text{पाया}^2}$$

या

$$= \sqrt{\text{कर्ग}^2 - \text{पाया}^2} \quad (\text{कर्ग} - \text{पाया})$$

उदाहरण :— एक समकोण त्रिभुज के भुज = ३ व ४ हैं और कर्ग = ५ है तो पाया और उचाई क्या होंगे ?

$$\text{अतः— एक भुज} = ३ \quad \therefore ३^2 = ९$$

$$\text{दूसरा भुज} = ४ \quad \therefore ४^2 = १६$$

(क) ऊपर दिये हुए उदाहरण (१) से स्पष्ट है कि यदि त्रिभुज के कोण 45° , 45° और 90° हों, तो उनके सामने के भुजाओं का अनुपात $1 : 1 : \sqrt{2}$ होता है।



अ. ऊपर दिये हुए उदाहरण (२) से स्पष्ट है कि यदि किसी त्रिभुज के कोण 30° , 60° , 90° हों, तो उनके सामने के भुजाओं का अनुपात $1 : \sqrt{3} : 2$ होता है।



समानांतर भुजा उदाहरणों से हम को परिणामों का प्रयोजन कर सकते हैं।

उदाहरण : २ एक त्रिभुज के भुजा $1''$ और $3''$ हैं और उनके बीच का कोण 90° का है। वह त्रिभुज कौनसा है ?

हल—मान लो कि त्रिभुज ABC में $BC = 5''$ $AB = 3''$

हो $\angle APC = 90^\circ$

A व BC पर AD

हम पाएंगे



स्पष्ट है कि $BC(5)$ $AB(3)$

त्रिभुज ABC में $BC = 5$ $AB = 3$ $\angle B = 90^\circ$

तो $AC(4)$ $AD(2)$ $BD(1)$

- (२) 12 सम, 9 सम;
 (३) 108 सम, 45 सम;
 (४) 1 कुट 8 इंच, 1 कुट 9 इंच;
 (५) 4 गज 2 कुट 7 इंच, 1 गज 2 कुट;

निम्नलिखित समकोण त्रिभुजों के कर्ण और एक भुज दिये हुए हैं। दूसरा भुज प्रतीत करो।

- (१) कर्ण = 41 सम; भुज = 9 सम।
 (७) कर्ण = 2 कुट 10 इंच; भुज = 1 कुट 8 इंच।
 (८) कर्ण = एक गज 2 कुट 5 इंच; भुज = एक गज एक कुट 8 इंच

- (१) एक समकोण त्रिभुज के भुजों की निम्नलि 7 : 24 है यदि कर्ण 625 कुट हो, तो दोनों भुज प्रतीत करो।
 (१०) एक समकोण त्रिभुज का सम्म कर्ण का $\frac{1}{3}$ है यदि आधार 12 कुट हो, तो सम्म और कर्ण बताओ।
 (११) यदि किसी समकोण त्रिभुज के आधार और सम्म की निम्नलि 3 : 4 हो और कर्ण 65 कुट हो, तो आधार और सम्म बताओ।
 (१२) एक आयत के भुज 3 कुट और 2 कुट 3 इंच हैं। कर्ण प्रतीत करो।
 (१३) किसी आयत के भुजों का निम्नलि 5 : 12 है। यदि कर्ण और बड़े भुज का सम्म ५ कुट हो, तो छोटा भुज प्रतीत करो।
 १४ एक वर्ग का भुज 15 गज है, कर्ण प्रतीत करो।
 १५ एक वर्ग का क्षेत्रफल 576 वर्ग इंच है, कर्ण प्रतीत करो।
 १६ एक वर्ग का कर्ण 511 कुट है, उसका क्षेत्रफल वर्ग गजों में बताओ।

- (२३) एक 25 फुट लम्बी सीढ़ी दीवार के साथ लड़ी है। उसके नीचे के सिरे को कितना सरकायें कि ऊपर का सिरा दीवार से 5 फुट नीचे आ जाय ?
- (२४) एक 50 फुट लम्बी सीढ़ी गली के एक स्थान से गली की सीधी लड़ी दीवार की 40 फुट की ऊँचाई तक पहुँचती है। यदि सीढ़ी को पछट कर सामने की दीवार के सहारे लगाया जाये तो सीढ़ी 48 फुट की ऊँचाई तक पहुँचती है। गली की चौड़ाई बताओ।
- (२५) एक मनुष्य एक नदी के एक तट पर खड़ा होकर देखता है कि 25 फुट लम्बी सीढ़ी दूसरे तट पर लड़े हुए एक सीधे वृक्ष की टहनियों पर टिक सकती है। यदि वह टहनियों भूमि से 20 फुट की ऊँचाई पर हो, तो नदी की चौड़ाई बताओ।
- (२६) मुझे एक वर्गाकार क्षेत्र के कर्ण के साथ-साथ तीन शीर्ष प्रति घण्टा की गति से चलने में 6 मिनट लगने हैं। क्षेत्र की परिमिति (Perimeter) ज्ञात करो।
- (२७) A, B और C तीन ग्राम हैं। A, B से ठीक उधर में 150 मील की दूरी पर है; और A, C के ठीक परिपन्थ 80 मील की दूरी पर है। बताओ, B और C के बीच कितना अन्तर है ?
- (२८) निम्नलिखित समकोण त्रिभुजों के कर्ण दिये हुये हैं, कुछ प्रदीप्त करो।
 $\sqrt{5}$ इंच, $\sqrt{41}$ सें, $\sqrt{61}$ सें, $\sqrt{10}$ इंच।
- (२९) किसी सम-त्रिभुज की परिमिति एकवर्ग की परिमिति के बराबर है, उनके क्षेत्रफलों की निष्पत्ति प्रतीत करो।

$\frac{1}{x} = x^{-1}$

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

$$P_{\text{max}} = \frac{1}{4} \times \frac{1}{4} = \frac{1}{16}$$

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

$$= \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$$

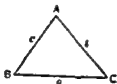
$$= 4:3:5$$

१) एक विद्वान् कं ह्यहं ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
२) काँही, वेङ्गल्ल मदीय करो ।

[illegible]

इस विचार के दो रूप प्रकट हैं । जहाँ में प्रत्येक
एक को लक्ष्य है वह ही और प्रत्येक एक को लक्ष्य के
साथ ही का कार्य प्रकट है । विचार का प्रयोजन प्रत्येक
को।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



त्रिभुज ABC में $\angle A$ के सामने के भुज की लम्बाई a , $\angle B$ के सामने के भुज की लम्बाई b , और $\angle C$ के सामने के भुज की लम्बाई c मान लो और त्रिभुज की चर्चे परिमिती को s मान लो, तो त्रिभुज का क्षेत्रफल $= \sqrt{s(s-a)(s-b)(s-c)}$

उदाहरण - (१) एक त्रिभुज के भुज 13, 14, 15 फुट हैं, क्षेत्रफल ज्ञात करो :

$$\text{चर्चे परिमिति} = \frac{13 + 14 + 15}{2}$$

$$= 21 \text{ फुट}$$

$$\text{क्षेत्रफल} = \sqrt{21 \times (21-13) \times (21-14) \times (21-15)}$$

वर्गफुट

$$= \sqrt{21 \times 8 \times 7 \times 6} \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 84 \text{ वर्गफुट} \quad \text{उत्तर}$$

प्रश्नावली ५३

त्रिभुज का क्षेत्रफल प्रतीत करो, जब कि

(१) जब कि प्रत्येक भुज = 1४ फुट हो।

(२) भुज 4, 5, 6 मज, 10 मज, 20 मज हो।

(३) भुज 50 फुट, 3 फुट, 20 फुट हो।

(४) भुज 11 मज, 12 मज, 13 मज हो।

समानान्तर चतुर्भुज तथा त्रिभुज का क्षेत्रफल

- (१) एक त्रिभुज के दो भुज 80 और 154 फुट भुजों का योगफल 324 फुट है। क्षेत्रफल ज्ञात करो।
- (२) एक त्रिभुज के भुज 13, 14, 15 फुट हैं। 14 लम्बे भुज पर सन्निकट के होने से लम्ब के प्रतीत करो।
- (३) एक त्रिभुज के भुज 24 फुट, 3 फुट और 3 फुट क्षेत्रफल ज्ञात होंगे में प्रतीत करो।
- (4) एक पंच ABCDE का क्षेत्रफल ज्ञात करो।
 $AB = 25$ फुट, $AE = 20$ फुट, $ED = 30$
 $CD = 40$ फुट, $DC = 27$ फुट, $DE = 36$
 $CE = 45$ फुट।

उदाहरण (२) एक सामानान्तर चतुर्भुज क्षेत्र का क्षेत्रफल ४६ एकक है और उसका आधार ८० गज २ फुट है, ऊँचाई ज्ञात करो।

$$\begin{aligned}\text{क्रिया—ऊँचाई} &= \frac{\text{क्षेत्रफल}}{\text{आधार}} = \frac{4840}{80\frac{1}{2}} \\ &= \frac{4840 \times 2}{161} \\ &= 60 \text{ गज} \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (३) एक समझक के समानान्तर भुज ७ सम और ९ सम हैं और ऊँचाई ६ सम है। क्षेत्रफल बताओ।

क्रिया—क्षेत्रफल $= \frac{1}{2} (7 + 9) \times 6$ वर्गसम

$$\begin{aligned}&= \frac{1}{2} \times 16 \times 6 \\ &= 48 \text{ वर्ग सम} \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

उदाहरण (४) एक समलम्ब का क्षेत्रफल २६१६ वर्गगज है और उसके समानान्तर भुज ५४ गज और ७२ गज है, ऊँचाई ज्ञात करो।

क्रिया—

$$\left. \begin{array}{l} \text{समानान्तर भुजों} \\ \text{का अर्ध योगफल} \end{array} \right\} = \frac{1}{2}(54 + 72) \text{ गज}$$

$$= 63 \text{ गज}$$

$$\begin{aligned}\text{ऊँचाई} &= \frac{2616}{63} \text{ गज} \\ &= 42 \text{ गज} \quad \text{उत्तर}\end{aligned}$$

समानान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल ज्ञात करने की तीन, जबकि

एक दिने हुए हों और बीच के कोण 30° , 45° , 60° , 150° ,

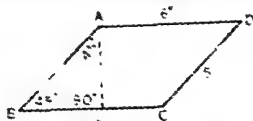
निष्पत्ति और अनुपात

135°, 120° के हों।

उदाहरण (५) एक समानान्तर चतुर्भुज के संलग्न भुज 6 एवं 8 और बीच का कोण = 45°; क्षेत्रफल प्रतीत करो।

क्रिया—

मान लो कि ABCD एक समानान्तर चतुर्भुज है जिसमें
AB = 5" BC = 6", और कोण ABC = 45°



A से BC पर AL लम्ब गिराया

स्पष्ट है कि $\angle BAL = 45^\circ$

अतः त्रिभुज ABL के कोण 45°, 45°, 90° हैं।

इसलिए भुजों का निष्पत्ति : 1 : 1 : $\sqrt{2}$ है

$\therefore AB = 5$

$$\therefore AL = BL = \frac{5}{\sqrt{2}}$$

ABCD का क्षेत्रफल = BC \times AL

$$= 6 \times \frac{5}{\sqrt{2}}$$

$$= 15\sqrt{2}$$

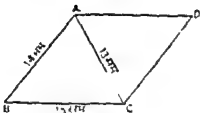
$$= 1.213 \text{ वर्ग इंच}$$

उत्तर

उदाहरण (५) एक समानान्तर चतुर्भुज के संलग्न भुज

और ८ भुज : और बीच का कोण = ४५° क्षेत्रफल प्रतीत करो।

करो



समानांतर चतुर्भुज ABCD में

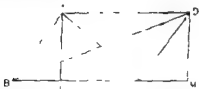
$AC = 13$ मम, $AB = 14$ मम, $BC = 15$ मम,

समानांतर चतुर्भुज ABCD = त्रिभुज ABC + त्रिभुज ACD
 $= 2$ त्रिभुज ABC

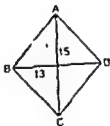
त्रिभुज ABC का क्षेत्रफल $= \sqrt{21 \times 8 \times 7 \times 6}$
 $= 7 \times 4 \times 3$
 $= 84$ वर्ग मम

अतः ABCD का क्षेत्रफल $= 84 \times 2 = 168$ वर्ग मम

उदाहरण (१०) एक समानांतर चतुर्भुज की दो संलग्न भुजाएँ 12 फुट और 8 फुट लम्बी हैं और एक कर्ण 10 फुट लम्बा है। इसी कर्ण की लम्बाई बताओ।



समानांतर चतुर्भुज ABCD में $AB = 8$ फुट, $BC = 12$ फुट और $AC = 10$ फुट। BD का लम्बाई बताओ।



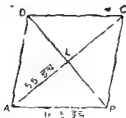
मान लो कि सम चतुर्भुज ABCD में $AC = 15$ फुट और $BD = 13$ फुट

$$\text{क्षेत्रफल} = \frac{1}{2} \times 13 \times 15 \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 97\frac{1}{2} = 97\frac{1}{2} \text{ वर्ग फुट}$$

97 वर्ग फुट 72 वर्ग इंच उत्तर

उदाहरण (१०) एक सम चतुर्भुज की एक भुजा 36 इंच लम्बी है और उसका एक कर्ण 55 इंच लम्बा है। दूसरे कर्ण की लम्बाई बताओ।



सम चतुर्भुज ABCD में $AB = 36\frac{1}{2}$ इंच और $AC = 55$ इंच। दोनों कर्ण एक दूसरे को L बिन्दु पर काटते हैं।

[सकेत.—यह कर्वा समचतुर्भुज को दो समविभुजों में बाँटता है]

(१) एक समानान्तर चतुर्भुज क्षेत्र का क्षेत्रफल $2\frac{1}{2}$ पक्ष है और उसकी ऊँचाईयाँ 55 गज तथा 82 $\frac{1}{2}$ गज हैं। दो संलग्न भुजाओं की लम्बाइयाँ बताओ।

समानान्तर चतुर्भुज को सलग्न भुजाएँ और बीच का कोण दिए हुए हैं, क्षेत्रफल प्रतीत करो।

(१०) 24 फुट, 10 फुट, बीच का कोण = 30°

(११) 30 गज, 30 गज, बीच का कोण = 45°

(१२) 36 गज, 24 गज, बीच का कोण = 60°

(१३) 14 फुट, 11 फुट, बीच का कोण = 150°

(१४) 10 फुट, 14 फुट, बीच का कोण = 135°

(१५) 16 गज, 14 गज, बीच का कोण = 120°

(१६) एक समलम्ब के समानान्तर भुज 15 गज और 19 गज हैं और उसका लम्बायिक अन्तर 12 गज है। क्षेत्रफल प्रतीत करो।

(१७) एक समलम्ब के समानान्तर भुजों का योगफल 8 गज है, और ऊँचाई 4 गज एक फुट है, क्षेत्रफल प्रतीत करो।

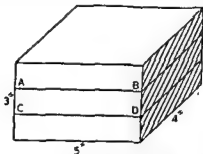
(१८) एक समलम्ब का क्षेत्रफल 323 वर्ग गज है और समानान्तर भुजाओं के बीच का अन्तर 17 गज, तथा समानान्तर भुजाओं में से एक 23 गज है दूसरी समानान्तर भुजा बताओ।

(१९) एक समलम्ब का क्षेत्रफल एक एकड़ है उसका समानान्तर भुजाएँ 50 गज और 100 गज हैं ऊँचाई प्रतीत करो।

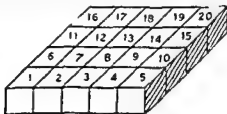
- ३०) एक सम चतुर्भुज के बर्यं ५० गज और ६० गज है। भुजों का योगफल २७५ गज है। उसका क्षेत्रफल, परिमिति और ऊँचाई बताओ।
- ३१) एक सम चतुर्भुज की भुजा ३६ फुट है और उस का एक बर्यं १६ फुट है। दूसरा बर्यं और क्षेत्रफल प्रतीत करो।
- ३२) एक सम चतुर्भुज की भुजा २० गज है और एक बर्यं ३५.६५ गज है। उसका क्षेत्रफल और छोटा बर्यं प्रतीत करो।
-

सातुन का बना हुआ एक घनाभास लो, जिसकी लम्बाई = 5", चौड़ाई = 4", और ऊँचाई = 3" हो।

इस घनाभास को AB और CD पर काट दो, और तीन छोटे घनाभास बना लो, जिनमें से प्रत्येक की मोटाई एक इंच हो।



इसके परमाणु इन तीन घनाभास में से किसी एक को बनाने में बाँट लो, जैसा कि नीचे के चित्र में दिखाया गया है। एक



कि छोटे घनाभास में बनाने की गिनती = $5 \times 4 = 20$
 और हमें हमें तीन घनाभास हैं, इस लिये सब बनाने की
 गिनती = $5 \times 4 \times 3 = 60$

क्रिया:—

$$\text{तब} = 2 \times (\text{लम्बाई} \times \text{मोटाई} + \text{चौड़ाई} \times \text{मोटाई} + \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई})$$

$$= 2 \times \left(9 \times \frac{3}{4 \times 12} + \frac{15}{2} \times \frac{3}{12 \times 4} + 9 \times \frac{15}{2} \right) \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 2 \times \left(\frac{9}{16} + \frac{15}{32} + \frac{135}{2} \right) \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 2 \times \frac{2193}{16} = \frac{2193}{8} \text{ वर्ग फुट}$$

$$= 137 \text{ वर्ग फुट } 9 \text{ वर्ग इंच}$$

$$\text{आयतन} = \text{लम्बाई} \times \text{चौड़ाई} \times \text{मोटाई}$$

$$= 9 \times \frac{15}{2} \times \frac{3}{4 \times 12} = \frac{135}{32} \text{ घन फुट}$$

$$= 4 \text{ घन फुट } 378 \text{ घन इंच} \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (१) एक घन का किनारा 7" है उसका तब आयतन बताओ ।

$$\text{क्रिया:—तब} = 6 \times (7)^2 = 294 \text{ वर्ग इंच}$$

$$\text{आयतन} = 7 \times 7 \times 7 = 343 \text{ घन इंच} \quad \text{उत्तर}$$

उदाहरण (२) एक लम्बा 25 फुट लम्बा, 15 फुट 6 इंच चौड़ा 2" फुट गहरा है । हमसे 12 फुट की गहराई तक पानी है बताओ इस लम्बाय में कितने टन पानी है, जबकि एक घनफुट पानी का बोझ 62½ पाउंड हो ।

$$\text{क्रिया—पानी का आयतन} = 25 \times 15 \times 12 \text{ घन फुट}$$

$$\text{पानी का बोझ} = 25 \times 15 \times 12 \times 62\frac{1}{2} \text{ पाउंड}$$

है। यदि कमरे की चौड़ाई 34 फुट हो, तो बनावो, उसकी लम्बाई और ऊँचाई क्या होगी ?

(11) एक खेल का मैदान 90 फुट लम्बा और 45 फुट चौड़ा है। उस पर मिट्टी काज कर उसे 2 इंच ऊँचा करना है। बनावो, कितने घन फुट मिट्टी की आवश्यकता है ?

(12) एक टंकी में 625 गैलन पानी भरा गया। यदि टंकी की लम्बाई 12 फुट 6 इंच हो और चौड़ाई 9 फुट, तो बनावो टंकीमें कितने इंच पानी खद जायगा, जब कि एक घन फुट पानी = 6 $\frac{1}{4}$ गैलन ?

(13) एक टंकी 12 फुट 6 इंच लम्बी, 11 फुट 3 इंच चौड़ी और 8 फुट गहरी है। उसमें जितना पानी समा सकता है उन्ना ही एक वर्गाकार टंकी में समा सकता है। यदि दूसरी टंकी का किनारा 15 फुट हो, तो उसकी गहराई मथोत करो।

(14) यदि एक घन गज सुदाई पर 4 घाने 6 पाई लागत लागी हो, तो बनावो 1200 'फुट लम्बी, 15 फुट चौड़ी और 10 फुट गहरी सार्ई सोदने की लागत क्या होगी ?

(15) एक कमरा 22 फुट लम्बा, 15 फुट चौड़ा और 14 फुट ऊँचा है। उसमें एक द्वार 5' \times 3 $\frac{1}{2}$ ' और दो खिड़कियाँ 2' \times 5' हैं। यदि एक ईंट की लम्बाई 9 इंच, चौड़ाई 4 $\frac{1}{2}$ इंच मोटाई 3 इंच हो और दीवार की मोटाई 1 $\frac{1}{2}$ फुट हो, तो दीवारों में कितनी ईंटें लगेंगी ?

(16) एक घन का आयतन 3 घन फुट 648 घन इंच है। उसके एक किनारे की लम्बाई बनावो

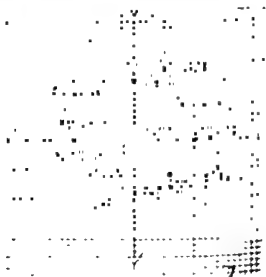
[संकेत—गुणनचिह्न \times द्वारा]

(17) तीन घन के घनों को जिनके किनारे 6 इंच, 8 इंच और 10 इंच हैं, मिलाकर एक घन बनाया गया। यदि ऐसा

दृष्टान्त—

1. नीचे दिये दूरे बिन्दु में निम्नलिखित बिन्दु संकेत किये हुए हैं :—

$O (0,0)$, $A (10,0)$, $B (8,6)$, $C (5,12)$,
 $D (0,10)$, $L (-6,8)$, $M (-12,3)$, $N (-10,0)$,
 $P (-8,-6)$, $Q (-5,-11)$, $R (0,-9)$, $S (6,-8)$,
 और $T (14,-5)$.



अतः दूरे OA व OB में

$$b_1 = b_2 = 0 \text{ है}$$

$a_1 = 10$ अतः दूरे

सम्ब ऊपर की सीधी ओ लेला चित्र को P पर मिचे । P से OY पर एक सम्ब PR खींचो ।

P के निषामक (25, 6½) है । अतः 25 वस्तुओं का मूल्य 6½ रुपये है ।

इस रेखाचित्र द्वारा हम यह भी बता सकते हैं कि किसी बताये हुए मूल्य की कितनी वस्तुयें मिल सकती हैं ।

उदाहरण (२) किसी स्थान पर सितम्बर 1949 के पहले दस दिनों में वायु दाब मापक द्वारा निम्नलिखित माप पड़े गये । इन्हें रेखाचित्र द्वारा प्रकट करो ।

दिन	1	2	3	4	5	6	,
वायु दाब इंचों में	29.66	29.59	29.60	29.67	29.69	29.72	
दिन	7	8	9	10			
वायु दाब इंचों में	29.74	29.76	29.72	29.69			

एक दिन को सूचित करने के लिये २ चैतित्र भाग को और '01' को सूचित करने के लिये एक अर्धघंटा लगाना ।

इन बिन्दुओं को चर्चित करो और इन्हें क्रमशः सरल रेखाओं द्वारा मिलाओ ।

न्यूनतम दबाव 29.59 है, इसलिए यदि हम कोठियों की 29.56 से मापना आरम्भ करें, तो रेखाचित्र बनाने में सुगमता होगी ।

प्रश्नावली ६२

- (1) किसी महीने के पहले 10 दिनों में वायु दाब मापक चौकड़े (इंचों में) पड़े गये। किन्तु प्रकृत करो। सरल रेखा खींचकर जेम्स विंग द्वारा इन परिवर्तनों को पढ़ो।

दिन	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
दाब	29.7	29.8	29.9	30.0	30.1	30.2	30.3	30.4	30.5	30.6

- (2) एक प्रान्त की जन-संख्या के चौकड़े निम्नलिखित वर्षों दिये गये हैं। यह चौकड़े सारों में हैं।

	1851	1861	1871	1881	1891	1901
जन-संख्या	20	24	29	34.2	41	49.4

वर्षों 1876 और 1897 में इस प्रान्त की जन-संख्या को पढ़ो।

एक सैतिज भाग को एक वर्ष मानो।

दो ऊर्ध्वाधर भागों को एक लाख जन-संख्या मानो।

- (3) वायु दाबमापक की ऊँचाइयों के परिवर्तनों इंचों में खींचकर दिखाओ।

सूचक तालिका

1) किसी महीने के प
 चाँदने (इंशों में)
 साक्ष रेखा से चन्द्र
 को ।

40	45	50
23 4	22 1	18 8

1	2	3
28.7	28.6	28.8

तब और जोड़ित करने की

आयु 47.5 वर्ष हो
 होने पर रोष जोड़न की
 जा सकती है ।

बकीरी नीचे

एक मानक की
 दिये गये हैं । यह

1851	18
संख्या	20

बताओ 1876
 को ?

एक चैतित्र भाग
 को ऊर्ध्वाधर
 आयु

द्वारा दिखाओ

वर्ष	1910	1911	1912	1913	1914	1915	1916	1917	1918	1919
माने मापा जाने वाला	96	105	109	111	131	144	144	162	179	152
माने मापा जाने वाला	117	122	136	139	168	174	177	181	183	159

इन आँकड़ों का एक लेखा चित्र बनाओ।

(१) ताप मापक यंत्र द्वारा हर दो घण्टे बाद, तापमान लेकर लिखे गये। यह कार्य 10 बजे प्रातःकाळ आरम्भ किया गया और तापमान इस प्रकार थे :—

62.5° , 64° , 69.6° , 69° , 66.5° , 65.7°

एक लेखाचित्र बनाकर तापमान को कर्ना अथवा बंदोवरो को चिह्नित करो।

(१०) नाचे क्रमांश देशों की जन-संख्या के आँकड़े लाख में दिये गये हैं।

यह जन-संख्या उस वर्ष के आरम्भ में थी।

वर्ष 1880 1831 1871 1841 1871 1871 1871

जन संख्या

इन आँकड़ों के प्रयोग से जन-संख्या का एक चित्र बनाओ।

यह जन-संख्या उस वर्ष के आरम्भ में थी।

(११) एक वास्तविक रूप से जन-संख्या का एक चित्र बनाओ।

यह जन-संख्या उस वर्ष के आरम्भ में थी।

लेखाचित्र में इन स्थानों को चिह्नित करने दिया है।

आयु	20	25	30	35	40	45	50
आरा	40.7	35.8	32.3	28.8	25.4	22.1	18.8

बनाओ उस मनुष्य के कितने वर्षों तक और जीवित रहने की आरा की जा सकती है ।

(क) जिसकी आयु 32 वर्ष हो (ख) जिसकी आयु 47.5 वर्ष हो यह भी बनाओ कि किस आयु को प्राप्त होने पर शेष जीवन की आरा (ग) 38 वर्ष घ) 27.7 वर्ष की जा सकती है ?

(७) 1900 से 1950 तक एक बरस के दैनिक वेतन की बढ़ोतरी नीचे दिखायी जाती है ।

वर्ष	1900	1910	1920	1930	1940	1950
वेतन	1 रु०	1½ रु०	1½ रु०	2 रु०	3 रु०	5 रु०

नम्ब्रा चित्र द्वारा 1935 और 1950 से उसका लगभग दैनिक वेतन प्रदान करो ।

(८) मनु 1910 से लेकर 1919 तक भारतवर्ष से बाहर जाने तथा वापस आने वाले माल का मुख्य । करोड़ रुपयों में नीचे दिये गये आँकड़ा में दर्ज है ।

1910	1911	1912	1913	1914	1915	1916	1917	1918	1919
96	105	109	111	131	144	144	162	179	182
117	122	136	139	168	174	177	181	183	189

इन चॉटियों का एक सेवा विषय बताया ।

(१) ताप मापक यंत्र द्वारा हर दो घंटे बाद, तापमान ऊपर दिये गये । यह कार्य 10 बजे प्रायः १५ घाटन किया गया जो तापमान इस प्रकार थे :—

62.5, 64, 69.6, 69.0, 66.5, 65.7°

एक सेवाविषय बनाकर तापमान का कम अथवा बढीया का दृष्टिगत करो ।

(१०) नीचे दिये देश की जन-संख्या के चॉटों लाख में दिये गए हैं, एक जन-संख्या उस वर्ष के घाटन में दी ।

वर्ष 1830 1835 1840 1845 1850 1855 1860

जन संख्या	20	22	24.5	28	31	36	41
-----------	----	----	------	----	----	----	----

इन चॉटियों का सेवाविषय बताया और बताया कि 1847 और

१८५० के घाटन में जन संख्या क्या क्या था ?

(१) एक चॉट के क रसाई न घटन कहा कि १८५० में जन संख्या १८

१८५० में जन संख्या १८

१८५० में जन संख्या १८

(१२) वायु दाबमापक यंत्र में वायु की दाब जनवरी सन् १९४४ के पहले दस दिनों में इस प्रकार रही। यह दाब इंचों में हो गई है।

२९·२१, २९·१२, २९·००, २९·२५, २९·३७, २९·२६, २९·४६-
२८·८३, २८·६६, २८·७६।

इन आँकड़ों द्वारा एक लेखाचित्र बनाओ।

(१३) सन् १८९५ से १९०४ तक एक कम्पनी के हिस्सों का अधिकतम तथा न्यूनतम मुख्य प्रतिवर्ष इस प्रकार रहा :-

वर्ष	९५	९६	९७	९८	९९	००	०१	०२	०३	०४
अधिकतम	१०८½	११३½	११३½	११३½	१११½	१०३½	९७½	९७½	९३½	९१½
न्यूनतम	१०३½	१०३½	११०½	१०६½	९७½	९६½	९१	९२½	८६½	८५

इन आँकड़ों द्वारा एक लेखाचित्र बनाओ और दोनों प्रकार के मुख्यों को एक ही चित्र में अंकित करो।

(१४) किसी देश के आयात और निर्यात के आँकड़े (लाखों में) नीचे दिये गये हैं। इन्हें लेखाचित्र बनाकर दिसाओ।

वर्ष	१९४२	१९४३	१९४४	१९४५	१९४६	१९४७	१९४८	१९४९
आयात	५० १	५३ ३	५१ ३	५३ ०	५३ ६	५१·२	५०·६	४९·९
निर्यात	२० ६	१९ ५	२० ५	२२ २	२३ ४	२३ ७	२२·२	२३ १

एक लेखाचित्र द्वारा इन दोनों प्रकार के तापमानों के घाँके चंक्रित करो और बताओ कि 12.5° सेन्टीग्रेड और 31° सेन्टीग्रेड तापमान को फारनहाइट तापमान में कितना पता जायेगा ?

- (१८) यदि x ईंधन सम्प्री क्षमकदार (इन्डास्ट्रिक) बोरी को लेंवने के लिए y घौम बोम की आवस्यकता हो, तो नीचे लिखे x और y के मूल्यों को लेखा चित्र पर चंक्रित करो :—

x	2.5	3.75	6.25	7.5	10	11.25
y	8.5	8.5	9.1	9.3	9.7	9.9

लेखा चित्र द्वारा यह बताओ कि बोरी की अवस्यकी क्षमता कितनी है और यदि उसे खोंज कर एक कुट क्षमता करना हो, तो कितने घौम बोम उसमें छटकाना पड़ेगा ?

- (१९) नीचे की सारिखी में एक बीमा सम्पनी का 100 वीर का प्रीमियम मिन्न मिन्न आयु के अनुसार दिया गया है ।

आयु	20	22	25	30	35	40	45	50	55
प्रीमियम	18	19	20	23	27	31	36	44	55

इन घाँकियों द्वारा जम्मा चित्र बना कर बताओ कि '34 वर्ष और 43 वर्ष के आयु x बीमा कराने वालों को कितना कितना प्रीमियम देना होगा ?

जाँच पत्र

तीसरा खण्ड

पत्र १

- (१) सिद्ध करो कि किसी चावल के चंयकल में उसकी सम्बाई तथा चौकाई की इकाइयों के बराबर वर्ग इकाइयाँ होती हैं।
- (२) सिद्ध करो कि चावल का प्रत्येक कण उसकी दो बराबर भाग कर देता है।
- (३) एक चावलवाकार भूमि की सम्बाई 57 फुट 3 इंच और चौकाई 36 फुट 7 इंच है। उसके बीचों बीच चौपट की सकरें 5 फुट 4 इंच चौड़ी बनी हुई हैं। 1 एर 5 आने प्रति वर्ग गज की दर से उन सकरों पर पत्थर लगवाने में क्या व्यय होगा ?
- (४) एक कमरा 28 फुट लम्बा, 20 फुट चौड़ा और 10 फुट ऊँचा है। उसमें 5 फुट लम्बी और 3 फुट ऊँची दो खिड़कियाँ हैं। एक दरवाजा 7 फुट ऊँचा और 4 फुट चौड़ा है और एक घंगोड़ी 5 फुट ऊँची और 4 फुट चौड़ी है। तो उसकी दीवारों पर 4 इंच चौड़ा कागज मढ़वाने में 10 पैसे प्रति गज की दर से क्या व्यय होगा ?
- (५) एक चावलवाकार कुण्ड जिसके भीतरी परिमाण कमरा: 37 फुट 4 इंच, 12 फुट और 3 फुट हैं, पानी से भरा हुआ है। तो बताओ उसमें कितने टन पानी है, यदि एक घन फुट पानी का भार 62½ पौंड हो।

पत्र २

- (1) सिद्ध करो कि यदि कोई आधार और कोई समानान्तर चतुर्भुज एक ही आधार पर और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित हों, तो वे क्षेत्रफल में समान होते हैं।
- (2) सिद्ध करो कि समानान्तर चतुर्भुज का कण उसका द्विषम विभाग कर देता है।
- (3) एक वर्गाकार बाग के चारों ओर 6 फुट चौड़ा रास्ता है जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ है। बाग के भीतरी भाग का क्षेत्रफल प्रतीत करो।
- (4) एक कमरा 21 फुट 4 इंच लम्बा और 15 फुट 9 इंच चौड़ा है। उसमें दरवाज़े और सिढ़कियों का क्षेत्रफल 65 वर्ग फुट है और छेप दीवारों पर 25 इंच चौड़ा बागझ मड़वाने में 3 शि० 9 पैस प्रति 12 गज़ की दर से 2 पौंड 8 शि० 8 पै० व्यय होता है तो उसकी ऊँचाई बताओ।
- (5) एक ईंट के परिमाण 9 इंच; $4\frac{1}{2}$ इंच और 3 इंच है। बताओ 75 फुट लम्बी, 6 फुट ऊँची और $1\frac{1}{2}$ फुट मोटी दीवार में कितनी ईंटें लगेंगी।

पत्र ३

- (1) सिद्ध करो कि यदि दो समानान्तर चतुर्भुज एक ही आधार पर और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित हों तो वे क्षेत्रफल में बराबर होते हैं।
- (2) सिद्ध करो कि समानान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल

$$= \text{आधार} \times \text{ऊँचाई}।$$

- (३) एक आयताकार क्षेत्र का क्षेत्रफल 15 एकड़ है और उसकी भुजाओं में 3 : 2 का अनुपात है। भुजाओं के परिमाण प्रतीत करो।
- (४) एक कमरा 22 फुट लम्बा और 16 फुट चौड़ा है। उसकी चारों दीवारों पर आधा गज़ चौड़ा कागज़ मढ़वाने में 1 आ० 6 पैसे प्रति गज़ की दर से 19 रु० व्यय होता है। कमरे की ऊँचाई प्रतीत करो।
- (५) एक 19 गज़ लम्बी भुजा वाला वर्गाकार क्षेत्र है। उसके चारों ओर 7 फुट ऊँची और 1 फुट 6 इंच मोटी दीवार बनाई गई है। बनाओ 4 पाने प्रति बन फुट की दर से उसके बनवाने में क्या व्यय होगा जबकि उसकी दर एक भुजा में 6 फुट चौड़ा एक दरवाज़ा हो।

पत्र ७

सिद्ध करो

- (1) आयत के क्षेत्रफल में उसकी लम्बाई तथा चौड़ाई की इकाइयों के गुणनफल के बराबर वर्ग इकाइयाँ होती हैं।
- (२) यदि दो आयत क्षेत्रफल में बराबर हों और लम्बाई में भी बराबर हों, तो वे चौड़ाई में भी बराबर होंगे।
- (३) एक त्रिभुज क्षेत्र का आधार 880 गज़ है और उसकी ऊँचाई 640 गज़ है। क्षेत्र का क्षेत्रफल प्रतीत करो। और 1 रु० 6 पाने प्रति एकड़ की दर से उसमें पानी देने का व्यय भी प्रतीत करो।
- (४) एक कमरा का लम्बाई उसकी चौड़ाई से तिगुना है और उसकी ऊँचाई 15 फुट है। उसकी दीवारों पर 1 आ० 3 पा० प्रति

पत्र ९

सिद्ध करो :—

- (१) एक ही आकार पर और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित, त्रिभुजों के क्षेत्रफल समान होते हैं।
- (२) त्रिभुज की प्रत्येक माध्यिका (Median) उसके दो भागों में बाँट कर देती है।
- (३) एक समचतुर्भुज के कर्ण ८ इंच और ५ इंच लम्बे हैं। उसका क्षेत्रफल निकालो।
- (४) एक आयताकार बाग ६३ गज लम्बा और ५४ गज चौड़ा है। उसके भीतर चारों ओर एक ३ गज चौड़ी सड़क बनाने में ९ घने प्रति वर्ग गज की दर से क्या व्यय होगा?
- (५) पानी के एक होठ के परावर्तन की भीतरी लम्बाई २५३ फुट और चौड़ाई १९१ फुट है। परावर्तन का कर्ण प्रतीत करो। यदि वह होठ १४ फुट गहरा हो तो बताओ इसमें कितने टन पानी आयेगा।

(एक घनफुट पानी का भार १००० बौंस होता है)

पत्र १०

सिद्ध करा:—

- (१) समानान्तर चतुर्भुज का क्षेत्रफल = आधार × ऊँचाई
- (२) किसी स. च. ABCD के कर्ण AC पर B तथा D से BP तथा DQ लम्ब गिराये जायें तो, BP = DQ
- (३) एक समानान्तर चतुर्भुज की दो आसन्न भुजाएँ ५ इंच से.मी. और ३ से.मी. की हैं और उनका बीच का कोण ३० डिग्री का है। स. च. का क्षेत्रफल ज्ञात करो।

रनों के योग में 5 रन की वृद्धि हो गई। बताओ बाइसों इनिंग्स खेलने के बाद उसकी रनों का योग कया था।

(३) 2000 रुपयों के ऐसे दो भाग करो कि यदि पहला भाग 31% वार्षिक दर से 6 वर्ष के लिये ब्याज पर लगवा जाय और दूसरा भाग 4½% वार्षिक दर से 3 वर्ष के लिये, तो पहले भाग का ब्याज दूसरे भाग के ब्याज से दुगना हो।

(४) सिद्ध करो कि यदि एक आयत और एक समानांतर चतुर्भुज एक ही आधार पर और एक ही समानांतर रेखाओं के बीच में स्थित हो तो वे क्षेत्रफल में बराबर होते हैं।

(५) समानांतर चतुर्भुज ABCD में A से BC पर, AL एक बाजो और $\triangle ABL$ को काट कर CD से मिला कर एक दो,



और बताना दो कि इस चित्र में दिया हुआ त्रिभुज DCM बाइस में $\triangle ABL$ ही है। अब सिद्ध करो कि समानांतर चतुर्भुज का क्षेत्रफल = आधार \times ऊँचाई।

(६) एक त्रिभुज के भुज 37 फुट, 30 फुट और 13 फुट लम्बे हैं। उसका क्षेत्रफल ज्ञान करो।

(७) गुणनफल ज्ञात करो

$$(i) 5x^2 - 3xy + 4y^2 - 7x^3$$

$$(ii) 12a^2 - 4ab - 3a^3 - 1$$

1) यदि किसी घन का मिश्रधन साधारण व्याज से 3 वर्ष में 414 रुपये 6 आने हो और 6 वर्ष में 410 रुपये 10 आने, तो वह घन और व्याज की दर बताओ।

2) सिद्ध करो कि यदि एक त्रिभुज और एक आयत एक ही आधार पर और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित हों, तो त्रिभुज का क्षेत्रफल आयत से आधा होता है।

3) $\triangle ABC$ में BC पर AD अन्व गिराया गया है। BD पर आयत $BDAL$ और DC पर आयत $DCMA$ बना कर सिद्ध करो कि $\triangle ABC = \frac{1}{2}$ आयत $LBCM$ ।



4) एक समानान्तर चतुर्भुज का आधार उसकी ऊँचाई से दुगुना है और उसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग फुट है। आधार की ऊँचाई ज्ञात करो।

5) (i) $x^4 + (x^3 + \frac{1}{2}x^2 + \frac{1}{2}x + \frac{1}{2})$ को $x^2 + \frac{3x}{2} + 1$ पर भाग दो।

(ii) $3x^2 - 7x + 3$, $4x + 5$, और $7x - 2$ का गुटनखण्ड निकालो।

6) हल करो—

$$(x) \frac{x}{6} (3 - \frac{8}{x}) - 1 (7 - \frac{3x}{4}) = 15 (1 - \frac{x}{64})$$

$$(y) 6y - x = 1 \quad 2(x + y) = 3(x - y)$$

$$(z) 4x^2 = \frac{1}{5}x + 3$$

7) दो दफ्ते वाली एक संख्या संख्या के बोलचाल से 4 गुने है। यदि हमसे 15 बरा है तो दफ्ते के स्थान पर कितने हैं। वह संख्या ज्ञात करो।

- (10) रमेश प्रातः काल 7 बजे एक स्थान की ओर चल दिया, और महेरा 9 बजे (अर्थात् 2 घण्टे परचाय उसी स्थान की ओर चल पड़ा। यदि रमेश की प्रति घण्टा चाल 6 मील हो और महेरा की चाल 10 मील, तो खेरापित्र बना कर ज्ञात करो कि महेरा, रमेश को कब पकड़ लेगा।

पत्र ५

- (1) एक घोड़ा 400 रुपये में बेचने में कुछ हानि होता है, और 500 रुपये में बेचने में उस हानि के $\frac{1}{2}$ के बराबर लाभ होता है। घोड़े का मूल्य बताओ।
- (2) A एक काम को उतने ही दिन में कर सकता है जितने दिन में B और C मिल कर कर सकते हैं। यदि A और B मिलकर उस काम को 10 दिन में कर सकें और C अकेला 50 दिन में, तो B अकेला ही उस काम को कितने दिन में कर लेगा।
- (3) A, B और C एक व्यापार में साझे हैं और उनकी पूंजियों में $\frac{1}{2} : \frac{1}{3} : \frac{1}{4}$ का अनुपात है। A अपनी आधी पूंजी $\frac{1}{2}$ मास परचाय निकाल लेता है और इसके 8 मास परचाय 1694 पौंड का लाभ होता है। बताओ A को क्या मिलेगा।
- (4) सिद्ध करो कि यदि दो समानान्तर चतुर्भुज एक ही आधार पर स्थित हों और उनकी ऊँचाइयाँ समान हों, तो वे क्षेत्रफल में बराबर होते हैं।
- * सिद्ध करो कि यदि दो सम. च. समान आधारों पर और एक ही समानान्तर रेखाओं के बीच में स्थित हों तो उनके क्षेत्रफल बराबर होते हैं।

मूल गणित

नशमें चादमी का चम्दा मिचाने से चम्दे का चौधत 5 सि० 3½ पै० बन गया। बताओ नशमें चादमी ने कितना चम्दा दिया।

3) यदि साधारण ब्याज में 450 रुपये का मिश्रधन 4 वर्ष में 540 रुपये हो जाए, तो 5 वर्ष में इसी दर से किसी रकम का मिश्रधन 637 रुपये हो जाने हो जाएगा।

4) सिद्ध करो कि यदि दो त्रिभुजों के आधार समान हों और उनकी ऊँचाइयाँ भी समान हों, तो वे क्षेत्रफल में समान होते हैं।

5) सिद्ध करो कि त्रिभुज की मध्यक माध्यिका (median) उसके दो बराबर भाग कर देती है।

6) एक कमरा 23 फुट 6 इंच लम्बा और 15 फुट 9 इंच चौड़ा है। उसमें ऐसी दूरी बिजुवानों है कि कमरे की दीवारों के पास चारों ओर 15 इंच चौड़ा उपान्त (margin) लुटा रहे। यदि एक बगै गज दूरी का दाम 16 सि० 8 पै० हो और उपान्त पर रंग करवाने का सचें 4 पैस प्रति बगै फुट हो तो कुल सचें ज्ञात करो।

7) गुणनसमय करो—

(a) $x^2y - 4xy^2$

(b) $x^2 + 2ax - bx - 2ab$

8) हल करो.--

(a) $\frac{y+5}{6} - \left(\frac{14-y}{2} - \frac{1}{4} \right) = \frac{2y-7}{12}$

(b) $x + y - 1 = 0$ $4x - 3y + 7 = 0$

(c) $3 + 4x = 4x^2$

9) ऐसी दो समीकरण ज्ञात करो कि उनका योगफल उनके



क) गुणनसमष्टि करो—

(a) $(a-2b)^2 - 16x^2$

(b) $x^2 - (2b-3c)^2$

(c) $(3x+7y)^2 - (2x-3y)^2$

ख) हल करो—

(a) $(x-\frac{1}{2})^2 - (x-\frac{3}{2})^2 = x+2$

(b) $\frac{5}{x} + 3y = 8, \frac{4}{x} - 10y = 56$

(c) $26x = 21 + 8x^2$

ग) एक मनुष्य ने 108 मील की यात्रा की। यदि वह 2 मील प्रति घंटा अधिक चलता, तो इस यात्रा में $4\frac{1}{2}$ घंटे कम लगते। बताओ वह प्रति घंटा कितने मील चलता।

घ) एक दर्जन संगतरे 6 घाने के मिलते हैं। इस माप को लेखा चित्र द्वारा प्रकट करो, और लेखा चित्र में दिखाओ :—

(a) 11 घाने 6 पाई के कितने संगतरे मिलेंगे ?

(b) $3\frac{1}{2}$ दर्जन संगतरे कितने के मिलेंगे ?

पृष्ठ ९

ङ) एक व्यापारी हर एक वस्तु पर उसके क्रय मूल्य से 25% अधिक मूल्य बिल देता है और अपने ग्राहकों को प्रसन्न करने के लिये बिलों से हुए मूल्य में से 10% घटा देता है। बताओ वह कितने प्रतिशत लाभ उठाता है।

च) A और B एक काम को 18 दिन में कर सकते हैं, B और C 12 दिन में, और C और A 24 दिन में। बताओ A अकेला ही उस काम को कितने दिन में कर सकता है।

माधारण व्याज की दर एक रुपया 9 घाने सैकड़ा प्रति मास है। 15(11) रुपये का 2 वर्ष 5 मास का व्याज महाजनी रीति द्वारा ज्ञात करो

अवस्था वर्षों में	20	25	30	35	40
प्रिमियम रुपये में	22	24.4	27.8	31	35.8

एक लेखा चित्र बनाकर यह मालूम करो कि 29 वर्ष की अवस्था में बीमा कराने वाले को कितना वार्षिक प्रिमियम देना होगा, और जिस मनुष्य से 33 रुपये वार्षिक प्रिमियम लिया जाय उस की अवस्था क्या है।

$$(૧૧) a^5 - 5a^4 + 10a^3 - 10a^2 + 5a - 1$$

$$(૧૭) 1 - 5a^2 + 4a^4$$

$$(૧૮) 1 - a^6$$

$$(૧૯) a^3 + b^3 + c^3 - 3abc$$

$$(૨૦) x^3 - y^3 - z^3 - 3xyz$$

પ્રશ્નાવલી ૮

$$(૧) x$$

$$(૨) 3$$

$$(૩) x$$

$$(૪) -x$$

$$(૫) bc$$

$$(૬) -bc$$

$$(૭) a$$

$$(૮) -a$$

$$(૯) -a$$

$$(૧૦) a$$

$$(૧૧) a^3$$

$$(૧૨) -a$$

$$(૧૩) 1$$

$$(૧૪) -1$$

$$(૧૫) 4x^2$$

$$(૧૬) -3x^2$$

$$(૧૭) -2$$

$$(૧૮) 3a^2$$

$$(૧૯) 7a^2b^3$$

$$(૨૦) a^4b^3$$

$$(૨૧) -9a$$

$$(૨૨) 4abc$$

$$(૨૩) 3x^2$$

$$(૨૪) -9ab^2c^2$$

પ્રશ્નાવલી ૯

$$(૧) x+7$$

$$(૨) 5x+8$$

$$(૩) x-3$$

$$(૪) y-4$$

$$(૫) x-2$$

$$(૬) 3x-8$$

$$(૭) 3p-5$$

$$(૮) 5x+7$$

$$(૯) 3p-2q^2$$

$$(૧૦) x^2+2x+1$$

$$(૧૧) x^2-2x+1$$

$$(૧૨) x^2-x-1$$

$$(૧૩) 2a^2-a+3$$

$$(૧૪) a^3+3a+2$$

$$(૧૫) 4a^2+3a-2$$

$$(૧૬) a^3-2a+3$$

$$(૧૭) 2x^2+3x-1$$

$$(૧૮) a^3-5a+1$$

$$(૧૯) a+1$$

$$(૨૦) x^2+x+1$$

પ્રશ્નાવલી ૧૦

$$(૧) a^2b-7a$$

$$(૨) x^2-3y$$

$$(૩) 2ax^2+ax-x^2-x^3$$

$$(૪) 3b-2q-7r$$

$$(૫) 2a^2-1$$

$$(૬) 2xy-xy-2x^2-3y^2$$

प्रश्नावली १५

(१) $(x+y)(x-y)$

(२) $(p+2q)(p-3q)$

(३) $(x^2+2a)(x^2-2a)$

(४) $(2+5m)(2-5m)$

(५) $(10+p^2)(10-p^2)$

(६) $(x+y+z)(x-y-z)$

(७) $(pq^2+11)(pq^2-11)$

(८) $(x+\frac{1}{2})(x-\frac{1}{2})$

(९) $\left[\frac{x}{5} + \frac{5}{y}\right] \left[\frac{x}{5} - \frac{5}{y}\right]$

(१०) $(6x+7p^2)(6x-7p^2)$

(११) $(10p^2+3q^2)(10p^2-3q^2)$

(१२) $(\frac{1}{11}+x^2)(\frac{1}{11}-x^2)$

(३) $(2a+b)(2a-b)$

(४) $(2x+3y)(2x-3y)$

(५) $(6pq+1)(6pq-1)$

(६) $(3a+7)(3a-7)$

(७) $(a+b+c)(a+b-c)$

(८) $(p+q-r)(p-q+r)$

(९) $\left[\frac{p}{4} + q\right] \left[\frac{p}{4} - q\right]$

(१०) $(1+12a^2)(1-12a^2)$

प्रश्नावली १६

(१) $(x+6)(x+7)$

(२) $(x+13)(x+5)$

(३) $(x+12)(x+8)$

(४) $(x-13)(x-9)$

(५) $(a+13)(a-8)$

(६) $(a+12)(a-4)$

(७) $(p+13)(p-12)$

(८) $(a-13)(a+11)$

(९) $(x+15)(x-7)$

(१०) $(1-15x)(1-4x)$

(१) $(a-13)(a-5)$

(२) $(p-9)(p-6)$

(३) $(x+13)(x+7)$

(४) $(x+8)(x+14)$

(५) $(x+9)(x+12)$

(६) $(x+12)(x+15)$

(७) $(a-15)(a+12)$

(८) $(a-16)(a+15)$

(९) $(a-30)(a+4)$

(१०) $(1-15a)(1+2a)$

(७) 38	(८) 53	(९) 82
(१०) 31	(११) 61, 43	(१२) 11, 4
(१३) 32	(१४) मनुष्य 33 रुपये, स्त्री 11 रुपये	
(१५) 2736 रुपये	(१६) 4 मील, 8 मील	(१७) 40 वर्ष
(१८) 5 वर्ष	(१९) 24 फुट, 12 फुट	(२०) 30 फुट, 20 फुट
(२१) 28	(२२) 7 मील	(२३) 41, 42
(२४) 79, 71	(२५) 29, 19	(२६) 150, 40
(२७) 3 फुट	(२८) 20, 28	(२९) 45
(३०) 28	(३१) 16, 24, 5, 60	(३२) 22, 31, 9, 54
(३३) 4400	(३४) 30 गज	(३५) 25
(३६) 32, 24	(३७) $1\frac{1}{2}$ 38} और 49 पृष्ठ	
(३८) 112 रुपये 8 आने		(३९) 300 रु'ब
(४०) 36 पौड, 12 पौड, 18 पौड		

प्रश्नावली २०

(१) 4, 2	(२) 4, 1	(३) 1, 2
(४) 4, 3	(५) 0, 2	(६) 4, 1
(७) 5, 4	(८) $1\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$	(९) 63, 42
(१०) 5, 6	(११) 4, -3	(१२) 3, 2
(१३) $\frac{1}{2}$, 3	(१४) $\frac{1}{2}$, $-\frac{1}{2}$	(१५) 3, 1
(१६) 3, 2	(१७) 11, 10	(१८) $-\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$
(१९) -3, -2	(२०) 2, 0	(२१) 2
(२२) 1, $\frac{1}{2}$	(२३) 4, 5	(२४) 3, 7
(२५) 2, 1	(२६) 2, 1	(२७) 3, 2
(२८) 12, 9	(२९) 0, 12	(३०) 4, 0

प्रश्नावली २१

(१) 2, 1	(२) 2, 1	(३) 3, -1
(४) 2, 3	(५) 0, 4	(६) 15, 15

(१) $\frac{1}{2}, 4$	(९) $-1, -\frac{1}{2}$
(७) $\frac{1}{2}, -\frac{1}{2}$	(८) $12, -1$
(८) $\frac{1}{2}, \frac{3}{2}$	(१०) $1, \frac{1}{2}$
(११) $5, -\frac{1}{2}$	(१२) $-1, 3\frac{1}{2}$
(१३) $-2, -4$	(१४) $0, 2$
(१५) $3, 3$	(१६) $2, -2\frac{1}{2}$
(१७) $5, -5$	(१८) $-1, \frac{1}{2}$
(१९) $1, -1$	(२०) $15, -4$
(२१) $17, -\frac{1}{2}$	(२२) $-2, 6$
(२३) $\frac{1}{2}, \frac{3}{2}$	(२४) $4, \frac{1}{2}$

प्रश्नावली २५

(१) 12, 2	(२) 22, 23	(३) 16, 18
(४) 37, 39	(५) 11, 13	(६) 4, 7
(७) 25 कुट, 22 कुट	(८) 5 अणुवा $\frac{1}{2}$	(९) 8
(१०) 9, 81	(११) 3, 6	(१२) $\frac{1}{2}$
(१३) 31 वर्ष, 11 वर्ष	(१४) 48 वर्ष, 12 वर्ष	
(१५) 24 सेव, एक आना प्रति सेव	(१६) 50 गज, 24 गज	
(१७) एक रुपया 4 आने	(१८) 8 गज, 6 गज	
(१९) 9	(२०) 25, 8 रुपये	
(२१) 50 रुपये	(२२) 12 रुपये 8 आने	

पत्र ४

(१) 60

(२) (क) $(a+b+c)(a-b+c)$ (ख) $a(c-b)(c+b-a)$ (ग) $(x^2+x+1)(x^2-x+1)$ (घ) $(x^2+x-2)(x^2-x-2)$

(३) (क) 1 (ख) 100

(४) (क) $3\frac{1}{2}$ (ख) $\frac{1}{2}$ (ग) $10\frac{1}{2}$, -10

(५) 30 वर्ष, 6 वर्ष

पत्र ५

(१) $a+b$ (२) (क) $(x+6)(x+7)$ (ख) $(x-6)(x-7)$ (ग) $(x-8)(x+3)$ (घ) $(x+17)(x-13)$ (३) (क) $x^2 + \frac{1}{x^2}$ (ख) $6x^2 - 3x + 1$ (४) (क) 20 (ख) 6, -4 (ग) $\frac{1}{2}$, $-\frac{1}{2}$

(५) 25

पत्र ६

(१) $(x+4a)^2 - a^2$ (२) (क) $(2x+5)(3x+7)$ (ख) $(x-6)(6x-3)$ (ग) $(3a-1)(3a+2)$ (घ) $(2x+1)(x-5)$ (३) $a-5b+3c$ (४) (क) 4 (ख) $\frac{1}{2}$, -4 (ग) 5, $\frac{1}{2}$

(५) 5 घाने

पत्र ७

(१) $2a - 4b + 6c + 3ac$ $2a - b$ $3c + 3a$ $2b - 4c$

(२) (क) 102

(ख) 41

प्रश्नावली २६

- (१) केवल 8 से (२) केवल 5 से
 (३) केवल 8 और 12 से (४) केवल 5, 8, 10 से
 (५) केवल 5, 10 से (६) केवल 5 से
 (७) केवल 5 और 15 से (८) केवल 5, 10, 11 से
 (९) केवल 5, 11, 15 से (१०) केवल 5 से
 (११) 6 12 से (१२) 6, 12 से
 (१३) 6 12, 20 से (१४) केवल 6 से
 (१५) 6 और 12 से (१६) $17 \times 3 \times 3$
 (१७) 17×17 (१८) 5^2 (१९) $2 \times 5 \times 89$
 (२०) $2 \times 13 \times 29$ (२१) $5 \times 5 \times 3 \times 13$
 (२२) $2 \times 3 \times 5 \times 41$ (२३) $2^3 \times 3 \times 5^2$
 (२४) 31 अभाज्य संख्या है (२५) $3 > 3 \times 11$
 (२६) 11×11 (२७) 3×107
 (२८) $3^4 \times 11$
 (२९) $2 \times 3 \times 3 \times 7 \times 11 \times 13$
 (३०) $7 \times 11 \times 13 \times 17$ (३१) 3, 1; 4, 8, 6, 5; 7, 2
 (३२) $91 \times 92 \times 93$ (३३) 444
 (३४) 5 (३५) 7, 13, 17, 23
 (३६) $a=7, b=6$ (३७) 3432

प्रश्नावली २७

- (१) 24 (२) 32
 (३) 36 (४) 48
 (५) 44 (६) 54
 (७) 64 (८) 124
 (९) 25 (१०) 1111
 (११) 2, 2, 10 2, 5, 10, 10, 10, 10 (१२) 2, 4, 14 3, 3, 15, 7, 7, 6

(२०) 1.7320	(२१) 2.2360	
(२२) 2.6457	(२३) 0.486	(२४) 3.478
(२५) 7.9056	(२६) 110 गज	(२७) 3 रुपये 8 घाने
(२८) 137 रुपये 8 घाने	(२९) 151	(३०) 15 मिनट
(३१) 7 गज 1 फुट	(३२) 11	(३३) 21
(३४) 6467	(३५) 6	(३६) 261
(३७) 108		

प्रश्नावली ३०

(१) 17	(२) 19	(३) 23
(४) 27	(५) 31	(६) 36
(७) 45	(८) 80	(९) 89
(१०) 105	(११) 900	(१२) 1405
(१३) 3	(१४) 3.2	(१५) 75.1

प्रश्नावली ३१

(१) 12 वर्ष	(२) 27 रुपये 8 घाने
(३) (क) 220, (ख) 2½, (ग) 3.4 (घ) 4 रुपये	
(४) 4.9 गज	(५) 99 25 अगमम
(६) एक मिनिट 3½ सेकेंड	(७) 101 9
(८) 12 वर्ष ५ महीने	(९) 5.5
(१०) 14	(११) 18 रुपये
(१२) 25 + घंटा	(१३) 3½
(१४) 1.24	(१५) 70 वीट
(१६) 10 रुप ५ मास	(१७) 4 फुट 7 इंच
(१८) 2 रुप	(१९) 150 रुपये

(२०) 5655 बीज 19 लिट्रिन,

377 " 6 " "

282 " 10 " 6 बैल ।

(२१) 163 रुपये 8 आने, 327 रुपये, 981 रुपये

(२२) खदबी को 22 रुपये, मित्रों को 44 रुपये, दुदबी को 1 रुपये ।

(२३) 23166, 15144, 11583, 23166, 69498 रुपये

(२४) 110, 296, 224, 160, 80 रुपये

(२५) 195, 105 1155 रुपये

(२६) 245, 196, 140 बीज । (२७) 81^३/_४

(२८) 230 आरुध (२९) 5 16

(३०) 26, 25, 2100, 1120, 200 बीज

प्रश्नावली ४६

(१) 197 रुपये 2 आने, 259 रुपये 6 आने

(२) 195, 150 बीज

३ 2332 रुपये 6 आने 9 बाई

3109 रुपये 14 आने 4 बाई

2997 रुपये 5 आने 11 बाई

(४) 11000 रुपये 12 आने 1 बाई

529 रुपये 1 आने 3 बाई

1264 रुपये 1 आने 0 बाई

71 रुपये 6 आने 5 बाई

(५) 292 रुपये 9 आने

872 रुपये 9 आने

150 रुपये

(६) 279 रुपये 12 आने 8 बाई

- (९) A, B, C और D को क्रमशः 1080, 600, 120 और 310 रुपये मिले।

११ ४

- (१) 5.5 रुपये (२) 10 वर्ष
 3 2 पौंड (३) 1 क्राया 9 पाये
 ४) 18 लीटर
 (५) A, B, C का क्रमशः भाग 10 म, 25.2 और 22.5 रुपये होगा।

१२ ५

- (१) 12 13 (२) 107 77 वीं 2 मिन 6 सेक
 (३) 17 10 (४) 11 11
 ५) A, B और C एक कार्य का क्रमशः 24, 10 और 30 दिन में कर सकते हैं।
 ६) ५.5 लीटर 10 लिटर, 110 लीटर, 132 लीटर, 165 लीटर

१३ ६

- (१) 1.5 (२) 1.50 रुपये
 3 25.5 रुपये (३) 10
 ४) 5 लीटर 10 लिटर
 ५) A और B का क्रमशः भाग 10 रुपये और 12 रुपये

१४ ७

- (१) 1.5 (२) 1.50 रुपये
 3 25.5 रुपये (३) 10
 ४) 5 लीटर 10 लिटर
 ५) A और B का क्रमशः भाग 10 रुपये और 12 रुपये

पत्र ८

- (1) 3 रुपये (2) 100 पौंड 5% पर, 150 पौंड 6% पर
 (3) 384 रुपये (4) 20 (5) 93 घंटे
 (6) A और B की पूंजी क्रमशः 1800 पौंड और 1200 पौंड।

पत्र ९

- (1) 54 (2) 17 रुपये 13 आने 7 पाई लगभग
 (3) 163% (4) 1920
 (5) 40 (6) 35, 28, 20

पत्र १०

- (1) 19 वर्ष
 (2) 88 रुपये 5 आने 7 पाई लगभग
 (3) 70 पौंड (4) 12 रुपये 4 आने मात्र
 (5) शाम के 7 बजे
 (6) A, B, C का क्रमशः बिल्लाया = 3 पौंड 3 शिल्लिंग, 7 पौंड 16 शिल्लिंग, 18 पौंड

प्रश्नावली ४७

- (1) 115° (2) 85° (3) 50° , 130° (4) 60° , 120° , 60°
 (5) 18, 6 (6) 120° (7) समानान्तर चतुर्भुज
 (8) आयत (9) वर्ग (10) समलम्ब
 (11) समचतुर्भुज (12) वर्तमान (13)

प्रश्न ३८ - ८

पत्र ८

- (१) 1500 वर्ग फुट, 30 फुट (२) 27, 23, 17
(३) 184, 1316 इ. आ

पत्र ९

- (१) 150 वर्ग इंच (२) 31.1 वर्ग इंच (३) 102 इंच

पत्र १०

- (१) 5 वर्ग मीटर (२) 1500 वर्ग मी 10 वर्ग मी (३) 31 वर्ग मी

नमूने के परीक्षा पत्र

पत्र १

- (१) 1 वर्ग मी 2 वर्ग मी (२) 25 वर्ग मी
(३) 1 फुट 2 इंच (४) 210 वर्ग फुट
(५) 150 - 40 वर्ग मी
(६) 150 वर्ग मी 150 वर्ग मी
(७) 150 वर्ग मी 150 वर्ग मी
(८) 150 वर्ग मी 150 वर्ग मी
(९) 150 वर्ग मी 150 वर्ग मी
(१०) 150 वर्ग मी 150 वर्ग मी

पृष्ठ ३

- (१) २ पौंड १६ शि० ११ पैस (२) ३२ दिन, ३०० पौंड
 (३) २०० रुपये, २५० रुपये, १०० रुपये।
 (४) १.५ इंच (५) ११२० रुपये
 (६) (a) ६६. (b) $(x+3)(x+8)$
 (७) (i) २. (b) $2\frac{1}{2}$, -12 . (c) $-4, -\frac{3}{2}$.
 (८) ११० फुट, ८० फुट
 (९) ४ रुपये (सगभग)

पृष्ठ ४

- (१) ३७०४४ (२) 65°
 (३) ३७५ रुपये, $3\frac{1}{2}\%$ (४) ५० फुट
 (५) (i) $x^2 + 3x + \frac{1}{4}$ (ii) $84x^4 + 25x^3 + 101x - 30$
 (६) (a) ८. (b) ५, १. (c) $10, -\frac{1}{6}$.
 (७) ७२ (८) १२ बजे।

पृष्ठ ५

- (१) ४६० रुपये (२) २५ दिन में
 (३) ५६० पौंड (४) १३१ वर्ग फुट ६० वर्ग इंच
 (५) (a) $6x^2 - xy - y^2$. (b) ७ पौंड ८ शिलिंग
 (६) (a) $3\frac{1}{2}$ (b) $\frac{1}{2}$ (c) $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$
 (७) २७०० पौंड, ९ चादमी (८) सन् १९०० में।

पृष्ठ ६

- (१) १३ घान, १२ घान (२) १० पौंड १० शि० १० पैस
 (३) १० रुपये (४) २० पौंड १ शि० ५ पैस
 (५) $x + 2$, $x - 1$ (६) $x + 2$, $x - 1$
 (७) १२ (८) १२

પ્રશ્ન ૭

(૧) 79 વૌદ (૨) 3 દિન

(૩) 345141, 28763, 104623 રાવે

(૧) 48 રાવે 12 જાને (૨) (a) $(5x + 4y)$ $(6x$ (b) $(1 + 7c^2)$ $(1 - 7c^2)$ (c) 71.000,(૨) (a) 7. (b) 12, 5 (c) $\frac{1}{2}$, $-\frac{1}{2}$

(૩) 160 ગર, 90 ગર

પ્રશ્ન ૮

(૧) 62%

(૨) 5.75 વર્ષ

(૩) 499 વૌદ 19 સિલિંગ (૧) 1 વૌદ 123 વૌદ

(૨) (a) $(a + 2b + 1x)$ $(a + 2b - 1x)$ (b) $(x + 3c)$ $(x - 2b + 3c)$ (c) $(5x + 1y)$ $(x + 10y)$ (૩) (a) 4 (b) 1, -4 (c) $\frac{1}{2}$, $\frac{3}{2}$ (૧) 6 મીટર

(૨) 23 સેન્ટરો, 1 રૂ. 5 જાને

પ્રશ્ન ૯

(૧) 124%

(૨) 144 દિન મે

(૩) 679 રૂ. 11 જાને

(૧) 3 ફુટ

(૨) (i) $a^2 - b^2$ (ii) $2x^2 - x$ (૩) (a) $-\frac{2}{3}$ (b) 5, -2, (c) 0, $\frac{1}{2}$

(૧) 50 વૌદ

(૨) 27.6 ફુટ, 21.9 ફુટ

પ્રશ્ન ૧૦

(૧) 625 (૨) 105 રાવે (૩) 240 રાવે (૪) 12

(૫) (i) $x^2 - 2x$ (ii) $\frac{1}{2}$ (૩) (i) 7. (b) -2, 4 (c) $\frac{2}{3}$, -6

(૧) 12 રાવે

(૨) 27 રાવે, 27 રાવે

